- RNI REGD NO: 42041/83
- www.sakalaepaper.com
- /sakalanews
- /sakalanews
- www.thesakala.in

# ସକାଳ
## THE SAKALA

PRINTED AT BHUBANESWAR ■ JEYPORE ■ SAMBALPUR ■ PANIKOILI

VOLUME- 42 • ISSUE-348 • BHUBANESWAR • MONDAY • 16 JUNE 2025 • PAGE-12 • ₹ 6.00 | PANIKOILI | • ବର୍ଷ-୪୨ • ସଂଖ୍ୟା-୩୪୮ • ଭୁବନେଶ୍ୱର • ସୋମବାର • ୧୬ ଜୁନ୍ ୨୦୨୫ • ପୃଷ୍ଠା-୧୨ • ଟ.୬.୦୦



**ADMISSION OPENS**

**+2 1ST YR Sc. (CHSE & CBSE) & NEET-2025-26**

# TETRAHEDRON
## GROUP OF INSTITUTIONS

Tangi,Cuttack,

For Admission Contact :-

8093064522, 8093064525,9040363480, 7008222977

## NEET RESULTS -2025

| Marks | AIR | Category Rank | Name | Place | Mobile |
|---|---|---|---|---|---|
| 590 | AIR-2241 | 762 | SOURAV RANJAN | JAJPUR | M. : 9337135920 |
| 588 | AIR-2418 | 1329 | PRANAB KUMAR | CUTTACK | M : 9348405006 |
| 585 | AIR-2839 | 220 | AMIT ANSUMAN | JAJPUR | M : 8260552053 |
| 578 | AIR-3798 | 1414 | G.S TANISHA | BHADRAK | M : 6370203229 |
| 575 | AIR-4483 | 1714 | SOUMYA RANJAN | KENDRAPARA | M: 9853490176 |
| 574 | AIR-4690 | 113 | ASHUTOSH (SC) | SAMBALPUR | M : 9438110102 |
| 574 | AIR-4551 | 1743 | SUBHASANKAR | BALASORE | M. : 9556941413 |
| 572 | AIR-5040 | 1968 | ASHUTOSH | KENDRAPARA | M : 7735074814 |
| 571 | AIR-5170 | 2530 | SOMESH PRASAD | TALCHER, ANGUL | M. : 7849035336 |
| 568 | AIR-5836 | 2793 | SWARAJ | JAGATSINGHPUR | M. : 6372296215 |
| 567 | AIR-6281 | 2980 | MONALISHA | KEONJHAR | M. : 9938758948 |
| 567 | AIR-6262 | 590 | ANSUMAN | CUTTACK | M. :6372343040 |
| 565 | AIR-6808 | 2755 | RAJESH | JAJPUR | M : 6370895135 |
| 564 | AIR-7229 | 3377 | ARCHITA | CUTTACK | M. : 7978178553 |
| 564 | AIR-2241 | 762 | PRASANTA KU. | JAJPUR | M : 7894331492 |
| 562 | AIR-7733 | 755 | ASIS KU. | KEONJHAR | M : 9827856657 |
| 560 | AIR-6105 | 3362 | SUBHASHISH | JAJPUR | M. : 9040499240 |
| 559 | AIR-8790 | 4013 | SOVNA | JAJPUR | M : 7978917103 |
| 558 | AIR-8910 | 3873 | SATYARANJAN | CUTTACK | M. : 8249555100 |
| 555 | AIR-10001 | 4505 | KABIR | CUTTACK | M. :8917235240 |
| 553 | AIR-10868 | 4844 | IRA MOHANTY | JAJPUR | M. :9438174925 |
| 552 | AIR-11400 | 1844 | SURYASNAT | SALIPUR,CUTTACK | M. : 9439942163 |
| 552 | AIR-11200 | 4738 | SWATI SNIGDHA | BARIPADA | M. : 9040575691 |
| 551 | AIR-11844 | 5213 | SOUBHAGYA RANJAN | JAJPUR | M. : 9692767335 |
| 550 | AIR-12293 | 5263 | JAYASHREE | JAJPUR | M. : 7077298174 |
| 549 | AIR-12842 | 5591 | SANJIB KU. | CUTTCK | M. : 8658284937 |
| 549 | AIR-12780 | 1372 | PRADIPTA KU. | CUTTACK | M. :8338869928 |
| 549 | AIR-12748 | 5483 | R.S BHAKTI SWARUPA | CUTTACK(MAHANGA) | M. :9777746799 |
| 548 | AIR-13272 | 1436 | RUDRA NARAYAN | JAJPUR | M : 8908938985 |
| 548 | AIR-13018 | 1400 | RAJKUMAR | BHUBANESWAR | M. : 9692089794 |
| 548 | AIR-13377 | 5793 | AMIT KU. | JAJPUR | M : 9348601405 |
| 545 | AIR-14827 | 6475 | SUBHANKAR | JAJPUR | M. : 9310679902 |
| 544 | AIR-15048 | 6412 | AMIT KU. | CUTTACK | M. : 9692868645 |
| 542 | AIR-16115 | 6792 | RITIK NARENDRA | NAYAGARH | M. :7855924761 |
| 541 | AIR-16789 | 7429 | ANUPAMA | JAJPUR | M. :8260543757 |
| 541 | AIR-16951 | 7308 | JYOTIRANJAN | JAGATSINGHPUR | M. :9090317675 |
| 540 | AIR-17367 | 7698 | IPSITA | BARIPADA | M. : 7847007731 |
| 540 | AIR-17183 | 7614 | GYANARANJAN | JAJPUR | M. :8984012686 |
| 539 | AIR-18094 | 2014 | RAJENDRA | KENDRAPARA | M. :8249757722 |
| 539 | AIR-18150 | 7530 | SWARNAPRAVA | BHADRAK | M. : 9348538749 |
| 539 | AIR-17974 | 7990 | ASHUTOSH | JAJPUR | M. :9438213231 |
| 539 | AIR-18113 | 7518 | ARUP | ANGUL | M. : 8260114745 |
| 538 | AIR-18804 | 8370 | ASISH | KENDRAPARA | M. : 8093906398 |
| 538 | AIR-000 | 000 | ROHIT RASHMI | KHORDHA | M. : 9090478270 |
| 538 | AIR-18329 | 7603 | SARASWATA | CUTTACK | M. :9827707252 |
| 535 | AIR-20761 | 9399 | SACHITANANDA | KENDRAPARA | M. : 7978636315 |
| 535 | AIR-20362 | 8360 | PRAGYAN PARAMITA | | M. : 7008984646 |
| 534 | AIR-21361 | 9650 | DEBASMITA(SGS) | ANGUL | M. :7848987971 |
| 533 | AIR-22099 | 8971 | SUBHAM | BHADRAK | M. : 9937533036 |
| 532 | AIR-22673 | 2585 | LOKANTH | DHENKANAL | M. :8984711270 |
| 531 | AIR-23543 | 2705 | DEEPANKAR | JAJPUR | M. :7750878883 |
| 531 | AIR-23310 | 9394 | SUBHASHREE | JAJPUR | M. : 7077329698 |
| 531 | AIR-23105 | 2644 | SAIEED | JAJPUR | M. :8984303637 |

## OUR ACHIEVERS FOR AIIMS

| Marks | Institute | Name | Mobile |
|---|---|---|---|
| 710 | AIIMS,BBSR(2024) | KAMALAKANTA | Mob. : 8249906661 |
| 700 | AIIMS,RAIPUR(2024) | RAHUL | M. : 6372741832 |
| 697 | AIIMS,DELHI(2021) | SUSHREE SANGITA | Mob. : 9810975701 |
| 695 | AIIMS,GRORAKHAPUR(2024) | OMM PRAKASH | M. : 6372521307 |
| 695 | AIIMS GORAKHAPUR(2024) | SWAGATIKA | M. : 7381845430 |
| 680 | AIIMS BBSR(2021) | DEVASIS SAHOO | Mob. : 9861492793 |
| 675 | AIIMS GORAKHPUR(2023) | ASHIRBAD BISWAL | Mob. : 7846821473 |
| 670 | AIIMS MADURAI(2024) | ADITYA NARAYAN | M. : 8260333635 |
| 670 | AIIMS KALYANI (2023) | ANUPAM NAYAK | Mob. : 7205755502 |
| 665 | AIIMS RAIPUR(2022) | SATYAJIT NAYAK | Mob. : 8260601336 |

| 590+ MARKS | 580+ MARKS | 570+ MARKS | 560+ MARKS | 550+ MARKS | 540+ MARKS |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 STUDENT | 03 STUDENTS | 09 STUDENTS | 17 STUDENTS | 25 STUDENTS | 38 STUDENT |

| 530+ MARKS | 520+ MARKS | 515+ MARKS | GOVT. MBBS | AIIMS | SCB |
|---|---|---|---|---|---|
| 53 STUDENTS | 65 STUDENTS | 79 STUDENTS | 95-110 EXPECTED | 10 EXPECTED | 20 EXPECTED |

**TETRAHEDRON HIGHER SECONDARY SCHOOL**
**TETRAHEDRON WOMEN'S HIGHER SECONDARY SCHOOL**
**TETRAHEDRON RESIDENTIAL COACHING FOR NEET & JEE**

**Qualifying & Scholarship Test for NEET :**

22nd JUNE 2025 (Exam from 11am. to 2.00pm.)

FOR ONLINE REGISTRATION VISIT OUR WEBSITE :

https://neet.tetrahedroncoaching.com

### Course Fees According to NEET Score -2025

- For Student Scoring 500 above : Free
- For Student Scoring 490 above : Rs. 10,000/- +(GST)
- For Student Scoring 480 above : Rs. 20,000/- +(GST)
- For Student Scoring 470 above : Rs. 30,000/- +(GST)
- For Student Scoring 460 above : Rs. 40,000/- +(GST)
- For Student Scoring 450 above : Rs. 50,000/- +(GST)
- For Student Scoring 425 above : Rs. 60,000/- +(GST)
- For Student Scoring 400 above : Rs. 65,000/- +(GST)
- For Student Scoring 350 above : Rs. 70,000/- +(GST)
- For Student Scoring 300 above : Rs. 75,000/- +(GST)

For very very poor student scoring 500+ in NEET 2025 Hostel fees also free

## OUR CHSE RESULTS -2025

**581**
**ABINASH PANDA**
R. NO. : 312CZ142
MOB. : 8926374475

| Marks | Name | R.NO. | Mobile |
|---|---|---|---|
| 578 | ANUNJAYA | 312CZ044 | 9937820270 |
| 575 | HARAPRASAD | 312CZ052 | 9777635809 |
| 574 | ANANYA ANUPRITA | 321CZ001 | 6372522094 |
| 574 | ANANYA | 321CZ018 | 9178552089 |
| 574 | PRIYADARSHINI | 321CZ020 | 8456010982 |
| 574 | RUTUPURNA | 321CZ025 | 8908000397 |
| 573 | ASHUTOSH | 312CZ009 | 7008710810 |
| 573 | SWARNA PRAVA | 321CZ002 | 9348538749 |
| 572 | SOUMYAK | 312CZ015 | 6372996292 |
| 572 | SANDEEP | 312CZ021 | 9438775289 |
| 571 | PRIYANKA | 321CZ016 | 8328937059 |
| 570 | SWAYAM | 312CZ039 | 9583495922 |

99% 1st Division

- RESULT : 99.7%
- ABOVE 95% : 13
- ABOVE 560 : 51
- ABOVE 90% : 185
- ABOVE 89% : 229
- ABOVE 88% : 280
- ABOVE 85% : 446
- ABOVE 500 : 534
- ABOVE 80% : 712
- ABOVE 75% : 902
- ABOVE 70% : 1023
- ABOVE 60% : 1120

ଆମର ମୁଖ୍ୟ strength ହେଉଛି ତ୍ରିଦେବ୍ ସାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପିଲାମାନଙ୍କୁ counselling ଏବଂ 24hour guidance, self study from morning 8.00am. to night 2.00am, super specialist teachers and completion of course before 15th December, Weekly Test, 30No. of PTS & VST, Doubt Clearing by Expert Teachers. .

**One Year NEET Coaching Starts from 23rd June & 30th June 2025**

# ମୋବାଇଲ ଚୋରିରୁ ତଣ୍ଟି ଚିପି ହତ୍ୟା; ୨ଗିରଫ

**ଖପ୍ରାଖୋଲ,୧୫।୬(ସମିସ):** ମୋବାଇଲ୍ ଚୋରିକୁ କେନ୍ଦ୍ର କରି ଯୁବକକୁ ତଣ୍ଟି ଚିପି ହତ୍ୟା। ବଲାଙ୍ଗିର ଜିଲ୍ଲା ଅନ୍ତର୍ଗତ ଖପ୍ରାଖୋଲ ଥାନା ଦେଦର୍ହଗ୍ରାମରେ ଏହି ଆପରାଧିକ ଘଟଣା ଘଟିଛି। ମୃତକ ହେଲେ, ଗ୍ରାମର ଅଜୟ ପ୍ରଧାନ ଓରଫ୍ ଅଜୁ। ଖପ୍ରାଖୋଲ ପୁଲିସ୍ ପାଟଣାଗଡ଼ ଡାକ୍ତରଖାନାରୁ ଅଜୁଙ୍କ ଶବ ଜବତ କରି ବ୍ୟବଚ୍ଛେଦ ପାଇଁ ପଠାଇବା ସହ ଏନେଇ ୧୩୧/୨୫ରେ ଏକ ହତ୍ୟା ମାମଲା ରୁଜୁ କରି ତଦନ୍ତ ଆରମ୍ଭ କରିଛି। ଏହି ଘଟଣାରେ ପୁଲିସ୍ ୨ଅଭିଯୁକ୍ତଙ୍କୁ ଗିରଫ କରିଛି। ସେମାନେ ହେଲେ, ଗ୍ରାମର କରାଦୁ ମାଝୀ(୪୫) ଓ ଧରମୁ ମାଝୀ (୪୦)।

ସୂଚନାନୁଯାୟୀ, ଶନିବାର ସଂଧ୍ୟା ପ୍ରାୟ ସାଢ଼େ ୮ଟା ବେଳେ ଅଜୁ ଗାଁ ନିକଟରେ ଥିବା ଏକ ଦେଶୀ ମଦ ଦୋକାନକୁ ଯାଇଥିଲେ। ସେଠାରେ ପୂର୍ବରୁ କରାଦୁ ଏବଂ ଧରମୁ ବସି ମଦ ପିଉଥିଲେ। ଅଜୁ କୌଶଳକ୍ରମେ ସେମାନଙ୍କ ପାଖରୁ ଗୋଟିଏ ମୋବାଇଲ୍ ଚୋରି କରି ଫେରାର୍ ହୋଇଯାଇଥିଲେ। ଏହା ଦେଖି କରାଦୁ ଓ ଧରମୁ ପିଛା କରି ତାଙ୍କୁ ପୋଖରୀ କୂଳ ଉପରେ ଧରି ପକାଇଥିଲେ। ସେଠାରେ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବଚସା ହେବାରୁ ଅଭିଯୁକ୍ତଦ୍ୱୟ ଅଜୟର ତଣ୍ଟି ଚିପି ହତ୍ୟା କରିବା ପରେ ତାଙ୍କୁ ପୋଖରୀକୁ ଠେଲି ଦେଇଥିଲେ। ନିକଟରେ ଶୌଚ କରୁଥିବା ପ୍ରଦୀପ ଏହା ଦେଖି ଅଜୟଙ୍କୁ ପାଣିରୁ ବାହାରକୁ ଆଣି ପାଟଣାଗଡ଼ ଡାକ୍ତରଖାନାରେ ଭର୍ତ୍ତି କରାଇଥିଲେ। କିନ୍ତୁ ଡାକ୍ତର ସେଠାର ତାଙ୍କୁ ମୃତ ଘୋଷଣା କରିଥିଲେ। ଘଟଣାର ଅଧିକ ତଦନ୍ତ କରୁଥିବା ଖପ୍ରାଖୋଲ ଥାନାଧିକାରୀ ନରେନ୍ଦ୍ର ଛତ୍ର ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି।

## ଶିଆଳି ବେଳାଭୂମିରେ ଅଘଟଣ

# ଗୋଧୋଇବା ବେଳେ ଭାସିଗଲେ ୪

**ଜଗତସିଂହପୁର/ଏରସମା,୧୫।୬(ସମିସ):** ଜଗତସିଂହପୁର ଜିଲ୍ଲା ଏରସମା ବ୍ଲକ୍ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଶିଆଳି ବେଳାଭୂମିରେ ଆଜି ଅପରାହ୍ଣରେ ଏକ ଅଘଟଣ ଘଟିଛି। ସମୁଦ୍ରରେ ଗାଧୋଇବାକୁ ଯାଇଥିବା ଜଣେ ଯୁବକ

### ଜଣେ ମୃତ, ୩ ଉଦ୍ଧାର

ଅସାବଧାନତାବଶତଃ ଜୁଆରରେ ଭାସି ପ୍ରାଣ ହରାଇଛନ୍ତି। ମୃତ ଯୁବକଜଣକ ହେଲେ, ବାଲିକୁଦା ଥାନା ଅଧୀନ ତିତିରା ପଞ୍ଚାୟତ ବେଗୁନିଆ ଗ୍ରାମର ଗୌତମ ପରିଜାଙ୍କ ପୁଅ ଦୀପ୍ତିରଞ୍ଜନ ପରିଜା ଓରଫ୍ ବବୁଲ (୨୨)।

ବାଲିକୁଦା ଥାନା ତିତିରା ପଞ୍ଚାୟତ ବେଗୁନିଆ ଗ୍ରାମର ୬ ଜଣ ଯୁବକ ଆଜି ମଧ୍ୟାହ୍ନରେ ବାଇକ୍ ଯୋଗେ ଶିଆଳି ଯାଇଥିଲେ। ସେଠାରେ ଗାଧୋଉଥିବା ସମୟରେ ଜୁଆର ଆସିଥିଲା। ୪ ଜଣ ଯୁବକ ଜୁଆରରେ ଭାସି ଯାଇଥିବା ବେଳେ ୩ଜଣଙ୍କୁ ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକ ଉଦ୍ଧାର କରିଥିଲେ। ତେବେ ବବୁଲ ସମୁଦ୍ର ମଧ୍ୟକୁ ଚାଲି ଯାଇଥିଲେ। ଖବର ପାଇ ଦମକଳବାହିନୀ ପହଞ୍ଚି ଖୋଜାଖୋଜି କରିଥିଲେ ମଧ୍ୟ ବବୁଲଙ୍କ କୌଣସି ପତ୍ତା ମିଳିନଥିଲା। କିଛି ଘଣ୍ଟା ପରେ ନିକଟସ୍ଥ ରାମତରା ନିକଟରେ ବବୁଲ ଭାସୁଥିବା ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକେ ଦେଖି ଉଦ୍ଧାର କରି ଏରସମା ମେଡିକାଲକୁ ନେଇଥିଲେ। ସେଠାରେ ଡାକ୍ତର ମୃତ ଘୋଷଣା କରିଥିଲେ। ଶିଆଳି ବେଳାଭୂମିରେ ପୁଲିସ ପାଟ୍ରୋଲିଂକୁ ଅଧିକ କଡ଼ାକଡ଼ି କରିବା ପାଇଁ ସାଧାରଣରେ ଦାବି କରାଯାଇଛି।

# ବଜ୍ରପାତରେ ଗଲା ୪ ଜୀବନ

**କଳାବାଡ଼ିଆ/ନୂଆପଡ଼ା/କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା/ମହାକାଳପଡ଼ା/ତୁରୁମୁଙ୍ଗା,୧୫।୬(ସମିସ):** ରାଜ୍ୟର ବିଭିନ୍ନ ସ୍ଥାନରେ ବଜ୍ରପାତ ଘଟି ଆଜି ୪ ଜଣଙ୍କ ଜୀବନ ଯାଇଥିବା ବେଳେ ୧୦ରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ଗୁରୁତର ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି। ମୃତକମାନେ ହେଲେ, ମୟୂରଭଞ୍ଜ ଜିଲ୍ଲା ବାଙ୍ଗିରିପୋଷି ବ୍ଲକ୍ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଭୋଲାଗଡ଼ିଆ ଗ୍ରାମର ଭୀମ ମାଣ୍ଡି (୨୫), କେନ୍ଦୁଝର ଜିଲ୍ଲା ତୁରୁମୁଙ୍ଗା ଥାନା ଅନ୍ତର୍ଗତ ବାଉଁଶୁଳି ଗ୍ରାମର ଶୈଳେନ୍ଦ୍ରୀ ନାଏକ (୫୪), ବରଗଡ଼ ଜିଲ୍ଲା ପାଇକମାଳ ବ୍ଲକ୍ ଅନ୍ତର୍ଗତ ବାରଫାଳିଆ ଗ୍ରାମର ବଳଦେବ ମାଝୀ (୪୩), ଓ କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଜିଲ୍ଲା ମହାକାଳପଡ଼ା ଅନ୍ତର୍ଗତ ଷାଠିଏବାଟି ଗ୍ରାମର ପ୍ରଶାନ୍ତ ଦାସ (୪୫)।

ସୂଚନାନୁଯାୟୀ, ଭୋଲାଗଡ଼ିଆ ଗ୍ରାମର ଭୀମ ଓ ଜଗନ୍ନାଥ ମାଣ୍ଡି (୪୦) ଆଜି ଦିନ ପ୍ରାୟ ୧ଟା ବେଳେ ଗୋରୁ ଆଣିବା ପାଇଁ ଗୋହିରାପାଳ ଜାହିରାକୁ ଯାଇଥିବା ବେଳେ ହଠାତ୍ ବର୍ଷା, ପବନ ହୋଇଥିଲା। ଦୁହେଁ ଏକ ଗଛ ମୂଳେ ଆଶ୍ରୟ ନେଇଥିବା ବେଳେ ସେଠାରେ ବଜ୍ରପାତ ହେବାରୁ ଏଥିରେ ଭୀମଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଯାଇଥିଲା। ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକ ଗୁରୁତର ଅବସ୍ଥାରେ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କୁ ବାଙ୍ଗରିପୋଷି ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ରରେ ଭର୍ତ୍ତି କରାଇଥିଲେ। ଅବସ୍ଥା ସଂକଟାପନ୍ନ ହେବାରୁ ତାଙ୍କୁ ବାରିପଦା ସ୍ଥାନାନ୍ତର କରାଯାଇଛି। ସେହିପରି ଗ୍ରାମର ମାଇଦି ସୋରେନ (୨୬) ଓ ରାମଚନ୍ଦ୍ର ସୋରେନ (୭) ମଧ୍ୟ ବଜ୍ରପାତରେ ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି। ଦୁହିଁଙ୍କୁ ବାଙ୍ଗରିପୋଷି ଡାକ୍ତରଖାନାରେ ଭର୍ତ୍ତି କରାଯାଇଛି।

କେନ୍ଦୁଝର ଜିଲ୍ଲା ବାଉଁଶୁଳି ଗ୍ରାମର ଦିଲେଶ୍ୱର ନାଏକଙ୍କ ପତ୍ନୀ ଶୈଳେନ୍ଦ୍ରୀ ଆଜି ଅପରାହ୍ଣରେ ବାଡ଼ିପଟକୁ ଯାଇଥିବା ବେଳେ ବଜ୍ରପାତ ହେବାରୁ ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ସେ ଟଳି ପଡ଼ିଥିଲେ। ପରିବାରଲୋକ ତାଙ୍କୁ ଜିଲ୍ଲା ମୁଖ୍ୟଚିକିତ୍ସାଳୟରେ ଭର୍ତ୍ତି କରାଇଥିଲେ ହେଁ ସେଠାରେ ଡାକ୍ତର ମୃତ ଘୋଷଣା କରିଥିଲେ।

ସେହିପରି ପାଇକମାଳ ବ୍ଲକ୍, ବାରଫାଳିଆରେ ଆଜି ଅପରାହ୍ଣରେ ହଠାତ୍ ବର୍ଷା ହେବାରୁ ବଳଦେବ, ଧନସିଂ ଛତ୍ରିଆ (୩୦) ଓ ବୈକୁଣ୍ଠ ଛତ୍ରିଆ (୩୦) ଏକ ବରଗଛ ମୂଳେ ଆଶ୍ରୟ ନେଇଥିଲେ। ସେହି ସମୟରେ ଗଛ ଉପରେ ଏକ ବଜ୍ରପାତ ହେବାରୁ ବଳଦେବଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଯାଇଥିଲା। ଧନସିଂ ଓ ବୈକୁଣ୍ଠଙ୍କୁ ନୂଆପଡ଼ା ଜିଲ୍ଲା ଡାକ୍ତରଖାନାରେ ଭର୍ତ୍ତି କରାଯାଇଛି।

ଅନ୍ୟ ଏକ ଘଟଣାକ୍ରମେ, ମହାକାଳପଡ଼ା ବ୍ଲକ୍ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଚୌମୁହାଣି ଫେରିଘାଟରେ ଆଜି ମଧ୍ୟାହ୍ନରେ ବଜ୍ରପାତ ହେବାରୁ ପ୍ରଶାନ୍ତଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ଅନ୍ୟ ୨ଜଣ ଗୁରୁତର ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି। ଆହତଦ୍ୱୟ ହେଲେ, ତେନ୍ତୁଳିକନ୍ଧା ଗ୍ରାମର ବାବାଜୀ ରାଉତ ଓ ମଙ୍ଗଳପୁର ପଞ୍ଚାୟତର ଦୁଷ୍ମନ୍ତ ରାଉତ। ସୂଚନାନୁଯାୟୀ, ସବୁଦିନ ଭଳି ଆଜି ମଧ୍ୟାହ୍ନରେ ପାରାଦୀପରୁ କାମ ସାରି ମହାକାଳପଡ଼ା ଅଞ୍ଚଳର ୩୦ଜଣ ଶ୍ରମିକ ଚୌମୁହାଣି ଫେରିଘାଟରେ ଡଙ୍ଗାରେ ନଦୀ ପାର୍ ହେଉଥିଲେ। ମଧ୍ୟାହ୍ନରେ ଡଙ୍ଗା ନଦୀ ଅତିକ୍ରମ କରି କୂଳଠାରୁ ମାତ୍ର ୩୦ଫୁଟ୍ ଦୂରରେ ଥିବା ବେଳେ ବ୍ରଜପାତ ହୋଇଥିଲା। ଏଥିରେ ପ୍ରଶାନ୍ତ, ବାବାଜୀ ଓ ଦୁଷ୍ମନ୍ତ ଆହତ ହୋଇଥିଲେ। ଡଙ୍ଗା କୂଳରେ ପହଞ୍ଚିବା ପରେ ସେମାନଙ୍କୁ ମହାକାଳପଡ଼ା ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ରରେ ଭର୍ତ୍ତି କରାଯାଇଥିଲା। ସେଠାରେ ପ୍ରଶାନ୍ତଙ୍କୁ ଡାକ୍ତର ମୃତ ଘୋଷଣା କରିଥିଲେ।

# ହତ୍ୟା କରି ପୋଖରୀରେ ଫିଙ୍ଗିଦେଲେ

## ସନ୍ଦିଗ୍ଧଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର ବେଳେ ପୁଲିସ୍-ଗ୍ରାମବାସୀ ମୁହାଁମୁହିଁ

**ତୁରୁମୁଙ୍ଗା, ୧୫।୬ (ସମିସ):** କେନ୍ଦୁଝର ଜିଲ୍ଲା ତୁରୁମୁଙ୍ଗା ଥାନା ଡଳଙ୍ଗମୁଣ୍ଡା ସାହି ପୋଖରୀରୁ ପୁଲିସ୍ ଆଜି ସନ୍ଦେହଜନକ ଅବସ୍ଥାରେ ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ମୃତଦେହ ଉଦ୍ଧାର କରିଛି। ମୃତକ ହେଲେ, କଣ୍ଟିଆପଡ଼ା ଗ୍ରାମର ରୟା ବେହେରା(୫୪)। ସେ ଜିଲ୍ଲା ମୁଖ୍ୟ ଚିକିତ୍ସାଳୟର ଜଣେ କର୍ମଚାରୀ। ରୟାଙ୍କୁ ପିଟିପିଟି ହତ୍ୟା କରାଯାଇଛି ବୋଲି ତାଙ୍କ ପୁଅ ମନୋରଞ୍ଜନ ଅଭିଯୋଗ କରିବାରୁ ପୁଲିସ୍ ଏକ ହତ୍ୟା ମାମଲା ରୁଜୁ କରି ୪ ଜଣଙ୍କୁ ଅଟକ ରଖିଛି। ଏହାସହ ଶବକୁ ବ୍ୟବଚ୍ଛେଦ ପାଇଁ ପଠାଇବା ସହ ଅଧିକ ତଦନ୍ତ ଚଳାଇଛି।

ସୂଚନାନୁଯାୟୀ, ରଜ ଛୁଟି ଅବସରରେ ରୟା ଗାଁକୁ ଆସିଥିଲେ। ଶନିବାର ରାତିରେ ସେ ପ୍ରଫୁଲ୍ଲ ମୁଣ୍ଡାଙ୍କ ଘରକୁ ଦେଶୀ ମହୁଲି ପିଇବାକୁ ଯାଇଥିଲେ। କିନ୍ତୁ ବିଳମ୍ବିତ ରାତି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଘରକୁ ନ ଫେରିବାରୁ ପରିବାରଲୋକଙ୍କ ସନ୍ଦେହ ହୋଇଥିଲା। ତେବେ ଆଜି ସକାଳେ ତାଙ୍କ ଶବ

### ୪ ଅଟକ

ପୋଖରୀରେ ଭାସୁଥିବା ଦେଖି କିଛି ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକ ପୁଲିସ୍‌କୁ ଖବର ଦେଇଥିଲେ। ଚମ୍ପୁଆ ଏସ୍‌ଡିପିଓ ରଶ୍ମିରଞ୍ଜନ ସାହୁ, ଥାନାଧିକାରୀ ଦୀପ୍ତିରଞ୍ଜନ ସାହୁ, ଏକ ପ୍ଲାଟୁନ ପୁଲିସ ଫୋର୍ସ ଉପସ୍ଥିତିରେ ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀ ମୃତଦେହକୁ ପୋଖରୀରୁ ଉଦ୍ଧାର କରିଥିଲେ। ଅପରପକ୍ଷେ, ରୟାଙ୍କୁ ହତ୍ୟା କରାଯାଇଥିବା ଅଭିଯୋଗ କରି ଗ୍ରାମବାସୀ ପ୍ରଫୁଲ୍ଲ ମୁଣ୍ଡା, ନନ୍ଦ ମୁଣ୍ଡା ଓ ସରେନ ମୁଣ୍ଡାଙ୍କ ପରିବାରଲୋକଙ୍କୁ ଘର ଭିତରେ ବନ୍ଦ କରି ରଖିଥିଲେ। ପୁଲିସ ପହଞ୍ଚି ସେମାନଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରିବାରୁ ତୀବ୍ର ଉତ୍ତେଜନା ପ୍ରକାଶ ପାଇଥିଲା। ଏପରିକି ପୁଲିସ୍-ଗ୍ରାମବାସୀ ମୁହାଁମୁହିଁ ପରିସ୍ଥିତି ଉପୁଜିଥିଲା। ଗ୍ରାମବାସୀ ପୁଲିସ୍‌କୁ ଗୋଡ଼ାଇବା ସହ ଅଟକ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କୁ ମାଡ଼ ମାରିଥିଲେ। ଏହି ଘଟଣାରେ ପୁଲିସ ୪ ଜଣଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରି ଥାନାକୁ ଆଣି ଘଟଣା ତଦନ୍ତ କରୁଛି।

## ■ ସରିଲା ଶ୍ରୀଅଙ୍ଗ ଫିଟା ନୀତି

# ଆଜି ଫୁଲୁରୀ ତେଲ ଲାଗି

**ପୁରୀ,୧୫।୬ (ସମିସ):** ସ୍ନାନ ପୂର୍ଣ୍ଣିମାରେ ୧୦୮ ଗଡୁ ଜଳରେ ସ୍ନାନ କରିବା ପରେ ଜ୍ୱରରେ ପଡ଼ିଛନ୍ତି ଦାରୁବିଗ୍ରହ। ଅଣସର ଘରେ ଚାଲିଛି ଗୁପ୍ତସେବା। ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ସେବାରେ ଲାଗିପଡ଼ିଛନ୍ତି ଦଇତାପତି ସେବକ। ଚାଲିଛି ଉପଚାର। ତେବେ ରବିବାର ଅଣସରର ଚତୁର୍ଥ ଦିବସ। ଏହି ଦିନ ଠାକୁର ବର୍ଷସାରା ଲାଗି ହୋଇଥିବା ଚନ୍ଦନ, ପାଟଡୋରୀ, ଶ୍ରୀମୁଖରେ ଥିବା କନା ଆଦି କଢ଼ାଯାଇଛି। ଏହାକୁ ଶ୍ରୀଅଙ୍ଗଫିଟା ନୀତି କୁହାଯାଏ। ଶ୍ରୀମୁଖରୁ ଯେଉଁ କନା (ବିରୂପ) ବାହାରେ ତାକୁ ଅଲଗା ରଖାଯାଏ। ଏହି କନାକୁ ଅଣସର ଶୁଦ୍ଧସୁଆର ସେବକ ତ୍ରୟୋଦଶୀ ରାତିରେ ନେଇ କୋଇଲି ବୈକୁଣ୍ଠରେ ବିସର୍ଜନ କରିଥା'ନ୍ତି। ଶ୍ରୀଅଙ୍ଗରୁ ବାହାରିଥିବା ଚନ୍ଦନ, ପାଟଡୋରୀକୁ ଦ୍ୱାଦଶୀରେ ରାଜପ୍ରସାଦ ଆକାରରେ ଶ୍ରୀନଅରକୁ ବିଜେ କରାଯାଏ। ଏହାକୁ ରାଜପ୍ରସାଦ ବିଜେ କୁହାଯାଏ। ମହାପ୍ରଭୁ କିପରି ସୁସ୍ଥ ହେବେ ସେଥିପାଇଁ ସୋମବାର ଶ୍ରୀଅଙ୍ଗରେ ଲାଗିହେବ ଫୁଲୁରୀ ତେଲ। ପୂର୍ବ ପରମ୍ପରା ଅନୁଯାୟୀ, ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଭାବେ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇଥିବା ଏହି ଫୁଲୁରୀ ତେଲ ବଡ଼ଓଡ଼ିଆ ମଠ ଯୋଗାଇଦେବ। ରାଶି ତେଲରେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଚେର, ଔଷଧୀୟ ଫୁଲ ଆଦି ମିଶାଯାଇ ଗୋଟିଏ ବର୍ଷ ପୂର୍ବରୁ ମାଟିତଳେ ପୋତାଯାଇଥାଏ। ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଶ୍ରୀଅଙ୍ଗରେ ଦଇତାପତି ସେବକମାନେ ଏହି ଫୁଲୁରୀ ତେଲ ଲାଗି କରିବେ।

# ସ୍ୱାମୀର ଗୋଇଠା ମାଡ଼ରେ ଗର୍ଭବତୀ ସ୍ତ୍ରୀ ମୃତ

**ଭଦ୍ରକ,୧୫।୬(ସମିସ):** ଜଣେ ୪ମାସର ଅନ୍ତସତ୍ତ୍ୱା ମହିଳାଙ୍କୁ ତାଙ୍କ ସ୍ୱାମୀ ଗୋଇଠା ମାରି ହତ୍ୟା କରିବା ଭଳି ସଙ୍ଗୀନ ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ଏଭଳି ଅଭାନୀୟ ଘଟଣା ଘଟିଛି ଭଦ୍ରକ ଜିଲ୍ଲା ତିହିଡ଼ି ଥାନା ଅଧୀନ ତାଳପଦା ଗାଁରେ। ଗତ ଶନିବାର ରାତିରେ ତାଳପଦା ଗାଁର ପଞ୍ଚାନନ ଜେନାଙ୍କ ବିବାହିତ ଝିଅ ମୋନାଲିସା ଜେନା(୨୬)ଙ୍କୁ ଅଧିକ ଯୌତୁକ ପାଇଁ ଏଭଳି ବୀଭତ୍ସ ହତ୍ୟା କରାଯାଇଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ତିହିଡ଼ି ପୁଲିସ ଏହି ଘଟଣାରେ ଏକ ମକଦ୍ଦମା (ନଂ ୨୧୧/୨୫) ରୁଜୁ କରି ମହିଳାଙ୍କ ସ୍ୱାମୀ ଶଙ୍କର୍ଷଣ ଜେନାଙ୍କୁ ରବିବାର ଗିରଫ କରିଛି।

ଅଭିଯୋଗ ଅନୁଯାୟୀ, ତାଳପଦା ପଞ୍ଚାୟତ ତାଳପଦା ଗାଁର ପଞ୍ଚାନନ ଜେନାଙ୍କ ଝିଅ ମୋନାଲିସା ଜେନା ସେହି ପଞ୍ଚାୟତର ଶଙ୍କର୍ଷଣ ଜେନାଙ୍କୁ ୨୦୧୯ ମସିହାରେ ପ୍ରେମ ବିବାହ କରିଥିଲେ। ପରେ ମୋନାଲିସାଙ୍କୁ ତାଙ୍କ ସ୍ୱାମୀ ଓ ଶ୍ୱଶୁର ଘର ଲୋକେ ନାନାଦି ଶାରୀରିକ ମାନସିକ ନିର୍ଯାତନା ଦେଇଆସୁଥିବା ପରିବାର ଲୋକେ ଅଭିଯୋଗ କରିଛନ୍ତି। ତେବେ ଗତକାଲି ରାତ୍ରିରେ ମୋନାଲିସାଙ୍କ ସହ ତାଙ୍କ ସ୍ୱାମୀଙ୍କ କୌଣସି କାରଣରୁ ଝଗଡ଼ା ହୋଇଥିଲା। ପରେ ଝଗଡ଼ାରେ ଉତ୍‌କ୍ଷିପ୍ତ ହୋଇ ମୋନାଲିସାଙ୍କ ପେଟକୁ ମାଡ଼ ମାରିଥିବା ପରିବାର ଲୋକେ ଅଭିଯୋଗ କରିଛନ୍ତି। ମୋନାଲିସାଙ୍କୁ ତିହିଡ଼ି ମେଡିକାଲ ଓ ପରେ ଭଦ୍ରକ ମେଡିକାଲକୁ ଅଣାଯାଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ସେଠାରେ ତାଙ୍କର ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଥିଲା। ଏଥି ନେଇ ମୋନାଲିସାଙ୍କ ପରିବାର ପକ୍ଷରୁ ତିହିଡ଼ି ଥାନାରେ ଅଭିଯୋଗ କରାଯାଇଛି। ଅଭିଯୋଗ ପରେ ତିହିଡ଼ି ପୁଲିସ ସ୍ୱାମୀ ଶଙ୍କର୍ଷଣଙ୍କୁ ଅଟକ ରଖିଛି। ତେବେ ଶ୍ୱଶୁରଘର ପକ୍ଷରୁ ମୋନାଲିସା ବିଷ ପିଇ ଆତ୍ମହତ୍ୟା କରିଥିବା କୁହାଯାଉଛି। ପୁଲିସ ଘଟଣାର ତଦନ୍ତ ଆରମ୍ଭ କରିବା ସହିତ ବ୍ୟବଚ୍ଛେଦ ରିପୋର୍ଟକୁ ଅପେକ୍ଷା କରିଛି ବୋଲି ଅତିରିକ୍ତ ଏସ୍‌ପି ଅରୂପ ଅଭିଷେକ ବେହେରା ଗଣମାଧ୍ୟମକୁ ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି।

## କାଳ ହେଲା ରଜ ମଉଜ

# ନଦୀରେ ବୁଡ଼ି ୨ ସାଙ୍ଗ ମୃତ

**ବାରିପଦା, ୧୫।୬(ସମିସ):** ରଜରେ ସାଙ୍ଗଙ୍କ ସହ ବଣଭୋଜି କରିବା ଓ ନଦୀରେ ଗାଧୋଇବା ସାଜିଲା କାଳ। ମୟୂରଭଞ୍ଜ ଜିଲ୍ଲା ବାରିପଦା ସହରରୁ ୨୦ କିମି ଦୂର ଶିମିଳିପାଳ ପାଦଦେଶ ଲୁଲୁଙ୍ଗ ନିକଟ ପଲପଲା ନଦୀରେ ବୁଡ଼ି ରବିବାର ୨ଜଣ ଯୁବକଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ଘଟିଛି। ମୃତ ଯୁବକଦ୍ୱୟ ହେଲେ, ଭଞ୍ଜପୁର ଥାନା ଅଧୀନ ମୁର୍ଗାବାଡ଼ି ଅଞ୍ଚଳର ଅଙ୍କିତ କୁମାର ଭୁଜବଳ (୨୦) ଓ ରଘୁନାଥପୁର ଅଞ୍ଚଳର ଅଂଶୁମାନ ନାଏକ (୨୦)।

ଉଭୟ ଭୁବନେଶ୍ୱରର ଏକ ଘରୋଇ ଶିକ୍ଷାନୁଷ୍ଠାନରେ ପଢ଼ନ୍ତି। ରଜ ଛୁଟିରେ ଘରକୁ ଆସିଥିଲେ। ଆଜି ରଜ ସଂକ୍ରାନ୍ତି ଅବସରରେ ଅନ୍ୟ ୫ଜଣ ସାଙ୍ଗଙ୍କ ସହ ସେମାନେ ବଣଭୋଜି କରିବାକୁ ଲୁଲୁଙ୍ଗ ଯାଇଥିଲେ। ସେଠାରେ ସମସ୍ତେ ପଲପଲା ନଦୀକୁ ଗାଧେଇବାକୁ ଯାଇଥିଲେ। ୪ଜଣ ନଦୀ ଭିତରକୁ ପ୍ରବେଶ କରିଥିବା ବେଳେ ଅସାବଧାନତାବଶତଃ ପଥରରେ ଗୋଡ଼ ଖସିଯିବାରୁ ନଦୀର ଗଭୀର ଜଳରାଶିକୁ ଚାଲିଯାଇଥିଲେ। ଉପରେ ଥିବା ୩ ସାଙ୍ଗ ୨ଜଣଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରିଥିଲେ ହେଁ ଅଂଶୁମାନ ଓ ଅଙ୍କିତ ନିଖୋଜ ହୋଇଯାଇଥିଲେ। ଖବର ପାଇ ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀ ସେଠାରେ ପହଞ୍ଚି ସେମାନଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରିଥିଲେ ହେଁ ସେତେବେଳକୁ ଦୁହିଁଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇସାରିଥିଲା। ଦୁହିଁଙ୍କ ଶବକୁ ବାରିପଦା ପିଆରଏମ୍ ମେଡିକାଲ କଲେଜ ଏବଂ ହସ୍ପିଟାଲରେ ଭର୍ତ୍ତି କରାଯାଇଛି। ଏନେଇ ପୁଲିସ୍ ଏକ ଅପମୃତ୍ୟୁ ମାମଲା ରୁଜୁ କରିବା ସହ ଶବଦ୍ୱୟକୁ ବ୍ୟବଚ୍ଛେଦ କରାଇ ପରିବାରଲୋକଙ୍କୁ ହସ୍ତାନ୍ତର କରିଛି।

## ଆନ୍ଦୋଳନରେ ବନ କର୍ମଚାରୀ

# ସାରା ରାଜ୍ୟରେ ପାଟ୍ରୋଲିଂ ବନ୍ଦ

**ଭୁବନେଶ୍ୱର,୧୫।୬(ସମିସ):** ସାରା ରାଜ୍ୟରେ ବନ କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ଆନ୍ଦୋଳନ। ରାଜ୍ୟର ସମସ୍ତ ବନାଞ୍ଚଳରେ ଫରେଷ୍ଟଗାର୍ଡ, ଫରେଷ୍ଟର ଓ ଡେପୁଟି ରେଞ୍ଜରମାନେ ପ୍ରତୀକାତ୍ମକ ଅନଶନ ସ୍ୱରୁପ କଳାବ୍ୟାଜ୍ ପିନ୍ଧି ଆନ୍ଦୋଳନ ଆରମ୍ଭ କରିଛନ୍ତି। ଫଳରେ ୧୫ ତାରିଖଠାରୁ ସାରା ରାଜ୍ୟରେ ଜଙ୍ଗଲ ପାଟ୍ରୋଲିଂ ବନ୍ଦ ହୋଇଯାଇଛି। ଏହି ସମୟରେ ହାତୀ, ବାଘ ଓ ଅନ୍ୟ ବନ୍ୟଜନ୍ତୁମାନେ ଜନବସତିମୁହାଁ ହେଲେ ମଧ୍ୟ ବନ କର୍ମଚାରୀମାନେ ସେମାନଙ୍କୁ ଘଉଡ଼ାଇବା ପାଇଁ ଯିବେ ନାହିଁ ବୋଲି ଘୋଷଣା କରିଛନ୍ତି। ଯାହାଫଳରେ ବନ ବିଭାଗର କ୍ଷେତ୍ର ସ୍ତରରେ ବର୍ତ୍ତମାନ ଅଚଳାବସ୍ଥା ସ୍ଥିତି ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି। ବଡ଼ କଥା ହେଉଛି ଯେ ୨୨ ତାରିଖ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଏପରି ଆନ୍ଦୋଳନ ଚାଲିବା ସହ ଯଦି ଏହି ସମୟ ମଧ୍ୟରେ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ସେମାନଙ୍କ ଦାବି ପୂରଣ ନ କରନ୍ତି, ତେବେ ୨୨ରୁ ସମୂହ ଛୁଟିରେ ଯିବାକୁ ବନ କର୍ମଚାରୀମାନେ ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେଇଛନ୍ତି।

ସୂଚନା ଅନୁଯାୟୀ, ହିନ୍ଦୋଳ ରେଞ୍ଜ ରାଜମୋହନପୁର ଜଙ୍ଗଲରେ ପାଟ୍ରୋଲିଂ କରୁଥିବାବେଳେ କାର୍ଯ୍ୟରତ ଫରେଷ୍ଟ ଗାର୍ଡ ପ୍ରହଲ୍ଲାଦ ପ୍ରଧାନଙ୍କୁ ଶିକାରୀମାନେ ଗୁଳି କରି ହତ୍ୟା କରିଥିଲେ। ଏହାପୂର୍ବରୁ ମଧ୍ୟ ଶିକାରୀଙ୍କ ଗୁଳିରେ ବହୁ ବନକର୍ମଚାରୀ ପ୍ରାଣ ହରାଇଛନ୍ତି। ଏହାକୁ ନେଇ ଗତ ମେ' ୨୫ ତାରିଖରେ ଓଡ଼ିଶା ଅଣ-ଗେଜେଟେଡ୍ ବନସେବା ସଂଘର ଏକ ଜରୁରୀକାଳୀନ ବୈଠକ ବସିଥିଲା। ବୈଠକରେ ବନ କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ହତ୍ୟା ଘଟଣାକୁ ଫାଷ୍ଟଟ୍ରାକ୍ କୋର୍ଟରେ ବିଚାର କରିବା ସହ ମୃତକଙ୍କ ପରିବାରକୁ ଏକ କୋଟି ଟଙ୍କା ପ୍ରଦାନ ନେଇ ବ୍ୟବସ୍ଥା କରିବାକୁ ଦାବି ହୋଇଥିଲା। ଏହା ସହ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଏକ "ଫରେଷ୍ଟ କମିଶନ' ଗଠନ କରି ଓଡ଼ିଶା ବନ ବିଭାଗରେ ସଂରଚନା-ପୁନର୍ଗଠନ, ସୁରକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥା, କ୍ୟାଡର ପରିମାର୍ଜନ, ନିଯୁକ୍ତି ପ୍ରକ୍ରିୟା ଓ କର୍ମଚାରୀଙ୍କ ଦକ୍ଷତା ବୃଦ୍ଧି ସମ୍ବନ୍ଧରେ ବିଚାର କରି, ସରକାରଙ୍କୁ ଦୁଇମାସ ମଧ୍ୟରେ ରିପୋର୍ଟ ପ୍ରଦାନ କରିବାକୁ ଦାବି କରାଯାଇଥିଲା। ଏହା ବ୍ୟତୀତ ସମସ୍ତ ବନ/କ୍ଷେତ୍ର ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ଜାତୀୟ ବ୍ୟାଙ୍କ ଜରିଆରେ ପୁଲିସ୍ ଭଳି 'ସାଲାରୀ ପ୍ୟାକେଜ୍ ବୀମା' ପ୍ରଦାନ କରିବାକୁ ଦାବି କରାଯାଇଥିଲା। ମାତ୍ର ସରକାର ଏଥିପ୍ରତି କୌଣସି ପଦକ୍ଷେପ ନ ନେବା ପରେ ସେମାନେ ଆନ୍ଦୋଳନକୁ ଓହ୍ଲାଇଛନ୍ତି।

ଏହି ୩ ଦଫା ଦାବି ସମ୍ବନ୍ଧରେ ସରକାର ଜୁନ୍ ୮ ତାରିଖ ସୁଦ୍ଧା ଉପଯୁକ୍ତ ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ ନ କଲେ ସାମୂହିକ ଆନ୍ଦୋଳନ କରାଯିବ ବୋଲି ବୈଠକରେ ନିଷ୍ପତ୍ତି ହୋଇଥିଲା। ଏହି ଆଧାରରେ ପ୍ରଥମେ ଜୁନ୍ ୯ରେ ପ୍ରତ୍ୟେକ ସର୍କଲ ଜୋନ୍ ତରଫରୁ ହେଡ୍‌କ୍ୱାର୍ଟର, ଜିଲ୍ଲାପାଳଙ୍କ ଜରିଆରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ଦାବିପତ୍ର ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି। ପରେ ଜୁନ୍ ୧୫-୨୧ ତାରିଖ

■ ୨୧ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ କଳାବ୍ୟାଜ୍ ପିନ୍ଧି ଆନ୍ଦୋଳନ
■ ୨୨ରୁ ସମୂହ ଛୁଟିରେ ଯିବେ ବନ କର୍ମଚାରୀ

ମଧ୍ୟରେ ଯଦି ସରକାର ଅବହେଳା କରନ୍ତି, ତେବେ ପ୍ରତୀକାତ୍ମକ ଅନଶନ ସ୍ୱରୁପ ସମସ୍ତ ସଭ୍ୟସଭ୍ୟା କଳାବ୍ୟାଜ୍ ପିନ୍ଧି ବିରୋଧ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରିବେ ବୋଲି ନିଷ୍ପତ୍ତି ହୋଇଥିଲା। ଏହିକ୍ରମରେ ୧୫ ତାରିଖରୁ ବନ କର୍ମଚାରୀମାନେ କଳାବ୍ୟାଜ୍ ପିନ୍ଧି ଆନ୍ଦୋଳକୁ ଓହ୍ଲାଇଛନ୍ତି। ଦାବି ପୂରଣ ନ ହେଲେ ଜୁନ୍ ୨୨ ଠାରୁ ଦାବି ପୁରଣ ହେବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସଭ୍ୟ/ସଭ୍ୟାମାନେ ସାମୂହିକ ଛୁଟିରେ ରହି ସର୍କଲ ଅଫିସ ସାମ୍ନାରେ ୟୁନିଫର୍ମ ପିନ୍ଧି ଧାରଣା ପ୍ରଦର୍ଶନ କରିବେ ବୋଲି ସଂଘ ଚେତାବନୀ ଦେଇଛି।

## ଓଡ଼ିଆରେ ନିଟ୍-ୟୁଜି ପରୀକ୍ଷା ଦେଲେ ମାତ୍ର ୧.୩୭%

# ଓଡ଼ିଆ ପ୍ରତି ଅନାଗ୍ରହୀ ଓଡ଼ିଶା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ

**ଭୁବନେଶ୍ୱର,୧୫।୬(ସମିସ):** ଡ଼ାକ୍ତରୀ ପଢ଼ିବାପାଇଁ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେବାକୁ ଓଡ଼ିଆ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ରାଜି ହେଉ ନାହାନ୍ତି। ନିଟ୍ ୟୁଜି ପରୀକ୍ଷାରେ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେବାକୁ ବିକଳ୍ପ ରହିଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ଆଗ୍ରହ ପ୍ରକାଶ କରୁନାହାନ୍ତି। ଚଳିତ ବର୍ଷ ମାତ୍ର ୧.୩୭ ପ୍ରତିଶତ ପିଲା ଓଡ଼ିଆରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇଛନ୍ତି। ସରକାର ବିଭିନ୍ନ ପାଠ୍ୟକ୍ରମକୁ ଜାତୀୟ ଶିକ୍ଷାନୀତି ଆଧାରରେ ଆଞ୍ଚଳିକ ଭାଷା ଓଡ଼ିଆରେ ଅନୁବାଦ କରିବାକୁ ପଦକ୍ଷେପ ନେଉଥିବାବେଳେ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରୁ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ମୁହଁ ମୋଡ଼ିବା ଚିନ୍ତା ବଢ଼ାଇଛି।

ଚଳିତବର୍ଷ ଓଡ଼ିଶାରୁ ସମୁଦାୟ ୬୧,୧୧୧ ପିଲା ନିଟ୍-ୟୁଜି ପରୀକ୍ଷା ଦେବାକୁ ପଞ୍ଜିକରଣ କରିଥିଲେ। ତନ୍ମଧ୍ୟରୁ ୫୯,୨୩୮ ଜଣ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇଥିବାବେଳେ ପ୍ରାୟ ୫୩% ଅର୍ଥାତ୍ ୩୧,୬୭୩ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ କୃତକାର୍ଯ୍ୟ ହୋଇଛନ୍ତି। ପ୍ରାୟ ୬୦ ହଜାର ପରୀକ୍ଷାର୍ଥୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ ଚଳିତ ବର୍ଷ ମାତ୍ର ୧.୩୭ ପ୍ରତିଶତ ବା ୮୧୨ ଜଣ ପିଲା ଓଡ଼ିଆରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇଛନ୍ତି। ଯାହା ସର୍ବକାଳୀନ ସର୍ବନିମ୍ନ ବୋଲି ଜଣାପଡ଼ିଛି। ୨୦୧୭ ମସିହାରୁ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ନିଟ୍-ୟୁଜି ପରୀକ୍ଷା ହେଉଛି। ପ୍ରଥମ ୩ବର୍ଷ ଓଡ଼ିଆ

### ଓଡ଼ିଆରେ ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକ ଅଭାବ ଓ ଶିକ୍ଷାଦାନ ପ୍ରମୁଖ ପ୍ରତିବନ୍ଧକ

ଭାଷାରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେବାକୁ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଉତ୍ସାହ ଦେଖାଦେଇଥିଲା। ଏପରିକି ପ୍ରାୟ ୫୦% ଲେଖାଏଁ ଓଡ଼ିଆରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେଉଥିଲେ। ୨୦୧୯ ମସିହାରେ ୩୧,୪୯୦ ପିଲା ଓଡ଼ିଆରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇଥିଲେ। ଏହାପରେ କ୍ରମାଗତ ଭାବେ ଓଡ଼ିଆ ପ୍ରତି ଅନାଦର ବଢୁଛି। ୨୦୨୦ରୁ ୨୦୨୩ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପ୍ରାୟ ହଜାରେ ଲେଖାଏଁ ପିଲା ଓଡ଼ିଆରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେଉଥିବାବେଳେ ୨୦୨୪ରେ ୧୩୧୨ ଜଣ ଓଡ଼ିଆରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇଥିଲେ। ଚଳିତ ବର୍ଷ ଏହି ଗ୍ରାଫ୍ ଆହୁରି ତଳମୁହାଁ ହେବା ସହ ୮୧୨ରେ ପହଞ୍ଚିଛି।

ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ପରୀକ୍ଷାର୍ଥୀଙ୍କ ସଂଖ୍ୟା କମିବାରେ ଓଡ଼ିଆ ପାଠ୍ୟକ୍ରମ ଓ ଶିକ୍ଷାଦାନର ଘୋର ଅଭାବ ବୋଲି ବିଶେଷଜ୍ଞମାନେ ମତବ୍ୟକ୍ତ କରିଛନ୍ତି। ଶିକ୍ଷାବିତ୍ ଡ. ଶରତ କରଙ୍କ କହିବା ଅନୁଯାୟୀ, ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଡ଼ାକ୍ତରୀ ପାଠ୍ୟକ୍ରମ ପାଇଁ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକ ନାହିଁ। ମୁଖ୍ୟତଃ ଓଡ଼ିଶାର ବିଭିନ୍ନ ଇଂରାଜୀ ମାଧ୍ୟମ ବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ କୋଚିଂ ସେଣ୍ଟରରେ ମଧ୍ୟ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ପଢ଼ାଯାଉ ନାହିଁ। ଫଳରେ ଇଂରାଜୀରେ ପଢ଼ିଥିବା ପିଲା ଓଡ଼ିଆରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେବାକୁ ଆଗ୍ରହୀ ହେଉ ନାହାନ୍ତି। ଅପରପକ୍ଷରେ ଓଡ଼ିଆରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇ ସଫଳତା ପାଉଥିବା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ସଫଳ କାହାଣୀଗୁଡ଼ିକୁ ମଧ୍ୟ ପ୍ରୋତ୍ସାହିତ କରାଯାଉନାହିଁ। ଏଣୁ ଅନ୍ୟ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ଓଡ଼ିଆ ପ୍ରତି ଆଗ୍ରହ ପ୍ରକାଶ କରୁନାହାନ୍ତି। ସେହିପରି ଗୁଗୁଲ୍ ଟ୍ରାନ୍ସଲେସନ୍ ଅନ୍ୟତମ କାରଣ ବୋଲି ମଧ୍ୟ ମତ ପ୍ରକାଶ ପାଉଛି। ଡ଼ାକ୍ତରୀ ପାଇଁ ଯେଉଁ ହାତଗଣତି ପାଠ୍ୟପୁସ୍ତକ ରହିଛି ସେସବୁକୁ ଗୁଗୁଲ୍ ଟ୍ରାନ୍ସଲେଟର୍ ପକାଇ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରାଯାଇଛି। ଫଳରେ ଓଡ଼ିଆ ଲିପିରେ ଲେଖା ହୋଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଭାବାର୍ଥ ବୁଝାପଡୁନାହିଁ। ପରୀକ୍ଷାରେ ମଧ୍ୟ ଟ୍ରାନ୍ସଲେସନ୍ ହୋଇ ପ୍ରଶ୍ନ ଆସୁଥିବାରୁ ବହୁ ପ୍ରଶ୍ନ ବୁଝାପଡୁନାହିଁ। ଯେଉଁଠି ଓଡ଼ିଆ ଭାଷା ବୁଝି ନ ହେବ ବା ଭାବାର୍ଥରେ ସାମଞ୍ଜସ୍ୟ ଥିବ ତାହେଲେ ଇଂରାଜୀ ଭାଷାରେ ପଢ଼ିଥିବା ପ୍ରଶ୍ନକୁ ସଠିକ୍ ବୋଲି ଧରାଯିବ ବୋଲି ଉଲ୍ଲେଖ ରହୁଛି। ଏଣୁ ଓଡ଼ିଆରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେଇ ଅସୁବିଧାରେ ପଡ଼ିବା ଅପେକ୍ଷା ମୂଳରୁ ଇଂରାଜୀ ଭାଷାରେ ପରୀକ୍ଷା ଦେବାକୁ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ପସନ୍ଦ କରୁଛନ୍ତି। ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ପାଠ୍ୟକ୍ରମ ଓ ନିୟମିତ ଶିକ୍ଷାଦାନ ହେଲେ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷା ପ୍ରତି ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ଆଗ୍ରହ ବଢ଼ିବ ବୋଲି ବିଶେଷଜ୍ଞମାନେ ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି।

# ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଯାଜପୁର ଜିଲ୍ଲା ଗସ୍ତ ଉପରଠଉରିଆ: କଂଗ୍ରେସ

**ଭୁବନେଶ୍ୱର,୧୫।୬(ସମିସ):** ଯାଜପୁର ଜିଲ୍ଲାରେ ହଇଜା ଚିହ୍ନଟ ହେବା ଏବଂ ରାଜ୍ୟର ୮ଟି ଜିଲ୍ଲାକୁ ଝାଡ଼ାବାନ୍ତି ବ୍ୟାପିଥିବାବେଳେ ରାଜ୍ୟ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗ ଏବେ ଚୁପ୍ ବସିଛି। ରାଜ୍ୟ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଉପରଠଉରିଆ ଭାବେ ଯାଜପୁର ଜିଲ୍ଲା ଗସ୍ତ କରି ତାଙ୍କ ପାରିବାପଣିଆ ଦେଖାଇଛନ୍ତି। ଝାଡ଼ାବାନ୍ତି ବ୍ୟାପିବାର ୭ଦିନ ପରେ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କର ରୋଗୀମାନଙ୍କ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟାବସ୍ଥା କଥା ମନେପଡ଼ିଲା। ରାଜ୍ୟର ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ସେବା ବ୍ୟବସ୍ଥାକୁ ନେଇ ଆଜି ଏଭଳି ଢଙ୍ଗରେ ସରକାରଙ୍କ ଉପରେ ବର୍ଷିଛି ରାଜ୍ୟ ଯୁବ କଂଗ୍ରେସ।

ରାଜ୍ୟ ଯୁବ କଂଗ୍ରେସ ସାଧାରଣ ସମ୍ପାଦକ ସୁଦୀପ ସାମଲ ଏକ ପ୍ରେସ ବିଜ୍ଞପ୍ତିରେ କହିଛନ୍ତି ଯେ ଯାଜପୁର ଜିଲ୍ଲାରେ ୧୦ରୁ ଅଧିକ ଲୋକ ଏହି ରୋଗରେ ଜୀବନ ହାରିଥିବାବେଳେ ଶତାଧିକ ଲୋକ ପ୍ରଭାବିତ ଅଛନ୍ତି। ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଏ ଦିଗରେ ପୂର୍ବରୁ ଉପଯୁକ୍ତ ଧ୍ୟାନ ଦେଲେ ନାହିଁ। ଯାହାଫଳରେ ଯାଜପୁରରେ ଦେଖାଦେଇଥିବା ଝାଡ଼ାବାନ୍ତି ଆଜି ଭଦ୍ରକ, କେନ୍ଦୁଝର, କଟକ, କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା, ଢେଙ୍କାନାଳ ଓ ଖୋର୍ଦ୍ଧା ଭଳି ଜିଲ୍ଲାକୁ ବ୍ୟାପିଲାଣି। ରାଜ୍ୟ ସରକାର ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବ୍ୟବସ୍ଥାରେ ବାଃ ବାଃ ନେବାର ଡିଣ୍ଡିମ ପିଟୁଥିବାବେଳେ ଆଜିର ଦିନରେ ରାଜ୍ୟରେ ହଇଜା ଭଳି ରୋଗ ବ୍ୟାପୁଛି। ଏଭଳି ପରିସ୍ଥିତି କାହିଁକି ଆସିଲା, ରାଜ୍ୟ ସରକାର ତା'ର ସ୍ପଷ୍ଟୀକରଣ ଦିଅନ୍ତୁ ବୋଲି ଶ୍ରୀ ସାମଲ ଦାବି କରିଛନ୍ତି।

ଶ୍ରୀ ସାମଲ ଆହୁରି କହିଛନ୍ତି ଯେ ଏହି ରୋଗ ବ୍ୟାପିଥିବା ଜିଲ୍ଲାଗୁଡ଼ିକୁ ସରକାର ତୁରନ୍ତ ଚିକିତ୍ସକ ଦଳ ପଠାଇ ରୋଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ କରିବା ଉପରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ତୁରନ୍ତ ପଦକ୍ଷେପ ନେବା ଆବଶ୍ୟକ। ପ୍ରଭାବିତ ଜିଲ୍ଲାରେ କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ଟିମ୍ ଆସି ସ୍ଥିତି ଅନୁଧ୍ୟାନ କରିବା ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବ୍ୟବସ୍ଥାର ବିକଳ ଚିତ୍ରକୁ ଦର୍ଶାଉଛି। ଆଜିର ଦିନରେ ଆମ ରାଜ୍ୟର ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗ ଅପରାଗ ବୋଲି ରାଜ୍ୟ ସରକାର ପ୍ରମାଣିତ କରିଥିବା ଶ୍ରୀ ସାମଲ ପ୍ରେସ୍ ବିଜ୍ଞପ୍ତିରେ ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି।

୪୦୦ ମ୍ୟାଚ୍ କ୍ଲବ୍‌ରେ ମନ୍‌ପ୍ରୀତ୍

▶ପୃଷ୍ଠା ୧୨ ଦେଖନ୍ତୁ...


- RNI REGD NO: 42041/83
- www.sakalaepaper.com
- /sakalanews
- /sakalanews
- www.thesakala.in

# ସକାଳ
THE SAKALA

PRINTED AT BHUBANESWAR ■ JEYPORE ■ SAMBALPUR ■ PANIKOILI

◆VOLUME- 42 ◆ISSUE-348 ◆BHUBANESWAR ◆MONDAY ◆16 JUNE 2025 ◆PAGE-12 ◆₹ 6.00

◆ବର୍ଷ-୪୨ ◆ସଂଖ୍ୟା-୩୪୮ ◆ଭୁବନେଶ୍ୱର ◆ସୋମବାର ◆୧୬ ଜୁନ୍ ୨୦୨୫ ◆ପୃଷ୍ଠା-୧୨ ◆ଟ.୬.୦୦

# ଦୁଃଖଦ

## ପୁଣେରେ ପୋଲ ଭୁଶୁଡ଼ି ୫ ମୃତ; ୩୦ ନିଖୋଜ

■ **ପୁଣେ, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି):** ମହାରାଷ୍ଟ୍ରର ପୁଣେ ନିକଟରେ ଆଜି ଇନ୍ଦ୍ରାୟଣୀ ନଦୀ ଉପରେ ନିର୍ମିତ ଏକ ପୁରୁଣା ପୋଲ ଭୁଶୁଡ଼ି ପଡ଼ିବାରୁ ୨୦ରୁ ୩୦ ଜଣ ବ୍ୟକ୍ତି ଭାସିଯାଇଛନ୍ତି । ଏଥିରେ ୫ ଜଣ ପ୍ରାଣ ହରାଇଛନ୍ତି ଏବଂ ୧୩ ଜଣଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରାଯାଇଥିବା ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଦେବେନ୍ଦ୍ର ଫଡ୍‌ନାଭିସ ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି । ଅନ୍ୟମାନଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରିବା ଲାଗି ଉଦ୍ୟମ ଚାଲିଛି । ପାଣିର ସ୍ରୋତ ପ୍ରଖର ହୋଇଥିବା ଦୃଷ୍ଟିରୁ ମୃତ୍ୟୁ ସଂଖ୍ୟା ବଢ଼ିପାରେ ବୋଲି ଆଶଙ୍କା ପ୍ରକାଶ ପାଉଛି । ଉଦ୍ଧାର ପାଇଥିବା ଲୋକମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ ୬ ଜଣଙ୍କୁ ଗୁରୁତର ଅବସ୍ଥାରେ ମେଡିକାଲରେ ଭର୍ତ୍ତି କରାଯାଇଛି । ଯାନବାହନ ପାଇଁ ଏହି ପୋଲକୁ ବନ୍ଦ ରଖାଯାଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ବନ୍ୟା ପାଣି ଦେଖିବା ଲାଗି ୨୦ରୁ ୩୦ ଜଣ ଲୋକ ଏହି ବିପଦସଙ୍କୁଳ ପୋଲ ଉପରେ ଭିଡ଼ ଜମାଇଥିଲେ । ଏହି ସମୟରେ ପୋଲ ଭୁଶୁଡ଼ି ପଡ଼ିଥିଲା । ବନ୍ୟା ପାଣିର ପ୍ରଖର ସ୍ରୋତରେ ସେମାନେ ଭାସିଯାଇଥିଲେ । ସେମାନଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରିବା ଲାଗି ବଡ଼ ଧରଣର ଅଭିଯାନ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା । ୧୩ ଜଣ ଉଦ୍ଧାର ହୋଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ପୋଲ ଉପରେ କେତେ ଲୋକ ଥିଲେ ତାହା ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଭାବେ ଜଣାପଡ଼ି ନାହିଁ । ତେଣୁ ନଦୀରେ ଉଦ୍ଧାର ଅଭିଯାନ ଜାରି ରହିଛି । ପ୍ରକାଶଥାଉକି କିଛି ଦିନ ତଳେ ସରକାର ଏହି ବିପଦଶଙ୍କୁଳ ଏହି ପୋଲ ଉପରେ ଯାତାୟତକୁ ବାରଣ କରିଥିଲେ ।

## କେଦାରନାଥରେ ଖସିପଡ଼ିଲା ହେଲିକପ୍ଟର୍; ୭ ମୃତ

■ **ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି):** ଉତ୍ତରାଖଣ୍ଡର ଗୌରିକୁଣ୍ଡ ଜଙ୍ଗଲରେ ଆଜି ସକାଳେ ଏକ ହେଲିକପ୍ଟର ଦୁର୍ଘଟଣାରେ ପାଇଲଟଙ୍କ ସମେତ ୭ ଜଣ ପ୍ରାଣ ହରାଇଛନ୍ତି । ହେଲିକପ୍ଟର ଆଜି ସକାଳ ୫ଟା ୧୭ ମିନିଟରେ କେଦାରନାଥ ଧାମରୁ ଗୁପ୍ତକାଶୀ ଯାଉଥିବା ବେଳେ ଖରାପ ପାଗ ଯୋଗୁଁ ଜଙ୍ଗଲ ଭିତରେ ଖସିପଡ଼ିଥିଲା । ହେଲିକପ୍ଟର ଉଡ଼ିଲା ବେଳକୁ କିଛି ଦେଖାଯାଉନଥିଲା ଏବଂ ପାଗ ମଧ୍ୟ ଅନୁକୂଳ ନଥିଲା । ଏହାସତ୍ତ୍ୱେ ପାଇଲଟ ଗୁପ୍ତକାଶୀ ଆଡ଼କୁ ଅଗ୍ରସର ହୋଇଥିଲେ । ଖବର ପାଇ ଏନ୍‌ଡିଆର୍‌ଏଫ୍‌ର ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଟିମ୍ ଦୁର୍ଘଟଣାଗ୍ରସ୍ତ ଅଞ୍ଚଳକୁ ଯାଇଛନ୍ତି । ଏହି ଦୁର୍ଘଟଣା ପରେ ଚାର ଧାମ ଅଞ୍ଚଳରେ ଆସନ୍ତାକାଲି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ହେଲିକପ୍ଟର ସେବାକୁ ବନ୍ଦ କରିଦିଆଯାଇଛି । ଉତ୍ତରାଖଣ୍ଡରେ ଗତ ୬ ସପ୍ତାହ ମଧ୍ୟରେ ଏହା ହେଉଛି ପଞ୍ଚମ ହେଲିକପ୍ଟର ଦୁର୍ଘଟଣା । ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ପୁଷ୍କର ସିଂହ ଧାମି କହିଛନ୍ତି ଯେ ଏଭଳି ପ୍ରତିକୂଳ ପାଗରେ ହେଲିକପଟର ଉଡ଼ାଇବାରେ ପାଇଲଟଙ୍କର ପୂର୍ବ ଅଭିଜ୍ଞତା ଥିଲା । କେଉଁ ପରିସ୍ଥିତିରେ ଏହି ଦୁର୍ଘଟଣା ଘଟିଲା, ତାହାର ଯାଞ୍ଚ କରାଯିବ । ତେବେ ହେଲିକପ୍ଟର ଉଡ଼ାଣ ପାଇଁ ଯେଉଁ ଗାଇଡଲାଇନ୍ସ ରହିଛି ତାହାର ଅନୁପାଳନ ଲାଗି ସେ ହେଲିକପ୍ଟର ସେବା ଯୋଗାଉଥିବା ସଂସ୍ଥା ଏବଂ ପାଇଲଟମାନଙ୍କୁ ପରାମର୍ଶ ଦେଇଛନ୍ତି ।

# ବାଡ଼ିବୁଢ଼ୀ ନେଲାଣି ୧୮ ମୁଣ୍ଡ

## କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ାକୁ ମାଡ଼ିଲା ଝାଡ଼ାବାନ୍ତି

**କଣାସ ଘଟଣାରୁ କିଛି ଶିଖିଲେନି ରାଜ୍ୟ ସରକାର**

**ଝାଡ଼ାବାନ୍ତି ବ୍ୟାପିବା ପଛରେ ଦୂଷିତ ପାନୀୟ ଜଳ**

**ଫୁରସତ୍ ମିଳିବା ପରେ ପ୍ରଭାବିତ ଅଞ୍ଚଳରେ ମନ୍ତ୍ରୀ**

■ **ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୫।୬ (ସମିସ):** ବାଡ଼ିବୁଢ଼ୀ ମାତିଛି । ଯାଜପୁରରୁ ଆରମ୍ଭ କରି ଗୋଟିକ ପରେ ଗୋଟିଏ ଜିଲ୍ଲାରୁ ମୁଣ୍ଡ ଗୋଟାଉଛି । ପ୍ରଥମେ ଯାଜପୁରରୁ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ଝାଡ଼ାବାନ୍ତି କେନ୍ଦୁଝର, ଭଦ୍ରକ, କଟକ, ଖୋର୍ଦ୍ଧା, ପୁରୀ, କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ାକୁ ବ୍ୟାପିଛି । ସେହିପରି ପଶ୍ଚିମ ଓଡ଼ିଶାର ବରଗଡ଼ ଜିଲ୍ଲାରେ ମଧ୍ୟ ଝାଡ଼ାବାନ୍ତି ବ୍ୟାପିଥିବା ଖବର ଆସିଛି । ଅବିଭକ୍ତ କଟକ ଓ ଅବିଭକ୍ତ ପୁରୀ ଜିଲ୍ଲାରେ ପରିସ୍ଥିତି ଅଣାୟତ୍ତ ହେବାକୁ ବସିଛି । ରାଜ୍ୟ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗ ଆରମ୍ଭରୁ ଘଟଣାକୁ ଗୁରୁତ୍ୱ ନ ଦେବାର ପରିଣାମ ଏବେ ସାଧାରଣ ଲୋକଙ୍କୁ ଭୋଗିବାକୁ ପଡ଼ିଛି । ଯାଜପୁର ଜିଲ୍ଲାର ଡ଼ାକ୍ତରଖାନାଗୁଡ଼ିକରେ ଝାଡ଼ାବାନ୍ତି ରୋଗୀ ଭର୍ତ୍ତି ହୋଇ ଯାଇଛନ୍ତି ଓ ପ୍ରତିଦିନ ରୋଗୀ ସଂଖ୍ୟା ବଢ଼ି ବଢ଼ି ଚାଲିଛି । ଯାଜପୁର, କେନ୍ଦୁଝର, ଭଦ୍ରକ ଜିଲ୍ଲାରେ ମୃତ୍ୟୁ ସଂଖ୍ୟା ୧୮ରେ ପହଞ୍ଚିଲାଣି । ଏହାକୁ ରୋକିବାରେ ▶ପୃଷ୍ଠା-୭

## ଅବହେଳାକୁ ନେଇ ନବୀନଙ୍କ କ୍ଷୋଭ

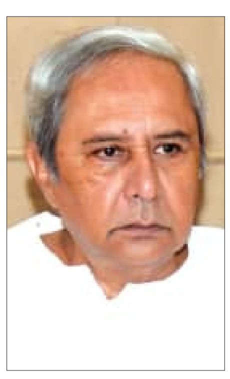

**ଚକିତ ଓ ବିଚଳିତ କରିଛି ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ନିଷ୍କ୍ରିୟତା**

**ଲୋକଙ୍କ ଜୀବନକୁ ବିପଦକୁ ନ ଠେଲିବାକୁ ପରାମର୍ଶ**

■ **ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୫।୬ (ସମିସ):** ଯାଜପୁର ଜିଲ୍ଲାରେ ଡାଇରିଆ ସଂଗୀନ ସ୍ଥିତି ସୃଷ୍ଟି କରିଥିବା ବେଳେ ରବିବାର ସୁଦ୍ଧା ରାଜ୍ୟର ୮ ଜିଲ୍ଲା ଏଥିରେ ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇଛି । ଡ଼ାଇରିଆ ଓ କଲେରା ମୁକାବିଲା କ୍ଷେତ୍ରରେ ପ୍ରଶାସନର ବିଳମ୍ବିତ ପଦକ୍ଷେପ ଏବଂ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗର ନିଷ୍କ୍ରିୟତାକୁ ସାଧାରଣରେ ତୀବ୍ର ସମାଲୋଚନା କରାଯାଉଛି । ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ବିରୋଧୀଦଳ ନେତା ତଥା ବିଜେଡି ସୁପ୍ରିମୋ ନବୀନ ପଟ୍ଟନାୟକ ବ୍ୟାପୁଥିବା ଡ଼ାଇରିଆକୁ ନେଇ ଉଦ୍‌ବେଗ ଓ କ୍ଷୋଭ ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି । ରାଜ୍ୟରେ ହଇଜା ବ୍ୟାପୁଥିବାବେଳେ ସରକାର ଏହାକୁ ହାଲୁକାରେ ନେବା ସମସ୍ତଙ୍କୁ ଚକିତ ଓ ବିଚଳିତ କରିଥିବା ଉଲ୍ଲେଖ କରି ତୁରନ୍ତ ଦୃଢ଼ ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ ନିମନ୍ତେ ପରାମର୍ଶ ଦେଇଛନ୍ତି ।

ସାମାଜିକ ଗଣମାଧ୍ୟମ 'ଏକ୍ସ'ରେ ନବୀନ କହିଛନ୍ତି ଯେ ରାଜ୍ୟରେ ହଇଜା ଲୋକଙ୍କ ଜୀବନକୁ ସଙ୍କଟରେ ପକାଇଲାଣି । ଦୀର୍ଘ ବର୍ଷ ଧରି ଯାହା ରାଜ୍ୟରେ ଦେଖିବାକୁ ମିଳି ନ ଥିଲା ତାହା ଏବେ ▶ପୃଷ୍ଠା-୭

# ଘମାଘୋଟ ଲଢ଼େଇ

## ଇରାନରେ ୭୮ , ଇସ୍ରାଏଲରେ ୧୩ ମୃତ

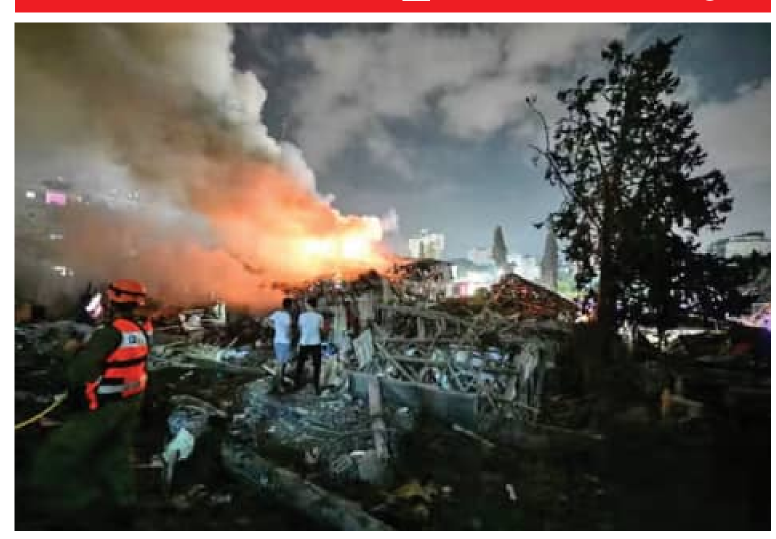

**▶ ଥରୁଛି ତେହେରାନ୍, ତେଲ-ଆଭିଭ୍**

**▶ ଯୁଦ୍ଧବିରତି ଖୁବ୍‌ଶୀଘ୍ର: ଟ୍ରମ୍ପ**

■ **ତେହରାନ, ୧୫।୬(ଏଜେନ୍ସି):** ଗତ ଶୁକ୍ରବାର ଇରାନ ଉପରେ ଇସ୍ରାଲର ପ୍ରଚଣ୍ଡ ଆକ୍ରମଣ ପରେ ଦୁଇ ଦେଶ ମଧ୍ୟ ଯୁଦ୍ଧ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଯାଇଛି । ତିନି ଦିନ ଧରି ଉଭୟ ଦେଶ ପରସ୍ପର ଉପରେ ଜୋରଦାର ଆକ୍ରମଣ ଚଳାଇଛନ୍ତି । ଆକ୍ରମଣରେ କେବଳ ସାମରିକ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ନୁହେଁ, ତୈଳ ବିଶୋଧନାଗାର ଏବଂ ଆବାସିକ ଅଞ୍ଚଳକୁ ମଧ୍ୟ ଟାର୍ଗେଟ କରାଯାଇଛି । ଗତକାଲି ଇରାନର ସର୍ବବୃହତ୍ ତୈଳ ବିଶୋଧନାଗାର ଉପରେ ଇସ୍ରାଏଲ ଆକ୍ରମଣ କରିବା ପରେ ଇରାନ ଇସ୍ରାଏଲ ଉପରେ ଜବାବୀ ହମଲା କରିଛି । ଇରାନ ମଧ୍ୟ ଇସ୍ରାଏଲର ତୈଳ ବିଶୋଧନାଗାର ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ କରିଛି । ଇସ୍ରାଏଲ ପକ୍ଷରୁ ଏହି ସୂଚନା ଦେଇ କୁହାଯାଇଛି ଯେ ଗତ ରାତି ତମାମ ଇରାନ ପକ୍ଷରୁ ଇସ୍ରାଏଲ ଉପରେ କ୍ଷେପଣାସ୍ତ୍ର ମାଡ଼ କରାଯାଇଛି । ଆଜି ସନ୍ଧ୍ୟାର ଇରାନ ପୁଣି ଥରେ ଇସ୍ରାଏଲ ଉପରେ ବାଲିଷ୍ଟିକ କ୍ଷେପଣାସ୍ତ୍ର ମାଡ଼ କରିଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଛି । ଇରାନ ବୈଦେଶିକ ମନ୍ତ୍ରୀ କହିଛନ୍ତି ଯେ ଇସ୍ରାଏଲ ଆକ୍ରମଣ ବନ୍ଦ ନକରିବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଇରାନ ସାମରିକ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନ ଜାରି ରଖିବ । ଦୁଇ ଦେଶ ମଧ୍ୟରେ ଯୁଦ୍ଧ ଉଗ୍ର ରୂପ ଧାରଣ କରୁଥିବା ବେଳେ ଆମେରିକା ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଟ୍ରମ୍ପ କହିଛନ୍ତି ଯେ ଦୁଇ ଦେଶ ମଧ୍ୟରେ କଥାବାର୍ତ୍ତା ଚାଲିଛି ଏବଂ ଯୁଦ୍ଧ ଖୁବଶୀଘ୍ର ବନ୍ଦ ହୋଇଯିବ । ଏହାସହିତ ଇରାନକୁ ସେ ଧମକ ଦେଇ କହିଛନ୍ତି ଯେ ଆମେରିକାର କୌଣସି ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ ହେଲେ ଇରାନକୁ ଧ୍ୱଂସ କରିବା ଲାଗି ତାଙ୍କ ଦେଶ ସମସ୍ତ ଶକ୍ତି ଖଟାଇବାକୁ ପଛାଇବ ନାହିଁ ।

ଯୁଦ୍ଧ ମଇଦାନରୁ ମିଳିଥିବା ସୂଚନା ଅନୁଯାୟୀ ଇରାନର ପରମାଣୁ କେନ୍ଦ୍ର, ସାମରିକ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ଏବଂ ଏୟାର ଡିଫେନ୍ସ ସିଷ୍ଟମ ଉପରେ ଇସ୍ରାଏଲ ଆକ୍ରମଣ ଜାରି ରଖିଛି । ଏଥିରେ ୭୮ ଜଣ ପ୍ରାଣ ହରାଇଥିବା ବେଳେ ୬ ଜଣ ବରିଷ୍ଠ ସେନା ଅଧିକାରୀ ଏଥିରେ ସାମିଲ ଅଛନ୍ତି । ▶ପୃଷ୍ଠା-୭

## ମୌସୁମୀକୁ ଟାଣିଲା ଘୂର୍ଣ୍ଣିବଳୟ

■ **ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୫।୬ (ସମିସ):** ଉତ୍ତରପଶ୍ଚିମ ବଙ୍ଗୋପସାଗର ଓ ଏହାର ପାର୍ଶ୍ୱବର୍ତ୍ତୀ ଅଞ୍ଚଳରେ ଏକ ଘୂର୍ଣ୍ଣିବଳୟ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି । ଏହା ପ୍ରଭାବରେ ରାଜ୍ୟର ବିଭିନ୍ନ ସ୍ଥାନରେ ବର୍ଷା ଜାରି ରହିଛି । ଅନ୍ୟପଟେ ଘୂର୍ଣ୍ଣିବଳୟ ଯୋଗୁଁ ମୌସୁମୀ ସକ୍ରିୟ ହେବାକୁ ପାଗ ଅନୁକୂଳ ହୋଇଛି । ତେଣୁ ଆସନ୍ତା ୨୪ ଘଣ୍ଟା ମଧ୍ୟରେ ରାଜ୍ୟର ଅନ୍ୟ କିଛି ଜିଲ୍ଲାକୁ ମୌସୁମୀ ଅଗ୍ରସର ହେବାର ସମ୍ଭାବନା ରହିଛି । ଫଳରେ ଆସନ୍ତା ୭ ଦିନ ଯାଏଁ ରାଜ୍ୟରେ ମୌସୁମୀ ବର୍ଷା ହୋଇପାରେ ବୋଲି ଅକଳନ କରାଯାଇଛି । ମୌସୁମୀ ଅଗ୍ରସର ନେଇ ପାଣିପାଗ କେନ୍ଦ୍ର ପକ୍ଷରୁ ସୂଚନା ଦିଆଯାଇଥିବା ବେଳେ ଆସନ୍ତା ୧୯ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ରାଜ୍ୟର ବିଭିନ୍ନ ଜିଲ୍ଲାରେ ବର୍ଷାର ପ୍ରଭାବ ଅଧିକ ରହିବା ନେଇ ଆକଳନ କରାଯାଇଛି । ସୋମବାର ବିଶେଷ କରି ଉତ୍ତର, ଉତ୍ତର ଉପକୂଳ ଓ ଉତ୍ତର ପଶ୍ଚିମ ଜିଲ୍ଲା ମାନଙ୍କରେ ଅଧିକ ବର୍ଷା ନେଇ ଅନୁମାନ କରାଯାଇଛି । ଏହି ସମୟରେ ସୁନ୍ଦରଗଡ଼, ଝାରସୁଗୁଡା, ବରଗଡ଼, ସମ୍ବଲପୁର, ଦେବଗଡ଼, ଅନୁଗୋଳ, ବରଗଡ଼ ଜିଲ୍ଲାର ଗୋଟିଏ ୨ଟି ସ୍ଥାନରେ ପ୍ରବଳ ବର୍ଷାର ସମ୍ଭାବନା ରହିଛି । ଗତ ୨୪ ଘଣ୍ଟାରେ ଛତ୍ରପୁରରେ ୩୭, କେନ୍ଦୁଝରରେ ୩୨, ଅନୁଗୁଳ ୨୧, ଖୋର୍ଦ୍ଧା ୧୮, ବୌଦ୍ଧ ୧୬, ପୁରୀ ଓ ନୟାଗଡ଼ରେ ୧୦ ମିମି ଲେଖାଏଁ ବର୍ଷା ରେକର୍ଡ ହୋଇଛି ।

## ୨୦ରେ ଖୋଲିବ ସ୍କୁଲ୍

■ **ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୫।୬ (ସମିସ):** ପ୍ରାୟ ଦୁଇ ମାସର ଛୁଟି ପରେ ଆସନ୍ତା ୨୦ ତାରିଖରେ ଖୋଲିବ ସ୍କୁଲ୍ । ଏଥିପାଇଁ ୧୯ ତାରିଖରେ ବିଦ୍ୟାଳୟ ପରିସର ସଫାସୁତୁରା କରାଯିବ । ସ୍କୁଲର ବୈଦ୍ୟୁତିକ ସରଞ୍ଜାମ ଓ ବିଦ୍ୟୁତ୍ ସଂଯୋଗ ଯାଞ୍ଚ କରାଯିବ । ପାଣି ଟାଙ୍କି ସଫା କରାଯିବ ଓ ପିଲାଙ୍କ ବସିବା ବେଞ୍ଚ୍ ଓ ଚେୟାରକୁ ପରିଷ୍କାର କରାଯିବ । ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ମଧ୍ୟାହ୍ନ ଭୋଜନ ପାଇଁ ଚାଉଳ, ଡ଼ାଲି ଓ ଅନ୍ୟ ଖାଦ୍ୟ ପଦାର୍ଥର ଯାଞ୍ଚ ହେବ ଓ ୨୦ ତାରିଖଠାରୁ ପାଠପଢ଼ା ଚାଲିବ । ଏଥିପାଇଁ ସରକାରଙ୍କ ପକ୍ଷରୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶନାମା ଜାରି କରାଯାଇଛି । ଚଳିତବର୍ଷ ଗ୍ରୀଷ୍ମ ପ୍ରବାହ ଯୋଗୁଁ ବହୁ ପୂର୍ବରୁ ଖରାଛୁଟି ହୋଇଥିଲା । ମେ ୬ରୁ ଛୁଟି କରିବା ପାଇଁ ପୂର୍ବରୁ ନିର୍ଦ୍ଧାରିତ ହୋଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଖରା ପାଇଁ ଏପ୍ରିଲ୍ ୨୩ ତାରିଖରୁ ଖରାଛୁଟି ଘୋଷଣା କରିଥିଲେ ସରକାର । ଫଳରେ ପ୍ରାୟ ୧୩ ଦିନ ପାଠପଢ଼ା ବାଧାପ୍ରାପ୍ତ ହୋଇଥିଲା । ଆଗାମୀ ୨ ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ରାଜ୍ୟରେ ମୌସୁମୀ ପୁନଃ ସକ୍ରିୟ ହେବାରୁ ଖରାଛୁଟି ବଢ଼ିବାର କୌଣସି ସମ୍ଭାବନା ନ ଥିବା ଜଣେ ବରିଷ୍ଠ ଅଧିକାରୀ ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି ।

## ଯାଜପୁରରେ ପୁଣି ଗଲା ୨ ଜୀବନ

### ପ୍ରଶାସନ ଉପରୁ ଭରସା ତୁଟିଲା; ଗାଁ ଗାଁରେ ପୂଜାପାଠ ଆରମ୍ଭ

**ପ୍ରଭାବିତ ପରିବାର ସଦସ୍ୟଙ୍କୁ ଦିଆଯିବ ଇଞ୍ଜେକ୍ସନ**

■ **ଯାଜପୁର ୧୫।୬ (ସମିସ):** ଯାଜପୁର ଜିଲ୍ଲାରେ ହଇଜା କମିବା ବଦଳରେ କାୟା ବିସ୍ତାର କରିବାରେ ଲାଗିଛି । ପ୍ରତିଦିନ ମୃତକଙ୍କ ସଂଖ୍ୟା ବଢ଼ିବାରେ ଲାଗିଛି । ପ୍ରତିଦିନ ନୂଆନୂଆ ଆକ୍ରାନ୍ତ ବିଭିନ୍ନ ଡାକ୍ତରଖାନାରେ ଭର୍ତ୍ତି ହେଉଛନ୍ତି । ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ମିଳିଥିବା ସୂଚନା ମୁତାବକ, ଗତକାଲି ରାତି ୧୧ଟାରୁ ରବିବାର ସକାଳ ୮ଟା ସୁଦ୍ଧା ଜିଲ୍ଲାରେ ମୋଟ ୨୨୫ ଜଣ ଚିକିତ୍ସିତ ହେଉଥିଲେ । ତେବେ ଆଜି ୯୬ ଜଣ ନୂଆ ରୋଗୀ ବିଭିନ୍ନ ଡାକ୍ତରଖାନାରେ ଭର୍ତ୍ତି ହୋଇଛନ୍ତି । ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରୁ ୬ ଜଣଙ୍କୁ କଟକ ସ୍ଥାନାନ୍ତର କରାଯାଇଛି । ସନ୍ଧ୍ୟା ସୁଦ୍ଧା ୫୭ ଜଣ ଡିସଚାର୍ଜ ହୋଇଛନ୍ତି ଏବଂ ୨୫୮ ଜଣ ଏବେ ବି ଚିକିତ୍ସିତ ହେଉଛନ୍ତି । ଆଜି ସକାଳୁ ଜିଲ୍ଲାର ୨ ଜଣ ଆକ୍ରାନ୍ତଙ୍କର ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଛି । ସେମାନେ ହେଲେ, ଯାଜପୁର ବ୍ଲକ ଖଇରାବାଦ ଗାଁର ଜୟନ୍ତୀ ସାହୁ ଏବଂ କମଳପୁର ଗାଁର ଜଟାଧାରୀ ସାହୁ । ଉଭୟ ଯାଜପୁର ମୁଖ୍ୟ ଡାକ୍ତରଖାନାରେ ଚିକିତ୍ସିତ ହେଉଥିବା ବେଳେ ତାଙ୍କର ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଛି । ସେହିପରି ଜିଲ୍ଲା ବାହାରେ କେତେକ ଘରୋଇ ଡାକ୍ତରଖାନାରେ ମଧ୍ୟ କେତେକ ରୋଗୀଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ଘଟିଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି । ▶ପୃଷ୍ଠା-୭

## ଖୁବ୍‌ଶୀଘ୍ର ମନ୍ତ୍ରିମଣ୍ଡଳ ସମ୍ପ୍ରସାରଣ

# ୬ ପଦ ପାଇଁ ୬୦ ଆଶାୟୀ

**▶ ସମ୍ପ୍ରସାରଣରେ ମୋହନଙ୍କର ରହିବ ସର୍ବାଧିକ ଭୂମିକା**

**▶ ମନ୍ତ୍ରିମଣ୍ଡଳରେ ବୃଦ୍ଧି ପାଇବ ମହିଳାଙ୍କ ଭାଗିଦାରୀ**

**▶ ବିଦା ହେବେ ୩, ବଦଳିବ ଅନେକ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ବିଭାଗ**

**▶ ସମ୍ପ୍ରସାରଣ ପରେ ନିଗମ ଓ ବୋର୍ଡ ଥଇଥାନ ପ୍ରକ୍ରିୟା**

■ **ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୫।୬ (ସମିସ):** ରାଜ୍ୟରେ ବିଜେପି ସରକାର ପ୍ରଥମ ବର୍ଷ ପୂରଣ କରିଛି । ବିନା ପୂର୍ଣ୍ଣାଙ୍ଗ ମନ୍ତ୍ରିମଣ୍ଡଳରେ ସରକାର ଯେନେତେନ ପ୍ରକାରେ ପ୍ରଥମ ବର୍ଷର ଶାସନ ପୂରଣ କରି ନିଜ ପିଠି ନିଜେ ଥାପୁଡ଼ଉଛନ୍ତି । ବର୍ତ୍ତମାନ ରାଜ୍ୟବ୍ୟାପୀ ସରକାର ନିଜର ପ୍ରଥମ ବର୍ଷ ଶାସନ ଉତ୍ସବ ପାଳନ କରୁଥିବା ବେଳେ ଆସନ୍ତା ୨୦ରେ ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋଦୀ ଓଡ଼ିଶା ଆସୁଛନ୍ତି । ଏହି ଅବସରରେ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ପ୍ରଥମ ବର୍ଷ ଶାସନର ରିପୋର୍ଟ କାର୍ଡ ବିଧିବଦ୍ଧ ଭାବେ ପ୍ରଦାନ କରିବେ । ତେବେ ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଓଡ଼ିଶା ଗସ୍ତ ପରେ ମନ୍ତ୍ରିମଣ୍ଡଳ ସମ୍ପ୍ରସାରଣ କରାଯାଇପାରେ ବୋଲି ବିଶ୍ୱସ୍ତ ସୂତ୍ରରୁ ସୂଚନା ମିଳିଛି । ତେବେ ରଥଯାତ୍ରା ପୂର୍ବରୁ କି ବାହୁଡ଼ା ଯାତ୍ରା ପରେ ମନ୍ତ୍ରୀମଣ୍ଡଳ ସମ୍ପ୍ରସାରଣ ହେବ ତାହା ଚୂଡ଼ାନ୍ତ ହୋଇ ପାରିନାହିଁ । ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ମନ୍ତ୍ରୀମାନେ ସେମାନଙ୍କର ବାର୍ଷିକ ରିପୋର୍ଟ କାଡର୍ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ପ୍ରଦାନ କରିଛନ୍ତି । ସେହି ଆଧାରରେ କେଉଁମାନେ ମନ୍ତ୍ରିମଣ୍ଡଳରେ ସ୍ଥାନ ବଜାୟ ରଖିବେ ଓ କେଉଁମାନେ ବାଦ ପଡ଼ିବେ ତାହା ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ସ୍ଥିର କରିବେ । ତେବେ ଏହି ସୂତ୍ରରୁ ମିଳିଥିବା ▶ପୃଷ୍ଠା-୭

## ଜଳଭଣ୍ଡାରକୁ ଡେଇଁ ପ୍ରେମୀଯୁଗଳଙ୍କ ଆତ୍ମହତ୍ୟା

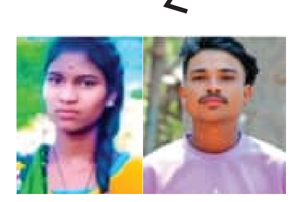

■ **ନନ୍ଦପୁର, ୧୫।୬ (ସମିସ):** ପ୍ରେମରେ ବିଫଳ ହେବାରୁ ନାବାଳକ ପ୍ରେମୀଯୁଗଳ ଜଳଭଣ୍ଡାର ଭିତରକୁ ଡେଇଁ ଆତ୍ମହତ୍ୟା କରିଛନ୍ତି । ଉଭୟଙ୍କର ହାତବନ୍ଧା ହୋଇଥିବା ଅବସ୍ଥାରେ ଶବ ଉଦ୍ଧାର ହୋଇଛି । ଘଟଣାଟି ଘଟିଛି, କୋରାପୁଟ ଜିଲ୍ଲା ନନ୍ଦପୁର ବ୍ଲକ ପାଡୁଆ ଥାନା ଅଧୀନସ୍ଥ ଅତଣ୍ଡା ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତର ବନୁର ଗ୍ରାମରେ । ଶନିବାର ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ଏହି ନାବାଳକ ପ୍ରେମୀଯୁଗଳ ଏଭଳି ଚରମ ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେଇଥିବା ଜଣାପଡ଼ିଛି । ସୂଚନାନୁସାରେ, ନାବାଳିକାଜଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ଏକ ହାଇସ୍କୁଲ୍‌ରେ ୧୦ମ ଶ୍ରେଣୀରେ ପାଠ ପଢୁଥିବା ବେଳେ ନାବାଳକଜଣଙ୍କ ନନ୍ଦପୁର ସିନ୍ଧେଦେବୀ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟର ଯୁକ୍ତ ଦୁଇବର୍ଷର ଛାତ୍ର । ▶ପୃଷ୍ଠା-୭

## ଫକୀରମୋହନ ସେନାପତିଙ୍କ ୧୦୭ ତମ ପୁଣ୍ୟତିଥି

**ବାଲେଶ୍ୱର,୧୫।୬(ସମିସ):** ପବିତ୍ର ରଜ ସଂକ୍ରାନ୍ତିରେ ବ୍ୟାସକବି ଫକୀରମୋହନ ସେନାପତିଙ୍କ ୧୦୭ ତମ ପୁଣ୍ୟତିଥି ଆଜି ଫକୀରମୋହନ ସାହିତ୍ୟ ପରିଷଦ ପକ୍ଷରୁ ପାଳିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଏହି ଅବସରରେ ରବିବାର ସକାଳେ ଛତୁଆ ପୋଖରୀ ସନ୍ନିକଟ ବ୍ୟାସକବିଙ୍କ ସମାଧି ପୀଠରେ ପୁଷ୍ପାର୍ଘ୍ୟ ଓ ତିଳତର୍ପଣ କରାଯାଇଥିଲା। ସଂକ୍ରାନ୍ତି ପୁରୁଷଙ୍କ ସ୍ମୃତି ପୀଠରେ ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ରେମୁଣା ବିଧାୟକ ତଥା ଶାସକ ଦଳର ଉପମୁଖ୍ୟ ସଚେତକ ଗୋବିନ୍ଦ ଚନ୍ଦ୍ର ଦାସ, ବସ୍ତା ବିଧାୟିକା ସୁବାସିନୀ ଜେନା ଯୋଗଦେଇ ମାଲ୍ୟାର୍ପଣ ସହ ତିଳ ତର୍ପଣ କରିଥିଲେ। ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ପରିଷଦର ସଭାପତି ଡ. ସୁବାସ ଚନ୍ଦ୍ର ପାତ୍ର, ସମ୍ପାଦକ ଡ. ରତ୍ନାକର ସିଂହ, ତପନ ରାୟ, ପରିଷଦର ପୂର୍ବତନ ସଭାପତି ଡ଼. ଲକ୍ଷ୍ମୀକାନ୍ତ ତ୍ରିପାଠୀ, ଡ. ଶିରୀଶ ଚନ୍ଦ୍ର ଜେନା, ଡ. ହରିଶ୍ଚନ୍ଦ୍ର ବେହେରା, ଶତ୍ରୁଘ୍ନ ମଲ୍ଲିକ, ଅଞ୍ଜଳି ପଣ୍ଡା, ରାଜେଶ ଗିରି, କଲ୍ୟାଣୀ ନନ୍ଦ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ରହି ସାମୁହିକ ନିରବ ପ୍ରାର୍ଥନା କରିବା ସହ ପୁଷ୍ପାର୍ଘ୍ୟ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ। ଏହା ସହିତ ଛତୁଆ ପୋଖରୀରେ ତିଳତର୍ପଣ କରାଯାଇଥିଲା। ଏହାପରେ ଶାନ୍ତିକାନନ ପରିସରରେ ଥିବା ଫକୀରମୋହନଙ୍କ ପ୍ରତିମୂର୍ତ୍ତିରେ ମାଲ୍ୟାର୍ପଣ କରାଯାଇଥିଲା। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ମଧୁସ୍ମିତା ମହାରଣା, କଳ୍ପନା ରଣା, କବିତା ରଣା, ରେବତୀ ମହାଲିକ, କଳ୍ପନା ମିସ୍ତ୍ରୀ, ସଂଧ୍ୟାରାଣୀ ଜେନା, ମିତା ପଟ୍ଟନାୟକ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ। ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ମଲ୍ଲିକାଶପୁରସ୍ଥିତ ବ୍ୟାସ କବିଙ୍କ ଶାନ୍ତିକାନନରେ ଫକୀରମୋହନ ସ୍ମୃତି ପରିଷଦ ପକ୍ଷରୁ ସ୍ମୃତି ସଭାର ଆୟୋଜନ କରାଯାଇଥିଲା। ସନ୍ଧ୍ୟା ଅଧିବେଶନରେ ଶ୍ରଦ୍ଧାଞ୍ଜଳି ଜ୍ଞାପନ ସହ ଫକୀରମୋହନଙ୍କ କବିତା ଆବୃତ୍ତି କରାଯାଇଥିଲା।

# ରାସ୍ତା ନାହିଁ; ଖଟିଆରେ ବୁହା ହେଉଛନ୍ତି ରୋଗୀ

ଭୋଗରାଇ, ୧୫।୬ (ସମିସ)

ଭୋଗରାଇ ବ୍ଲକ ଦାହୁଣଦା ପଞ୍ଚାୟତ ସେହି ଗ୍ରାମରେ ୬ ନମ୍ବର ୱାର୍ଡକୁ ରାସ୍ତା ନ ଥିବାରୁ ଖଟିଆରେ ବୁହା ହେଲେ ରୋଗୀ। ଦାହୁଣଦା ପଞ୍ଚାୟତର ୬ ନମ୍ବର ୱାର୍ଡରେ ପ୍ରାୟତଃ ୨୭ ପରିବାରରେ ୧ଶହରୁ ଉଦ୍ଧ୍ୱର୍ ଲୋକ ବସବାସ କରନ୍ତି। ସେହି ୱାଡକୁ ଯିବାଆସିବା ପାଇଁ ସାହୁ ଛକରୁ ରାଣୀଗଡାକୁ ଲାଗିଥିବା ରାସ୍ତା ସଂଯୋଗ କରୁଛି। ଏହି ରାସ୍ତା ଠାରୁ ପାଖାପାଖି ୨ ଶହ ମିଟର ଭିତରକୁ ଥିବା ଦାହୁଣଦା ୬ ନମ୍ବର ୱାର୍ଡ ରହିଅଛି। ଏହି ୱାଡର୍‌କୁ ଯିବା ଆସିବା ପାଇଁ ସ୍ଥାୟୀ ପକ୍କା ରାସ୍ତା ନାହିଁ। ତେଣୁ ଲୋକେ ଯିବା ଆସିବାରେ ଦୁର୍ଦ୍ଦଶା ଭୋଗୁଛନ୍ତି। ବର୍ଷା ଦିନ ଆସିଲେ କାଦୁଅ ପଚପଚ ରାସ୍ତାରେ ଜୀବନ ଦୁର୍ବିସହ ହୋଇପଡୁଛି। ଏପରିକି ଏହି ସମୟରେ କାହାର ଯଦି କିଛି ରୋଗ ହେଉଛି କିମ୍ବା ପ୍ରସୂତି ଯନ୍ତ୍ରଣା ଭୋଗୁଛି ତାକୁ ଡାକ୍ତରଖାନା ନେବା ପାଇଁ ଖଟିଆରେ ବୁହାହେଉଥିବା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। କିଛିଦିନ ତଳେ ସେହି ଗ୍ରାମର ସ୍ୱର୍ଗତ ପଞ୍ଚାନନ ସାହୁଙ୍କ ପୁଅ ଅନିରୁଦ୍ଧ ସାହୁ ହଠାତ ପଡିଯାଇ ପକ୍ଷାଘାତ ରୋଗରେ ଆକ୍ରାନ୍ତ ହୋଇଥିଲେ। ଫଳରେ ଗ୍ରାମର ଯୁବକ ମାନେ ଖଟିଆରେ ୨ ଶହ ମିଟର ବୋହି ଆଣି ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ଯୋଗେ ନିକଟ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ କେନ୍ଦ୍ରକୁ ନେଇଯାଇଥିଲେ। ଦୁର୍ଭାଗ୍ୟ ଜନକ ଯେ ଆଜି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ରାସ୍ତା ହୋଇ ପାରି ନଥିବାରୁ ଜରୁରୀ କାଳୀନ ପରିସ୍ଥିତିରେ ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ସେବା ପହଞ୍ଚିବା ସମ୍ଭବ ହୋଇ ପାରୁ ନାହିଁ।

ସ୍ୱାଧୀନତା ୭୮ ବର୍ଷ ପରେବି ଏଭଳି କରୁଣ ଦୃଶ୍ୟ ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ଏ ବାବଦରେ ଦାହୁଣଦା ପଞ୍ଚାୟତର ସରପଞ୍ଚଙ୍କ ପ୍ରତିନିଧି ରାମକୃଷ୍ଣ ଘୋଷାଲଙ୍କୁ ପଚାରିବାରୁ ସେ କହିଥିଲେ ଯେ ସେହି ୱାର୍ଡକୁ ଯିବାଆସିବା ଆସିବା ପାଇଁ ସରକାରୀ ରାସ୍ତା ନାହିଁ। ଅନ୍ୟର ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ଜାଗା ଦେଇ ଲୋକମାନେ ଯିବା ଆସିବା କରୁଛନ୍ତି। ସେଥିପାଇଁ କଂକ୍ରିଟ ରାସ୍ତା ନିର୍ମାଣ ହୋଇପାରୁନାହିଁ। ତୁରନ୍ତ ରାସ୍ତା ନ ହେଲେ ଉକ୍ତ ୱାର୍ଡର ଖଗେନ୍ଦ୍ର ସାହୁ, ନରେନ୍ଦ୍ର ସାହୁ, ଲକ୍ଷ୍ମୀଧର ସାହୁ, ପଦ୍ମଲୋଚନ ସାହୁ, ଗୀତାଞ୍ଜଳି ସାହୁ, ସନ୍ଧ୍ୟାରାଣୀ ସାହୁ, ରୀନାରାଣୀ ସାହୁ, ଝିଲି ସାହୁ ଆଦି ରାଜରାସ୍ତା ଅବରୋଧ କରିବେ ବୋଲି ଚେତାବନୀ ଦେଇଛନ୍ତି।

## ଦୁଇ ମୃତକଙ୍କ ପରିବାରକୁ 'ଆପଣ ଏକା ନୁହନ୍ତି ଟ୍ରଷ୍ଟ'ର ସହାୟତା

**ସିମୁଳିଆ/ ଖଇରା, ୧୫।୬ (ସମିସ):** ଖଇରା ବ୍ଲକ୍ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଗଗନଧୂଳି ଗାଁରଦୀନବନ୍ଧୁ ଦାସଙ୍କ ପୁତ୍ର ବାବାଜୀ ମାଝୀ, ଭ୍ରମରବର ଦାସ ଙ୍କ ପୁତ୍ର ହରେକୃଷ୍ଣ ଦାସ ନାମକ ଦୁଇ ବ୍ୟକ୍ତି ପାଇଖାନା ସେଣ୍ଟିଂ ଖୋଲିବା ସମୟରେ ଗତ ୮ ତାରିଖ ଦିନ ମୃତ୍ୟୁବରଣ କରିଥିଲେ। ଆଜି ବାଲେଶ୍ୱର ଜିଲ୍ଲାର ଅଗ୍ରଣୀ ସ୍ୱେଚ୍ଛାସେବୀ ସଙ୍ଗଠନ "ଆପଣ ଏକା ନୁହଁନ୍ତି ଟ୍ରଷ୍ଟ"ର ପ୍ରତିଷ୍ଠାତା ତଥା ସଭାପତି ଅଜୟ କୁମାର ମହାନ୍ତି, ସଂଗଠନର ସମ୍ପାଦକ ସୁଶାନ୍ତ କୁମାର ବେହେରା ଏବଂ ଉପଦେଷ୍ଟା- ଶିବାନନ୍ଦ ପାଢୀଙ୍କ ତତ୍ତ୍ୱାବଧାନରେ ଏକ ଟିମ୍ ଯାଇ ଶୁଦ୍ଧି କ୍ରିୟା ପାଇଁ ଆର୍ଥିକ ସହାୟତା ହାତ ବଢ଼ାଇଥିଲେ। କମିଟିର ସଦସ୍ୟ ଗୋପାମଣି ପଣ୍ଡା, ମଧୁସ୍ମିତା ମିଶ୍ର, ସତ୍ୟରଞ୍ଜନ ଉପାଧ୍ୟାୟ, ବଳରାମ ସାହୁ, କାଳିପ୍ରସାଦ ମାଝି, ପ୍ରଦୀପ ଲେଙ୍କା, ଗୌତମ ଶିଅଳ, ରଞ୍ଜିତ ବେହେରା ଉପସ୍ଥିତ ରହି ଉକ୍ତ ଦୁଇ ପରିବାରଙ୍କୁ ଭେଟି ଶୁଦ୍ଧିକ୍ରିୟା ପାଇଁ ଆର୍ଥିକ ସହାୟତା ଯୋଗାଇ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏପଟେ ଉଭୟଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁକୁ ୮ ଦିନ ବିତି ଯାଇଥି ଲେ ମଧ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ତରଫରୁ କୌଣସି ସହାୟତା ମିଳିନଥିବା ପରିବାର ଲୋକେ କହିଛନ୍ତି।

## ଆଦିବାସୀଙ୍କ ସମସ୍ୟା ବୁଝିଲେ ସାମାଜିକ ସୁରକ୍ଷା ଅଧିକାରୀ

**ଜଳେଶ୍ୱର ବ୍ଲକ,୧୫।୬ (ସମିସ) :** ନିଜର କାର୍ଯ୍ୟକୁ କର୍ତ୍ତବ୍ୟ ମଣି ସାଧାରଣ ଲୋକଙ୍କ ପାଖରେ ପହଞ୍ଚାଇବାକୁ ନିରନ୍ତର ପ୍ରୟାସ କରୁଛନ୍ତି ଅଧିକାରୀ। ବାଲେଶ୍ୱର ଜିଲ୍ଲା ଜଳେଶ୍ୱର ପଞ୍ଚାୟତ ସମିତି କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ଅଧିନସ୍ଥ ସାମାଜିକ ସୁରକ୍ଷା ଅଧିକାରିଣୀ ସଲିମା ରାଉତ ଉପେକ୍ଷିତ ହୋଇ ରହିଥିବା ଅବହେଳିତ ଆଦିବାସୀ ଅଧ୍ୟୁଷିତ ଓ ଦଳିତ ଲୋକଙ୍କ ପାଖରେ ପହଞ୍ଚି ସେମାନଙ୍କର ମୌଳିକ ସମସ୍ୟା ସମ୍ପର୍କରେ ବୁଝି ତ୍ୱରିତ ସମାଧାନ ପାଇଁ ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ କରୁଛନ୍ତି। ଶ୍ୟାମନଗର ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତର ଏକ ଆଦିବାସୀ ସାହିରେ ପହଞ୍ଚି ଗ୍ରାମ ୬୦ ବର୍ଷରୁ ଉର୍ଦ୍ଧ ବୃଦ୍ଧ ମା'ବାପ ମାନଙ୍କର ଭତ୍ତା ସମସ୍ୟା, ପିଇବା ପାଣି, ରାସ୍ତା ଘାଟ, ଆବାସ ଗୃହ, ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ସେବା, ସ୍ୱଚ୍ଛତା ଉପରେ ଆଲୋକପାତ କରିଥିଲେ। ଗ୍ରାମର ଦୁଲା ସୋରେନ୍ ସମତେ ଅନ୍ୟ ଲୋକେ ଗୁହାରୀ ଜଣାଇ ଥିଲେ।

## ଭାରତୀୟ ଜୀବନ ବିଜ୍ଞାନ ଓ ଅନୁସନ୍ଧାନ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନର ପ୍ରସ୍ତୁତି ବୈଠକ

**ଭୋଗରାଇ, ୧୫।୬(ସମିସ):** ଭୋଗରାଇ ବ୍ଲକ୍ ସୁଲତାନପୁର ପଞ୍ଚାୟତ ରସିଦପୁର ଗ୍ରାମରେ ଥିବା କୃପାକ୍ଷେତ୍ର ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ ମନ୍ଦିର ପ୍ରାଙ୍ଗଣରେ ଭାରତୀୟ ଜୀବନ ବିଜ୍ଞାନ ଓ ଅନୁସନ୍ଧାନ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ଭୋଗରାଇ ପକ୍ଷରୁ ପ୍ରସ୍ତୁତି ବୈଠକ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଉକ୍ତ ସ୍ୱେଚ୍ଛାସେବୀ ଟ୍ରଷ୍ଟ ଗଠନ କରିବା ପାଇଁ ପ୍ରାକ୍ତନ ଶିକ୍ଷକ ନଟ ରଞ୍ଜନ ଘଡ଼ାଇଙ୍କ ଆହ୍ୱାନ କ୍ରମେ ଭୋଗରାଇ କୋଣ ଅନୁକୋଣରୁ ସଦସ୍ୟ ଓ ବହୁ ମାନ୍ୟଗଣ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ତିମାନେ ଉପସ୍ଥିତ ହୋଇଥିଲେ। ସମସ୍ତ ସଦସ୍ୟଙ୍କ ସହମତି ଓ ସହଯୋଗରେ ଭୋଗରାଇ ପଞ୍ଚାୟତ ସମିତିକୁ ଏକ ଅଭିନବ ଯୋଜନାରେ କାର୍ଯ୍ୟକରି ଏକ ଆଦର୍ଶ, ଉନ୍ନତ ଜଗନ୍ନାଥ ସଂସ୍କୃତି ସମ୍ପନ୍ନ ଆଦର୍ଶ ପଞ୍ଚାୟତ ସମିତିରେ ପରିଣତ କରିବା ପାଇଁ ଶପଥବଦ୍ଧ ହୋଇଥିଲେ। ଟ୍ରଷ୍ଟବୋର୍ଡର ଆଭିମୁଖ୍ୟ ଜଗତ ଜନଙ୍କ କଲ୍ୟାଣ, ରୋଗୀ ସେବା, ଦରିଦ୍ର ସେବା ଅସହାୟ ପିତା ମାତାଙ୍କ ସେବା, ଗୋସମ୍ପଦ ସଂରକ୍ଷଣ ଓ ସେବା, ବୃକ୍ଷ ରୋପଣ, ପ୍ରାକୃତିକ ପରିବେଶର ସୁରକ୍ଷା, ଆବର୍ଜନା ସଫା, ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟସେବା ଆଧାତ୍ମିକତା ଆଦି ଜନ କଲ୍ୟାଣକାରୀ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ କରାଯିବ। ଆସନ୍ତା ୨୧ ଜୁନ ଶନିବାର କୃପାକ୍ଷେତ୍ର ରସିଦପୁର ଜଗନ୍ନାଥ ମନ୍ଦିରରୁ ମାଉସୀ ମା' ମନ୍ଦିର ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବଡ଼ଦାଣ୍ଡରେ ସଫେଇ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଓ ବୃକ୍ଷରୋପଣ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ କରାଯିବ ବୋଲି ଅନୁଷ୍ଠାନ ପକ୍ଷରୁ ସୂଚନା ମିଳିଛି। ବୈଠକରେ ସଦସ୍ୟ ପଣ୍ଡିତ ଗୋପନାରାୟଣ ଦାଶ ସଂଗଠନ ଆଭିମୁଖ୍ୟକୁ ନେଇ ସମସ୍ତ ସଭ୍ୟମାନଙ୍କୁ ଅବଗତ କରାଇଥିଲେ। ବୈଠକରେ ମନ୍ମଥ କୁମାର ଦାଶ, ମାନସ କୁମାର ଜେନା, ରାଜକୁମାର ଦାସ, ଧନଞ୍ଜୟ ଦାସ, ଅଜୟ କୁମାର ଜେନା, ସୁରେଶ ପ୍ରଧାନ, ସୁବ୍ରତ ଘରାଇ ଝାଡେଶ୍ୱର ପାତ୍ର, ସୁରେଶ ମନ୍ତ୍ରୀ, ମୃତ୍ୟୁଞ୍ଜୟ ଦାସ, ଲକ୍ଷ୍ମଣ ଦାସ, ସୁଭାଶିଷ ଜେନା, ଲକ୍ଷ୍ମୀନାରାୟଣ ସାହୁ, ଅଧିର ସେନାପତି, ସତ୍ୟଜିତ ପଣ୍ଡା, ଶ୍ରୀନିବାସ ପ୍ରଧାନ, ଗୌରିଶଙ୍କର ତ୍ରିପାଠୀ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ। ସୀତାରାମ ପ୍ରଧାନ ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ।

## ବିଶ୍ୱ ରକ୍ତଦାତା ଦିବସ ପାଳିତ

**ନୀଳଗିରି, ୧୫।୬ (ସମିସ):** ନୀଳଗିରି ଉପଖଣ୍ଡ ଚିକିତ୍ସାଳୟ ପରିସରରେ ଥିବା ରକ୍ତ କେନ୍ଦ୍ରରେ ୨୨ତମ ବିଶ୍ୱ ରକ୍ତଦାତା ଦିବସ ପାଳିତ ହୋଇ ଯାଇଛି। ରକ୍ତକେନ୍ଦ୍ର ଅଧିକାରୀ ଡା. ତ୍ରିନାଥ ପାଲଙ୍କ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତାରେ ଆୟୋଜିତ ଉତ୍ସବରେ ନୀଳଗିରିର ସର୍ବାଧିକ ୯୬ ଥର ରକ୍ତଦାନ କରିଥିବା ସୋମନାଥ ବେହେରାଙ୍କୁ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧିତ କରାଯାଇଥିଲା। ଏହି ଉତ୍ସବରେ ଜିଲ୍ଲା ରକ୍ତ ଦାତା ସଂଘର ସଭାପତି କମଳ ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତୀ, ସାଧାରଣ ସମ୍ପାଦକ ଡ. ହୃଷୀକେଶ ସାହୁ, ବରିଷ୍ଠ ଉପଦେଷ୍ଟା ରବି ରାଉତ, ଯଶୋଦା ନନ୍ଦନ ଆଶ,ଉପସଭାପତି ତଥା ଆମ ଓଡ଼ିଶାର ଉତ୍ତର ଓଡ଼ିଶା ସଂଯୋଜକ ଲକ୍ଷ୍ମୀଧର ବାରିକ, ନୀଳଗିରି ରକ୍ତଦାତା ସଙ୍ଘର ସମ୍ପାଦକ ବିଜୟ କୁମାର ପାତ୍ର, ତପସ୍ୱିନୀ ପଣ୍ଡା ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗ ଦେଇ ରକ୍ତଦାନ ଭଳି ମହତ ଦାନର ଅନ୍ୟ କୌଣସି ବିକଳ୍ପ ନାହିଁ ବୋଲି କହିଥିଲେ। ଅଧିକରୁ ଅଧିକ ରକ୍ତଦାତା ସୃଷ୍ଟି କରିବା ପାଇଁ ଅଭିଯାନ ଚଳାଇବା ଓ ବହୁ ସଂଖ୍ୟାରେ ରକ୍ତଦାନ ଶିବିର ଆୟୋଜନ କରିବା ପାଇଁ ନିଷ୍ପତ୍ତି ଗ୍ରହଣ କରାଯାଇଥିଲା। ଅନ୍ୟ ପକ୍ଷରେ ଫକୀର ମୋହନ ମେଡିକାଲ କଲେଜ ପୂର୍ଣ୍ଣ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷମ ହେଉଥିବାରୁ ଜିଲ୍ଲାରେ ରକ୍ତ ଆବଶ୍ୟକତା ୫୦ ହଜାର ୟୁନିଟ ଅତିକ୍ରମ କରିବାର ଅନୁମାନ କରାଯାଉଛି। ତେଣୁ ମେଳା, ମହୋତ୍ସବ, ଜାନୀଯାତ୍ରା,ସମ୍ମିଳନୀ ସ୍ଥଳକୁ ଆସୁଥିବା ଲୋକଙ୍କ ଠାରୁ ସ୍ୱେଚ୍ଛାକୃତ ରକ୍ତ ସଂଗ୍ରହ କରିବା ପାଇଁ ଅଧିକ ସଂଖ୍ୟକ ଅତ୍ୟାଧୁନିକ ରକ୍ତ ସଂଗ୍ରହ ଯାନର ଆବଶ୍ୟକତା ରହିଛି। ଜିଲ୍ଲା ପ୍ରଶାସନ ଏଥି ପାଇଁ ଯତ୍ନବାନ ହେବାର ଆବଶ୍ୟକତା ରହିଛି ବୋଲି ଆଲୋଚନା କରାଯାଇଥିଲା। ଏହି ବିଶ୍ୱ ରକ୍ତଦାତା ଦିବସ ପାଳନ କାର୍ଯ୍ୟ କ୍ରମରେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଟେକ୍ନିସିଆନ ସରୋଜ ପଶା, ରାଜେଶ୍ ଦାସ, ଗତିକୃଷ୍ଣ ମହାନ୍ତି, ସଂଗ୍ରାମ ମହାପାତ୍ର, ରାଜେନ୍ଦ୍ର ବେହେରା ପ୍ରମୁଖ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ।

## ବିରକୁଳି ସେବା ସଦନ ପକ୍ଷରୁ ରକ୍ତଦାନ ଶିବିର

**ଭୋଗରାଇ,୧୫।୬(ସମିସ):** ରାଜ୍ୟରେ ପ୍ରବଳ ଗ୍ରୀଷ୍ମପ୍ରବାହ ଜାରି ରହିଥିବାବେଳେ ବାଲେଶ୍ୱର ଜିଲ୍ଲା ରକ୍ତ କେନ୍ଦ୍ରରେ ଅଭାବ ପରିଲକ୍ଷିତ ହେଇଛି। ଏହାର ଭରଣା ପାଇଁ ଭୋଗରାଇ ବ୍ଲକ ଜଳସୋହରିଆ ପାନ ମାର୍କେଟରେ ଥିବା ନର୍ମଦା ଫାଉଣ୍ଡେସନ ଆଣ୍ଡ ଚାରିଟେବୁଲ ଟ୍ରଷ୍ଟ, ବରକୁଳି ସେବାସଦନ ପକ୍ଷରୁ ଏକ ରକ୍ତଦାନ ଶିବିର ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବେ ବିରକୁଳି ସେବା ସଦନର ସଭାପତି ତଥା ଭୋଗରାଇ ବିଧାୟକ ଗୌତମବୁଦ୍ଧ ଦାସ ଯୋଗଦେଇ ଶିବିରକୁ ଉଦଘାଟନ କରିଥିଲେ। ଜିଲ୍ଲା ରକ୍ତଦାତା ସଂଘର ସଭାପତି କମଳ ଚକ୍ରବର୍ତ୍ତୀ, ବ୍ଲକ ରକ୍ତଦାତା ସଂଘର ସଭାପତି ଅଧୀର ଗିରି ଗୋସ୍ୱାମୀ, ବିରକୁଳି ସେବା ସଦନର ସମ୍ପାଦକ ଗୋପାଳ ଚନ୍ଦ୍ର ସାହୁ, ସମିତି ସଦସ୍ୟ ଲକ୍ଷ୍ମୀକାନ୍ତ ଆଧେକ, ସରପଞ୍ଚ ସିନ୍ଧୁବତୀ ଦଳେଇ, ପୁରୁଷୋତ୍ତମ ସେବା ସମବାୟ ସମିତିର ସଭାପତି ଦେବାଶିଷ ଶତପଥୀ, କବି ଶ୍ରୀକୁମାର ଘୋଷ, ବିରକୁଳି ସେବା ସଦନର ଡାକ୍ତର ଜ୍ୟୋତି ମହାନ୍ତି, ଦୀନବନ୍ଧୁ ଦଳେଇ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ହୋଇ ରକ୍ତଦାତାଙ୍କୁ ଉତ୍ସାହିତ କରିଥିଲେ। ଜଳେଶ୍ୱରପୁର ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ କେନ୍ଦ୍ରର ଜନସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ଅଧିକାରୀ ଡାକ୍ତର ଉତ୍ତର ଦଣ୍ଡପାଟ ରକ୍ତଦାତାଙ୍କ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ପରୀକ୍ଷା କରିଥିଲା ବେଳେ ଜିଲ୍ଲା ରକ୍ତ ଭଣ୍ଡାରରୁ ରକ୍ତ ସଂଗ୍ରହ ହୋଇଥିଲା। ଏହି ଶିବିରରେ ୩୦ ୟୁନିଟ୍ ରକ୍ତ ସଂଗୃହୀତ ହୋଇଥିଲା। ଜଗନ୍ନାଥ ମାଇତି, ସଞ୍ଜିତ ଭୂୟାଁ, ବୁଦ୍ଧଦେବ ସିଂହ, ହୃଷିକେଶ ମହନ୍ତ, ଅରବିନ୍ଦ ଦତ୍ତ, ସ୍ମୃତି ଶ୍ରଦ୍ଧା ମହାଳିକ, ମନୀଲତା ଦାସ, ରିୟଙ୍କା ଦାସ, ସଞ୍ଜୁଲତା ଜେନା, ଇତିଶ୍ରୀ ବେହେରା, ଦିବେନ୍ଦୁ ମାଇତି, ଚିନ୍ମୟ ମହାନ୍ତି, ସ୍ମାରକ ମହାନ୍ତି, ଅନୀଲ ଦାସ, ଲକ୍ଷ୍ମୀଧର ବାରିକ, ବିଶ୍ୱଜିତ ମହାନ୍ତି ପ୍ରମୁଖ ଶିବିର ପରିଚାଳନାରେ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ।

## ରାଜ୍ୟସ୍ତରୀୟ ରଜ ମହୋତ୍ସବ

**ବାଲେଶ୍ୱର,୧୫।୬(ସମିସ):** ସଦର ବ୍ଲକ ପଦ୍ମପୁର ପଞ୍ଚାୟତ ମଝିକିଆସ୍ଥିତ ମା ' ବୁଢ଼ୀବାସୁଳି କଳା ଓ ସଂସ୍କୃତି ମହାବିଦ୍ୟାଳୟରେ ରାଜ୍ୟସ୍ତରୀୟ ରଜ ମହୋତ୍ସବ ପାଳିତ ହୋଇଛି। ଉତ୍ସବରେ ଶ୍ରୀମତୀ ସେଣ ସଭାପତିତ୍ୱ କରିଥିଲେ। ମହାବିଦ୍ୟାଳୟର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ତଥା ସମ୍ପାଦକ ଅଶୋକ କୁମାର ଦାସ ବିବରଣୀ ପାଠ କରିଥିଲେ। ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଡ. ମାଧବ ସେଠୀ, ମୁଖ୍ୟବକ୍ତା ସାମ୍ବାଦିକ ସର୍ବେଶ୍ୱର ଦାସ, ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ରଞ୍ଜନ ପାଣିଗ୍ରାହୀ, କହ୍ନେଇ ଚରଣ ପ୍ରଧାନ ଅତିଥି ଯୋଗଦାନ କରିଥିଲେ। ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରତିଯୋଗିତାରେ କୃତୀ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ଅତିଥିମାନେ ପୁରସ୍କୃତ କରିଥିଲେ।

## ବିକାଶ ବାହନ ରଥକୁ ବିଭିନ୍ନ ପଞ୍ଚାୟତ ପକ୍ଷରୁ ସ୍ୱାଗତ

**ଭୋଗରାଇ,୧୫।୬(ସମିସ):** ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ଏକ ବର୍ଷ ପୂର୍ତ୍ତି ଅବସରରେ ଭୋଗରାଇ ବ୍ଲକ୍‌ର ବିଭିନ୍ନ ପଞ୍ଚାୟତରେ ବିକାଶ ରଥ ବୁଲୁଛି। ଆଜି ସକାଳେ ପାଣିଷଣ୍ଡା ପଞ୍ଚାୟତରେ ଏହି ରଥ ପହଞ୍ଚିଥିଲା ବେଳେ ସେଠାରେ ସରପଞ୍ଚ ଅନିତା ଜେନା, ପିଓ ବନିତା ଦାସ, ଏଡିଓ ରମେଶ ଗିରି, ସଦସ୍ୟ ଗୈରାଙ୍ଗ ଖାଟୁଆ, ନାଏବ ସରପଞ୍ଚ ଫିରଜ ଖାଁ, ପୂର୍ବତନ ସରପଞ୍ଚ ରାଜୀବ ଲୋଚନ ତୋଳା ସ୍ୱାଗତ କରିଥିଲେ। ସେହିପରି ସେହରିଆ ପଞ୍ଚାୟତରେ ସରପଞ୍ଚ ଜଗନ୍ନାଥ ସେଠୀ, ପିଇଓ କଟିଆ ମାରାଣ୍ଡି, ସଦସ୍ୟ ସବିତା ସାହୁ, ସର୍ବେଶ୍ୱର ପ୍ରଧାନ, ବ୍ଲକ ନୋଡାଲ ଅଫିସର ରମେଶ ଗିରି, ପଞ୍ଚାୟତ ନୋଡାଲ ଅଫିସର ବିଶ୍ୱପ୍ରିୟ ପ୍ରଧାନ ବିକାଶ ରଥକୁ ସ୍ୱାଗତ କରିଥିଲେ। ଜଳସହୋରିଆ ପଞ୍ଚାୟତରେ ସରପଞ୍ଚ ସିନ୍ଧୁମତି ଦଳାଇ, ସଦସ୍ୟ ଲକ୍ଷ୍ମୀକାନ୍ତ ଆଧେକ, ପିଓ ସୀତା ଟୁଡୁ, ଏଡିଓ ସୌଭାଗ୍ୟ ଲକ୍ଷ୍ମୀ ପାତ୍ର ରଥକୁ ସ୍ୱାଗତ କରିଥିଲେ। ଏହି ଅବସରରେ ବିଭିନ୍ନ ହିତାଧିକାରୀଙ୍କୁ ନୂତନ ଭତ୍ତା, ଅନ୍ନପୂର୍ଣ୍ଣା ଗୃହ ଯୋଜନାରେ ଗୃହ କାର୍ଯ୍ୟାଦେଶ, ଜବକାର୍ଡ, ରେସନ କାର୍ଡ ଆଦି ଦିଆଯାଇଥିଲା। ସେହିପରି କଖଡ଼ା ଓ ଜଗନ୍ନାଥପୁର ପଞ୍ଚାୟତରେ ବିକାଶ ବାହନ ରଥକୁ ସ୍ୱାଗତ କରିଥିବା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଥିଲା।

### ଶିବ ମହିମାର ଅନନ୍ୟ ପୀଠ ବାବା ନିଖିରେଶ୍ୱର

# ମିଳିନି ପର୍ଯ୍ୟଟନ ସ୍ଥଳୀ ମାନ୍ୟତା, ହେଉନି ବିକାଶ

କାଳିପଦା,୧୫।୬ (ସମିସ)

ବାଲେଶ୍ୱର ଜିଲ୍ଲାର ଅନ୍ୟତମ ପ୍ରମୁଖ ଶୈବପୀଠ ହେଉଛି ବାବା ନିଖିରେଶ୍ୱର। ପ୍ରଭୁ ନିଖିରେଶ୍ୱରଙ୍କ ମହିମା ଅପାର। ଆଖପାଖ ୧୦ରୁ ୧୫ଟି ମୌଜାର ଯାହାର ଯାହା ବି ଅସୁବିଧା ହେଲେ ବାବାଙ୍କ ଆସ୍ଥାନକୁ ଆସି ଗୁହାରୀ ଜଣାନ୍ତି। ବାଲିଆପାଳ ବସ୍ତା ପୂର୍ତ୍ତ ବିଭାଗ ମୁଖ୍ୟରାସ୍ତାରେ ଖପରାପଦା ଛକରୁ ଉତ୍ତରକୁ ୫ରୁ ୬ କିଲୋମିଟର ଗଲେ ଏହି ପୂଜାପୀଠ ପଡ଼େ। ପୀଠର ସେମିତି ଆଖିଦୃଶିଆ କୌଣସି ଉନ୍ନତି ହୋଇନାହିଁ। ପର୍ଯ୍ୟଟନ ସ୍ଥଳୀର ମାନ୍ୟତା ମଧ୍ୟ ପାଇ ନାହିଁ। ସବୁଠୁ ବଡ଼ ସମସ୍ୟା ହେଉଛି ପୀଠକୁ ଯିବା ପାଇଁ ଅଣଓସାରିଆ ରାସ୍ତା। ଏପରିକି ମହାଦେବଙ୍କ ଏକର ଏକର ସମ୍ପତ୍ତି ଏବେ ଜବର ଦଖଲକାରୀଙ୍କ କବଜାରେ ରହିଥିବା ମଧ୍ୟ ଅଭିଯୋଗ ହେଉଛି। ମହାଦେବଙ୍କ ମହିମା ସମ୍ପର୍କରେ ଅନେକ କିମ୍ବଦନ୍ତୀ ରହିଛି। ଏକଦା ମହାଦେବ ମର୍ତ୍ତରେ ତାଙ୍କର ଲୀଳା ସଂରଚନା କରିବା ପାଇଁ ଦେବୀ ପାର୍ବତୀଙ୍କୁ କହନ୍ତି। ପାର୍ବତୀ ଧ୍ୟାନସ୍ଥ ଥିବାରୁ କୌଣସି ଉତ୍ତର ଦେଲେ ନାହିଁ। ମହାଦେବ କ୍ରୋଧିତ ହୋଇ ଆସନ୍ତି ଏହି ସ୍ଥାନକୁ। ଏକଦା ଘଣ୍ଟୁ ନାମକ ଏକ ଗାଈଆଳର ଗାଈ ସନ୍ନିକଟ ଜଙ୍ଗଲରେ କେଉଁ ଆଡ଼େ ଅଦୃଶ୍ୟ ହୋଇଗଲା। ଘଣ୍ଟୁ ବହୁ ଖୋଜା ଖୋଜି କଲାରୁ ଏକ ଅଦ୍ଭୁତ ଦୃଶ୍ୟ ଦେଖି ଡରିଗଲା। ହଜିଥିବା ଗାଈ ସେଇଠି ଛିଡ଼ା ହୋଇଛି। ତାର ଠାରୁ କ୍ଷୀର ଅନବରତ ମାଟିରେ ପଡୁଥିଲା। ସେ ଅଦ୍ଭୁତ ଘଟଣା କଥା ପ୍ରଘଟ କରିବାରୁ ଗ୍ରାମବାସୀ ମହାଦେବଙ୍କୁ ଠାବ କରିଥିଲେ। ଅନ୍ୟ ଏକ କିମ୍ବଦନ୍ତୀ ଅନୁସାରେ ଦେବୀ ପାର୍ବତୀ ଧ୍ୟାନ ବଳରେ ସମସ୍ତ ଜାଣନ୍ତି। ସେ କ୍ରୋଧିତ ହୋଇ ସମସ୍ତ ଗାଈଙ୍କ କ୍ଷୀର ହରଣ କଲେ। ଏଇଥିରୁ ଗ୍ରାମର ନାମ ନିଖିରା ପ୍ରତିପ୍ରନ୍ନ ହୋଇଛି। ମଝିପଡ଼ାର ଜାନୁ ଘଣ୍ଟ ପଣ୍ଡା ମହାଦେବଙ୍କ ପ୍ରଥମ ପୂଜକ ଥିଲେ। ଏହି ଶୈବପୀଠ ସହିତ ଚନ୍ଦନେଶ୍ୱର ଓ ଲଙ୍ଗଳେଶ୍ୱର ଆଦି ପୀଠର ସାମଞ୍ଜସ୍ୟ ଅନେକାଂଶରେ ରହିଛି। ମହାଦେବଙ୍କ ଲିଙ୍ଗ ଶକ୍ତିଠାରୁ ମାଟି ଭିତରକୁ ଥିବାର ଅନୁମାନ କରାଯାଏ। ଅନ୍ୟ ଏକ କିମ୍ବଦନ୍ତୀରୁ ଜଣାଯାଏ, ଏକଦା ବଙ୍ଗଦେଶର ଶ୍ୟାମ ଅଗ୍ରୱାଲା ନାମକ ଜନୈକ ଲୋକ କୌଣସି କାର୍ଯ୍ୟ ବଶତଃ ଏଠାକୁ ଆସନ୍ତି। ନଡ଼ାଛପର ଘେରା ମନ୍ଦିରରେ ମହାଦେବଙ୍କୁ ଦେଖି ନ ପାରି ମନସ୍ତାପରେ ଫେରିଯାଆନ୍ତି। ମାତ୍ର ପୂଜକ କାଲି କି ସେ ତାଙ୍କୁ ମହାଦେବଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ କରାଇଦେବେ ବୋଲି କହନ୍ତି। ତହିଁ ପରଦିନ ଏକ ଅଦ୍ଭୁତ ଘଟଣା ଘଟିଲା। ମହାଦେବଙ୍କ ଶକ୍ତିର ତଳ ଭାଗରେ ସ୍ୱୟଂ ଜଟାଧାରୀ ଆବିର୍ଭାବ ହୋଇଥିଲେ। ଶ୍ୟାମ ଅଗ୍ରୱାଲା କ୍ଷମାଯାଚନା କରି ଫେରିଯାଇଥିଲେ। ଲୋକମୁଖରେ ଆଜି ବି ସେହି କଥା ଜୀବନ୍ତ ହୋଇ ରହିଛି। ମହାଦେବଙ୍କ ନୀଳ ଓ ପାଟପର୍ବ ଏଠାରେ ଖୁବ ଧୂମଧାମରେ ପାଳିତ ହୁଏ। ଏବେ ମନ୍ଦିରକୁ ଲାଗି ସାପ୍ତାହିକ ହାଟ ଓ ବଜାର ଗଢି ଉଠିଛି। ପଞ୍ଚାୟତ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ଓ ଉଚ୍ଚ ମାଧ୍ୟମିକ ବିଦ୍ୟାଳୟ ମଧ୍ୟ ରହିଛି। ଏହା ବାଲିଆପାଳ ବ୍ଲକ୍‌ର ପ୍ରମୁଖ ବାଣିଜ୍ୟିକ କେନ୍ଦ୍ର।

## ଜିଲ୍ଲାପାଳଙ୍କ ସହ ଓଏଏସ୍ ଅଧିକାରୀ ପ୍ରଶିକ୍ଷାର୍ଥୀମାନଙ୍କ ଆଲୋଚନା

**ବାଲେଶ୍ୱର,୧୫।୬ (ସମିସ):** 'ଓଡ଼ିଶା ଦର୍ଶନ' କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ବାଲେଶ୍ୱର ଜିଲ୍ଲା ପରିଦର୍ଶନରେ ଆସିଥିବା ଓଏଏସ୍ ଅଧିକାରୀ ଟ୍ରେନି ତଥା ପ୍ରଶିକ୍ଷାର୍ଥୀମାନେ ଆଜି ଜିଲ୍ଲାପାଳଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ସମ୍ମିଳନୀ କକ୍ଷରେ ଏକ ବୈଠକରେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ଏହି ବୈଠକରେ ଜିଲ୍ଲାପାଳ ସୂର୍ଯ୍ୟବଂଶୀ ମୟୂର ବିକାଶ ଅଧ୍ୟକ୍ଷତା କରିଥିବା ବେଳେ ଅତିରିକ୍ତ ଜିଲ୍ଲାପାଳ ସୁଧାକର ନାୟକ ଓ ବରିଷ୍ଠ ଅଧିକାରୀ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ବୈଠକରେ ସେମାନେ ଆଜିର ଶାସନ କ୍ଷେତ୍ରରେ ଜଣେ ପ୍ରଶାସନିକ କର୍ମଚାରୀ ହେବାର ଚ୍ୟାଲେଞ୍ଜ, ଦାୟିତ୍ୱ, ଆହ୍ୱାନ ଏବଂ ପ୍ରଭାବ ବିଷୟରେ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ।

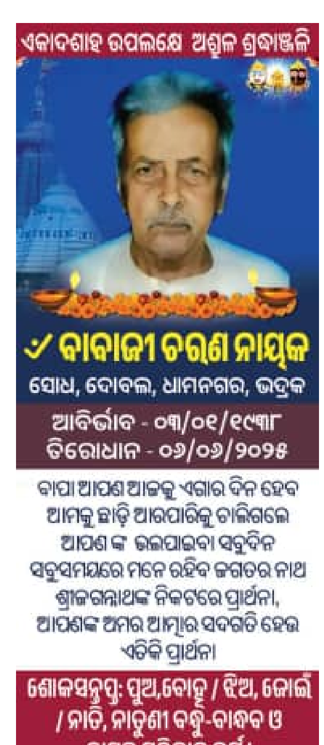

# ସରିଲା ରଜ ସଂକ୍ରାନ୍ତି; 'ରଜ ସଜବାଜ ମଉଜ'

ବାଲେଶ୍ୱର,୧୫।୬ (ସମିସ)

ରଜର ମଉଜ ଟିକେ। ସଜବାଜ ପାଇଁ ନଥାଏ କୌଣସି ବୟସ। ଯାହା ଏକ ନିଆରା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପ୍ରମାଣ କରିଛି। ଏଠି କେହି ଝିଅ ନଥିଲେ ବରଂ ସଭିଏଁ ବୋହୂ ଏକାଠି ହୋଇଥିଲେ। ଏମିତିକି କାହାରି ବୟସ ୫୦ରୁ କମ୍ ନୁହେଁ। ତଥାପି ସେମାନେ ଏହି ରଜରେ ପାଦରେ ଅଳତା, ହାତରେ ମେହେନ୍ଦି, ମୁଣ୍ଡରେ ସିନ୍ଦୂର ଲଗାଇ ମଉଜରେ ରଜ ପାଳନ କରିଛନ୍ତି। ଖାଲି ଏତିକି ନୁହେଁ ପିଠା, ମିଠା, ପାନ ଖାଇ ଏହି ପର୍ବକୁ ବେଶ୍ ଆନନ୍ଦର ସହ ପାଳନ କରିଛନ୍ତି। ପହିଲି ରଜ ପରେ ଆଜି ପାଳିତ ହୋଇଛି ରଜ ସଂକ୍ରାନ୍ତି। ରଜ ତିନି ଦିନ ଗାଁଠୁ ସହର ମହକି ଉଠୁଛି। ଏହି ତିନି ଦିନ ଝିଅମାନେ ସଜବାଜଠୁ ଆରମ୍ଭ କରି ପିଠାପଣା, ମିଠା ଖିଆରେ କଟୁଛି। ଗାଁଠୁ ସହର ସବୁଠି ସମସ୍ତେ ଦୋଳି ଖେଳୁଛନ୍ତି। ରଜ ସଂକ୍ରାନ୍ତିରେ ମହକୁଛି ପିଠାର ବାସ୍ନା। ତେବେ ଏହି ରଜ ପର୍ବରେ କେବଳ ଝିଅ ନୁହେଁ ବରଂ ବୟସ୍କ ମହିଳା ବି ରଜ ପାଳନ କରୁଛନ୍ତି। ବିଶେଷକରି ଅଧିକାଂଶ ମହିଳାଙ୍କ ୪୫ ବର୍ଷ ବୟସରୁ ଅଧିକ ହେବା ପରେ ସେମାନେ ସଜବାଜ ହେବା ପାଇଁ ଇଚ୍ଛା ପ୍ରକାଶ କରନ୍ତି ନାହିଁ। ହେଲେ ରଜ ସମୟରେ ଏକ ନିଆରା କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମର ଆୟୋଜନ ସେମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଏକ ନୂତନ ଆନନ୍ଦ ଦେଇଛି। ରଜ ପର୍ବରେ କେବଳ କୁନି ଝିଅମାନେ ମଜା ନେଉନାହାନ୍ତି ବରଂ ମହିଳାମାନେ ମଧ୍ୟ ଏହି ରଜ ପର୍ବରେ ନିଜକୁ ସାମିଲ କରିଛନ୍ତି। ହସ ପରିବାର ପକ୍ଷରୁ ରଜ ଅବସରରେ 'ରଜ ସଜବାଜ ମଉଜ' କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ନୃତ୍ୟ ସଙ୍ଗୀତ କଳା ମନ୍ଦିର ପରିସରରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଅନୁଷ୍ଠାନର ସଭାପତି ଗୋପାଳ ଜେନାଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ ଅନୁଷ୍ଠାନର ସମସ୍ତ ସଦସ୍ୟ ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ସେଠାରେ ଉପସ୍ଥିତ ହୋଇ ବିଭିନ୍ନ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ସାମିଲ ହୋଇଥିଲେ। ମୁଖ୍ୟ ଆକର୍ଷଣ ଥିଲା ମହିଳା ଓ ଝିଅ ମାନଙ୍କର ସଜବାଜ। ପହିଲି ରଜ ଓ ରଜ ସଂକ୍ରାନ୍ତିରେ ସମସ୍ତ ମହିଳା ଓ ଝିଅ ପରସ୍ପରକୁ ସଜବାଜ କରାଇବା ସହ ନିଜେ ମଧ୍ୟ ସଜବାଜ ହୋଇଥିଲେ। ଏହା ବ୍ୟତିତ ସେମାନେ ରଜ ପାନ ଖାଇବା ସହ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ପିଠା, ମିଠା, ଆମ୍ବ ପଣସ ଖାଇବାର ମଜା ନେଇଥିଲେ। ଦହିବରା ସାଙ୍ଗକୁ ଆଳୁଦମର ମଜା ଥିଲା ଟିକିଏ ନିଆରା। ଯେହେତୁ ସମସ୍ତେ ବାଲେଶ୍ୱରିଆ ସେଥିପାଇଁ କେତେକ ମୁଢ଼ି ଆଳୁଦମର ମଧ୍ୟ ମଜା ନେଇଥିଲେ। ଅଧିକାଂଶ ଯୌଥ ପରିବାର ଛାଡ଼ି ଆସି ଏକକ ପରିବାରେ ରହୁଥିବାରୁ ଏପ୍ରକାର ମଜାରୁ ସେମାନେ ବଂଚିତ ହେଉଥିଲେ। ଏହା ସେମାନଙ୍କୁ ଖୁବ ଆନନ୍ଦ ଦେଇଛି ବୋଲି କହିଥିଲେ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ହସ ପରିବାରର ୪୦ରୁ ଅଧିକ ମହିଳା ଓ କର୍ମକର୍ତ୍ତା ସାମିଲ ହୋଇଥିଲେ।

# ଅନିଲ ମହାପାତ୍ରଙ୍କୁ 'ଚେୟାର ଅଫ୍ ଇଣ୍ଡିଆନ ଷ୍ଟଡିଜ' ସମ୍ମାନ

ବାଲେଶ୍ୱର,୧୫।୬(ସମିସ): ଭାରତର ବୈଦେଶିକ ମନ୍ତ୍ରଣାଳୟ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଭାରତୀୟ ସାଂସ୍କୃତିକ ସମ୍ପର୍କ ପରିଷଦ ପକ୍ଷରୁ ପ୍ରଫେସର ଅନିଲ କୁମାର ମହାପାତ୍ରଙ୍କୁ ସମ୍ମାନଜନକ "ଚେୟାର ଅଫ ଇଣ୍ଡିଆନ ଷ୍ଟଡିଜ' ପାଇଁ ଚୟନ କରାଯାଇଛି। ଭାରତ ସରକାର ବତିଶଟି ଦେଶ ସହ ବୁଝାମଣାପତ୍ର ସ୍ୱାକ୍ଷର କରି ୪୭ଟି ଚେୟାର ପ୍ରତିଷ୍ଠା କରିଛନ୍ତି। ଚୟନ ବ୍ୟକ୍ତିତ୍ୱ ବର୍ଷେ ବା ଦୁଇବର୍ଷ ବୁଝାମଣା ସ୍ୱାକ୍ଷରିତ ହୋଇଥିବା ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟମାନଙ୍କରେ ଆବାସିକ ଭାବେ ରହି ଭାରତର ସଂସ୍କୃତି, ରାଜନୈତିକ ବ୍ୟବସ୍ଥା ଇତ୍ୟାଦି ଉପରେ ସନ୍ଦର୍ଭ ଲେଖିବା, ଗବେଷଣାରେ ସହାୟତା କରିବା, ସମ୍ମାନରେ ବକ୍ତବ୍ୟ ରଖିବା ଏସବୁ କାର୍ଯ୍ୟ କରିଥାନ୍ତି। ଭାରତର ସାଂସ୍କୃତିକ ରାଜଦୂତ ଭାବରେ ସେମାନଙ୍କୁ ଗ୍ରହଣ କରାଯାଏ। ସେହି କ୍ରମରେ ପ୍ରଫେସର ଅନିଲ ମହାପାତ୍ର କାଠମାଣ୍ଡୁର ତ୍ରିଭୁବନ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ସେହି ଭାରତୀୟ ଶିକ୍ଷା ଚେୟାର ମଣ୍ଡନ କରିବେ। ଆଗରୁ ପ୍ରଫେସର ମହାପାତ୍ର ଅକ୍ସଫୋର୍ଡ ଓ ହାଇଡେଲବର୍ଗ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଫେଲୋସି ପାଇ ଗବେଷଣା କରିବାର କୃତିତ୍ୱ ଅର୍ଜନ କରିଛନ୍ତି। ଫକୀରମୋହନ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ କାର୍ଯ୍ୟରତ ପ୍ରଫେସର ମହାପାତ୍ର ଏହି ସମ୍ମାନ ପାଇବାରେ ଓଡିଶାର ସମସ୍ତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରୁ ପ୍ରଥମ ବ୍ୟକ୍ତି ଅଟନ୍ତି। ଏ ନେଇ ଶ୍ରୀ ମହାପାତ୍ରଙ୍କୁ ଓଡ଼ିଶା ବିଧାନସଭା ବାଚସ୍ପତି ଏବଂ ଫକୀରମୋହନ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର କୁଳପତି ପ୍ରଫେସର ସନ୍ତୋଷ କୁମାର ତ୍ରିପାଠୀ, ପୂର୍ବତନ କୁଳପତି ଶିବ ସୁନ୍ଦର ଅଧିକାରୀ ଏବଂ ପୂର୍ବତନ କୁଳପତି ଦୀପକ କୁମାର ବେହେରା ପ୍ରମୁଖ ଶୁଭେଚ୍ଛା ଜଣାଇଛନ୍ତି।

# ଶ୍ରୀନିକ୍ସ ବୈଷୟିକ ମହାବିଦ୍ୟାଳୟରେ ଆଲୋଚନାଚକ୍ର

ବାଲେଶ୍ୱର,୧୫।୬(ସମିସ): ଶ୍ରୀନିକ୍ସ ବୈଷୟିକ ମହାବିଦ୍ୟାଳୟର ଇଲେକ୍ଟ୍ରିକାଲ ଇଂଜିନିୟରିଂ ବିଭାଗ ଓ ଅଲଇଣ୍ଡିଆ କାଉନସିଲ ଅଫ୍ ଟେକନିକାଲ ଏଜୁକେସନର ମିଳିତ ଆନୁକୂଲ୍ୟରେ ଫାକ୍ଲଟି ଡେଭେଲପମେଣ୍ଟ ପ୍ରୋଗ୍ରାମର ଶୁଭାରମ୍ଭ ହୋଇଛି। ଏଥିସହ 'ରୋଲ ଅଫ ଆର୍ଟିଫିସିଆଲ ଇଣ୍ଟେଲିଜେନସ' ଶୀର୍ଷକ ଆଲୋଚନାଚକ୍ର ଉଦଘାଟିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଏହା ଆସନ୍ତା ୨୦ତାରିଖ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଚାଲିବ। ଏହି ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ବିଜୁ ପଟ୍ଟନାୟକ ପ୍ରଯୁକ୍ତି ବିଦ୍ୟାଳୟର କୂଳପତି ପ୍ରଫେସର ଡ. ଅମୀୟ କୁମାର ରଥ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗଦେଇ ଆଧୁନିକ ଶିକ୍ଷା ଓ ଗବେଷଣାର ଆର୍ଟିଫିସିଆଲ ଇଂଟେଲିଜେନସ ବା ଏଆଇର ଭୂମିକା ସମ୍ପର୍କରେ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ। ଅନୁଷ୍ଠାନର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ପ୍ରଫେସର ଡ ଯଶୋବନ୍ତ କୁମାର ମହାନ୍ତିଙ୍କ ପ୍ରତ୍ୟକ୍ଷ ତତ୍ୱାବଧାନରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଶିକ୍ଷକ ଓ ଗବେଷକମାନଙ୍କ ଜ୍ଞାନ କୌଶଳ ଓ ଦୃଷ୍ଟିକୋଣକୁ ବୃଦ୍ଧି କରିବାରେ ଏଭଳି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ବେଶ ସହାୟକ ହୋଇଥାଏ ବୋଲି କହିଥିଲେ। ଏଫଡିପି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମର କୋ ଅଡିନେଟର ତଥା ସଂଯୋଜିକା ପ୍ରଫେସର ଡ. ସ୍ମିତା ପ୍ରଧନେ ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମର ଆଭିମୁଖ୍ୟ ସମ୍ପର୍କରେ ମତ ରଖିଥିଲେ। ଶ୍ରୀନିକ୍ସ ମହାବିଦ୍ୟାଳୟର ଏକାଡେମିକ ଡିନ ପ୍ରଫେସର ଡ. ଅରବିନ୍ଦ ପଣ୍ଡା ଯୋଗଦେଇ ଏଆଇ ତଥା ଭାରତୀୟ ବୈଷୟିକ ଜ୍ଞାନ ପରମ୍ପରା ଓ ନୀତି ସମ୍ପର୍କରେ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ। ବାଲେଶ୍ୱର ଟେକନିକାଲ ଏଜୁକେସନ ସୋସାଇଟିର ସାଙ୍ଗଠନିକ ସଚିବ ପ୍ରଫେସର ଶୁଭାଶିଷ ପଣ୍ଡା ଅନୁଷ୍ଠାନର ଶିକ୍ଷା ପ୍ରଣାଳୀ ସମ୍ପର୍କରେ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମର ପ୍ରଥମ ଅଧିବେଶନରେ ବେଙ୍ଗାଲୁରୁସ୍ଥିତ ଆଇଏସଆଇ ପ୍ରଫେସର ଡ. ସରୋଜ ମେହେର ଓ ଦ୍ୱିତୀୟ ଅଧିବେଶନରେ ଓପିଟିସିଏଲର ଡେପୁଟି ମ୍ୟାନେଜର ଅନମୋଲ ମହାରଣା ଯୋଗଦେଇ ମତ ରଖିଥିଲେ। ସମସ୍ତ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ଅନୁଷ୍ଠାନର ପ୍ରାଧ୍ୟାପିକା ଇ. ବନଜା ମହାପାତ୍ର, ପ୍ରାଧ୍ୟାପିକା ଲିପିକା ବଳ ମଣ୍ଡଳଙ୍କ ସମେତ ସମସ୍ତ ବିଭାଗର କର୍ମଚାରୀ, ସଦସ୍ୟ ଓ ସଦସ୍ୟା ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ।

ସର୍ବଭାରତୀୟ ନିଟ୍ ୟୁଜି ମେଡିକାଲ ପ୍ରବେଶିକା ପରୀକ୍ଷା

# ଫକୀରମୋହନ କନିଷ୍ଠ ମହାବିଦ୍ୟାଳୟ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କ ବାଜିମାତ

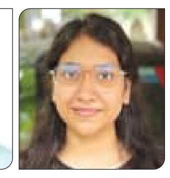

ବାଲେଶ୍ୱର,୧୫।୬ (ସମିସ): ଚଳିତବର୍ଷ ସର୍ବଭାରତୀୟ ନିଟ୍ ୟୁଜି ମେଡିକାଲ ପ୍ରବେଶିକା ପରୀକ୍ଷାରେ ଫକୀରମୋହନ କନିଷ୍ଠ ମହାବିଦ୍ୟାଳୟର ବିଜ୍ଞାନ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ଉଲ୍ଲେଖନୀୟ କୃତିତ୍ୱ ହାସଲ କରିଛନ୍ତି। ପ୍ରଜ୍ଞା ପାରମିତା ଗିରି ଓ ପାର୍ଥସାରଥୀ ମିଶ୍ର ଯୁଗ୍ମ ଭାବେ ୯୯.୪୩ ପର୍ସେଣ୍ଟାଇଲ୍ ମାର୍କ ରଖିଥିବା ବେଳେ ବର୍ଷା ତ୍ରିପାଠୀ ୯୯.୨୫ ପର୍ସେଣ୍ଟାଇଲ୍ ମାର୍କ, ପଙ୍କଜ ସାସମଲ ୯୯.୨୫ ପର୍ସେଣ୍ଟାଇଲ୍ ମାର୍କ, ବିଭୂତି ବେହେରା ୯୮.୩୨ ପର୍ସେଣ୍ଟାଇଲ୍ ମାର୍କ, ବିବେକାନନ୍ଦ ସାମଲ ୯୭.୮୬ ପର୍ସେଣ୍ଟାଇଲ୍ ମାର୍କ, ଜେ ସି ଜିତାଂଶୁ ରାଉତ ୯୭.୧୮ ପର୍ସେଣ୍ଟାଇଲ୍ ମାର୍କ ରଖିଛନ୍ତି। ଏଥିପାଇଁ ମହାବିଦ୍ୟାଳୟର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ପ୍ରଦୀପ କୁମାର ରଣା, ଉପାଧ୍ୟକ୍ଷ ଡ. ସନ୍ତୋଷ ରାଉତ, ଷ୍ଟାଫ କାଉନସିଲ୍ ଚେୟାରମ୍ୟାନ ଡ. ଭାଗବତ ଭୂୟାଁ, ଆକଡେମିକ୍ ବର୍ଷାର ଡ. ସୋନାଲିସା ମହାନ୍ତି, ନୋଡାଲ ନାମଲେଖା ଅଧିକାରୀ ଡ. ତପସ୍ୱିନୀ ନାଏକ, ସେକ୍ସନ ଅଧିକାରୀ ବଳରାମ ନାଏକଙ୍କ ସମେତ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଅଧ୍ୟାପକ, ଅଧ୍ୟାପିକା, କର୍ମଚାରୀ ଓ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ସେମାନଙ୍କୁ ଶୁଭେଚ୍ଛା ଜଣାଇଛନ୍ତି।

# ସୋମନାଥପୁରରେ ମା' ମଙ୍ଗଳାଙ୍କ ରଥଯାତ୍ରା

ବାଲେଶ୍ୱର,୧୫।୬(ସମିସ): ପବିତ୍ର ରଜ ସଂକ୍ରାନ୍ତି ଅବସରରେ ବାଲେଶ୍ୱର ସୋମନାଥପୁର ଠାରେ ମା'ତାରିଣୀ ମଙ୍ଗଳାଙ୍କ ପୀଠରୁ ମା'ଙ୍କ ପୂଜାନୀତି ପରେ ମା' ତାରିଣୀ ଦେବୀଙ୍କ ୨୫ତମ ରଥଯାତ୍ରା ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଛି। ଏହି ରଥ ମା'ଙ୍କ ମନ୍ଦିର ନିକଟରୁ ବାହାରି କନକଦୁର୍ଗା ମନ୍ଦିରକୁ ଯାଇଥିଲେ। ମା' ପୁଣି ୧୬ତାରିଖ ଅର୍ଥାତ ସୋମାବାର ଦିନ ମନ୍ଦିରକୁ ଲେଉଟିବେ। ମା'ଙ୍କ ରଥଯାତ୍ରା ପାଇଁ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ସେମାନାଥପୁର ଅଞ୍ଚଳ ଉତ୍ସବ ମୁଖରିତ ହୋଇ ପଡ଼ିଥିବା ବେଳେ ବହୁ ଭକ୍ତ ସେଠାରେ ସମାଗମ ହୋଇଥିଲେ। ପ୍ରଥମେ ମା'ଙ୍କ ପୂଜାର୍ଚ୍ଚନା ପରେ ସୁସଜ୍ଜିତ ରଥରେ ମା'ଙ୍କ ରଥାରୂଢ଼ ହୋଇଥିଲା। ଘଂଟ,ଘଂଟା,ମାଦଳ ହୁଳହୁଳିରେ ସମଗ୍ର ଅଂଚଳ ଫାଟିପଡୁଥିବା ବେଳେ ଉଭୟ ମହିଳା ଓ ପୁରୁଷ ଭକ୍ତମାନେ ମାଙ୍କ ରଥକୁ ଟାଣିଟାଣି ନେଇଥିଲେ। ମା' ତାରିଣୀ ମଙ୍ଗଳା ମନ୍ଦିରର ମୁଖ୍ୟ ପୂଜକ କୈଳାସ ଚନ୍ଦ୍ର ବେହେରା ପୂଜାକାର୍ଯ୍ୟ ତୁଲାଇଥିଲେ। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ସଭାପତି ଦେବବ୍ରତ ମହାନ୍ତି, ସମ୍ପାଦକ ଗୌତମ ମହାନ୍ତି, କୋଷାଧ୍ୟକ୍ଷ କାଳୀଚରଣ ସାହା, ସଂଯୋଜକ ରବୀନ୍ଦ୍ର ଖଟୁଆଙ୍କ ସମେତ ପ୍ରତାପ ମାହାର୍ଣ୍ଣା, କମଳାକାନ୍ତ ମହାନ୍ତି, ଗଙ୍ଗାଧର ବିନ୍ଧାଣୀ, ମନୁ ସାହୁ ପ୍ରମୁଖଙ୍କ ସହ ଅନ୍ୟମାନେ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ। ଏହି ରଥ ଉତ୍ସବରେ ସୋମନାଥପୁର ଗାଁ ସମେତ ବାଲେଶ୍ୱର ଜିଲ୍ଲା ଏବଂ ଆଖାପାଖ ଅଞ୍ଚଳରୁ ଭକ୍ତମାନେ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ଶାନ୍ତିଶୃଙ୍ଖଳା ପାଇଁ ପୁଲିସ ମୁତୟନ କରାଯାଇଥିଲା।

## କାର୍‌କୁ ପିଟିଲା କଣ୍ଟେନର, ଜଣେ ଆହତ

ରାଜଘାଟ, ୧୫।୬ (ସମିସ): ବସ୍ତା ଥାନା ୧୬ନଂ ଜାତୀୟ ରାଜପଥ ମଥାନୀ ବାଇପାସ ନିକଟରେ ମର୍ମନ୍ତୁଦ ସଡ଼କ ଦୁର୍ଘଟଣାରେ ଜଣେ ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି। ରବିବାର ଦିନ ୧୦ଟା ସମୟରେ ଜଳେଶ୍ୱରରୁ ବାଲେଶ୍ୱର ଅଭିମୁଖେ ଯାଉଥିବା ସମୟରେ କାର ପଛପଟୁ ଦ୍ରୁତ ଗତିରେ ଆସୁଥିବା କଣ୍ଟେନର ହଠାତ୍ କାରର ବାମ ପାଶ୍ୱର୍ରେ ଧକ୍କା ଦେଇ ଖସିଯିବାକୁ ଚେଷ୍ଟା କରୁଥିଲା। ସ୍ଥାନୀୟ କିଛି ଯୁବକ କଣ୍ଟେନରକୁ ପିଛା କରି ରୂପସା ନିକଟରେ ଧରି ବସ୍ତା ପୁଲିସକୁ ହସ୍ତାନ୍ତର କରିଛନ୍ତି। କାରର ଚାଳକ ଅଳ୍ପକେ ବର୍ତ୍ତିଯାଇଛନ୍ତି। ପୁଅ ସାମାନ୍ୟ ଆହତ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ସ୍ତ୍ରୀ ଓ ଝିଅ ସୁରକ୍ଷିତ ଅଛନ୍ତି। ସେମାନେ ଦୀଘାରୁ ରେମୁଣା ଫେରୁଥିବା ସମୟରେ ଘଟିଥିଲା ଅଘଟଣ। ଉପସ୍ଥିତ ଲୋକେ ପୁଅକୁ ଉଦ୍ଧାର କରି ଚିକିତ୍ସା ପାଇଁ ବସ୍ତା ହସ୍ପିଟାଲ ପଠାଇଥିଲେ। ବସ୍ତା ପୁଲିସ ପହଞ୍ଚି ଗାଡ଼ି ଜବତ କରି ଅଧିକ ତଦନ୍ତ ଜାରି ରଖିଛି।

# ରେମୁଣା ବରିଷ୍ଠ ନାଗରିକ ମଞ୍ଚର ବାର୍ଷିକ ଉତ୍ସବ

ବାଲେଶ୍ୱର,୧୫।୬(ସମିସ): ରେମୁଣା ବରିଷ୍ଠ ନାଗରିକ ମଞ୍ଚର ବାର୍ଷିକ ଉତ୍ସବ ଅଧ୍ୟାପକ ପ୍ରଶାନ୍ତ କୁମାର ବରାଳଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଏଥିରେ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ସମାଜସେବୀ ଗୌରାଙ୍ଗ ପାଣିଗ୍ରାହୀ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ମୁଖ୍ୟବକ୍ତା ଭାବେ ଜିଲ୍ଲା ସଂଗଠନର ସାଧାରଣ ସମ୍ପାଦକ ଦାମୋଦର ନାୟକ ଯୋଗଦେଇଥିବା ବେଳେ ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ରେମୁଣା ଏନଏସି ଉପାଧ୍ୟକ୍ଷ ଆୟୂଶାନ ଖାନ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ଅନ୍ୟତମ ଅତିଥି ଭାବେ ଜୟନ୍ତ ବରାଳ, ଗୋବିନ୍ଦ ଚନ୍ଦ୍ର ପାଢ଼ୀ, ଅବନୀକାନ୍ତ ପ୍ରଧାନ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗଦେଇ ନିଜର ମତ ରଖିଥିଲେ। ପ୍ରାରମ୍ଭରେ ବିମାନ ଦୁର୍ଘଟଣାରେ ପ୍ରାଣ ହରାଇଥିବା ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ଦୁଇ ମିନିଟ ନିରବ ପ୍ରାର୍ଥନା କରାଯାଇଥିଲା। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଗୌରାଙ୍ଗ ପଡ଼ିଆରୀ ଅତିଥି ପରିଚୟ ପ୍ରଦାନ କରିଥିବା ବେଳେ ସମ୍ପାଦକ ନିରଞ୍ଜନ ମହାରଣା ବାର୍ଷିକ ବିବରଣୀ ପାଠ କରିଥିଲେ। ଏଥିରେ ବ୍ରହ୍ମାନନ୍ଦ ଦାଶ ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥ ଜଣାଣ ପାଠ କରିଥିଲେ। ଏହି କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଚକ୍ରଧା ଦାସ, ରଘୁନାଥ ଭାଇ, ଶିରିଶ ଷଡଙ୍ଗୀ, ସନ୍ତୋଷ ବେହେରା, ପଦ୍ମଲୋଚନ ପଣ୍ଡା, ଦେବଦାସ ଆଚାର୍ଯ୍ୟ, କନକବିହାରୀ ମାନ୍ନା, କୃଷ୍ଣ ମୋହନ ମହାରଣା, ଜଳଧର ଦାସ, ହରିମୋହନ ମାଝୀ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ସକାଳେ ବରିଷ୍ଠ ନାଗରିକଙ୍କୁ ନେଇ ଏକ ବନ୍ଧୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଫୁଟବଲ ମ୍ୟାଚ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥିଲା। ରାମନାରାୟଣ ବେହେରା ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ।

ଫକୀରମୋହନ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟରେ ରଜ ଉତ୍ସବ

# ଲୋକକଳା ଦିବସ ପାଳିତ

ବାଲେଶ୍ୱର,୧୫।୬(ସମିସ): ବିଜୁ ଜନତା ଦଳ ସାଂସ୍କୃତିକ ସାମ୍ମୁଖ୍ୟ ସମନ୍ୱୟ ବାଲେଶ୍ୱର ଶାଖା ତରଫରୁ ଲୋକକଳା ଦିବସ ପାଳିତ ହୋଇଯାଇଛି। ପାତ୍ରପଡା ପଞ୍ଚାୟତ ଗବଗାଁର ଜେନା ସାହିରେ ସାମ୍ମୁଖ୍ୟର ଜିଲ୍ଲା ସଂଯୋଜକ ଜ୍ୟୋତିପ୍ରକାଶ ବାରିକଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ କଳାକାରମାନଙ୍କ ଗହଣରେ ଏହି ଦିବସ ପାଳିତ ହୋଇଛି। ଏହି ଉତ୍ସବରେ ସଂକୀର୍ତ୍ତନ ଓ ଭଜନ ଲୋକକଳା ପରିବେଷିତ ହୋଇଥିଲା। ୨୦୧୫ ମସିହାର ତତ୍କାଳୀନ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ନବୀନ ପଟ୍ଟନାୟକଙ୍କ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ୍ରମେ ପହିଲି ରଜକୁ ଲୋକକଳା ଦିବସ ଭାବେ ଅଦ୍ୟାବଧି ପାଳନ ହୋଇଆସୁଛି ବୋଲି ଶ୍ରୀ ବାରିକ ମତବ୍ୟକ୍ତ କରିଥିଲେ। ପୂର୍ବତନ କାଉନସିଲର ଲାବଣ୍ୟବତୀ ବାରିକ ଯୋଗଦେଇ ପୂର୍ବତନ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ନବୀନ ପଟ୍ଟନାୟକ ପାରମ୍ପାରିକ କଳାକୁ ବଞ୍ଚାଇ ରଖିବା ପାଇଁ ଯେଉଁ ଉଦ୍ୟମ କରିଥିଲେ ତାହା ପ୍ରଶଂସାଯୋଗ୍ୟ ବୋଲି କହିଥିଲେ। ଟାଉନ ସଂଯୋଜକ ସବିର ଖାନ କଳା ଓ ସଂସ୍କୃତିକୁ ବଞ୍ଚାଇବାକୁ ହେଲେ ଆମକୁ ଏକ ହୋଇ ସଂଗ୍ରାମ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ ବୋଲି କହିଥିଲେ। ଶେଷରେ ପାତ୍ରପଡା ପଞ୍ଚାୟତ ସଂଯୋଜକ ଅମର ଦାସ ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ। କଳ୍ପନାସ, ଦୁର୍ଯ୍ୟୋଧନ ଦାସ, ମହେଶ୍ୱର ଖଟୁଆ ପ୍ରମୁଖ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ।

# ମାତୃଭୂମି ସେବା ସଂସ୍ଥା ପାଳିଲା ବିଶ୍ୱ ପିତୃ ଦିବସ

ବାଲେଶ୍ୱର,୧୫।୬(ସମିସ): ମାତୃଭୂମି ସେବା ସଂସ୍ଥା ଆନୁକୂଲ୍ୟରେ ବିଶ୍ୱ ପିତୃ ଦିବସ ବାଲିଆସ୍ଥିତ ପତି ବାସଭବନରେ ପାଳିତ ହୋଇଯାଇଛି। ପିତୃ ପୂଜନ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଗୁଡୁଦା ପାଟଣାରେ ଜନ୍ମିତ ବର୍ଷିଆନ ବାଞ୍ଛାନିଧି ପତି(୧୦୫)ଙ୍କୁ ମାନପତ୍ର, ଉତ୍ତରୀୟ ଓ ପୁଷ୍ପଗୁଚ୍ଛ ପ୍ରଦାନ କରି ତାଙ୍କର ଆଶୀର୍ବାଦ ସଂସ୍ଥାର ସମସ୍ତ ସଦସ୍ୟ, ସଦସ୍ୟା ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ। ସେ ଏକାଧାରରେ ଜଣେ ଶିକ୍ଷକ, ସମାଜସେବୀ, ଅଭିନେତା, ବାଦକ ଓ ପରୋପକାରୀ ବ୍ୟକ୍ତିତ୍ୱ ଥିଲେ। ଏହି ଉତ୍ତୀର୍ଣ୍ଣ ବୟସରେ ଶ୍ଳୋକାବୃତ୍ତି କରି ସମସ୍ତଙ୍କୁ ଶାନ୍ତି ମନ୍ତ୍ରରେ କଲ୍ୟାଣ କରିଥିଲେ। ସଭାପତି ପ୍ରଦୀପ ମିଶ୍ରଙ୍କ ପୌରୋହିତ୍ୟରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଅତିଥି ଭାବେ ଡ. ଭାଗବତ ପ୍ରସାଦ ଦାସ, ନିରଞ୍ଜନ ସାହୁ, ହରେକୃଷ୍ଣ ପଲେଇ, ଗଦାଧର ପତି, ସରୋଜିନୀ ପତି, ସନ୍ତୋଷ ଦାସ, ସୂର୍ଯ୍ୟନାରାୟଣ ମହାରଣା, କରୁଣାକର ଜେନା, ତପନ କୁମାର ଦାସ, ପ୍ରଭାକର ସାହୁ, ଅଜୟ କୁମାର ନାୟକ, ଶେଖ ଅବଦୁଲ ରହିମ, ସୁବ୍ରତ ଘୋଷାଲ, ପଦ୍ମଲୋଚନ ପ୍ରଧାନ, ନାମଦେବ କମିଳା, କବି ଚକ୍ରଧର ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗଦେଇ ପିତୃ ଦିବସର ତାତ୍ପର୍ଯ୍ୟ ଓ ମହତ୍ୱ ସମ୍ପର୍କରେ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ। ଅବିନାଶ ପଣ୍ଡା ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ।

# ବାଘାଯତୀନ ସ୍ମୃତିପୀଠର ହେବ ଉନ୍ନତୀକରଣ

ବାଲେଶ୍ୱର,୧୫।୬(ସମିସ)

ସରକାରୀ ଉପମୁଖ୍ୟ ସଚେତକ ତଥା ରେମୁଣା ବିଧାୟକ ଗୋବିନ୍ଦ ଚନ୍ଦ୍ର ଦାସ ଓଟିଡିସି ସହକାରୀ ଯନ୍ତ୍ରୀ ଏବଂ କନିଷ୍ଠଯନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ସହ ଚଷାଖଣ୍ଡ ପଞ୍ଚାୟତ ସ୍ଥିତ ସହିଦ ସ୍ୱାଧୀନତା ସଂଗ୍ରାମୀ ବାଘାଯତୀନଙ୍କ ସ୍ମୃତି ପୀଠର ପରିଦର୍ଶନ କରିଛନ୍ତି। ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଦତ୍ତ ହୋଇଥବା ଏକ କୋଟି ଟଙ୍କାର ବିନିଯୋଗରେ କିଭଳି ଏହି ସ୍ମୃତି ପୀଠର ଉନ୍ନତିକରଣ କରାଯାଇପାରିବ ସେ ସମ୍ବନ୍ଧରେ ଓଟିଡିସିର ସହକାରୀ ଯନ୍ତ୍ରୀ ବିବେକ ବାବୁ ଏବଂ କନିଷ୍ଠଯନ୍ତ୍ରୀ ରାକେଶ ଧରଙ୍କ ସହ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ। ଏହି ଆଲୋଚନାରେ ସ୍ମୃତିପୀଠର ରୂପରେଖ ନେଇ ଏକ ଡିପିଆର ପ୍ରସ୍ତୁତ ପାଇଁ ବିଧାୟକ ବିଭାଗୀୟ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଥିଲେ। ଏକ କୋଟି ଟଙ୍କା ବିନିମୟରେ ପ୍ରଥମେ ବାଉଣ୍ଡରି ୱାଲ, ସ୍ୱାଗତମ ଗେଟ, ସହିଦ ବାଘାଯତିନଙ୍କ ପ୍ରତିମୂର୍ତ୍ତି, ପୋଖରୀ ଚାରି ପାଖରେ ସୁରକ୍ଷା କାନ୍ଥ, ପୋଖରୀ ଘାଟ, ରାସ୍ତା ଓ ପୋଖରୀ ପାର୍ଶ୍ୱରେ ଲାଇଟ, ନୂତନ ଗେଷ୍ଟ ହାଉସ, ଅଫିସ ରୁମ୍ ଇତ୍ୟାଦିର ନିର୍ମାଣ କରାଯିବ। ଏହି ଅବସରରେ ସାଂସଦ ପ୍ରତିନିଧି ଉମାକାନ୍ତ ପଣ୍ଡା, ବିଧାୟକ ପ୍ରତିନିଧି କାର୍ତ୍ତିକ ଚନ୍ଦ୍ର ଗିରି, ବିଧାୟକଙ୍କ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ସହାୟକ କୃଷ୍ଣଚନ୍ଦ୍ର ସାହା, ମଣ୍ଡଳ ସଭାପତି ଉମାକାନ୍ତ ଜେନା, ସ୍ମୃତି କମିଟିର ସମ୍ପାଦକ ସର୍ବେଶ୍ୱର ମହାନ୍ତି, ଜୟନ୍ତ ମଣ୍ଡଳ, ନରେନ୍ଦ୍ର ନାୟକ, ସରୋଜ ଗୋଛାୟତ, ସାବିର ଖାନ, ଶେଖ ସୁଜାଉଦ୍ଦିନ, ଶେଖ ହାକି, ନିରଞ୍ଜନ ନାୟକ, ବିଜୟ କୁମାର ନାୟକ, ଚନ୍ଦନ କୁମାର ନାୟକ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ।

**ବିଧାୟକ ଓ ଓଟିଡିସିର ଅଧିକାରୀଙ୍କ ପରିଦର୍ଶନ**

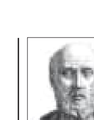

ବାସ୍ତବରେ ସବୁ କଥାର ଦୁଇଟି ଦିଗ ଥାଏ - ବିଜ୍ଞାନ ଓ ମତାମତ, ପ୍ରଥମଟି ସୃଷ୍ଟି କରେ ଜ୍ଞାନ ଓ ଦ୍ୱିତୀୟଟି ଅଜ୍ଞାନ।
-ହିପୋକ୍ରାଟସ୍

ସକାଳ
THE SAKALA

# ମଧ୍ୟପ୍ରାଚ୍ୟରେ ଯୁଦ୍ଧଧ୍ୱନି

ମଧ୍ୟପ୍ରାଚ୍ୟରେ ପୁଣି ଥରେ ଯୁଦ୍ଧ ସ୍ଥିତି ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି। ହମାସ୍‌କୁ ମୂଳପୋଛ କରିବା ଲକ୍ଷ୍ୟରେ ଇସ୍ରାଏଲ୍ ଆରମ୍ଭ କରିଥିବା ନିର୍ଣ୍ଣାୟକ ଯୁଦ୍ଧର ମୀମାଂସା ଏ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ହୋଇ ନ ଥିବା ବେଳେ ଇରାନ୍ ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ କରିଛି ଏବଂ ଇରାନ୍ ପାଲଟା ଜବାବ୍ ଦେଇଛି। ପ୍ରାରମ୍ଭିକ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ଇରାନ୍‌ର ଆଣବିକ କେନ୍ଦ୍ର ଓ ସେନା ଶିବିରମାନଙ୍କ ଉପରେ ବାଛିବାଛି ଇସ୍ରାଏଲ୍ ଆକ୍ରମଣ କରିଛି ଏବଂ ଇରାନ୍‌କୁ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଆଣବିକଶକ୍ତି ବିହୀନ କରିବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଏହି ଯୁଦ୍ଧ ଚାଲିବ ବୋଲି ଇସ୍ରାଏଲ୍ ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ନେତାନ୍ୟାହୁ ଘୋଷଣା କରିଛନ୍ତି। ଆଗାମୀ ଦିନରେ ଇସ୍ରାଏଲ୍‌ର ଆକ୍ରମଣ ଆହୁରି ଭୟଙ୍କର ହେବ ବୋଲି ଆମେରିକା ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଡୋନାଲ୍ଡ ଟ୍ରମ୍ପ କହିବା ପରେ ମଧ୍ୟପ୍ରାଚ୍ୟରେ ଯୁଦ୍ଧର ଘନଘଟା ଆହୁରି ଭୟଙ୍କର ହୋଇପାରେ। ଏବେ କେବଳ ସାମରିକ କେନ୍ଦ୍ର ଉପରେ କେନ୍ଦ୍ରିତ ଥିବା ଆକ୍ରମଣ-ପ୍ରତିଆକ୍ରମଣ ପରବର୍ତ୍ତି ସମୟରେ ବେସାମରିକ କ୍ଷେତ୍ରକୁ ବ୍ୟାପୀ ପାରେ ବୋଲି ଆଶଙ୍କା ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି।

ଇରାନ୍ ଉପରେ ଇସ୍ରାଏଲ୍‌ର ଏହି ଆକ୍ରମଣ ଅପ୍ରତ୍ୟାଶିତ ହୋଇଥିଲେ ହେଁ ଅସ୍ୱାଭାବିକ ନୁହେଁ। ଏକଦା ବନ୍ଧୁ ଥିବା ଏହି ଦୁଇରାଷ୍ଟ୍ର ମଧ୍ୟରେ ଗତ ପ୍ରାୟ ଦୁଇବର୍ଷ ଧରି ଉତ୍ତେଜନା ଏବଂ ଆକ୍ରମଣ-ପ୍ରତିଆକ୍ରମଣ ଲାଗି ରହିଛି। ତେବେ ତାହା ସାମୟିକ ପ୍ରଶମିତ ହୋଇସାରିଥିବା ବେଳେ ଇସ୍ରାଏଲ୍‌ର ହଠାତ୍ 'ଅପରେସନ୍ ରାଇଜିଂ ଲାୟନ(ଇରାନ୍ ଆକ୍ରମଣ)' ପଛରେ ରହିଛି ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ଆଣବିକ ଶକ୍ତି ସଂସ୍ଥା ପରିଚାଳନା ମଣ୍ଡଳିର ସଦ୍ୟ ଅନୁଷ୍ଠିତ ବୈଠକ। ଇରାନ୍ ବିପଜ୍ଜନକ ଆଣବିକ ଅସ୍ତ୍ରଶସ୍ତ୍ର ନିର୍ମାଣ କରୁଥିବା ଅଭିଯୋଗ ଉପରେ ଆଲୋଚନା ପାଇଁ ଏହି ବୈଠକ ଆହୂତ ହୋଇଥିଲା। ୩୫ ସଦସ୍ୟ ବିଶିଷ୍ଟ ଏହି ସଂସ୍ଥାର ପରିଚାଳନା ମଣ୍ଡଳି ବୈଠକରେ ୧୯ ଜଣ ସଦସ୍ୟ ଇରାନ୍ ଉପରେ କଟକଣା ଜାରି କରିବା ପାଇଁ ଆଗତ ସଂକଳ୍ପ ସପକ୍ଷରେ ମତ ଦେଇଥିବା ବେଳେ ୩ ଜଣ ବିରୋଧ କରିଥିଲେ। ବିଗତ ଦୁଇଦଶନ୍ଧି ମଧ୍ୟରେ ଇରାନ୍ ବିରୋଧରେ ଏଭଳି ସଂକଳ୍ପ ପ୍ରଥମ ବୋଲି କୁହାଯାଉଛି। ଉଲ୍ଲେଖନୀୟ, କେବଳ ରୁଷିଆ, ଚୀନ୍ ଓ ବୁର୍କିନା ଫାସୋ ଏହି ସଂକଳ୍ପକୁ ବିରୋଧ କରିଥିବା ବେଳେ ଆଲଜେରିଆ, ବାଂଲାଦେଶ, ଇଣ୍ଡୋନେସିଆ, କାତାର, ସାଉଦି ଆରବ, ତୁର୍କି ଆଦି ଇସ୍‌ଲାମିକ୍ ଦେଶଗୁଡ଼ିକ ସଂକଳ୍ପକୁ ବିରୋଧ କରି ନଥିଲେ। ଇସ୍‌ଲାମିକ୍ ବହୁଳ ଅଞ୍ଚଳରେ ଇରାନ୍‌କୁ ସମର୍ଥନ ନ ମିଳିବା ମଧ୍ୟପ୍ରାଚ୍ୟରେ ଏକ ନୂଆ ଭୂରାଜନୈତିକ ସମୀକରଣର ସଂକେତ ଦିଗକୁ ଅଙ୍ଗୁଳି ନିର୍ଦ୍ଦେଶ କରୁଛି।

ଏଠାରେ ଆଉ ଏକ ପ୍ରସଙ୍ଗ ଆଲୋଚନା ପରିସରକୁ ସ୍ୱାଭାବିକ ଭାବେ ଆସୁଛି। ଯଦି ଇସ୍ରାଏଲ୍‌ର 'ଅପରେସନ୍ ରାଇଜିଂ ଲାୟନ୍' ପଛରେ ଇରାନ୍ ବିରୋଧରେ ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ଆଣବିକ ଶକ୍ତି ସଂସ୍ଥାର କଟକଣା ସଂକଳ୍ପ ହିଁ ଏକମାତ୍ର କାରଣ ହୁଏ ତେବେ ପ୍ରଶ୍ନ ଉଠୁଛି ଇସ୍ରାଏଲ୍‌କୁ ସେ ଅଧିକାର କିଏ ଦେଲା? ଏବଂ କାହାର ଇଙ୍ଗିତ ଓ ବଳରେ ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ଶକ୍ତିସଂସ୍ଥାର ପ୍ରତିନିଧିତ୍ୱ କରିବାକୁ ଇସ୍ରାଏଲ୍ ଆଗଭର ହୋଇଗଲା? ଉଭୟ ଇସ୍ରାଏଲ୍ ଓ ଇରାନ୍ ଗୁପ୍ତରେ ଆଣବିକ ଶକ୍ତିର ଅଧିକାରୀ ହୋଇଥିବା ବିଷୟ ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ଆଣବିକ ସଂସ୍ଥାର ଅଗୋଚର ନୁହେଁ। କିନ୍ତୁ ହଠାତ୍ ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ଶକ୍ତିସଂସ୍ଥାର ପରିଚାଳନା ମଣ୍ଡଳି ବୈଠକ ବସିବା, ଇରାନ୍ ବିରୋଧରେ ଐତିହାସିକ ସଂକଳ୍ପ ପାରିତ ହେବା ଏବଂ ଇସ୍ରାଏଲ୍ ବଡ଼ଭାଇ ପଣିଆ ଦେଖାଇ ଇରାନ୍‌ର ଆଣବିକ ଶକ୍ତିକେନ୍ଦ୍ର ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ କରିବା ଆଦୌ କାକତାଳିକ ନୁହେଁ। ତେଣୁ ଏହି ସମଗ୍ର ଘଟଣା ପଛରେ ଆମେରିକାର ଭୂମିକା ସନ୍ଦେହରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱକୁ ଯାଇପାରୁନାହିଁ।

ମଧ୍ୟପ୍ରାଚ୍ୟରେ ବହୁଦଶନ୍ଧି ଧରି କୁହୁଳି ଆସୁଥିବା ଧୂଆଁ ମଝିରେ ମଝିରେ ବାହ୍ୟଶକ୍ତିର ପ୍ରଭାବରେ ଅଗ୍ନିସ୍ଫୁଲିଙ୍ଗର ରୂପ ନିଏ। ଏବେ ତାହାର ପୁନରାବୃତ୍ତି ଘଟିଛି। କେତେବେଳେ ଇରାନ୍ ସମର୍ଥିତ ଓ ସହାୟତା ପ୍ରାପ୍ତ ପାଲେଷ୍ଟାଇନ୍‌ର ଆତଙ୍କବାଦୀ ଗୋଷ୍ଠୀ ହମାସ୍ ଇସ୍ରାଏଲ୍ ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ କରିଛି; ପୁଣି କେତେବେଳେ ସିରିଆରେ ଗୃହଯୁଦ୍ଧ ପଛରେ ଇସ୍ରାଏଲ୍‌ର ବନ୍ଧୁ ଆମେରିକାର ହାତ ରହିଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ଏବେ ଇରାନ୍ ଉପରେ ଇସ୍ରାଏଲ୍ ଆକ୍ରମଣ ପଛର ଯଥାର୍ଥତା କେତେ ତାହା ଏକ ଭିନ୍ନ ପ୍ରଶ୍ନ। କିନ୍ତୁ ଏହା ଅନସ୍ୱୀକାର୍ଯ୍ୟ ଯେ ପରିବର୍ତ୍ତିତ ପରିସ୍ଥିତିରେ ଆମେରିକାର ଦୃଷ୍ଟିକଟୁ ତାଲିକାରେ ଇରାକ୍‌ର ସ୍ଥାନରେ ଏବେ ଇରାନ୍‌କୁ ଅବସ୍ଥାପିତ କରାଯାଇଛି ଏବଂ ଏଥିପାଇଁ ଇସ୍ରାଏଲ୍‌କୁ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଇଛି। ଏବେ ଇରାନ୍ ବିରୋଧରେ ଯେଉଁ ଅଭିଯୋଗ ଆସିଛି ତାହା ଏକଦା ଇରାକ୍ ବିରୋଧରେ ମଧ୍ୟ ଆମେରିକା ଆଣିଥିଲା। ଇରାକ୍‌କୁ ଧ୍ୱସ୍ତବିଧ୍ୱସ୍ତ କରି ସଦ୍ଦାମ ହୁସେନ୍‌ଙ୍କ କବଳରୁ ମୁକ୍ତି ଦେବାରେ ଆମେରିକା ସଫଳ ହେଲା ସତ, କିନ୍ତୁ ସଦ୍ଦାମ୍ ଗୋପନୀୟ ଆଣବିକ ଅସ୍ତ୍ରଶସ୍ତ୍ର ନିର୍ମାଣ କରୁଥିବା ପ୍ରମାଣ କରିପାରିଲା ନାହିଁ। ଆମେରିକାର ଏହି ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ପଛରେ ଯେ ମଧ୍ୟପ୍ରାଚ୍ୟର ବିଶାଳ ତୈଳ ଖଣି ଉପରେ କବ୍‌ଜା ଲକ୍ଷ୍ୟ ଥିଲା, ତାହାର ପ୍ରମାଣ କିନ୍ତୁ ବିଶ୍ୱବାସୀ ପାଇଗଲେ। ଏବେ ଆମେରିକାର ଆଖି ପୁଣି ଇରାନ୍‌ର ତୈଳ ଭଣ୍ଡାର ଉପରେ ପଡ଼ିନାହିଁ ଏବଂ ଇରାକ୍‌ର ଦଶା ଇରାନ୍ ଭୋଗିବ ନାହିଁ ବୋଲି ନିଶ୍ଚିତ କରିହେଉନାହିଁ।

ଯୁଦ୍ଧ ଘନଘଟା ସତ୍ତ୍ୱେ ମଧ୍ୟପ୍ରାଚ୍ୟ ପାଇଁ ଏକ ଆଶ୍ୱସ୍ତିର ବିଷୟ ଯେ ଇରାନ୍‌ର ଆଣବିକ କେନ୍ଦ୍ର ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ ହୋଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ତେଜସ୍କ୍ରିୟ ବିକିରଣ ଆଶଙ୍କା କମ୍ ବୋଲି ବିଶେଷଜ୍ଞମାନେ ମତ ଦେଇଛନ୍ତି। କିନ୍ତୁ ଯୁଦ୍ଧର ଘନଘଟା ଲାଗି ରହିଲେ ସମଗ୍ର ପଶ୍ଚିମଏସିଆ ସମେତ ଭାରତ ମଧ୍ୟ ପ୍ରଭାବିତ ହେବ। କୂଟନୈତିକ ଓ ବାଣିଜ୍ୟିକ ଦୃଷ୍ଟିକୋଣରୁ ଇରାନ୍ ସହିତ ଭାରତର ସମ୍ପର୍କ ଭଲ। ଚବାହାର ବନ୍ଦର ପ୍ରତିଷ୍ଠା କରି ଭାରତ ଇରାନ୍ ସହିତ ଦ୍ୱିପାକ୍ଷିକ ବାଣିଜ୍ୟ ସମ୍ପର୍କକୁ ଦୃଢ଼ କରିଛି। ଆମେରିକାର ଇରାନ୍ ବିରୋଧୀ କଟକଣା ପୂର୍ବରୁ ଭାରତର ସର୍ବବୃହତ୍ ଅଶୋଧିତ ତୈଳ ରପ୍ତାନୀକାରୀ ଥିଲା ଇରାନ୍। ଅପରପକ୍ଷରେ ଆତଙ୍କବାଦ ବିରୋଧରେ ଇସ୍ରାଏଲ୍ କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନକୁ ଭାରତ ସମର୍ଥନ ଦେଇ ଆସୁଛି ଏବଂ ପ୍ରତିରକ୍ଷା ଉପକରଣ, ସାମରିକ-ବୈଷୟିକ ଜ୍ଞାନକୌଶଳ ହାସଲ କରିବା ପାଇଁ ଦୁଇ ରାଷ୍ଟ୍ର ଚୁକ୍ତିବଦ୍ଧ। ତେଣୁ ଏଭଳି ପରିସ୍ଥିତିରେ ଭାରତ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଭାବେ କୌଣସି ପକ୍ଷ ନେଇପାରିବ ନାହିଁ।

ସାମ୍ପ୍ରତିକ ସ୍ଥିତିରେ ଭାରତ ପାଇଁ ସବୁଠାରୁ ଉଦ୍‌ବେଗ ହେଉଛି ମଧ୍ୟପ୍ରାଚ୍ୟରେ ପ୍ରବାସୀ ଭାରତୀୟଙ୍କ ସୁରକ୍ଷା। ସେହି ଅଞ୍ଚଳରେ ପ୍ରାୟ ୯୦ ଲକ୍ଷ ପ୍ରବାସୀ ଭାରତୀୟ ବସବାସ କରୁଛନ୍ତି। ଏବେ ମଧ୍ୟ ଭାରତର ମୋଟ ତୈଳ ଆମଦାନୀର ୮୦% ମଧ୍ୟପ୍ରାଚ୍ୟ ଉପରେ ନିର୍ଭରଶୀଳ। ଉଭୟ ଦେଶ କେହି କାହାର ଇନ୍ଧନ ଭିତ୍ତିଭୂମି ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ କରିବେ ନାହିଁ ବୋଲି ଘୋଷଣା କରିଥିଲେ ମଧ୍ୟ ବିଶ୍ୱ ତୈଳ ଓ ଏଲ୍‌ଏନ୍‌ଜି ରପ୍ତାନୀ ପାଇଁ ବ୍ୟବହୃତ ପ୍ରମୁଖ ପଥ 'ଷ୍ଟ୍ରେଟ୍ ଅଫ୍ ହର୍ମୁଜ୍ ଲାଇନ୍'କୁ ଯଦି ଇରାନ୍ ବନ୍ଦ କରିଦିଏ, ତେବେ ଭାରତର ତୈଳ ଆମଦାନୀ ପ୍ରଭାବିତ ହେବ ଏବଂ ଅର୍ଥନୈତିକ ସଙ୍କଟ ବଢ଼ିବ। ପଣ୍ୟବାହୀ ଜାହାଜଗୁଡ଼ିକ ମଧ୍ୟ ଲୋହିତ ସାଗର ପରିବର୍ତ୍ତେ 'କେପ୍ ଅଫ୍ ଗୁଡ୍ ହୋପ୍ ରୁଟ୍' ଦେଇ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ, ଯାହା ବାଣିଜ୍ୟ ଖର୍ଚ୍ଚ ଓ ଅବଧିକୁ ବହୁଗୁଣା ବୃଦ୍ଧି କରିବ। ତେଣୁ ଯେତେଶୀଘ୍ର ମଧ୍ୟପ୍ରାଚ୍ୟରେ ଶାନ୍ତି ବାହାଲ ହେବ ତାହା ଭାରତ, ମଧ୍ୟପ୍ରାଚ୍ୟ ସମେତ ପଶ୍ଚିମ ଏସିଆ ପାଇଁ ମଙ୍ଗଳକର ହେବ।

# ଡିଜିପିନ: ଆଶୀର୍ବାଦ ନା ଆପଦ?

ବୃହସ୍ପତି ସାମଲ

ଭାରତ ସରକାର ୨୭ ମେ ୨୦୨୫ରେ ଏକ ଦଶ-ଅକ୍ଷର ବିଶିଷ୍ଟ ଅଲଫାନ୍ୟୁମରିକ କୋଡ୍ ଭାବରେ ଡିଜାଇନ ହେଇଥିବା ଡିଜିପିନ (ଡିଜିଟାଲ ପୋଷ୍ଟାଲ ଇଣ୍ଡେକ୍ସ ନମ୍ବର) ନାମରେ ଏକ ନୂଆ ଡିଜିଟାଲ ପ୍ରୟାସର ଉନ୍ମୋଚନ କରିଛନ୍ତି, ଯାହା ଦେଶର ପ୍ରତ୍ୟେକ ୪ଗୁଣା୪ ମିଟର ଅଞ୍ଚଳକୁ ଦ୍ରାଘିମା ଓ ଅକ୍ଷାଂଶ ଭିତ୍ତିରେ ସଠିକ୍ ଭାବେ ଚିହ୍ନଟ କରିବା ପାଇଁ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଇପାରିବ। ଭାରତୀୟ ଡାକ ବିଭାଗ, ଆଇଆଇଟି ହାଇଦ୍ରାବାଦ ଓ ଇସ୍ରୋ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଜାତୀୟ ରିମୋଟ୍ ସେନ୍ସିଂ କେନ୍ଦ୍ରଙ୍କ ସହଯୋଗରେ ବିକଶିତ ଏହି ଡିଜିପିନକୁ ଭାରତର ଡିଜିଟାଲ ଢାଞ୍ଚାରେ ଏକ ପରିବର୍ତ୍ତନକାରୀ ପଦକ୍ଷେପ ବୋଲି ବିବେଚନା କରାଯାଉଛି। ଏହାକୁ ଏକ ଗୋପନୀୟତାକୈନ୍ଦ୍ରିକ ଓ ଜିଓକୋଡିଂ ଭିତ୍ତିକ ପଦ୍ଧତି ଭାବରେ ଉପସ୍ଥାପନ କରାଯାଇଛି, ଯାହା ଭାରତୀୟ ଡାକ ବିଭାଗ ଦ୍ୱାରା ୧୯୭୨ରୁ ପ୍ରଚଳିତ ହୋଇ ଆସୁଥିବା 'ପିନ୍‌କୋଡ୍' ବ୍ୟବସ୍ଥାକୁ ଏକ ଆଧୁନିକତାର ସ୍ପର୍ଶ ଦେବ। ଡିଜିପିନର ଏହି ସଠିକ ଭୌଗୋଳିକ ଟ୍ୟାଗିଂ ଦ୍ୱାରା ଲଜିଷ୍ଟିକ୍ସ, ଆପାତକାଳୀନ ସେବା, ଗ୍ରାମୀଣ ସେବା ପ୍ରଦାନ ଓ ଡିଜିଟାଲ ଶାସନ ପ୍ରଣାଳୀରେ ଲାଭ ମିଳିବ ବୋଲି କୁହାଯାଉଛି। ଅରଣ୍ୟ, ନଦୀ କୂଳ, ପାହାଡ଼ ଅଞ୍ଚଳ ଭଳି ସଠିକ୍ ଠିକଣା ନଥିବା ସ୍ଥାନଗୁଡ଼ିକୁ ଡିଜିପିନ୍ ଦ୍ୱାରା ଏବେ ଡିଜିଟାଲ ଉପାୟରେ ଚିହ୍ନଟ କରାଯାଇପାରିବ।

ଏକ ଡିଜିପିନ୍ ତିଆରି ପାଇଁ ବ୍ୟବହାରକାରୀଙ୍କୁ ନିଜର ରିଅଲ୍-ଟାଇମ୍ ଅବସ୍ଥାନ ତଥ୍ୟକୁ ଆକ୍ସେସ୍ କରିବା ଅନୁମତି ଦେବାକୁ ପଡ଼ିଥାଏ। ଯଦିଓ ଭାରତୀୟ ଡାକ ବିଭାଗ ଦାବି କରୁଛି ଯେ ଏହି ତଥ୍ୟ ସଂରକ୍ଷିତ ବା ରେକର୍ଡ ହେବ ନାହିଁ ଏବଂ କେବଳ କୋଡ୍ ସୃଷ୍ଟି ପାଇଁ ବ୍ୟବହୃତ ହେବ, ତଥାପି ଏହି ତଥ୍ୟ ଆକ୍ସେସ୍ କରିବା ଅଭିକ୍ରିୟା ଏକ ଭବିଷ୍ୟତ ତଥ୍ୟଚ୍ୟୁତିର ଦ୍ୱାର ଖୋଲିଦେଇପାରେ। ଏହି ନୂତନ ପଦକ୍ଷେପକୁ ଏକ ଡିଜିଟାଲ ଉନ୍ନତି ନାମରେ ପ୍ରଚାର କରାଯାଉଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଦେଶରେ ଇଣ୍ଟରନେଟ ଆଧାରିତ ସାଇବର ଅପରାଧ ବୃଦ୍ଧି ପାଉଥିବା ବେଳେ ଏହା ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ତଥ୍ୟର ଗୋପନୀୟତା, ନିରୀକ୍ଷଣ ଓ ଦୁରୁପଯୋଗ ବିଷୟରେ ଚିନ୍ତା ବୃଦ୍ଧି କରିଛି।

ଭାରତର ସାଇବର ଅପରାଧ ସମନ୍ୱୟ କେନ୍ଦ୍ରର ତଥ୍ୟ ଅନୁସାରେ, ୨୦୨୩ ମସିହାରେ ଭାରତରେ ୧.୫୫ ଲକ୍ଷରୁ ଅଧିକ ସାଇବର ଅପରାଧ ଘଟିଛି, ଯାହା ୨୦୨୦ର ୫୦, ୦୩୫ ଘଟଣାଠାରୁ ବହୁଗୁଣା ବେଶି। ସେଥିମଧ୍ୟରୁ ଅନେକଟି ଅର୍ଥ ଠକେଇ, ଫିସିଂ, ପରିଚୟ ଚୋରି ଓ ସିମ୍ କ୍ଲୋନିଂ ସହିତ ସଂପୃକ୍ତ, ଯେଉଁଥିରେ ଆଧାର, ମୋବାଇଲ ନମ୍ବର, ବ୍ୟାଙ୍କ ଖାତା ଓ ସରକାରୀ ଯୋଜନା ସହିତ ଜଡ଼ିତ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ତଥ୍ୟ ଦୁରୁପଯୋଗ ମୁଖ୍ୟ ଭୂମିକା ନେଇଥିଲା। ଆଧାର, ପ୍ୟାନ୍, ଫୋନ୍ ଓ ଅର୍ଥ ବିବରଣୀକୁ ବାଧ୍ୟତାମୂଳକ ଭାବେ ଯୋଡ଼ିବା ଦ୍ୱାରା ପ୍ରତ୍ୟେକ ଭାରତୀୟ ଏବେ ଏକ ଡିଜିଟାଲ ତଥ୍ୟ କ୍ଷେତ୍ରରେ ପରିଣତ ହୋଇଥିବା ଯୋଗୁଁ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ପ୍ରଦତ୍ତ ତଥ୍ୟର ଦୁରୁପଯୋଗ ହେବାର ଆଶଙ୍କା ଯଥେଷ୍ଟ ବଢ଼ି ଯାଇଛି। ଏପରି ପରିବେଶରେ, ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ନିଜସ୍ୱ ଅବସ୍ଥାନକୁ ସଠିକ ଭାବରେ ଚିହ୍ନଟ କରି ଡିଜିପିନ୍ ଲୋକମାନଙ୍କୁ ଏକ ନୂଆ ସ୍ତରର ବିପଦ ଭିତରକୁ ଟାଣି ନେବାକୁ ଉଦ୍ୟମରତ ବୋଲି ଅଭିଯୋଗ ହେଉଛି।

ସାଇବର ସୁରକ୍ଷା ବିଶେଷଜ୍ଞମାନଙ୍କ ମତରେ ସାଧାରଣ ଠିକଣା ତୁଳନାରେ ଡିଜିପିନ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ଗୋପନୀୟତାକୁ ପ୍ରାୟ ଶୂନ୍ୟ କରିଦେଇଥାଏ। ଯଦି ଏହା ଭୋଟର ତାଲିକା, ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ କାର୍ଡ, ଟେଲିକମ୍ ତଥ୍ୟ ଓ ଆଧାର ଲିଙ୍କ କ୍ଷେତ୍ର ଭଳି ଅନ୍ୟ ତଥ୍ୟ ସହ ଯୋଡ଼ି ଦିଆଯାଏ, ତେବେ ଏହା ଏକ ବ୍ୟକ୍ତିକୁ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଭାବେ ଖୋଜି ବାହାର କରିବାର ଏକ ମଜବୁତ ହତିଆର ହୋଇପାରେ। ଯେଉଁ ପ୍ରତିରକ୍ଷା ସ୍ତର ଦିନେ ନାଗରିକଙ୍କୁ ଟ୍ରାକିଂରୁ ବଞ୍ଚାଉଥିଲା, ବର୍ତ୍ତମାନ ସେହି ସୁରକ୍ଷା ଭାଙ୍ଗିଯିବ, ଯାହା ଫଳରେ କୃତ୍ରିମ ବୁଦ୍ଧିମତ୍ତା (ଆର୍ଟିଫିସିଆଲ୍ ଇଣ୍ଟେଲିଜେନ୍ସ) ସହ ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସ୍ଥାନ ନିରୂପଣ (ଲୋକେସନ୍ ଟ୍ରେସିଂ) ପାଇଁ ଅତ୍ୟାଧୁନିକ ଡିଜିଟାଲ କୌଶଳ ଅବଲମ୍ବନ କରୁଥିବା ସାଇବର ଅପରାଧୀମାନେ ଡିଜିପିନକୁ ଏକ ଆପରାଧିକ ଅସ୍ତ୍ର ଭାବରେ ବ୍ୟବହାର କରିପାରିବେ। ଅଧିକନ୍ତୁ, ଡିଜିଟାଲ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ତଥ୍ୟ ସୁରକ୍ଷା ଆଇନ୍ ୨୦୨୩ର ଦୁର୍ବଳ ଓ ଅସ୍ପଷ୍ଟ ଧାରା ଏହି ସମସ୍ୟାକୁ ଆଉ ଗମ୍ଭୀର କରୁଛି।

ଏହି ପରିପ୍ରେକ୍ଷୀରେ ଆଉ ଏକ ଗଭୀର ଚିନ୍ତା ହେଉଛି ଡିଜିଟାଲ ବ୍ୟବସ୍ଥାର ବାଧ୍ୟବାଧକତାରୁ ସୃଷ୍ଟି ସାମାଜିକ ଅନିଚ୍ଛା। ବିଗତ ଦଶବର୍ଷ ଧରି ବିଶେଷତଃ ବୃଦ୍ଧ, ଗ୍ରାମୀଣ ଜନତା ଓ ଅର୍ଥନୈତିକ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଦୁର୍ବଳ ଶ୍ରେଣୀର ନାଗରିକମାନେ ନିରନ୍ତର ଡିଜିଟାଲ୍ ଉପକରଣ ବ୍ୟବହାର କରିବାକୁ ବାଧ୍ୟ ହେଉଛନ୍ତି। ଅଧିକାଂଶ ସମୟରେ ଆଧାର କାର୍ଡ ପ୍ରସ୍ତୁତିରେ ବିଳମ୍ବ, ବାୟୋମେଟ୍ରିକ୍ ଅମେଳ ଓ ପ୍ରକ୍ରିୟାଗତ ଉଦାସୀନତା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ପାନ୍ ସହ ଆଧାର ସଂଯୋଗକୁ ବାଧ୍ୟତାମୂଳକ କରି ଅନେକବାର ଜମାକାରୀଙ୍କ ଖାତାକୁ ବନ୍ଦ କରିଦେବାର ଭୟ ଦେଖାଯାଉଛି। 'ଆୟୁଷ୍ମାନ୍ ଭାରତ ଯୋଜନା'ର ଲାଭ ନେବା ପାଇଁ ବର୍ତ୍ତମାନ ଅନଲାଇନ୍ ପୋର୍ଟାଲ୍, ଓଟିପି ଓ ଜିଓ-ଭେରିଫିକେସନ୍ ଜରୁରୀ, ଯାହା ମିଳିନଥିବା ଲକ୍ଷ-ଲକ୍ଷ ଲୋକଙ୍କ ପାଇଁ ଏକ ଅସମ୍ଭବ ଆହ୍ୱାନ। ଭାରତ ସରକାରଙ୍କ ରେଳ ମନ୍ତ୍ରାଳୟ ତରଫରୁ ଜାରି ସଦ୍ୟତମ ସୂଚନା ଅନୁଯାୟୀ ଜୁଲାଇ ମାସରୁ ତତ୍କାଳ ରେଳ ଟିକେଟର ବୁକିଂ ପାଇଁ ଆଧାର କାର୍ଡ ତଥା ସେଥିରେ ସଂଯୋଜିତ ଟେଲିଫୋନ ନମ୍ବରର ଓଟିପି ବାଧ୍ୟତାମୂଳକ ହେବ। ଯଦି ଡିଜିପିନ୍ ଭବିଷ୍ୟତରେ ଆଧାର ଓ ପ୍ୟାନ ଭଳି ବ୍ୟାଙ୍କିଂ, ଜମିଜମା ପଞ୍ଜୀକରଣ, ବିଦ୍ୟୁତ୍ ସେବା, ରେଳ ଟିକେଟ ବୁକିଂ କିମ୍ବା ସରକାରୀ ଯୋଜନା ଦେବାରେ ଆବଶ୍ୟକ କରାଯିବ, ତେବେ ଏହା ଲୋକଙ୍କ ପାଇଁ ଅଧିକ ବିପଦ ଓ ଅନେକ ଜଟିଳ ସମସ୍ୟା ସୃଷ୍ଟି କରିବ। ଯେଉଁ ବ୍ୟବସ୍ଥାକୁ ଲୋକଙ୍କର ସୁବିଧା ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରାଯାଉଛି, ତାହା ଶେଷରେ ଏକ ଅନିଚ୍ଛାକୃତ ଆବଶ୍ୟକତା ହୋଇ କେବଳ ଏକ ପ୍ରସାଶନିକ ବୋଝ ହିସାବରେ ଜନସାଧାରଣଙ୍କ ପାଇଁ ଦୁର୍ବିସହ ହୋଇପଡ଼ିବ।

ପ୍ରକୃତ ବିପଦ କେବଳ ଡିଜିପିନ୍ କ'ଣ କରିବ ସେଥିରେ ନାହିଁ, ବରଂ ଏହା ଯାହା ସୂଚିତ କରେ ସେଥିରେ ଅଛି। ଆଇନଗତ ସୁରକ୍ଷା ଓ ସ୍ୱଚ୍ଛତା ନଥାଇ ନାଗରିକଙ୍କ ବିନା ପରାମର୍ଶରେ ସେମାନଙ୍କର ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ତଥ୍ୟକୁ ନେଇ ସରକାରଙ୍କର ଏହା ଏକ କ୍ରମବର୍ଦ୍ଧିଷ୍ଣୁ ସମ୍ବେଦନଶୀଳ ଡିଜିଟାଲ ହସ୍ତକ୍ଷେପ। ନିହାତି ଭାବରେ ଏହା ଏକ ଏକତରଫା ଶୀର୍ଷସ୍ତରୀୟ ନୀତି ନିର୍ମାଣ ପ୍ରଣାଳୀକୁ ପ୍ରତିବିମ୍ବିତ କରେ, ଯାହା ଗ୍ରାମାଞ୍ଚଳରେ ରହୁଥିବା ଅଶିକ୍ଷିତ, ଗରିବ ତଥା ଡିଜିଟାଲ ଉପକରଣର ବ୍ୟବହାର ଜାଣି ନଥିବା ଜନସାଧାରଣଙ୍କୁ କିଭଳି ପ୍ରଭାବିତ କରିବ ବୁଝିବା ପୂର୍ବରୁ ସେମାନଙ୍କ ଉପରେ ଜୋରଜବରଦସ୍ତି ଲଦି ଦିଆଯାଉଛି। ଅନେକ ନାଗରିକଙ୍କ ପାଇଁ, ବିଶେଷକରି ଯେଉଁମାନେ ଆଧାର ନିବନ୍ଧନ ବିଳମ୍ବ, ବ୍ୟାଙ୍କ ସଂଯୋଜନ ବା ଡିଜିଟାଲ୍ ସୁଦୃଢ଼ୀକରଣର ବିଫଳତା ଦ୍ୱାରା ପୂର୍ବରୁ ହତାଶ ହୋଇଛନ୍ତି, ସେମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଡିଜିପିନ୍ ଏକ ସଶକ୍ତୀକରଣର ଉପକରଣ ନୁହେଁ। ଆଶୀର୍ବାଦ ନୁହେଁ, ବରଂ ଏହା ଗୋଟିଏ ସମ୍ଭାବ୍ୟ ଆପଦ, ଏକ ଅତ୍ୟଧିକ ହସ୍ତକ୍ଷେପକାରୀ ଡିଜିଟାଲ୍ ଫାଶ।

ଏଠି ପ୍ରଶ୍ନ ଉଠିବା ସ୍ୱାଭାବିକ ଯେ ବର୍ତ୍ତମାନର ପିନ୍‌କୋଡ୍ ପ୍ରଣାଳୀ ଦ୍ୱାରା ଭାରତୀୟ ଡାକ ବିଭାଗ ଡାକ ପ୍ରେରଣ ଓ ବଣ୍ଟନ, ସ୍ଥାନ ପରିଚୟ ଓ ପ୍ରଶାସନିକ ବିଭାଜନ ପାଇଁ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ଭାବେ ସୁରୁଖୁରୁରେ କାମ କରୁଥିବା ବେଳେ ଭାରତକୁ ଏକ ଅସୁରକ୍ଷିତ ଡିଜିପିନ ବ୍ୟବସ୍ଥାର ଆବଶ୍ୟକତା ଅଛି କି? ଜର୍ମାନୀ, ଫ୍ରାନ୍ସ ଓ ଜାପାନ ଭଳି ବିକାଶଶୀଳ ଦେଶଗୁଡ଼ିକର ଡାକ ବିଭାଗ ଅତ୍ୟଧିକ ସୂକ୍ଷ୍ମ ଜିଓକୋଡିଂ ଯୋଗ କରି ନୁହେଁ, ବରଂ ତାଙ୍କର ପ୍ରଚଳିତ କୋଡ୍ ବ୍ୟବସ୍ଥା ମଧ୍ୟରେ ଜନସାଧାରଣଙ୍କୁ ସୁରକ୍ଷିତ ଡାକସେବା ପ୍ରଦାନ କରୁଛନ୍ତି। ଭାରତୀୟ ଡାକ, ଯାହା ୧.୬୫ ଲକ୍ଷରୁ ଅଧିକ ଡାକଘର ସହିତ ବିଶ୍ୱର ସବୁଠୁ ବଡ଼ ଡାକ ବ୍ୟବସ୍ଥା, ତା'ର ଅନେକ ନିଜସ୍ୱ ସମସ୍ୟା ସମାଧାନ ଅପେକ୍ଷାରେ ଅଟକି ରହିଛି। ଏଭଳି ପରୀକ୍ଷାନିରୀକ୍ଷାରୁ ବିରତ ରହି ସାମ୍ପ୍ରତିକ ତଥା ମୌଳିକ ସମସ୍ୟାଗୁଡ଼ିକର ଆଶୁ ସମାଧାନ ପାଇଁ ଡାକ ବିଭାଗକୁ ପ୍ରାଥମିକତା ଦେବାର ଆବଶ୍ୟକତା ରହିଛି। ଚିଠି ପ୍ରେରଣରେ ବିଳମ୍ବ, ଡାକଘରଗୁଡ଼ିକରେ ବିଶେଷକରି ଗ୍ରାମାଞ୍ଚଳରେ ଉତ୍ତମ ନେଟୱାର୍କ ଓ ଡିଜିଟାଲ୍ ଢାଞ୍ଚାର ଅଭାବ, ଗ୍ରାହକ ଅଭିଯୋଗ ଶୁଣାଣିରେ ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ଭଳି ସମସ୍ୟାଗୁଡ଼ିକର ସମାଧାନ ଦିଗରେ ତୁରନ୍ତ ଧ୍ୟାନ ଦେଇ କର୍ମଚାରୀଙ୍କୁ ସଠିକ୍ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଦେବା, ବିତରଣ ବ୍ୟବସ୍ଥାରେ ଉନ୍ନତି ଆଣିବା, ଗ୍ରାମୀଣ ବ୍ୟାଙ୍କିଂକୁ ବିସ୍ତାର କରି ଡାକଘର ଠକେଇକୁ ରୋକିବା, ଭଡ଼ା ଓ ଭଙ୍ଗା ଦଦରା ଘରେ ତଥା ଅସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକର ପରିବେଶ ଭିତରେ ଚାଲୁଥିବା ଡାକଘରଗୁଡ଼ିକର ଉନ୍ନତିକରଣ ପାଇଁ ଉଚିତ ପଦକ୍ଷେପ ନେଲେ ନାଗରିକମାନେ ଅଧିକ ଭଲ ସେବା ପାଇପାରିବେ। ଏକ ଅବାଞ୍ଛିତ ଡିଜିଟାଲ୍ ଯୋଜନା ଆଣିବା ପରିବର୍ତ୍ତେ ଏପରି ପଦକ୍ଷେପ ଲୋକମାନଙ୍କର ଭରସାକୁ ମଜଭୁତ କରିପାରିବ ଏବଂ ଏହି ପ୍ରତିଷ୍ଠାନର ଐତିହ୍ୟକୁ ପୁନର୍ଜୀବନ ଦେଇପାରିବ।

ଭାରତ ଏକ ସଙ୍କଟମୟ ସ୍ଥିତିରେ ଅଛି, ଯେଉଁଠାରେ ପ୍ରଯୁକ୍ତିଗତ ନବୋନ୍ମେଷ ଓ ନୈତିକ ଶାସନ ହାତକୁ ହାତ ମିଳେଇ ଚାଲିବା ଦରକାର। ସମସ୍ତ ଡିଜିଟାଲ୍ ନବୋନ୍ମେଷ ପ୍ରଗତି ନୁହେଁ। କେବେ କେବେ ସଂଯମ ଓ ସାବଧାନତା ହିଁ ସଠିକ୍ ପଥ ବୋଲି ବିଚାର କରାଯାଏ। ସାମ୍ପ୍ରତିକ ସମୟରେ ଡିଜିପିନ୍ ଭରସାଯୋଗ୍ୟ ନହୋଇ ଏକ ଗମ୍ଭୀର ସଙ୍କଟ ସୃଷ୍ଟି କରିବାର ଆଗୁଆ ସୂଚନା ପ୍ରଦାନ କରୁଛି। ଯଦି ଶାସନର ଲକ୍ଷ୍ୟ ସୁରକ୍ଷା ଓ ସଶକ୍ତୀକରଣ, ତେବେ ଏହି ଡିଜିଟାଲ୍ ପ୍ରଣାଳୀର ପୁନର୍ବିଚାର ହେବା ଉଚିତ୍।

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ମୋ: ୯୪୩୭୦୨୨୭୬୯

# ଧର୍ମ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ବ୍ୟାପାର ହେଉ

ନିରାକାର ଦାସ

ଦିନ ଥିଲା ମାନବ ସମାଜର ଏକ ଅବଲମ୍ବନ ଥିଲା ଧର୍ମ। ସମାଜ କଲ୍ୟାଣ ପାଇଁ ଓ ମାନବ ଜାତିର ଜୀବନଚର୍ଯ୍ୟାରେ ଶୃଙ୍ଖଳା ଓ ବ୍ୟବସ୍ଥିତତା ଆଣିବା ପାଇଁ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଥିଲା ଧର୍ମ। ଆମ ମୁନି, ଋଷି, ମହର୍ଷି, ସନ୍ୟାସୀମାନେ ଏକ ଶୃଙ୍ଖଳିତ ଓ ଉନ୍ନତ ସମାଜ ବ୍ୟବସ୍ଥା ଗଠନ ନିମନ୍ତେ ନୀତି, ନିୟମ ଓ ଅନୁଶାସନ ସୃଷ୍ଟି କରୁଥିଲେ। ସଭ୍ୟତା ଓ ମାନବ ସଂସ୍କୃତି ଆଗକୁ ବଢ଼ିବା ସହ ସୃଷ୍ଟ ବହୁ ନୀତି, ନିୟମ ପୁରୁଣା ବା ଅକାମୀ ହୋଇଗଲେ ଆମେ ପୁନଶ୍ଚ ସେହି ରଢ଼ିବାଦୀ ପରମ୍ପରାକୁ ଭାଙ୍ଗି ନୂତନ ନୀତି, ନିୟମ ଓ ସଂସ୍କାର ଯୋଡୁ ଏବଂ ଏହି ଯୋଡ଼ିଥିବା ଅସାଧାରଣ ମଣିଷ ଦିନେ ମହାମାନବରେ ପରିଣତ ହୁଅନ୍ତି। ସମୟକ୍ରମେ ବହୁ ଧର୍ମାଚରଣ ପରମ୍ପରାରେ ପରିଣତ ହୋଇଯାଏ ଏବଂ ଏହା ମାନବ ସମାଜକୁ କଷ୍ଟଦିଏ, ଯାହାର ପରିବର୍ତ୍ତନ ପାଇଁ ସ୍ୱର ଉଠେ ଏବଂ ତାହାର ପୁନଃ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହୁଏ। ଏହି ପରିବବର୍ତ୍ତନ ହେଉଛି ବୈଜ୍ଞାନିକ ସତ୍ୟ।

ଧର୍ମ ବା ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଚେତନା ଉତ୍‌ଥାନ ଓ ପତନ ଦେଇ ଆଗକୁ ଆଗକୁ ବଢ଼ିଛି। ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ ଗୁରୁମାନେ ଧର୍ମାନ୍ଧତାରୁ ମାନବ ସମାଜକୁ ମୁକ୍ତି ପାଇଁ ବହୁ ସଂସ୍କାର ଆଣିଛନ୍ତି। ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକତାର ଉତ୍ତରଣ ବହୁ ଘାତ-ସଂଘାତ ମଧ୍ୟ ଦେଇ କ୍ରମାନ୍ୱୟରେ ଆସିଛି। କିନ୍ତୁ ଏବେ ଆମେ ଏମିତି ଏକ ଆଧ୍ୟାତ୍ମିକ, ଧର୍ମୀୟ ଓ ସାଂସ୍କୃତିକ ସଙ୍କଟରେ ଉପନୀତ ହୋଇଯାଇଛୁ, ଯେଉଁଠି ଧର୍ମର ଉପସ୍ଥିତି ହିଁ ମାନବଜାତି ପାଇଁ ଅସହ୍ୟ ଅନୁଭବ ହେଉଛି। ଧର୍ମୀୟ ମୂଲ୍ୟବୋଧ ପରିବର୍ତ୍ତେ ଧର୍ମାନ୍ଧତା ବିଶାଳ ରୂପ ଧାରଣ କରି ବିଶ୍ୱମାନବ ପ୍ରଜାତିକୁ ଧ୍ୱଂସ ଆଡ଼କୁ ଟାଣି ନେଉଛି। ସେଥିପାଇଁ କୁହାଯାଇଛି - 'ଧର୍ମ ଯୋ ବାଧତେ ଧର୍ମଃ, ନ ସ ଧର୍ମଃ, କୁଧର୍ମ ତତ୍, ଅବିରୋଧୀ ତୁ ଯୋ ଧର୍ମଃ, ସ ଧର୍ମଃ ସତ୍ୟବିକ୍ରମଃ(ଯେଉଁ ଧର୍ମ ଅନ୍ୟ ଧର୍ମକୁ ବାଧା ଦିଏ, ସେ ଧର୍ମ ନୁହେଁ, ତାହାକୁ କୁଧର୍ମ ବୋଲାଯାଏ। ନିର୍ବିବାଦୀୟ ଧର୍ମ ହିଁ ପ୍ରକୃତ ସତ୍ୟନିଷ୍ଠ ଧର୍ମ)।' ଆଜି ସାରା ବିଶ୍ୱରେ ଯେତେ ଯୁଦ୍ଧ ହେଉଛି ବା ହୋଇଛି ସେଥିରୁ ଅଧିକାଂଶ ଧର୍ମ ଏବଂ ଧର୍ମ ମଧ୍ୟରେ ହିଂସା, ପ୍ରତିହିଂସା ଉପରେ ପର୍ଯ୍ୟବସିତ। ଆମ ଦେଶରେ 'ସର୍ବ ଧର୍ମ ସମନ୍ୱୟ' ନିମନ୍ତେ ଯେତେ ଚେଷ୍ଟାକଲେ ବି ଧର୍ମାନ୍ଧମାନଙ୍କ ସଂଖ୍ୟା ବଢ଼ିବାରେ ଲାଗିଛି। ଏହି ଧର୍ମାନ୍ଧତାକୁ ରାଜନେତାମାନେ ଖୁବ୍ ସନ୍ତର୍ପଣରେ ଓ ପ୍ରାୟୋଜିତ ଭାବେ ଉତ୍ସାହିତ କରୁଛନ୍ତି କ୍ଷମତା ଦଖଲ ପାଇଁ, ଯାହା ସର୍ବାଦୌ ଅନୁଚିତ୍। ଏଠାରେ ସଆଦତ୍ ହସନ ମଂଟୋଙ୍କ ଉକ୍ତିକୁ ଉଲ୍ଲେଖ କରାଯାଇପାରେ - 'ଧର୍ମ ଯେତେବେଳେ ହୃଦୟରୁ ବାହାରି ମୁଣ୍ଡକୁ ଚଢ଼ିଯାଏ, ସେତେବେଳେ ତାହା ବିଷ ପାଲଟିଯାଏ।'

୧୯୩୯ ରେ ମୁମ୍ବାଇରେ ଫରୱାର୍ଡ ବ୍ଲକ ସମ୍ମିଳନୀରେ ନେତାଜୀ ସୁଭାଷ ଚନ୍ଦ୍ର ବୋଷ କହିଥିଲେ- 'ଧର୍ମକୁ ରାଜନୀତିଠାରୁ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଭାବେ ଦୂରରେ ରଖାଯିବା ଉଚିତ୍। ଧର୍ମ ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତିର ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ବିଷୟ ହେବା ଉଚିତ୍। ଜଣେ ମଣିଷ ହିସାବରେ ସେ ଚାହୁଁଥିବା ଯେକୌଣସି ଧର୍ମକୁ ମାନିବାର ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ସ୍ୱାଧୀନତା ଜଣେ ବ୍ୟକ୍ତିର ରହିବା ଉଚିତ୍। ମାତ୍ର ରାଜନୀତି ଧର୍ମ କିମ୍ବା ଅନ୍ୟ କୌଣସି ଅତିପ୍ରାକୃତିକ ଧାରଣା ଦ୍ୱାରା ପରିଚାଳିତ ହେବା ଉଚିତ୍ ନୁହେଁ।' ଦେଶ ସ୍ୱାଧୀନ ହେବାର ୪୮ ବର୍ଷ ପରେ ସମ୍ବିଧାନର ୪୨ ତମ ସଂଶୋଧନରେ ଧର୍ମନିରପେକ୍ଷ ଶବ୍ଦକୁ ସମ୍ବିଧାନର ପ୍ରସ୍ତାବନାରେ ଯୋଡ଼ାଗଲା। ଏହି ୪୮ ବର୍ଷ ଭିତରେ ଧର୍ମାନ୍ତରୀକରଣ ବଢ଼ିଚାଲିଲା। ଦେଶ ସ୍ୱାଧୀନ ହେବା ପୂର୍ବରୁ ମଧ୍ୟ ଧର୍ମାନ୍ତରୀକରଣ ବହୁ ପରିମାଣରେ ଚାଲିଥିଲା। ଆମ ଦେଶରେ ଅଶିକ୍ଷା, ଅଜ୍ଞାନତା ଓ ଦାରିଦ୍ର୍ୟତାର ସୁଯୋଗ ନେଇ ଶିକ୍ଷାର ପ୍ରସାର କରିବାକୁ ଯାଇ ମିଶନାରୀମାନେ ବହୁଳଭାବେ ଧର୍ମାନ୍ତରୀକରଣ କରାଇଲେ, ଯାହାର ଉଲ୍ଲେଖ ୧୯୫୪ ମସିହା ଏପ୍ରିଲ ୧୬ ତାରିଖରେ ମଧ୍ୟପ୍ରଦେଶ ସରକାର ବସେଇଥିବା ନିୟୋଗୀ କମିଟି (ନାଗପୁର ଉଚ୍ଚନ୍ୟାୟାଳୟର ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ମୁଖ୍ୟ ବିଚାରପତି ଡଃ ଭବାନୀ ଶଙ୍କର ନିୟୋଗୀ ଥିଲେ ଏହି କମିଟିର ଅଧ୍ୟକ୍ଷ) ରିପୋର୍ଟରେ ପୁଙ୍ଖାନୁପୁଙ୍ଖ ଉଲ୍ଲେଖ ରହିଛି। ଧର୍ମର ତ୍ରୁଟିପୂର୍ଣ୍ଣ ବାଖ୍ୟା, ରାଜନୀତି, ଶିକ୍ଷାନୁଷ୍ଠାନ ଓ ପ୍ରଶାସନରେ ଧର୍ମର ଅନୁପ୍ରବେଶ ହିଁ ଆଜି ଭାରତବର୍ଷ ପରି ଏକ ପବିତ୍ର, ଶାନ୍ତ, ସ୍ନିଗ୍ଧ ଓ ମାନବିକ ମୂଲ୍ୟବୋଧର ରୂପକାର ଦେଶ ଧର୍ମାନ୍ଧତାର କାଠଗଡ଼ାରେ ଠିଆ ହୋଇଛି।

୧୯୬୭/୬୮ ମସିହାରେ ଓଡ଼ିଶା ଓ ମଧ୍ୟପ୍ରଦେଶ ସରକାର ଦେଶରେ ପ୍ରଥମ ଥର ପାଇଁ 'ଫ୍ରିଡମ୍ ଅଫ୍ ରିଲିଜିଅନ୍ ଆକ୍ଟ' ପ୍ରଣୟନ କରିଥିଲେ, ଯେଉଁଥିରେ ବାଧ୍ୟବାଧକତା, ଡଞ୍ଚକତା କିମ୍ବା ଲୋଭ ଦେଖାଇ ଧର୍ମାନ୍ତରୀକରଣ କରିବା ଏକ ଅପରାଧ ବୋଲି ଅଭିହିତ କରାଗଲା। ଏହି ଆଇନ୍ ଦ୍ୱାରା ଧର୍ମାନ୍ତରୀକରଣ ବନ୍ଦ ହୋଇପାରିଥା'ନ୍ତା। କିନ୍ତୁ ତାହା ନାଲିଫିତା ଫାଇଲ୍ ତଳେ ରହିଯିବାରୁ ପରିଣାମ ଆଜି ଆମକୁ ଭୋଗିବାକୁ ପଡୁଛି। ବହୁ ପ୍ରଗତିଶୀଳ ଓ ଉନ୍ନତ ରାଷ୍ଟ୍ରଗୁଡ଼ିକରେ ଧର୍ମକୁ ରାଷ୍ଟ୍ରଠାରୁ ଅଲଗା ରଖାଯାଇଛି। କିନ୍ତୁ ଆମେ ଧର୍ମୀୟ କାର୍ଯ୍ୟକଳାପ, ଧର୍ମର ପ୍ରଚାର, ପ୍ରସାର ନିମନ୍ତେ ସବୁ ଧର୍ମକୁ ପ୍ରୋତ୍ସାହନ ଦେଇଚାଲିଛୁ। ଯାହାଦ୍ୱାରା ସବୁ ଧର୍ମ ଓ ସମ୍ପ୍ରଦାୟ ନିଜ ନିଜର ସାମାଜିକ ପ୍ରତିପତ୍ତି ବଢ଼େଇବାକୁ ଉଦ୍ୟମରତ। କିଏ ପାରମ୍ପାରିକ ତ କିଏ ରଢ଼ିବାଦୀ ତ କିଏ ଉଦାରବାଦୀ। ଯାହା ଫଳରେ ଧର୍ମ ଓ ସମ୍ପ୍ରଦାୟିକ ଉତ୍ତେଜନା ବଢୁଛି।

ଏହି ସଙ୍କଟରୁ ବଞ୍ଚିବା ଓ ଶାନ୍ତିପୂର୍ଣ୍ଣ ସହାବସ୍ଥାନ ନିମନ୍ତେ ଧର୍ମ ମଣିଷର ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ବ୍ୟାପାର ହେଉ। ନିଜ ନିଜ ଧର୍ମ ଓ ଆଚରଣ ନିଜର ଘର, ପରିସର ଏବଂ ଧର୍ମାନୁଷ୍ଠାନ ପରିସର ମଧ୍ୟରେ ସୀମିତ ରହିବା ଜରୁରୀ। ଶିକ୍ଷାନୁଷ୍ଠାନ, ରାଜନୈତିକ କାର୍ଯ୍ୟକଳାପ, ପ୍ରଶାସନ, ବିଧି ଓ ବୈଧାନିକ ବ୍ୟବସ୍ଥା ମଧ୍ୟରେ ଧର୍ମ ଓ ସମ୍ପ୍ରଦାୟର ପ୍ରବେଶ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ନିଷେଧ ହେଉ। ଡାକବାଜି ଯନ୍ତ୍ରର ବ୍ୟବହାର ସୀମିତ ପରିସରରେ ବ୍ୟବହୃତ ହେବା ସହ ଧର୍ମୀୟ ଶୋଭାଯାତ୍ରା ଓ ଧର୍ମୀୟ ସମାବେଶ ଇତ୍ୟାଦିକୁ ରାଷ୍ଟ୍ର ନିରୁତ୍ସାହିତ କରିବା ବିଧେୟ। ବିଶେଷ କରି ଶିକ୍ଷା କ୍ଷେତ୍ରରୁ ଧର୍ମ ଓ ଧର୍ମୀୟ ଚିନ୍ତା ଚେତନାକୁ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ମୁକ୍ତ ରଖାଯାଇ ପାରିଲେ ଏକ ସୁସ୍ଥ ସମାଜ ଗଠନ ହେବ।

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ମୋ: ୯୪୩୭୦୧୩୧୩୯

# ଆମ ବୃକ୍ଷଲତା ଆମ ଜୀବନ

## ବିଛୁଆତି

ପ୍ରକୃତି-ପରିବେଶ

ସୌଭାଗ୍ୟସୁନ୍ଦର

ବିଛୁଆତି ଭାରତର ପୂର୍ବଘାଟ ପର୍ବତମାଳାରେ ଏବଂ ଶ୍ରୀଲଙ୍କା, ଚୀନ୍, ମିଆଁମାର ଆଦି ପଡ଼ୋଶୀ ଦେଶଗୁଡ଼ିକରେ ପ୍ରାକୃତିକ ଭାବରେ ଦେଖାଯାଏ। ଏହା ଉଷ୍ଣମଣ୍ଡଳୀୟ ଏବଂ ଉପ ଉଷ୍ଣ ମଣ୍ଡଳୀୟ ଅଞ୍ଚଳରେ ଭଲ ବଢ଼େ ଏବଂ ନିକଟବର୍ତ୍ତୀ ବୃକ୍ଷଲତା ଉପରେ ମାଡ଼ିଥାଏ। ଏହା ଏକ ଜ୍ୱଳନ ଉଦ୍ଭିଦ ଭାବରେ ଲୋକପ୍ରିୟ। ଏହା ମଧ୍ୟ ବହୁବର୍ଷୀୟ ଦୁର୍ବଳ କାଣ୍ଡ ବିଶିଷ୍ଟ ଉଦ୍ଭିଦ, ଯାହାର ସାରା ଶରୀରରେ କେଶ ରହିଥାଏ। ଏହାକୁ ଇଂରାଜୀରେ ଇଣ୍ଡିଆନ୍ ଷ୍ଟିଙ୍ଗିଂ ନେଟଲ୍ କିମ୍ବା କ୍ଲାଇମ୍ବିଂ ନେଟଲ୍ କୁହାଯାଏ। କାରଣ ଏହାର ସଂସ୍ପର୍ଶରେ ଆସିଲେ ଚର୍ମରେ ଜଳା ପୋଡ଼ା ଓ କୁଣ୍ଡାଇ ହୁଏ। ଏହାର ପତ୍ରଗୁଡ଼ିକ ୬-୧୦ ସେମି ଲମ୍ବା, ୩-୫ ସେମି ଓସାରିଆ, ସରଳ, ଦନ୍ତୁରିତ ଧାର, ଡିମ୍ବାକାର। ଫୁଲଗୁଡ଼ିକ ପୁଷ୍ପୋଦ୍ଗମରେ ଡାଳର ଅଗ୍ର ଭାଗରେ ସଜ୍ଜିତ ଥାଏ। ସେଗୁଡ଼ିକ ଆକାରରେ ବହୁତ ଛୋଟ, ମୋନୋସିୟସ୍ ବା ଲିଙ୍ଗ ଭେଦରେ ପୃଥକ୍। ବିହନଗୁଡ଼ିକ ଗୋଲାକାର, ଧୂସର ମାଟିଆ, ମସୃଣ ଓ ହାଲୁକା ରଙ୍ଗର। ଫୁଲ ଫୁଟିବାର ସମୟ ହେଉଛି ଫେବୃଆରୀ, ମାର୍ଚ୍ଚ, ଜୁନ୍। ଫଳ ବର୍ଷସାରା ହୋଇଥାଏ।

ବିଛୁଆତିକୁ ଆୟୁର୍ବେଦ ଓ ଆଧୁନିକ ଏଲପାଥିକ ଔଷଧ ପ୍ରୟୋଗରେ ବହୁଳ ଭାବରେ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଏ। ଓଡ଼ିଶାର ଆଦିବାସୀ ଲୋକମାନେ ଏହାର ମୂଳ ଓ ପତ୍ରକୁ ଶୁଖିଲା କାଶ ପାଇଁ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତି। ତାମିଲନାଡୁର କରନ୍ଦମାଲାଇର ଲୋକମାନେ କୋଷ୍ଠକାଠିନ୍ୟ ଦୂର କରିବା ପାଇଁ ଏହାର ମୂଳକୁ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତି। ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗରେ ବିଛା ଦଂଶନର ଚିକିତ୍ସା ପାଇଁ ମୂଳରୁ ତିଆରି ପେଷ୍ଟ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଏ। କେଶ ଝଡ଼ିବା ରୋକିବା ପାଇଁ ଏହାର ମଞ୍ଜିରୁ ତିଆରି ପେଷ୍ଟ ମୁଣ୍ଡରେ ଲଗାଯାଇପାରେ। ଏହି ପେଷ୍ଟକୁ ଆଲୋପେସିଆ ଚିକିତ୍ସାରେ ମଧ୍ୟ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଏ। ଉତ୍ତର-ପୂର୍ବ ଭାରତ ଏବଂ ଦକ୍ଷିଣ-ଏସୀୟ ଦେଶଗୁଡ଼ିକର ଲୋକମାନେ ଶତାବ୍ଦୀ ଧରି ମଧୁମେହ ଚିକିତ୍ସା ପାଇଁ ବିଛୁଆତିକୁ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତି। ଏହାକୁ ସ୍ତନ ଟ୍ୟୁମର ଚିକିତ୍ସା ପାଇଁ ମଧ୍ୟ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଏ।

ଆୟୁର୍ବେଦର ତିନୋଟି ପ୍ରମୁଖ ଗ୍ରନ୍ଥ ଚରକ ସଂହିତା, ସୁଶ୍ରୁତ ସଂହିତା ଓ ଭାଗବତ୍ ସଂହିତାରେ ଏହା ବୃଷ୍ଚକାଳି ଭାବରେ ଉଲ୍ଲେଖିତ। ଚରକ ସଂହିତାରେ ଏହା ଅପସ୍ମାର ଚିକିତ୍ସା, ଶୁଶ୍ରୁତ ସଂହିତାରେ ଜ୍ୱର ଚିକିତ୍ସା ଏବଂ ଭାଗବତ୍/ଅଷ୍ଟାଙ୍ଗହୃଦ ସଂହିତାରେ ବିଦାର୍‌ୟାଦି ଗୃହର ଏକ ଉପାଦାନ ଭାବରେ ଉଲ୍ଲେଖ କରାଯାଇଛି, ଯାହା ଶ୍ୱାସକ୍ରିୟାର ଲକ୍ଷଣର ବିକାର ଉପଶମରେ ବ୍ୟବହୃତ ହୁଏ। ଏଥିରେ ଆଣ୍ଟିବ୍ୟାକ୍ଟେରିଆଲ୍/ ଆଣ୍ଟିମାଇକ୍ରୋବାୟଲ୍, ଡାଇବେଟିକ୍/ ହାଇପୋଗ୍ଲାଇସେମିକ୍, ଆଣ୍ଟିଅକ୍ସିଡାଣ୍ଟ ଏବଂ ପ୍ରଦାହ-ପ୍ରତିରୋଧୀ, ଆଣ୍ଟିଫଙ୍ଗାଲ୍ ଭଳି ଅନେକ ଜୈବିକ କାର୍ଯ୍ୟକଳାପ ଅଛି। ଏହା ଫାଇଟୋକେମିକାଲ୍ସରେ ସମନ୍ୱିତ। ଏହା ମଧ୍ୟ ଆଲଜାଇମର ରୋଗ (ସ୍ମରଣ ଶକ୍ତି ହ୍ରାସ), କୋଏଡ୍-୧୯, ଆଣ୍ଟି-ଇନ୍‌ଫ୍ଲାମେଟୋରୀ, ଆଣ୍ଟିଅକ୍ସିଡାଣ୍ଟ, ଆଣ୍ଟିପାରାସାଇଟିକ୍, ଡାଇୟୁରେଟିକ୍, ଆଣ୍ଟି ଟ୍ୟୁମର, ହେପାଟୋପ୍ରୋଟେକ୍ଟିଭ୍ ପାଇଁ ବ୍ୟବହୃତ ହୁଏ।

ବିଛୁଆତିରେ ପ୍ରଚୁର ପରିମାଣରେ ଆଲକାଲଏଡ୍, ଫେନୋଲ୍ସ, ଟେର୍ପେନୋଏଡ୍ସ, ଟାନିନ୍ ଫ୍ଲାଭୋନୋଏଡ୍ସ, ଷ୍ଟେରୋଲ୍ସ, ସାପୋନିନ୍ସ, ଗ୍ଲାଇକୋସାଇଡ୍ସ ଓ କ୍ୟାରିଓଫାଇଲିନ୍, ଇଥିଲିନ୍ ଗ୍ଲାଇକଲ୍ ମୋନୋ-ଟେର୍ଟ-ବ୍ୟୁଟାଇଲ୍ ଇଥର ଓ ଜେରାନିଲ୍ ଆସିଟୋନ୍ ଭଳି ଅତ୍ୟାବଶ୍ୟକ ତେଲ ରହିଛି। ଏଥିରେ ଥିବା କ୍ୟାଲସିୟମ୍ ଅକ୍ସାଲେଟ୍ ଓ ସେଲସୋଲ୍ ଜଳା ପୋଡା, କୁଣ୍ଡେଇ ହେବା ଭଳି ଦଂଶନକାରୀ ଗୁଣ ପାଇଁ ଦାୟୀ। ଏହା ହେଉଛି ନିଜର ପ୍ରାକୃତିକ ପ୍ରତିରକ୍ଷା ବ୍ୟବସ୍ଥା।

ଯେହେତୁ ଏହି ଗଛ ଏକ ଅନାବନା ଉଦ୍ଭିଦ, ଏହାର ଔଷଧୀୟ ମୂଲ୍ୟ ବିଷୟରେ ଜ୍ଞାନର ଅଭାବ ଯୋଗୁଁ ଏହାକୁ ବ୍ୟାପକ ଭାବରେ ନଷ୍ଟ କରିଦିଆଯାଉଛି ଅଜାଣତରେ। ତେଣୁ ଏହାର ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣ ପାଇଁ ଆବଶ୍ୟକୀୟ ପଦକ୍ଷେପ ନିଆଯିବା ଆବଶ୍ୟକ। ବିଶେଷ ଭାବରେ ଭେଷଜ କମ୍ପାନୀମାନେ ଏବଂ ସଚେତନ ଜନସାଧାରଣ ଏହାର ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣ ଓ ଚାଷ ପାଇଁ ତତ୍ପରତା ପ୍ରକାଶ କରିବା ଉଚିତ୍। ସରକାରୀ ପ୍ରୋତ୍ସାହନର ଜରୁରୀ ଆବଶ୍ୟକତା ମଧ୍ୟ ଅନୁଭବ କରାଯାଏ।

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ମୋ: ୯୪୩୭୧୯୦୪୨୦

ସକାଳ
THE SAKALA

ଯୋଗାଯୋଗ ଠିକଣା

NEWS & INFO
news@thesakala.com

CIRCULATION
circulation@thesakala.com

ADVERTISEMENT
advt@thesakala.com

THE SAKALA
(A Unit of Nandighosha Network Pvt. Ltd.)
At: IDCO Plot No. 90 & 91, Bhagabanpur I/E, BBSR-751019
Ph.: 0674-2954342 | 2955342



ଦୈନିକ 'ସକାଳ' ଓ ଏହାର ବିଶେଷ ଅଧିପତ୍ର, ପତ୍ରିକା ଆଦିରେ ପ୍ରକାଶିତ ଆଲେଖ୍ୟର ଉଦ୍ଧୃତି, ତଥ୍ୟ, ମତାମତ, ବିଶ୍ଳେଷଣ ସମ୍ପୃକ୍ତ ଲେଖକଙ୍କ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ନିଜସ୍ୱ। ସେଥିପାଇଁ 'ସକାଳ' କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ ଉତ୍ତରଦାୟୀ ହେବେ ନାହିଁ।

## ବିସ୍ଫୋରକ ଲୁଟ୍ ଘଟଣା

# ମୁଖ୍ୟ ସହଯୋଗୀ ଗିରଫ

ରାଉରକେଲା, ୧୫।୬(ସମିସ): କେ. ବଲାଙ୍ଗ ଥାନା ଅନ୍ତର୍ଗତ ବଙ୍କୋ ପଥର ଖଣିକୁ ଚାଲାଣ ହେଉଥିବା ୫ଟନ୍ ବିସ୍ଫୋରକ ସାମଗ୍ରୀ ଲୁଟ୍ ଘଟଣାରେ ମାଓବାଦୀଙ୍କ ମୁଖ୍ୟ ସହଯୋଗୀଙ୍କୁ ରାଉରକେଲା ପୁଲିସ ଗିରଫ କରି କୋର୍ଟଚାଲାଣ କରିଛି। ଗିରଫ ଅଭିଯୁକ୍ତ ହେଲେ, ବଙ୍କୋ ଗ୍ରାମର ଜର୍ଜ ମୁଣ୍ଡା ଓରଫ କୁଲୁ (୪୩)। ସେ ମାଓବାଦୀଙ୍କୁ ଆଗୁଆ ସୂଚନା ଦେଇ ସହଯୋଗ କରୁଥିଲେ ବୋଲି ରବିବାର ଏକ ସାମ୍ବାଦିକ ସମ୍ମିଳନୀରେ ପଶ୍ଚିମାଞ୍ଚଳ ପୁଲିସ ଡିଆଇଜି ବ୍ରିଜେଶ କୁମାର ରାଏ ଏବଂ ଏସ୍‌ପି ନିତେଶ ୱାଧୱାନୀ ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି।

ଡିଆଇଜି ଶ୍ରୀ ରାଏ କହିଛନ୍ତି, ଗତ ମେ' ୨୭ରେ ବାଙ୍କୋ ପଥରକ୍ୱାରୀ ନିକଟରୁ ୫ ଟନ୍ ବିସ୍ଫୋରକ ସାମଗ୍ରୀ ଲୁଟ୍ ହେବାରେ କେ. ବଲାଙ୍ଗ ଥାନାରେ ଏନେଇ ଏକ ମାମଲା ରୁଜୁ ହୋଇ ତଦନ୍ତ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା। ଓଡିଶା ଏବଂ ଝାଡଖଣ୍ଡ ପୁଲିସ ପକ୍ଷରୁ ଏନେଇ ବ୍ୟାପକ ତନାଘନା ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା। ଅତିରିକ୍ତ ଏସ୍‌ପିଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ ଏକ ଏସଆଇଟି ଗଠନ କରାଯାଇ ଏସ୍‌ଡିପିଓ କେ. ବଲାଙ୍ଗ ଥାନା ଅଧିକାରୀ ତଦନ୍ତ କରିଥିଲେ। ଏସପି ନିତେଶ ୱାଧୱାନୀ ପୁରା ଘଟଣାର ମନିଟରିଂ କରିଥିଲେ। ସେ ଆହୁରି କହିଲେ ଯେ, ଗିରଫ ଜର୍ଜ ମୁଣ୍ଡା ଦୀର୍ଘ ଦିନ ଧରି ବାଙ୍କୋଠାରେ ଥିବା ବାଙ୍କୋ ଷ୍ଟୋନ୍ କ୍ୱାରୀକୁ ବିରୋଧ କରିଆସୁଥିଲା। ଏଥିସହ ସ୍ଥାନୀୟ ମାଓବାଦୀ ସଂଗଠନ ସହ ମଧ୍ୟ ତାର ସମ୍ପର୍କରେ ଥିଲା। ଯାହାକୁ ଆଧାର କରି ବିସ୍ଫୋରକ ସାମଗ୍ରୀ ଲୁଟ ଘଟଣାରେ ସେ ମାଓବାଦୀଙ୍କୁ ସହାୟତା କରିଥିଲା ବୋଲି ଡିଆଇଜି ଶ୍ରୀ ରାଏ କହିଛନ୍ତି।

ଏସ୍‌ପି ନିତେଶ ୱାଧୱାନୀ କହିଛନ୍ତି, ବାଙ୍କୋ ଷ୍ଟୋନ୍ କ୍ୱାରୀକୁ ବିରୋଧ କରିଆସୁଥିବାରୁ ଜର୍ଜ ମୁଣ୍ଡା ପ୍ରତିଶୋଧ ନେବାକୁ ସୁଯୋଗ ଅପେକ୍ଷାରେ ରହିଥିଲା। ବାଙ୍କୋ ଷ୍ଟୋନ କ୍ୱାରୀକୁ ବ୍ଲାଷ୍ଟିଂ ପାଇଁ ଯାଉଥିବା ବିସ୍ଫୋରକ ସାମଗ୍ରୀର ଗତିବିଧି ଉପରେ ସେ ନଜର ରଖିଥିଲା। ଗତ ମେ ୨୭ ତାରିଖ ରାତି ପ୍ରାୟ ସାଢେ ୮ଟାରେ ବଡ଼ଗାଁସ୍ଥିତ ଇକମା ଅଞ୍ଚଳରୁ ଏକ ବିସ୍ଫୋରକ ସାମଗ୍ରୀ ବୋଝେଇ ଭ୍ୟାନ ବାଙ୍କୋ ଖଣିକୁ ଆସୁଥିବା ନେଇ ଜର୍ଜ ମୁଣ୍ଡା ମାଓବାଦୀଙ୍କୁ ସୂଚନା ଦେଇଥିଲା। ଏହି ସୂଚନାକୁ ଆଧାର କରି ଘଟଣା ଦିନ ସଶସ୍ତ୍ର ମାଓବାଦୀମାନେ ୫ ଟନ୍ ଓଜନର ୨୦୦ ପ୍ୟାକେଟ ବିସ୍ଫୋରକ ସାମଗ୍ରୀ ବୋଝେଇ ଭ୍ୟାନ୍‌କୁ ଲୁଟ କରିବାରେ ସଫଳ ହୋଇଥିଲେ। ଘଟଣା ଦିନ ମାଓବାଦୀମାନେ ବନ୍ଧୁକ ମୁନରେ ଭ୍ୟାନ୍ ଚାଳକକୁ ଧମକ ଦେଇ ବିସ୍ଫୋରକ ବୋଝେଇ ଭ୍ୟାନ୍‌କୁ ସାରଣ୍ଡା ଜଙ୍ଗଲ ଭିତରକୁ ନେଇଯାଇଥିଲେ। ସମସ୍ତ ବିସ୍ଫୋରକ ସାମଗ୍ରୀ ଲୁଟି ନେବା ପରେ ମାଓବାଦୀମାନେ ଭ୍ୟାନ୍ ଚାଳକକୁ ଜଙ୍ଗଲ ଭିତରେ ଛାଡି ଦେଇଥିଲେ। ଏହି ଘଟଣା ପରେ ଓଡ଼ିଶା-ଝାଡଖଣ୍ଡ ସୀମାବର୍ତ୍ତୀ ସାରଣ୍ଡା ଜଙ୍ଗଲରେ ଓଡିଶା ଓ ଝାଡଖଣ୍ଡ ପୁଲିସ୍ ପକ୍ଷରୁ ସର୍ଚ୍ଚ ଅପରେସନ କରାଯାଇଥିଲା। ଏହି ସର୍ଚ୍ଚ ଅପରେସନରେ ୩ଟି ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ମୋଟ ୩୮୧୧.୩୦ କେଜି ବିସ୍ଫୋରକ ଜବତ କରାଯାଇଛି। ବର୍ତ୍ତମାନ ସୁଦ୍ଧା ସର୍ଚ୍ଚ ଅପରେସନ୍ ଜାରି ରହିଛି ବୋଲି ଏସ୍‌ପି ଶ୍ରୀ ୱାଧୱାନୀ ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି। ସାମ୍ବାଦିକ ସମ୍ମିଳନୀରେ ଅତିରିକ୍ତ ଏସ୍‌ପି ହରେକୃଷ୍ଣ ମାଝୀ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ।

## ସୁରକ୍ଷା ଢ଼ିଲା

# ଆଖଣ୍ଡଳମଣି ପୀଠରେ ଠେଲାପେଲା

ଭଦ୍ରକ/ଆରଡ଼ି, ୧୫।୬(ସମିସ): ରଜ ସଂକ୍ରାନ୍ତି ପାଇଁ ରବିବାର ଆଖଣ୍ଡଳମଣି ପୀଠରେ ନାହିଁନଥିବା ଭକ୍ତଙ୍କ ଭିଡ଼ ଲାଗିଥିଲା। ମଣିବାବାଙ୍କ ଦର୍ଶନ ଓ ପୂଜାର୍ଚ୍ଚନା ପାଇଁ ଦକ୍ଷିଣଦ୍ୱାର (ପ୍ରବେଶ ଦ୍ୱାର) ଠାରେ ଭକ୍ତଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଦୀର୍ଘ ସମୟ ଧରି ଠେଲାପେଲା ଲାଗି ରହିବାରୁ କିଛି ଭକ୍ତ ସଂଜ୍ଞାହୀନ ହୋଇ ତଳେ ପଡ଼ି ଯାଇଥିଲେ। ବିଶେଷକରି ପ୍ରଶାସନିକ ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ଯୋଗୁଁ ଜଣେ ହେଲେ ସୁରକ୍ଷା କର୍ମୀ ରହିବା ତ ଦୂରର କଥା, ବ୍ୟାରିକେଡ୍ ବ୍ୟବସ୍ଥା ନଥିବାରୁ ମନ୍ଦିର ମଧ୍ୟକୁ ମହିଳା ଓ ପୁରୁଷ ଭକ୍ତଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଠେଲାପେଲା ଲାଗି ରହିବା ସହ ହାତ ଉଠାଉଠି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ କଥା ଯାଇଥିଲା।

ଅନ୍ୟପଟେ ମନ୍ଦିର ସମ୍ମୁଖର ଦର୍ଶନପଥରେ ଛାମୁଣ୍ଡିଆ ନଥିବାରୁ ଡହଡହ ଖରାକୁ ଅସହ୍ୟ ଗୁଳୁଗୁଳିରେ ସିଝିଥିଲେ ଭକ୍ତ। ସେହିପରି ବାଇପାସ ରାସ୍ତାରେ ବେନିୟମ ଭାବେ କିଛି ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକ ଜବରଦଖଲ କରିବା ସହ ନିଜର ଚାରିଚକିଆ ଯାନ ରଖିବାରୁ ଟ୍ରାଫିକ ସମସ୍ୟା ଅଣାୟତ ହୋଇପଡ଼ିଥିଲା। ଉଭୟ ପାର୍ଶ୍ୱରେ ଶହଶହ ଗାଡ଼ି ଦୀର୍ଘ ୪ଘଣ୍ଟା ଧରି ଅଟକି ରହିବା ଫଳରେ ସ୍ଥାନୀୟ ଆରଡ଼ି ପୁଲିସ ସ୍ଥିତି ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ଆଣିବାକୁ ନାକେଦମ ହେବାକୁ ପଡିଥିଲା।

■ ଦର୍ଶନରୁ ବଞ୍ଚିତ ହେଲେ ସହସ୍ରାଧିକ ଭକ୍ତ
■ ଡହଡହ ଖରାରେ ୨କିମି ଚାଲିଲେ ଭକ୍ତ

ସେହିପରି ମୁଖ୍ୟ ରାସ୍ତାର ଟ୍ରାଫିକ ଅବ୍ୟବସ୍ଥା ପାଇଁ ୨କିମି ଚାଲିଥିଲେ ହଜାରହଜାର ଭକ୍ତ। ଫଳରେ ଆଖଣ୍ଡଳମଣି- ଭଦ୍ରକ ମୁଖ୍ୟ ରାସ୍ତାରେ ଅଟକି ରହିଥିଲା ଶହଶହ ଯାତ୍ରୀବାହି ଗାଡି। ରଜ ସଂକ୍ରାନ୍ତିରେ ହଜାରହଜାର ଭକ୍ତ ଆସିବାକୁ ଥିବା ବେଳେ ମନ୍ଦିର ପ୍ରଶାସନିକ ଅଧିକାରୀ ପ୍ରାକ ପ୍ରସ୍ତୁତି ନକରି କିପରି ଭାବେ ଚୁପ ବସିଲେ; ନା ଖାମଖିଆଲି ମନଭାବ ଦେଖାଇ ରହିଲେ ଏପରି ନାନା ପ୍ରଶ୍ନ ଉଙ୍କି ମାରିଥିଲା ଆଗନ୍ତୁକ ଭକ୍ତ ଓ ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକଙ୍କ ମନରେ। ଶେଷରେ ମନ୍ଦିର ଭିତରେ ଓ ବାହାରେ ଅତ୍ୟଧିକ ଭିଡ ଲାଗି ରହିବାରୁ ବହୁ ଯାତ୍ରୀ ଓ ଶ୍ରଦ୍ଧାଳୁ ଭକ୍ତ ବାବାଙ୍କ ଦର୍ଶନ ନପାଇ ନିରାଶ ହୋଇ ଫେରିଯାଇଥିଲେ।

# ପୋଖରୀରେ ବୁଡ଼ି ଯୁବକ ମୃତ

ବାରିକପୁର, ୧୫।୬ (ସମିସ): ରଜରେ ଅଘଟଣ। ଭଣ୍ଡାରୀପୋଖରୀ ଥାନା ଅନ୍ତର୍ଗତ ଷୋଳମପୁର ଗ୍ରାମର ଜ୍ଞାନରଞ୍ଜନ ଘଡେଇ(୩୮) ଗାଁ ପୋଖରୀରେ ବୁଡ଼ି ମୃତ୍ୟୁବରଣ କରିଥିବା ଜଣାଯାଇଛି। ଜ୍ଞାନରଞ୍ଜନ ମଧ୍ୟାହ୍ନରୁ ନିଖୋଜ ଥିଲେ। ପରିବାର ଲୋକେ ଖୋଜାଖୋଜି ପରେ ଗ୍ରାମର ଦଶାଙ୍ଗ ପୋଖରୀ ହୁଡାରେ ଜ୍ଞାନରଞ୍ଜନଙ୍କ ଜୋତା ପଡିଥିବା ଦେଖିଥିବାକୁ ପାଇଥିଲେ। ପରିବାର ଲୋକେ ଗ୍ରାମବାସୀଙ୍କ ସହଯୋଗରେ ପୋଖରୀରେ ଖୋଜାଖୋଜି କରି ଯୁବକ ଜଣଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରି ଯାଜପୁର ମେଡିକାଲକୁ ନେଇଥିଲେ। ସେଠାରେ ଡାକ୍ତର ତାଙ୍କୁ ମୃତ ଘୋଷଣା କରିଥିଲେ। ଶୌଚ ହେବାକୁ ଯାଇ ଗୋଡଖସିଯିବାରୁ ଜ୍ଞାନରଞ୍ଜନ ପୋଖରୀରେ ପଡ଼ି ମୃତ୍ୟୁବରଣ କରିଥିବା ଅନୁମାନ କରାଯାଉଛି।

# ଜଳପ୍ରପାତରେ ଭାସିଗଲେ ଦୁଇ ନାବାଳକ

କୋଷାଗୁମୁଡା,୧୫।୬(ସମିସ): କୋଷାଗୁମୁଡ଼ା ସଦର ମହକୁମାର ମିରଗାନ ସାହିର ଦୁଇ ନାବାଳକ ଚାନ୍ଦିଲି ନିକଟସ୍ଥ ଗୁଲମୀ ଜଳପ୍ରପାତରେ ଭାସି ଯାଇଛନ୍ତି। ସ୍ଥାନୀୟ ପୁଲିସ ଓ ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀ ସେମାନଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରିବାକୁ ଉଦ୍ୟମ କରୁଛି। କିନ୍ତୁ ସଂଧ୍ୟା ସୁଦ୍ଧା ସେମାନଙ୍କର କୌଣସି ଖବର ମିଳିପାରିନାହିଁ। ସୂଚନା ଅନୁସାରେ ରବିବାର ଅପରାହ୍ଣରେ ୫ ଜଣ ସାଙ୍ଗ ଦୁଇ ବାଇକ୍‌ରେ କୋଷାଗୁମୁଡ଼ାରୁ କୋରାପୁଟ ଜିଲ୍ଲାର କୋଟପାଡ଼ ଥାନା ଅନ୍ତର୍ଗତ ଚାନ୍ଦିଲି ନିକଟସ୍ଥ ଗୁଲମୀ ଜଳପ୍ରପାତକୁ ବୁଲିଯାଇଥିଲେ। ଜଳପ୍ରପାତ ପରିଭ୍ରମଣ ପରେ ଗାଧେଇବା ବେଳେ ଦୁଇ ଜଣ ବାଳକ ଅଲୋକ ସୁନା ଓ କିରଣ ନାୟକ ଜଳ ସ୍ରୋତରେ ଭାସି ଯାଇଥିଲେ। ସାଥୀରେ ଥିବା ଅନ୍ୟ ତିନିଜଣ ପରିବାର ଲୋକ ଓ ସ୍ଥାନୀୟ ପୁଲିସ, ଅଗ୍ନିଶମ ବିଭାଗକୁ ଖବର ଦେଇଥିଲେ। ସେମାନଙ୍କୁ ଉଦ୍ଧାର କରିବାକୁ ଉଦ୍ୟମ ଚାଲିଛି। ଦୁଇ ସାଙ୍ଗ ଚଳିତ ବର୍ଷ ୧୦ମ ଶ୍ରେଣୀରେ ପଢୁଛନ୍ତି। ଏହାକୁ ନେଇ କୋଷାଗୁମୁଡାରେ ଏକ ଦୁଃଖର ବାତାବରଣ ଖେଳିଯାଇଛି।

# ଇସ୍କନ ମୁଖ୍ୟଙ୍କୁ ପତ୍ର ଲେଖିଲେ ଗଜପତି ମହାରାଜା

## ଶାସ୍ତ୍ର ଅନୁମୋଦିତ ତିଥିରେ ସ୍ନାନଯାତ୍ରା, ରଥଯାତ୍ରା ପାଳନ ପରାମର୍ଶ

ପୁରୀ,୧୫।୬(ସମିସ): ବାରମ୍ବାର ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ ସଂସ୍କୃତିକୁ ଅପମାନିତ କରୁଛି ଇସ୍କନ। ବିଧି, ପରମ୍ପରାକୁ ଭାଙ୍ଗି ଅଦିନିଆ ରଥଯାତ୍ରା କରୁଛି। ଏଭଳି ମନମାନି କରି କୋଟିକୋଟି ଜଗନ୍ନାଥପ୍ରେମୀଙ୍କ ଭାବାବେଗ ସହ ଖେଳୁଛି। ଏଭଳି ପରମ୍ପରା ବିରୋଧୀ କାମ ନକରିବା ପାଇଁ ପୂର୍ବରୁ ଅନେକଥର ଅବଗତ କରାଯାଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ନିଜ ଚରିତ୍ରରେ ସୁଧାର ଆଣୁନାହିଁ। ଏପରିକି ଜଗଦ୍‌ଗୁରୁ ଶଙ୍କରାଚାର୍ଯ୍ୟ ଏବଂ ଗଜପତି ମହାରାଜାଙ୍କ ଶାସ୍ତ୍ର ପୁରାଣ ପ୍ରାମାଣିକତାକୁ ବି ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଭାବେ ଗ୍ରହଣ କରିନାହିଁ ଇସ୍କନ। ଏଭଳି ସ୍ଥିତିରେ ରବିବାର ପୁଣିଥରେ ଇସ୍କନ ମୁଖ୍ୟଙ୍କୁ ପତ୍ର ଲେଖିଛନ୍ତି ଗଜପତି ମହାରାଜା ଦିବ୍ୟସିଂହ ଦେବ। ସମଗ୍ର ବିଶ୍ୱରେ ମହାପ୍ରଭୁ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ସ୍ନାନଯାତ୍ରା, ରଥଯାତ୍ରା ଶାସ୍ତ୍ର ଅନୁମୋଦିତ ତିଥିରେ ପାଳନ ସମ୍ପର୍କରେ ପଦକ୍ଷେପ ନେବାକୁ ଇସ୍କନ ଗଭର୍ଣ୍ଣିଂ ବଡି କମିଶନର ଅଧ୍ୟକ୍ଷଙ୍କୁ ପତ୍ର ଲେଖିଛନ୍ତି।

ଗଜପତି ମହାରାଜା ନିଜ ପତ୍ର ରବିବାର (ଇ-ମେଲ୍ ମାଧ୍ୟମରେ) ଅତି ସ୍ପଷ୍ଟ ଭାବେ ଉଲ୍ଲେଖ କରିଛନ୍ତି ଯେ ଭାରତ ବାହାରେ ବିଭିନ୍ନ ଦେଶର ଇସ୍କନ କେନ୍ଦ୍ର ତଥା ମନ୍ଦିରଗୁଡ଼ିକ ମହାପ୍ରଭୁ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ସ୍ନାନଯାତ୍ରା ଏବଂ ରଥଯାତ୍ରା ଶାସ୍ତ୍ରରେ ଅନୁମୋଦିତ ନଥିବା ତିଥିରେ ପାଳନ କରୁଥିବା ନଜରକୁ ଆସିଛି। ଏହା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ରୂପେ ଶାସ୍ତ୍ରବିରୋଧୀ କାର୍ଯ୍ୟ। ବିଭିନ୍ନ ଇସ୍କନ ମନ୍ଦିର ପକ୍ଷରୁ ଇଣ୍ଟରନେଟ୍‌ରେ ଏ ସମ୍ପର୍କରେ ଦିଆଯାଇଥିବା ଘୋଷଣାନାମାକୁ ମଧ୍ୟ ଚିଠି ସହିତ ସଂଲଗ୍ନ କରାଯାଇଛି।

ଗଜପତି ମହାରାଜା ଲେଖିଛନ୍ତି ଯେ ଗତ ମାର୍ଚ୍ଚ ୨୦ରେ ଭୁବନେଶ୍ୱରଠାରେ ହୋଇଥିବା ଆଲୋଚନା ସମୟରେ ଶ୍ରୀମନ୍ଦିର ପ୍ରଶାସନ ପକ୍ଷରୁ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ ସଂସ୍କୃତି ଗବେଷକମାନେ ଦୃଢ଼ ଭାବେ ଇସ୍କନର ଯୁକ୍ତିକୁ ଖଣ୍ଡନ କରିବା ସହ ମହାପ୍ରଭୁ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ସ୍ନାନଯାତ୍ରା କେବଳ ଜ୍ୟେଷ୍ଠ ପୂର୍ଣ୍ଣିମା ତିଥି (ଚଳିତ ବର୍ଷ ଜୁନ୍ ୧୧) ପାଳନ ହୋଇପାରିବ ଏବଂ ଆଷାଢ଼ ଶୁକ୍ଳ ଦ୍ୱିତୀୟା (ଏ ବର୍ଷ ଜୁନ୍ ୨୭)ଠାରୁ ଆଷାଢ଼ ଶୁକ୍ଳ ପକ୍ଷ ଦଶମୀ (ଏ ବର୍ଷ ଜୁଲାଇ ୫ ତାରିଖ) ପବିତ୍ର ନଅ ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ହିଁ ରଥଯାତ୍ରା (ଶ୍ରୀଗୁଣ୍ଡିଚା ଯାତ୍ରା ଏବଂ ବାହୁଡ଼ା ଯାତ୍ରା) ପାଳନ କରାଯାଇପାରିବ ବୋଲି ସ୍ପଷ୍ଟ ଭାବେ କହିଥିଲେ। ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ସବୁଠାରୁ ପବିତ୍ର ଏହି ଯାତ୍ରା ଅନ୍ୟ ତିଥି କିମ୍ବା ତାରିଖରେ ପାଳନ କରାଯିବା ଦ୍ୱାରା ଶାସ୍ତ୍ର ତଥା ପବିତ୍ର ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ ପରମ୍ପରା ଉଲ୍ଲଂଘନ ହେବ। ଏନେଇ ଗବେଷକମାନଙ୍କ ବିସ୍ତୃତ ଶାସ୍ତ୍ରସମ୍ମତ ମତ ଖୁବ୍‌ଶୀଘ୍ର ଇସ୍କନକୁ ପଠାଯିବ।

## କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ାକୁ ଡେଇଁଲା ଡାଇରିଆ

# ଡେରାବିଶରେ ପ୍ରଥମ ମୁଣ୍ଡ ଗଡିଲା

ଡେରାବିଶ, ୧୫।୬(ସମିସ): ଯାଜପୁର, କଟକ, ଢେଙ୍କାନାଳ ପରେ ଡାଇରିଆ ଏବେ କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଜିଲ୍ଲାକୁ ଡେଇଁଛି। କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଜିଲ୍ଲା ଅନ୍ତର୍ଗତ ଡେରାବିଶ ବ୍ଲକ୍‌ରେ ଏହାର ପ୍ରଭାବ ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ଆଜି ସକାଳୁ ଡାଇରିଆରେ ଆକ୍ରାନ୍ତ ଜଣେ ମହିଳାଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଛି। ଏଥିସହିତ ୬ରୁ ଅଧିକ ଆକ୍ରାନ୍ତ ହୋଇ କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଓ କଟକ ମେଡିକାଲରେ ଚିକିତ୍ସିତ ହେଉଥିବା ଜଣାଯାଇଛି।

ସୂଚନା ମୁତାବକ, ଡେରାବିଶ ବ୍ଲକ୍ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଏଣ୍ଡର ପଞ୍ଚାୟତ ଶ୍ୟାମସୁନ୍ଦରପୁର ଗ୍ରାମର ସଜନୀ ମଲିକ (୬୧) ଗତକାଲି ଡାଇରିଆରେ ଆକ୍ରାନ୍ତ ହୋଇ ପ୍ରଥମେ ଡେରାବିଶ ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ର ଓ ପରେ ଅବସ୍ଥା ଗୁରୁତର ହେବାରୁ କଟକ ମେଡିକାଲକୁ ସ୍ଥାନାନ୍ତରିତ ହୋଇଥିଲେ। ଆଜି ଚିକିତ୍ସାଧୀନ ଅବସ୍ଥାରେ ତାଙ୍କର ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଯାଇଥିଲା। ସଜନୀଙ୍କ ପୁଅ ଭାଗୀରଥି (୪୩), ନିରଞ୍ଜନ (୩୦) ମଧ୍ୟ ଡାଇରିଆରେ ଆକ୍ରାନ୍ତ ହୋଇ କଟକ ମେଡିକାଲ୍‌ରେ ଚିକିତ୍ସିତ ହେଉଛନ୍ତି। ସେହିପରି ଗ୍ରାମର ରଙ୍ଗଲତା ମଲିକ (୪୫), ତପନ ମଲିକ (୪୬), କୁଞ୍ଜବିହାରୀ ମଲିକ (୭୫), ରଶ୍ମିତା ମଲିକ (୪୬) ଆକ୍ରାନ୍ତ ହୋଇ କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଜିଲ୍ଲା ମୁଖ୍ୟ ଚିକିତ୍ସାଳୟରେ ଚିକିତ୍ସିତ ହେଉଛନ୍ତି। ଡରାଇରିଆରେ ଡେରାବିଶରେ ମହିଳାଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ଖବର ବ୍ୟାପିବା ପରେ ସ୍ଥାନୀୟ ଅଞ୍ଚଳରେ ଭୟର ବାତାବରଣ ଦେଖାଦେଇଛି। ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା ଜିଲ୍ଲା ପବ୍ଲିକ ହେଲ୍‌ଥ ଅଫିସର ଡାକ୍ତର ନିରୁପମା ଶତପଥୀ ଓ ଡେରାବିଶର ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ର ଅଧିକାରୀ ଡାକ୍ତର ଚିତ୍ତରଞ୍ଜନ ବେହେରାଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ ଡକ୍ତରୀ ଟିମ୍ ପହଞ୍ଚିଛନ୍ତି। ଏଥିସହିତ ସ୍ଥାନୀୟ ଆଶା, ଅଙ୍ଗନବାଡ଼ି କର୍ମୀ ପହଞ୍ଚିଛନ୍ତି। ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗ ଟିମ୍ ଆକ୍ରାନ୍ତଙ୍କ ଘରକୁ ଯାଇ ରୋଗ ଉତ୍ପତ୍ତିର କାରଣ ଖୋଜିଥିଲେ। ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗ ଟିମ୍ ସହ ଏଣ୍ଡର ସରପଞ୍ଚ ଦୁର୍ଯ୍ୟୋଧନ ମଲିକ ଓ ସମାଜସେବୀ ମହେନ୍ଦ୍ର ମଲିକ ଉପସ୍ଥିତ ରହି ଗ୍ରାମର ସମସ୍ତ ଘରକୁ ଯାଇ ଲୋକମାନଙ୍କ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟବସ୍ଥା ପଚାରି ବୁଝିଥିଲେ ଓ ଲୋକଙ୍କୁ ସତର୍କତା ଅବଲମ୍ବନ କରିବାକୁ ପରାମର୍ଶ ଦେଇଥିଲେ। ରାଜ୍ୟ ବିଜେପି ମୁଖପାତ୍ର ତେଜେଶ୍ୱର ପରିଡ଼ା ଆକ୍ରାନ୍ତଙ୍କ ଘରକୁ ଯାଇ ସରକାରୀ ସ୍ତରରେ ସେମାନଙ୍କ ସମସ୍ତ ଉନ୍ନତ ଚିକିତ୍ସା କରାଯିବା ପାଇଁ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ଦେଇଥିଲେ। ଏଥିସହିତ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗ ଟିମ୍‌କୁ ଧରି ସ୍ଥାନୀୟ ଅଞ୍ଚଳବାସୀଙ୍କୁ ସଚେତନତା କରାଇଥିଲେ। ଘରେ ଘରେ ବ୍ଲିଚିଂ ପାଉଡ଼ର, ହାଲୋଜିନ୍ ଟ୍ୟାବଲେଟ୍ ବଣ୍ଟାଯାଇଛି।

**ହାଇଆଲର୍ଟରେ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗ**

# ଅବଶିଷ୍ଟାଂଶ

## ବାଡ଼ିବୁଢ଼ୀ ନେଲାଣି...

ସ୍ଥାନୀୟ ପ୍ରଶାସନଠାରୁ ଆରମ୍ଭ କରି ରାଜ୍ୟ ସରକାର ସଂପୂର୍ଣ୍ଣ ଫେଲ୍ ମାରିଛନ୍ତି। ଏବେ ବର୍ଷପୂର୍ତ୍ତି ଉତ୍ସବରୁ ଫୁରସତ୍ ମିଳିବା ପରେ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ପ୍ରଭାବିତ ଯାଜପୁର ଓ କେନ୍ଦୁଝର ଜିଲ୍ଲାରେ ପହଞ୍ଚିଛନ୍ତି। ୫ ମାସ ତଳେ ପୁରୀ ଜିଲ୍ଲା କଣାସରେ ଡାଇରିଆ ସ୍ଥିତି ପୁରା ଅଣାୟତ୍ତ ହୋଇଥିଲା। ଶତାଧିକ ଲୋକ ଆକ୍ରାନ୍ତ ହୋଇଥିବାବେଳେ ୬ଜଣ ମୃତ୍ୟୁବରଣ କରିଥିଲେ। ଦୂଷିତ ପାନୀୟ ଜଳ ଯୋଗାଣରୁ ଏହି ଘଟଣା ଘଟିଥିବା ସେତେବେଳେ ଜଣା ପଡ଼ିଥିଲେ ହେଁ ସରକାର କୌଣସି ଦୃଷ୍ଟାନ୍ତମୂଳକ ପଦକ୍ଷେପ ନେଲେ ନାହିଁ; ଫଳସ୍ୱରୂପ ଏବେ ଉପକୂଳ ଓଡ଼ିଶା ସମେତ ଦକ୍ଷିଣ ଓ ପଶ୍ଚିମ ଓଡ଼ିଶାକୁ ଡାଇରିଆ ବ୍ୟାପିଛି। ଏବେଠାରୁ ସଜାଗ ନ ହେଲେ ଆଗକୁ ଆହୁରି ଭୟଙ୍କର ସ୍ଥିତି ହେବ ବୋଲି ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଶେଷଜ୍ଞ ଚେତାବନୀ ଦେଇଛନ୍ତି।

ଡାଇରିଆ ବ୍ୟାପିବା ପଛରେ ଦୂଷିତ ପାଣି ଓ ଖାଦ୍ୟ ମୂଳ କାରଣ ବୋଲି କୁହାଯାଉଛି। ରାଜ୍ୟର ଲୋକମାନଙ୍କୁ ବିଶୁଦ୍ଧ ପାନୀୟ ଜଳ ଯୋଗାଣ ପାଇଁ ତତ୍କାଳୀନ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଆରମ୍ଭ କରିଥିବା ପାନୀୟ ଜଳ ପ୍ରକଳ୍ପଗୁଡ଼ିକର କାମ ବନ୍ଦ କରି ଦିଆଯାଇଛି। ଏହି ପ୍ରକଳ୍ପ କେବେ ଶେଷ ହେବ ତାହା ଅନିଶ୍ଚିତ। ସେହିପରି ରାଜ୍ୟରେ ଜଳର ଗୁଣବତ୍ତା ପରୀକ୍ଷା ପାଇଁ ପ୍ରତି ଜିଲ୍ଲାରେ ପରୀକ୍ଷାଗାର ଥିବା ବେଳେ ଏ ସମ୍ପର୍କରେ କୌଣସି ପଦକ୍ଷେପ ଗ୍ରହଣ କରାଯାଉନାହିଁ। ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗ, ପଞ୍ଚାୟତିରାଜ ଓ ପାନୀୟ ଜଳ ବିଭାଗ ମଧ୍ୟରେ ତାଳମେଳ ଅଭାବ ଯୋଗୁଁ ଏବେ ଲୋକମାନେ ଜୀବନ ହରାଉଛନ୍ତି।

ଓଡ଼ିଶାରେ ୨୦୧୩ ମସିହାରୁ ୨୦୧୭ ମସିହା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ କେହି କଲେରା ଆକ୍ରାନ୍ତ ଚିହ୍ନଟ ହୋଇ ନ ଥିଲେ। ୨୦୧୮ ମସିହାରେ ରାଜ୍ୟରେ ୩ଜଣ କଲେରାରେ ଆକ୍ରାନ୍ତ ବାହାରିଥିଲେ। ଏବେ ଦୀର୍ଘ ୭ ବର୍ଷ ପରେ ଯାଜପୁର ଜିଲ୍ଲାରେ କଲେରା ଆକ୍ରାନ୍ତ ଚିହ୍ନଟ ହୋଇଛନ୍ତି। ଯାହା ସରକାରଙ୍କ ପାରିବାପଣିଆ ଉପରେ ବିରାଟ ପ୍ରଶ୍ନବାଚୀ ସୃଷ୍ଟି କରୁଛି। ରାଜ୍ୟରେ ବଡ଼ ଧରଣର ଡାଇରିଆ ପଛରେ ଭିବ୍ରିଓ କଲେରା ବ୍ୟାକ୍ଟେରିଆ ରହିଛି ବୋଲି ବିଶେଷଜ୍ଞ କହୁଛନ୍ତି। ଦୀର୍ଘବର୍ଷ ପୂର୍ବରୁ ରାୟଗଡାର କାଶୀପୁର, ରାଉରକେଲାରେ ଏହା ଭୟଙ୍କର ପରିସ୍ଥିତି ସୃଷ୍ଟି କରିଥିଲା। ଏବେ ଯାଜପୁରରେ ସେହି ଘଟଣାର ପୁନରାବୃତ୍ତି ହୋଇଥିବା କୁହାଯାଉଛି।

ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ପକ୍ଷରୁ ଜଳର ରାସାୟନିକ ପରୀକ୍ଷା କରିବା ପାଇଁ ସ୍ୱୟଂ ସହାୟକ ଗୋଷ୍ଠୀର ମହିଳାମାନଙ୍କୁ ଟେଷ୍ଟ୍ କିଟ୍ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଉଛି। ସେହିଭଳି ବୃହତ ପାନୀୟ ଜଳ ପ୍ରକଳ୍ପ ଗୁଡ଼ିକରେ ମଧ୍ୟ ଜଳ ବିଶୋଧନାଗାରରେ ମାନ ନିର୍ଦ୍ଧାରଣ ପାଇଁ ବ୍ୟବସ୍ଥା ରହିଛି। ଜଳର ଗୁଣବତ୍ତା ଯାଞ୍ଚ ପାଇଁ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଜିଲ୍ଲାରେ ଗୋଟିଏ ଲେଖାଏଁ ପରୀକ୍ଷାଗାର ରହିଛି। ସେହିପରି ଉପଖଣ୍ଡସ୍ତରରେ ମଧ୍ୟ ୪୭ଟି ସରକାରୀ ପରୀକ୍ଷାଗାର ରହିଛି। ପ୍ରତ୍ୟେକ ପରୀକ୍ଷାଗାରରେ ବର୍ଷକୁ ହଜାର ହଜାର ସଂଖ୍ୟାରେ ଜଳର ନମୁନା ପରୀକ୍ଷା କରାଯାଉଛି। ଜଳର ରସାୟନିକ ପରୀକ୍ଷା ସହିତ ଜୀବାଣୁ ଜନିତ ପରୀକ୍ଷା କରାଯାଇ ଆବଶ୍ୟକ ପ୍ରତିଷେଧକ ନିଆଯାଉଛି। ତେବେ ଏତେ ସବୁ ବ୍ୟବସ୍ଥା ସତ୍ତ୍ୱେ ପୁଣି ଡାଇରିଆ ବ୍ୟାପିବା ସରକାରୀ କଳର କାର୍ଯ୍ୟଦକ୍ଷତା ଉପରେ ପ୍ରଶ୍ନବାଚୀ ସୃଷ୍ଟି କରିଛି। ସରକାର ବଦଳିବା ପରେ ରାଜ୍ୟରେ ପ୍ରଶାସନିକ ବ୍ୟବସ୍ଥା ଢ଼ିଲା ହୋଇ ଯାଉଥିବା ଓ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗ ଗଭୀର ନିଦ୍ରାରେ ଶୋଇଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି।

ଏ ସମ୍ପର୍କରେ ଡାକ୍ତର ରମେଶ ଚନ୍ଦ୍ର ହୋତା କହିଛନ୍ତି, ଡାଇରିଆ ଏକ ଋତୁଭିତ୍ତିକ ରୋଗ(ସିଜିନାଲ୍ ଡିଜିଜ୍) ନୁହେଁ। ଏହା ଯେକୌଣସି ସମୟରେ ବି ହୋଇପାରେ। ଏହା ବିଶେଷକରି ଦୂଷିତ ପାଣି କିମ୍ବା ଖାଦ୍ୟ ଯୋଗୁଁ ବ୍ୟାପିଥାଏ। ପାଣିରେ ଦୀର୍ଘଦିନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଭିବ୍ରିଓ କଲେରା ରହିପାରେ। ତେଣୁ ସ୍ୱଚ୍ଛ ପାନୀୟ ଜଳ ଓ ପରିମଳ ପ୍ରତି ବିଶେଷ ଦୃଷ୍ଟି ଦେଲେ ଏହାକୁ ପ୍ରତିହତ କରିହେବ। ସେହିଭଳି ପାଣି ପରୀକ୍ଷା କରିବାର ମଧ୍ୟ କିଛି ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସମୟ ବ୍ୟବଧାନ ନାହିଁ। ଦୂଷିତ ପାଣି ସନ୍ଦେହ ଉପୁଜିଲେ, ତୁରନ୍ତ ଏହାର ପରୀକ୍ଷା କରାଇବା ଆବଶ୍ୟକ ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି।

## ଅବହେଳାକୁ ନେଇ...

ବିଭିନ୍ନ ଜିଲ୍ଲାର ଜନଜୀବନକୁ ଅସ୍ତବ୍ୟସ୍ତ କରିଦେଇଛି। ଯାଜପୁର, କେନ୍ଦ୍ରାପଡ଼ା, ଭଦ୍ରକ, ପୁରୀ, କଟକ ଓ କେନ୍ଦୁଝର ଆଦି ଜିଲ୍ଲାରେ ହଇଜା ଭୟଙ୍କର ରୂପ ନେଉଥିବା ବେଳେ ଅନ୍ୟ ଜିଲ୍ଲାକୁ ମଧ୍ୟ ଏହା ବ୍ୟାପିବାକୁ ଲାଗିଲାଣି। ବର୍ତ୍ତମାନ ସୁଦ୍ଧା ହଇଜାରେ ୧୪ ଜଣ ପ୍ରାଣ ହରାଇବା ମୋତେ ବ୍ୟଥିତ କରିଛି। ସେମାନଙ୍କ ପରିବାରବର୍ଗ ଓ ଆତ୍ମୀୟସ୍ୱଜନଙ୍କ ପ୍ରତି ମୋର ସମବେଦନା ଜଣାଉଛି। ତେବେ ରାଜ୍ୟର ଏତେବଡ଼ ସ୍ପର୍ଶକାତର ପ୍ରସଙ୍ଗକୁ ରାଜ୍ୟ ସରକାର ଏହାକୁ ହାଲୁକା ଭାବେ ନେବା ସମସ୍ତଙ୍କୁ ବେଶ୍ ଚକିତ ଓ ବିଚଳିତ କରୁଛି ବୋଲି ନବୀନ ଉଲ୍ଲେଖ କରିଛନ୍ତି।

## ଘମାଘୋଟ ଲଢ଼େଇ...

ଗତରାତିରେ ଇରାନର ପ୍ରତିରକ୍ଷା ବିଭାଗ ମୁଖ୍ୟାଳୟ ଉପରେ ମଧ୍ୟ ଇସ୍ରାଏଲ ଆକ୍ରମଣ କରିଥିବା ଖବର ମିଳିଛି। ଇସ୍ରାଏଲ ପକ୍ଷରୁ କୁହାଯାଇଛି ଯେ ଗତ ତିନି ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ଇରାନର ୭୨ରୁ ଅଧିକ ସାମରିକ ଭିତ୍ତିଭୂମି ସହିତ ୧୭୦ଟି ସ୍ଥାନରେ କ୍ଷେପଣାସ୍ତ୍ର ଏବଂ ବୋମାମାଡ଼ କରାଯାଇଛି। ଏହି ଅଭିଯାନରେ ୨୦ରୁ ଅଧିକ ଲଢୁଆ ବିମାନ ସାମିଲ ହୋଇଥିଲେ। ଗତକାଲି ଇସ୍ରାଏଲ ଆକ୍ରମଣରେ ତେହରାନରେ ଏକ ଆବାସିକ କୋଠା ଭୁଶୁଡ଼ିବା ଯୋଗୁଁ ୨୯ ଶିଶୁଙ୍କ ସମେତ ୬୦ ଜଣ ବ୍ୟକ୍ତି ପ୍ରାଣ ହରାଇଥିଲେ।

ଇସ୍ରାଏଲରୁ ମିଳିଥିବା ସୂଚନା ଅନୁଯାୟୀ ଇରାନ ଆକ୍ରମଣରେ ୧୩ ଜଣ ପ୍ରାଣ ହରାଇଥିବା ବେଳେ ୨୦୦ରୁ ଅଧିକ ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି। ଗତ ରାତିସାରା ଇରାନ କ୍ଷେପଣାସ୍ତ୍ର ଆକ୍ରମଣ ଜାରି ରଖିଥିବା ବେଳେ ଏଥିରେ ୧୦ ଜଣ ବ୍ୟକ୍ତି ପ୍ରାଣ ହରାଇଛନ୍ତି। ଇସ୍ରାଏଲର ଆବାସିକ କୋଠାକୁ ଟାର୍ଗେଟ କରି ଇରାନ ଆକ୍ରମଣ ଚଳାଇଥିବା କୁହାଯାଉଛି। ଏଥିରେ ଅନେକ କୋଠା ଭୁଶୁଡ଼ି ପଡ଼ିଥିବା କୁହାଯାଉଛି। ଗତକାଲି ଇସ୍ରାଏଲର ସେନା ମୁଖ୍ୟାଳୟ ଉପରେ ମଧ୍ୟ ଇରାନ କ୍ଷେପଣାସ୍ତ୍ର ମାଡ଼ କରିଥିଲା। ଇରାନର ଏଭଳି ଆକ୍ରମଣରେ ତୀବ୍ର ପ୍ରତିକ୍ରିୟା ପ୍ରକାଶ କରି ଇସ୍ରାଏଲ ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ନେତନ୍ୟାହୁ ଚେତାବନୀ ଦେଇଛନ୍ତି ଯେ ଇରାନରେ ଆୟୋତୋଲ୍ଲା ପ୍ରଶାସନର ସବୁ ଟାର୍ଗେଟ ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ କରାଯିବ।

ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ଇରାନ ବୈଦେଶିକ ମନ୍ତ୍ରୀ ଅବ୍ବାସ ଅରାକଚି କହିଛନ୍ତି ଯେ ଇରାନ ଓ ଆମେରିକା ମଧ୍ୟରେ ପରମାଣୁ କଥାବାର୍ତ୍ତା ଚାଲିଥିଲା ଏବଂ ଚୁକ୍ତି ପାଇଁ ପଥ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହେଉଥିବା ବେଳେ ଇରାନର ପରମାଣୁ କେନ୍ଦ୍ର ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ କରି ଇସ୍ରାଏଲ ଭୟଙ୍କର ଭୁଲ କରିଛି। କଥାବାର୍ତ୍ତାକୁ ଭଣ୍ଡୁର କରିବା ସହିତ ମଧ୍ୟପ୍ରାଚ୍ୟରେ ଯୁଦ୍ଧର ବାତାବରଣ ସୃଷ୍ଟି କରିବାକୁ ଇସ୍ରାଏଲ ଚକ୍ରାନ୍ତ ଚଳାଇଛି। ସେ କହିଲେ ଯେ ତୈଳ ବିଶୋଧନାଗାର ଉପରେ ଆକ୍ରମଣ କରି ଇସ୍ରାଏଲ ଯେଉଁ ଭୁଲ କରିଛି ତାର ପରିଣାମ ଭୋଗିବାକୁ ଇସ୍ରାଏଲ ପ୍ରସ୍ତୁତ ରହୁ। ଇତିମଧ୍ୟରେ ଆମେରିକା ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଟ୍ରମ୍ପ କହିଛନ୍ତି ଯେ ସେ ଚାହିଲେ ଯୁଦ୍ଧ କିଛି କ୍ଷଣ ମଧ୍ୟରେ ଶେଷ ହୋଇଯିବ। ଭାରତ ଓ ପାକିସ୍ତାନ ମଧ୍ୟରେ ହୋଇଥିବା ଯୁଦ୍ଧର ଉଦାହରଣ ଦେଇ ସେ କହିଲେ ଯେ ତାଙ୍କ ଯୋଗୁଁ ଦୁଇ ଦେଶ ଅସ୍ତ୍ରବିରତି କରିଥିଲେ। ଇରାନ ଓ ଇସ୍ରାଏଲ ମଧ୍ୟରେ ମଧ୍ୟ ଯୁଦ୍ଧବିରତି ହୋଇଯିବ। ଏଥିପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ସ୍ତରରେ କଥାବାର୍ତ୍ତା ଚାଲିଥିବା ସେ କହିଛନ୍ତି।

## ଯାଜପୁରରେ ପୁଣି...

କିନ୍ତୁ ଏ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ସରକାରୀ ଭାବେ କେବଳ ୫ ଜଣଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ହୋଇଥିବା ସୂଚନା ଦିଆଯାଇଛି। ଅପରପକ୍ଷେ, ଜିଲ୍ଲାରେ ଡାଇରିଆ ସ୍ଥିତି ଦିନକୁ ଦିନ ଉଗ୍ର ହେବାରେ ଲାଗିଥିବା ବେଳେ ପ୍ରଶାସନ ଓ ସରକାରଙ୍କ ଉପରୁ ଲୋକଙ୍କ ଭରସା ତୁଟିଗଲାଣି। ଏଥିପାଇଁ ଗାଁ ଗାଁରେ ଏବେ ଲୋକ ପୂଜା ପାଠ ଆରମ୍ଭ କଲେଣି।

ହଇଜା ସ୍ଥିତିର ସମୀକ୍ଷା କରିବା ପାଇଁ ଆଜି ରାଜ୍ୟ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଡ. ମୁକେଶ ମହାଲିଙ୍ଗ ଜିଲ୍ଲାରେ ପହଞ୍ଚି ବିଭିନ୍ନ ଡାକ୍ତରଖାନାରେ ରୋଗୀଙ୍କୁ ଭେଟିବା ସହ ଜିଲ୍ଲାପାଳଙ୍କ ସମ୍ମିଳନୀ କକ୍ଷରେ ଏକ ସମୀକ୍ଷା ବୈଠକରେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ବଡ଼ଚଣା, ଧର୍ମଶାଳା, ମଧୁବନ ରସୁଲପୁର ଗୋଷ୍ଠୀ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟକେନ୍ଦ୍ର ଓ ଜିଲ୍ଲା ମୁଖ୍ୟ ଚିକିତ୍ସାଳୟ ପରିଦର୍ଶନ କରି ରୋଗୀମାନଙ୍କୁ ଯୋଗାଇ ଦିଆଯାଉଥିବା ଚିକିତ୍ସା ସମ୍ପର୍କରେ ପଚାରି ବୁଝିଥିଲେ। ଉପସ୍ଥିତ ଡାକ୍ତରମାନଙ୍କ ସହିତ ସବିଶେଷ ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ। ପରେ ଜିଲ୍ଲାପାଳଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟର ସମ୍ମିଳନୀ ଗୃହରେ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟବିଭାଗ ଅଧିକାରୀମାନଙ୍କ ସହିତ ଏକ ସମୀକ୍ଷା ବୈଠକରେ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ବୈଠକରେ ଯାଜପୁର ସାଂସଦ ଡ. ରବୀନ୍ଦ୍ର ନାରାୟଣ ବେହେରା, କୋରେଇ ବିଧାୟକ ଆକାଶ ଦାସନାୟକ, ଧର୍ମଶାଳା ବିଧାୟକ ହିମାଂଶୁ ଶେଖର ସାହୁ, ବଡ଼ଚଣା ବିଧାୟକ ଅମର କୁମାର ନାୟକ, ଜିଲ୍ଲାପାଳ ପି. ଅନ୍ୱେଷା ରେଡ୍ଡୀ, କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ଦଳର ସଦସ୍ୟ ଗଣ ଓ ଜନ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗର ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ, ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗର ଅଧିକାରୀ ମାନେ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ। ହଇଜାର ଚେନ୍‌କୁ ଭାଙ୍ଗିବା ପାଇଁ ଝାଡାବାନ୍ତିରେ ଆକ୍ରାନ୍ତ ପରିବାରକୁ ଇଞ୍ଜେକ୍ସନ ଦିଆଯିବ ବୋଲି ମନ୍ତ୍ରୀ ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି।

ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ କେନ୍ଦ୍ରୀୟ ପ୍ରତିନିଧି ଦଳ ଜିଲ୍ଲାରେ ପହଞ୍ଚି ଉଭୟ ପାଣି ଓ ଖାଦ୍ୟ ନମୁନା ସଂଗ୍ରହ କରିଛନ୍ତି। ରିପୋର୍ଟ ଆସିବା ପରେ ହଇଜାର ପ୍ରକୃତ କାରଣ ଜଣାପଡିବ ବୋଲି ମନ୍ତ୍ରୀ କହିଛନ୍ତି। ଜିଲ୍ଲାରେ ମୃତ୍ୟୁବରଣ କରିଥିବା ରୋଗୀ ସଂଖ୍ୟା ସଂପର୍କରେ ସର୍ଭେ କରାଯାଉଛି ବୋଲି କହିଥିଲେ। ଜିଲ୍ଲାରେ ଥିବା ପ୍ରତ୍ୟେକ ସରକାରୀ ଓ ବେସରକାରୀ ନଳକୂପ, କୂପ ଓ ଓଭରହେଡ୍ ଟାଙ୍କି ଥିବା ଜଳ ଉତ୍ସଗୁଡ଼ିକୁ ବିଭାଗୀୟ କର୍ମଚାରୀମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ବିଶୋଧନ କରାଯାଉଛି। ଜିଲ୍ଲା ପ୍ରଶାସନ ଓ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ବିଭାଗ ପକ୍ଷରୁ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ପରାମର୍ଶ ସମ୍ପର୍କୀୟ ସଚେତନତା ବାର୍ତ୍ତା ବାରମ୍ବାର ସାମାଜିକ ଗଣମାଧ୍ୟମରେ ଜନସାଧାରଣଙ୍କ ସଚେତନତା ନିମନ୍ତେ ପ୍ରଚାର ପ୍ରସାର କରାଯାଉଛି। ଏତଦ୍‌ବ୍ୟତୀତ ଆଶା, ଅଙ୍ଗନବାଡି କର୍ମୀ, ଏଏନ୍‌ଏମମାନଙ୍କ ମାଧ୍ୟମରେ ଘରକୁ ଘର ବୁଲି ସଚେତନ କରାଯାଉଛି। ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ମେଡିକାଲ ଟିମ୍ ସମ୍ବେଦନଶୀଳ ଅଞ୍ଚଳରେ ପହଞ୍ଚି ଚିକିତ୍ସା ଯୋଗାଇ ଦିଆଯାଉଛି। ବ୍ଲିଚିଂ ପାଉଡର, ହଲୋଜିନ ଟାବଲେଟ୍ ଓ ଓଆରଏସ୍ ବଣ୍ଟନ କରାଯାଉଛି। ଟ୍ୟାଙ୍କର ମାଧ୍ୟମରେ ପାନୀୟ ଜଳ ଯୋଗାଇ ଦିଆଯାଉଛି।

## ୬ ପଦ ପାଇଁ...

ସୂଚନା ଅନୁସାରେ ମୋହନ ସରକାରଙ୍କ ନୂଆ ମନ୍ତ୍ରୀ ପରିଷଦର ନକ୍ସା ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇ ସାରିଛି। କେଉଁ ମନ୍ତ୍ରୀ ସରକାରରୁ ବାଦ ପଡ଼ିବେ, କାହାର ବିଭାଗ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେବ ସେ ସମ୍ପର୍କରେ ଆପାତତଃ ନିଷ୍ପତ୍ତି ହୋଇଛି। ତେବେ ସରକାରଙ୍କ ବର୍ଷପୂର୍ତ୍ତି ଉତ୍ସବ ଓ ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଗସ୍ତ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଏ ସମ୍ପର୍କରେ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଗୋପନୀୟତା ଅବଲମ୍ବନ କରାଯାଉଛି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ମନ୍ତ୍ରୀ ପରିଷଦରେ ଖାଲି ପଡ଼ିଥିବା ୬ ପଦ ପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ଗୋଷ୍ଠୀର ୬୦ ନେତା ଆଶାୟୀ ଥିବାରୁ ଏ କ୍ଷେତ୍ରରେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ନିଷ୍ପତ୍ତି ଚୂଡ଼ାନ୍ତ ହେବ ବୋଲି କୁହାଯାଉଛି।

ସୂଚନାଯୋଗ୍ୟ ଯେ ପ୍ରଥମ ବର୍ଷ ପୂର୍ତ୍ତି ଅବସରରେ ଅନେକ ବିଭାଗର ରିପୋର୍ଟ କାର୍ଡ଼ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କୁ ସନ୍ତୁଷ୍ଟ କରିପାରି ନାହିଁ। ଅଭିଜ୍ଞତାର ଅଭାବ, ଜଣେ ଜଣେ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଉପରେ ଏକାଧିକ ବିଭାଗର ଦାୟିତ୍ୱ ସେମାନଙ୍କ ପ୍ରଦର୍ଶନ ଉପରେ ନକରାତ୍ମକ ପ୍ରଭାବ ପକାଇଛି। ଏହି ଆଧାରରେ ଆଗାମୀ ସମ୍ପ୍ରସାରଣ ସମୟରେ ୨ରୁ ୩ ଜଣ ମନ୍ତ୍ରୀ ବାଦ୍ ପଡ଼ିବାର ସମ୍ଭାବନା ରହିଛି ଓ ବହୁ ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କର ବିଭାଗ ପରିବର୍ତ୍ତନ ହେବା ଏକପ୍ରକାର ନିଶ୍ଚିତ ବୋଲି କୁହାଯାଉଛି। ସେହିପରି ବଳକା ୬ଟି ମନ୍ତ୍ରୀ ପଦ ପାଇଁ ଆଶାୟୀ ନିଜ ନିଜସ୍ତରରେ ଲବି ଜାରି ରଖିଥିବା ବେଳେ ସବୁ ବିଧାୟକ ମନ୍ତ୍ରୀ ପଦ ପାଇଁ ଆଶାୟୀ ଅଛନ୍ତି। ପ୍ରଥମଥର ନିର୍ବାଚିତ ହୋଇଥିବା ଅନେକ ବିଧାୟକଙ୍କୁ ସରକାରରେ ମନ୍ତ୍ରୀ ପଦ ମିଳିଥିବାରୁ ସେମାନେ ମଧ୍ୟ ନିଜକୁ ଏଥିପାଇଁ ଯୋଗ୍ୟ ମନେ କରୁଛନ୍ତି। ତେବେ ଦଳର ବିଭିନ୍ନ ଗୋଷ୍ଠୀ ଓ ବଡ଼ ନେତାଙ୍କ ଅନୁଗତ କୁହାଯାଉଥିବା ପାଖାପାଖି ୨୦ରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ବିଧାୟକ ମନ୍ତ୍ରୀ ପଦ ପାଇବାକୁ ଆଶା ବାନ୍ଧି ବସିଛନ୍ତି। ସେହିପରି ନିଜ ନିଜ ଅନୁଗତଙ୍କ ପାଇଁ ରାଜ୍ୟ ବିଜେପିର କିଛି ଛାମୁଆ ନେତା ଉଭୟ ଓଡ଼ିଶା ଏବଂ ଦିଲ୍ଲୀସ୍ତରରେ ଲବି ଜାରି ରଖିଛନ୍ତି। ତେବେ ମନ୍ତ୍ରିମଣ୍ଡଳ ସମ୍ପ୍ରସାରଣରେ ସର୍ବାଧିକ ଭୂମିକା ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କର ହେବା ନେଇ ଦିଲ୍ଲୀ ନେତୃତ୍ୱ ସଙ୍କେତ ଦେଇଥିବା ବେଳେ ଏଥିଯୋଗୁଁ ଆଶାୟୀଙ୍କ ହୃଦସ୍ପନ୍ଦନ ବଢ଼ିଯାଇଛି। ସମ୍ପ୍ରସାରଣ ବେଳେ ଜିଲ୍ଲାୱାରୀ ସମୀକରଣ, ଦଳୀୟ ଆନୁଗତ୍ୟକୁ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ସର୍ବାଧିକ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦେଇଥିବା ବେଳେ ଏଥିଯୋଗୁଁ ଅନେକ ଟାଣୁଆ ନେତାଙ୍କୁ ଆଗାମୀ ସମ୍ପ୍ରସାରଣରେ ନିରାଶ ହେବାକୁ ପଡ଼ିପାରେ ବୋଲି କୁହାଯାଉଛି। ସେହିପରି ମନ୍ତ୍ରିମଣ୍ଡଳରେ ମହିଳା ଭାଗିଦାରୀ ବୃଦ୍ଧି କରିବାକୁ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ଏକପ୍ରକାର ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେଇଥିବା ବେଳେ ଯୁବ ଚେହେରାଙ୍କୁ ମଧ୍ୟ ସମାନ ସୁଯୋଗ ପ୍ରଦାନ କରିବାକୁ ଯାଉଛନ୍ତି। ସେହିପରି ଯେଉଁ ଜିଲ୍ଲାଗୁଡ଼ିକରୁ ସରକାରରେ ପ୍ରତିନିଧିତ୍ୱ ମିଳିନାହିଁ, ସେହି ଜିଲ୍ଲାଗୁଡ଼ିକୁ ଆଗାମୀ ସମ୍ପ୍ରସାରଣ ବେଳେ ସୁଯୋଗ ମିଳିପାରେ ବୋଲି ମଧ୍ୟ ଚର୍ଚ୍ଚା ହେଉଛି। ଏହା ପରେ ମନ୍ତ୍ରିମଣ୍ଡଳରୁ ବାଦ ପଡ଼ିଥିବା ବରିଷ୍ଠ ନେତାଙ୍କୁ ନିଗମ, ବୋର୍ଡ଼ ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ସରକାରୀ ପ୍ରତିଷ୍ଠାନରେ ନିଯୁକ୍ତି ଦିଆଯାଇ ସନ୍ତୁଷ୍ଟ କରାଯିବାକୁ ଚେଷ୍ଟା କରାଯିବ ବୋଲି ସୂଚନା ମିଳିଛି।

## ଜଳଭଣ୍ଡାରକୁ ଡେଇଁ...

ଉଭୟଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ପ୍ରେମସମ୍ପର୍କ ଗଢ଼ି ଉଠିଥିଲା। କିନ୍ତୁ ପରିବାର ଲୋକେ ଏହାକୁ ବିରୋଧ କରିବାରୁ ସେମାନେ ଆତ୍ମହତ୍ୟା ପାଇଁ ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେଇଥିଲେ। ଉଭୟଙ୍କର ମୋବାଇଲ୍ ଜଳଭଣ୍ଡାର ଭିତରୁ ମାଛ ଧରାଳି ଉଦ୍ଧାର କରି ଦେବା ପରେ ସେମାନେ ପାଣିରେ ବୁଡ଼ି ଯାଇଥିବା ଅନୁମାନ କରାଯାଉଥିଲା। ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀ ଖୋଜାଖୋଜି କରିବା ପରେ ପ୍ରେମୀଯୁଗଳଙ୍କ ହାତ ବନ୍ଧା ଯାଇଥିବା ଅବସ୍ଥାରେ ମୃତଶରୀର ଉଦ୍ଧାର କରାଯାଇଥିଲା। ସେମାନେ ପାଣିକୁ ଡେଇଁବା ପୂର୍ବରୁ ଉଭୟ ପରସ୍ପର ହାତକୁ ବାନ୍ଧି ଦେଇଥିବା ଅନୁମାନ କରାଯାଉଛି। ପୁଲିସ ଶବ ଜବତ କରି ବ୍ୟବଚ୍ଛେଦ ପରେ ଉଭୟଙ୍କ ପରିବାର ଲୋକଙ୍କୁ ହସ୍ତାନ୍ତର କରିଛି। ଏହି ଘଟଣା ସ୍ଥାନୀୟ ଅଞ୍ଚଳରେ ଶୋକର ଛାୟା ଖେଳାଇ ଦେଇଛି।


**NOTICE**
(above 18 years of age)
By virtue of an affidavit sworn before Executive Magistrate(K), Udala, Mayurbhanj, dated 05-05-2025, I Bisal Sahu, Address At-Chotraypur, PO- Khaladi, PS- Udala, Dist- Mayurbhanj, Odisha, Pin- 757041 declare that I have changed my name from Bishal Kumar Sahu to Bisal Sahu. Henceforth, I shall be known as Bisal Sahu for all purposes.
Bisal Sahu

**SALE**
Booking Open 2/3 BHK Flats Price Starts from 60 Lakhs BHPL KRISHNA BHARATPUR, BHPL RUDRA in front of CET College, Ghatikia, BHPL SB HOMES, Ghatikia, BHPL PNM, Satya Vihar, BHPL GRAND-4, Jagamara & Ready to move 3 BHK Flats BHPL ARYA, Ghatikia & RJ Palace, Samantarapur, Bhubaneswar.
Contact
GADHWAL GROUP
Mob.: 9437015112

**AFFIDAVIT**
By virtue of an affidavit before The Executive Magistrate, Titilagarh, on dated- 22/05/2025. I, Laxman Sahu (Applicant name) Son of Debendra Sahu, permanent resident of At- Sargiguda (Ram Mandir Road), P.O./P.S. Titilagarh, Dist- Bolangir, (Odisha), PIN- 767033 now residing at the same place affirm that I have changed my minor daughter name from Monalisa Sahu (old name) To Payal Sahu (new name). Henceforth in all records, deeds and writing in all proceeding, dealing and transaction private as well as public and upon all occasion she will be known as Payal Sahu (new name).
Laxman Sahu

# ନିଟ୍ ପରୀକ୍ଷାରେ ଭୋଗରାଇର ମନୋଜଙ୍କ ସଫଳତା

**● ଶୁଭେଚ୍ଛା ଜଣାଇଲେ ବିଧାୟକ**

ବାଲେଶ୍ୱର(ଉତ୍ତର), ୧୫।୬ (ସମିସ): ବାଲେଶ୍ୱର ଜିଲ୍ଲା ଭୋଗରାଇ ବ୍ଲକ କଖଡ଼ା ପଞ୍ଚାୟତ ଚଣ୍ଡୀପୁର ଗ୍ରାମର ମନୋଜ ସେନାପତି ସର୍ବଭାରତୀୟ ଡାକ୍ତରୀ ପ୍ରବେଶିକା ପରୀକ୍ଷା (ନିଟ୍) ରେ ୫୮୫ ନମ୍ବର ରଖି ୨୮୦୦ ରାଙ୍କ ପାଇଛନ୍ତି। ଏହା ଭୋଗରାଇ ମାଟି ପାଇଁ ଗର୍ବ ଓ ଗୌରବ ହୋଇଥିବାରୁ ଆଜି ଭୋଗରାଇ ବିଧାୟକ ଗୌତମବୁଦ୍ଧ ଦାସ ତାଙ୍କ ତଲାଡ଼ିସ୍ଥିତ ବାସଭବନ ଠାରେ ମନୋଜଙ୍କୁ ଏହି ସଫଳତା ପାଇଁ ଶୁଭେଚ୍ଛା ଜଣାଇଛନ୍ତି। ଶ୍ରୀ ଦାସ ଏହି ଅବସରରେ

ତାଙ୍କର ଉତ୍ତରୋତ୍ତର କାମନା କରିବା ସହ କହିଛନ୍ତି ଯେ ମନୋଜ ତାଙ୍କ ବାପାମା'ଙ୍କ ସ୍ୱପ୍ନକୁ ସାକାର କରିଛି। ଗାଁ ସ୍କୁଲରେ ପାଠ ପଢ଼ି ମଧ୍ୟ ଗଭୀର ଅଧ୍ୟବସାୟ ବଳରେ ସେ ଯେଉଁ ସଫଳତା ଅର୍ଜନ କରି ଭୋଗରାଇ ବାସୀଙ୍କୁ ଗର୍ବିତ ଓ ଗୌରବାନ୍ୱିତ କରିଛି। ଜଣେ ସଫଳ ଡାକ୍ତର ହେବାର ଯାତ୍ରାରେ ମହାପ୍ରଭୁ ଶ୍ରୀଜଗନ୍ନାଥ ତା'କୁ ଶକ୍ତି, ସାହସ ଓ ସାମର୍ଥ୍ୟ ପ୍ରଦାନ କରନ୍ତୁ ବୋଲି କହିଛନ୍ତି। ସୂଚନାଯୋଗ୍ୟ ଯେ ଚଣ୍ଡିପୁର ଗ୍ରାମର ପିତା ଅଧିର ସେନାପତି ଓ ମାତା ସବିତା ଦେବୀଙ୍କ ପୁତ୍ର ମନୋଜ ପିଲାଟି ଦିନରୁ ଜଣେ ମେଧାବୀ ଛାତ୍ର ଭାବେ ମାଟ୍ରିକ, ଯୁକ୍ତ ଦୁଇ ବିଜ୍ଞାନରେ କୃତିତ୍ୱ ସହ ପାସ୍ କରି ଯାଜପୁର ସ୍ଥିତ ଏକ ଘରୋଇ କୋଚିଂ ସେଣ୍ଟରରେ ନିଟ୍ ପରୀକ୍ଷା ପାଇଁ କୋଚିଂ ନେଉଥିଲେ। ଦ୍ୱିତୀୟ ଥର ସେ ପରୀକ୍ଷାରେ ସଫଳତା ଅର୍ଜନ କରିଛନ୍ତି ଏବଂ ସେ ଏମ୍‌ସରେ ଡାକ୍ତରୀ ପଢ଼ିବାର ସୁଯୋଗ ପାଇଛନ୍ତି।

**ଦୂଷିତ ପାଣି ଯୋଗୁ ବ୍ୟାପୁଛି କାମଳ ରୋଗ**

# ସାଉଡିରେ ୧୦ରୁ ଅଧିକ ଶିଶୁ ଆକ୍ରାନ୍ତ

କାଳିପଦା, ୧୫।୬ (ସମିସ)

ବାଲିଆପାଳ ବ୍ଲକରେ ଦୂଷିତ ପାନୀୟ ଜଳ ବ୍ୟବହାର କରି ସାଉଡି ପଞ୍ଚାୟତର ସାଉଡି ଗ୍ରାମରେ ୧୦ ରୁ ଅଧିକ ଶିଶୁ କାମଳ ରୋଗରେ ଏବେ ଆକ୍ରାନ୍ତ ହୋଇଛନ୍ତି। ପାନୀୟଜଳ ଦାୟିତ୍ୱରେ ଥିବା ସହକାରୀ ଯନ୍ତ୍ରୀ ପଙ୍କଜ କୁମାର ତ୍ରିପାଠୀଙ୍କୁ ଅଭିଯୋଗ ପରେ ମଧ୍ୟ ନିଦାବିଷ୍ଟୁ ସାଜିଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହେଉଛି। ସାଉଡି ପଞ୍ଚାୟତର ସାଉଡି ଗ୍ରାମର ୱାର୍ଡ ନମ୍ବର ୪ରେ ବସୁଧା ଯୋଜନାରେ ତିଆରି ହୋଇଥିବା ସ୍ଲୁଇସ୍ ଗେଟ୍ ଅଧା ମରାମତି ତଥା ଢାଙ୍କୁଣି ନ ଥାଇ ଖୋଲା ପଡିଥିବାରୁ ବର୍ଷାପାଣି ଦୀର୍ଘଦିନ ହେବ ଜମି ରହିଛି। ସେଠାରେ ପାଣି ଜମିରହିବା ଫଳରେ ବେଙ୍ଗ ମରି ଭାସୁଥିବା ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ତେବେ ଢାଙ୍କୁଣି ନ ଥିବାରୁ ଅନେକ ସମୟରେ ଗାଈ ଗୋରୁ, କୁକୁର, ବିଲେଇ ଆଦି ପଡି ଜମିଥିବା ପାଣିକୁ ଦୂଷିତ କରିବା ସହ ସେହି ଦୂଷିତ ପାଣି ଓଭରହେଡ୍ ଟାଙ୍କିରୁ ପାଇପ୍ ଯୋଗେ ଆସୁଥିବା ପାଣିରେ ମିଶୁଛି। ସେହି ଦୂଷିତ ପାଣି ଗ୍ରାମବାସୀ ପିଇବା ଫଳରେ ନାନାଦି ରୋଗରେ ପଡୁଥିବା ବେଳେ ଲକ୍ଷ୍ମୀଧର ପଟ୍ଟନାୟକ ଓ ଲକ୍ଷ୍ମଣ ପଟ୍ଟନାୟକଙ୍କ ନାବାଳକ ପିଲାମାନେ କାମଳ ରୋଗରେ ଆକ୍ରାନ୍ତ ଥିବା ଜଣା ପଡିଛି। ବିଭାଗୀୟ ଅଧିକାରୀଙ୍କୁ ଅସୁବିଧାର ସମାଧାନ ପାଇଁ

ଗ୍ରାମବାସୀ ଏପରିକି ସ୍ଥାନୀୟ ଗଣମାଧ୍ୟମ ପ୍ରତିନିଧି ବିଭାଗୀୟ ସହକାରୀ ଯନ୍ତ୍ରୀ ପଙ୍କଜ କୁମାର ତ୍ରିପାଠୀଙ୍କୁ ଦୁଇ ସପ୍ତାହ ତଳେ ଅବଗତ କରାଇବା ସତ୍ତ୍ୱେ ଅଧିକାରୀ ବେଫିକର୍ ସାଜିଛନ୍ତି। ସମସ୍ୟାର ତଦନ୍ତ କରିବା ଦୂରର କଥା ଘଟଣାସ୍ଥଳକୁ ଆସିନଥିବା ଗ୍ରାମବାସୀ ଅଭିଯୋଗ କରିଛନ୍ତି। ତେବେ ଅଧିକାରୀଙ୍କ ଏପରି ଖାମଖିଆଲି ମନୋଭାବ ଯାଜପୁର ଭଳି ପରିସ୍ଥିତି ସୃଷ୍ଟି କରି ବନି ତ? ତେବେ ଉଚ୍ଚ ଅଧିକାରୀ ତୁରନ୍ତ ଏ ଦିଗରେ ପଦକ୍ଷେପ ନେବାକୁ ସାଧାରଣରେ ଦାବି ହୋଇଛି। ଏ ବାବଦରେ ବିଭାଗୀୟ ଅଧିକାରୀ କୌଣସି ମତାମତ ଦେବାକୁ ମନା କରି ଦେଇଛନ୍ତି।

# ସୋଲପଟା ଗ୍ରାମରେ ରଜ ମଉଜ

ବାଲେଶ୍ୱର, ୧୫।୬ (ସମିସ): ସଦର ବ୍ଲକ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଛାନୁଆ ପଞ୍ଚାୟତ ଅଧିନସ୍ଥ ସୋଲପଟା ଗ୍ରାମରେ ତିନି ଦିନ ବ୍ୟାପୀ ପଞ୍ଚମୀ ବାଡ଼ିରେ ଧୁମ ଧାମରେ ଗାଁ ଝିଅ ବୋହୂମାନଙ୍କୁ ନେଇ ସରସ୍ୱତୀ କ୍ଲବର ସଦସ୍ୟଗଣ ରଜ ଉତ୍ସବ ପାଳନ କରିଛନ୍ତି। ଏହି ବର୍ଷ ଆମ ଗାଁ କନିଆଁ ଜିଣିବ ସାରା ଦୁନିଆଁ ଚିନ୍ତାକଳ୍ପରେ ନାନାଦି ପ୍ରକାରର ଖେଳ ଯେପରିକି, ପୁଚି, ଡିଆଁ ଦୌଡ଼ି, ବାଉଁଶ ଖେଳ, ଜୋତା ସଜଡ଼ା, ବୁରା ଦୌଡ, ଲୁଡୋ, ଶଙ୍ଖ ଫୁଙ୍କା, ତାସ, ବଲ ପାସ, ମ୍ୟୁଜିକ ଚେୟାର, ରଙ୍ଗୋଲି ଆଦି ଅନେକ ଗୁଡିଏ ଖେଳ ଓ ପ୍ରତିଯୋଗିତାମାନ ଆୟୋଜିତ କରାଯାଇଥିଲା। ବିଶେଷ ଆକର୍ଷଣ ଥିଲା ରଜ ବିୟୁଟି ପ୍ରତିଯୋଗିତା। ଯେଉଁଥିରେ ମେହେନ୍ଦି, ମୁଣ୍ଡ କୁଣ୍ଡାଇବା, ରଙ୍ଗୋଲି, ସୌନ୍ଦର୍ଯ୍ୟ ପ୍ରଦର୍ଶନ ଓ ନୃତ୍ୟ ପରିବେଷଣ ଆଦି ଅତ୍ୟନ୍ତ ମନ ମୁଗ୍ଧକର ଥିଲା। ଗ୍ରାମାଞ୍ଚଳରେ ବାସ କରୁଥିବା ବିବାହିତା ମହିଳା ଏବଂ କୁଆଁରୀ କନ୍ୟାମାନେ ବେଶ ଆଗ୍ରହ ସହକାରେ ଉପରୋକ୍ତ ପ୍ରତିଯୋଗିତାରେ ଭାଗ ନେବାରେ ନଜିର ଥିଲା। ଏଥି ସହିତ ପୁରୁଷ ବିଭାଗରେ ଦୌଡ, ତାସ, ଲମ୍ଫ ପ୍ରଦାନ, ବଳ ମାପ, କବାଡି, ଭଳି ଆଦି ପ୍ରତିଯୋଗିତା ଆୟୋଜିତ କରାଯାଇଥିଲା। ଲୋପ ପାଇଯାଉଥିବା ପରମ୍ପରାକୁ ପୁଣି ଥରେ ରୁଦ୍ଧିମନ୍ତ କରାଇବା ଏବଂ ପରପିଢ଼ିକୁ ଉତ୍ସାହିତ କରିବା ଦିଗରେ ଏହି ଗ୍ରାମର ମହିଳା ମାନଙ୍କ ଉପସ୍ଥିତି ଅତ୍ୟନ୍ତ ପ୍ରଶଂସନୀୟ ଥିଲା। ଏହି ଅବସରରେ ଅନୁଷ୍ଠାନର ସଭାପତି ଅମୟ କୁମାର ଦାସଙ୍କ ପୌରୋହିତ୍ୟରେ ଉଦଘାଟନୀ ସଂନ୍ଧ୍ୟାରେ ଶିକ୍ଷକ ଗୋବିନ୍ଦ ପ୍ରଧାନ, ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ କର୍ମୀ ଅରୁଣ କୁମାର ନାୟକ ଏବଂ କିଓସ୍କ ବ୍ୟାଙ୍କର ପରିଚାଳକ ଗୌରାଙ୍ଗ ପ୍ରମାଣିକ ଅତିଥି ଭାବେ ଯୋଗ ଦେଇଥିବା ବେଳେ ଉଦ୍‌ଯାପନୀ ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ସଦର ବ୍ଲକର ଚେୟାରମ୍ୟାନ ସୁନିତା ବେହେରା ଉପସ୍ଥିତ ଥିବାବେଳେ ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ସମାଜ ସେବୀ ତଥା ଯୁବ ନେତା ମାନସ ଦାସ ପଟ୍ଟନାୟକ, ଆଡ଼ଭୋକେଟ ଶୀତିକଣ୍ଠ ରାଉତ, ରସଲପୁର ପଞ୍ଚାୟତ ସରପଞ୍ଚ ଅଙ୍କୁର ତରାଇ, ପ୍ରାକ୍ତନ କାଉନସିଲର ଲୁଲୁ ବାବୁ ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗ ଦେଇଥିଲେ। ଶେଷରେ ସମସ୍ତ କୃତି ପ୍ରତିଭାଗୀମାନଙ୍କୁ ପୁରସ୍କାର ବିତରଣ କରାଯିବା ସହ ରଜ ବିୟୁଟି ମାନଙ୍କୁ ଅଳଙ୍କାର ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଥିଲା। ଶେଷରେ ସଦସ୍ୟ ଅକ୍ଷୟ କୁମାର ଦାସ ଅଧିକାରୀ ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ। ସମ୍ପାଦକ କାଳି ଚରଣ ମହାଳିକଙ୍କ ତତ୍ତ୍ୱାବଧାନରେ ରାଜା, ସନ୍ତୋଷ, ଦେବାଶିଷ, ଅଗଣା, ସୁଦର୍ଶନ, କାର୍ତ୍ତିକ, ଅନାମ ପ୍ରମୁଖ ପ୍ରତିଯୋଗିତାକୁ ପରିଚାଳନା କରିଥିବା ବେଳେ ବିନ୍ନୁ, ଗଜେନ୍ଦ୍ର, ଗୌର ଶଙ୍କର, ଲକ୍ଷ୍ମୀଧର, ରତ୍ନାକର, ଗଜେନ୍ଦ୍ର, ମାନସ ପ୍ରମୁଖ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ।

# ନେତାଜୀ ଯୁବକ ସଂଘକୁ ପ୍ରକୃତି ମିତ୍ର ପୁରସ୍କାର

ଜଳେଶ୍ୱର ବ୍ଲକ, ୧୫।୬ (ସମିସ) : ଓଡ଼ିଶା କୃଷି ଓ ବୈଷୟିକ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟର କୃଷି ଶିକ୍ଷା ଭବନ ଠାରେ ରାଜ୍ୟସ୍ତରୀୟ ବିଶ୍ୱ ପରିବେଶ ଦିବସ ସମାରୋହ ପାଳନ ଅବସରରେ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥି ଭାବେ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମୋହନ ଚରଣ ମାଝୀ, ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ଜଙ୍ଗଲ ପରିବେଶ ଓ ଜଳବାୟୁ ପରିବର୍ତ୍ତନ ବିଭାଗର ମନ୍ତ୍ରୀ ଗଣେଶ ରାମ ସିଂ ଖୁଣ୍ଟିଆ ପ୍ରାକୃତିକ ଓ ପରିବେଶ ସମ୍ପଦ ଉପରେ ଗୁରୁତ୍ୱ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ। ସଭାର ଜଳେଶ୍ୱର ବ୍ଲକ ଅନ୍ତର୍ଗତ ଖୁଆଡ଼ ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତର ପୁରୁଣାପାଣି ଗ୍ରାମର ନେତାଜୀ ଯୁବକ ସଂଘ ବିଭିନ୍ନ ସମୟରେ ଗ୍ରାମରେ ଥିବା ସରକାରୀ ସ୍କୁଲ, ଅଙ୍ଗନବାଡ଼ି, ଖେଳ

ପଡିଆ, ଛକ ବଜାର ମାନଙ୍କରେ ବୃକ୍ଷ ରୋପଣ କରି ପରିବେଶକୁ ସବୁଜିମାରେ ପରିଣତ କରିବାର ପ୍ରାୟାସ ଜା ରିରଖିଛନ୍ତି ଏହି ପରି ଅନୁଷ୍ଠାନକୁ ଉତ୍ସାହିତ କରିବା ପାଇଁ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ମୋହନ ଚରଣ ମାଝୀଙ୍କ ଉପସ୍ଥିତିରେ ଜଙ୍ଗଲ ଓ ପରିବେଶ ବିଭାଗ ମନ୍ତ୍ରୀ ଗଣେଶ ରାମ ସିଂ ଖୁଣ୍ଟିଆ ପ୍ରକୃତି ମିତ୍ର ୨୦୨୫ ପୁରସ୍କାର ପ୍ରଦାନ କରିଛନ୍ତି। ନେତାଜୀ ଯୁବକ ସଂଘ ପକ୍ଷରୁ ମାନସ ରଞ୍ଜନ ଜେନା ପୁରସ୍କାର ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ।

# ଓଡ଼ିଶା ଓ ବଙ୍ଗ ସୀମାନ୍ତ ପର୍ଯ୍ୟଟନ ସ୍ଥଳକୁ ନେଇ ଟୁରିଷ୍ଟ ହୋପ୍ ପରିକଳ୍ପନା

ଜଳେଶ୍ୱର ବ୍ଲକ, ୧୫।୬ (ସମିସ) : ଓଡ଼ିଶା ଓ ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗ ସୀମାବର୍ତ୍ତି ଅଞ୍ଚଳରେ ରହିଥିବା ପର୍ଯ୍ୟଟନ ସ୍ଥଳ ଯଥା ଐତିହାସିକଦୁର୍ଗ ରାଇବଣିଆ, ଲକ୍ଷ୍ମଣନାଥର ଐତିହାସିକ ରାଜାଙ୍କ ଉଆସ, ସର୍ବ ପୁରାତନ ମା' ଦୁର୍ଗାଙ୍କ ପୀଠ, ସର୍ଦ୍ଧାରବନ୍ଧ ସବୁଠାରୁ ବୃହତ ରଜାବନ୍ଧ, ମୁଣ୍ଡୁଣିଆ ଦୀନକୃଷ୍ଣ ସାଂସ୍କୃତିକ ପୀଠ ସମତେ ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗର ଦାନ୍ତୁନରେ ଅବସ୍ଥିତ ମଗଳମାରି ବୌଦ୍ଧ ବିହାର, ସରଶଙ୍କା ମହକାୟ ପୋଷ୍କରଣି, ଦୀଘା, କାକରାଜିତ୍ ଚୋତ ନ ପୀଠ, କେଶିଆଡ଼ିରେ ଥିବା ବହୁ ପୁରୁଣା କୁରୁମବେଡା ଫଟୋ ଚିତ୍ର, ନୟାଗ୍ରାମ ରାମେଶ୍ୱର ମନ୍ଦିର, ତପବନମନ୍ଦିର ଓ ଜମୀରାପାଳ ରାଜବାଟି, ଏହି ସବୁ ସୀମା ଅଞ୍ଚଳରେ ରହିଥିବା ପର୍ଯ୍ୟଟନ ସ୍ଥଳକୁ ନେଇ ଏକ ପର୍ଯ୍ୟଟନ ହୋପ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହେବ । ଏଥିପାଇଁ ଝାଡଗ୍ରାମ ଜିଲ୍ଲାରୁ ଆସିଥିବା ପ୍ରଧାନ ଶିକ୍ଷକ ବିପ୍ଳବ କୁମାର ଦେ, ସହଯୋଗୀ ଲେଖକ ଉଜ୍ଜଳ କୁମାର ମାଇତି ଏବଂ ଓଡ଼ିଶା ସରକାରଙ୍କ ପୂର୍ବତନ ପର୍ଯ୍ୟଟନ ମନ୍ତ୍ରୀ ଓ ଜଳେଶ୍ୱର ବିଧାୟକ ଅଶ୍ୱିନୀ କୁମାର ପାତ୍ର, ଜଳେଶ୍ୱର ପଞ୍ଚାୟତ ସମିତି ଅଧ୍ୟକ୍ଷ ମାନସ କୁମାର ଜେନା, ଜିଲ୍ଲା ପରିଷଦ ଉପାଦକ୍ଷା ଅନୁସୂୟା ପ୍ରଧାନ , ପଞ୍ଚାୟତ ସମିତି ଉପାଧ୍ୟକ୍ଷା ସଞ୍ଜିତା ସେନାପତି, ରାଇବଣିଆ ସରପଞ୍ଚ ସନ୍ଦୀପ ନାରାୟଣ ଘୋଷ, ଦିଲ୍ଲିପ ସାମଲ, ରାଜା ଘୋଷ, ଗନ୍ଧାଧର ଦାସ ପ୍ରମୁଖ ନେତୃବୃନ୍ଦ ମାନେ ରାଇବଣିଆ ଦୁର୍ଗରେ ଉପସ୍ଥିତ ରହି ଆଲୋଚନା କରିଥିଲେ।

# ରଜ ଉତ୍ସବରେ କ୍ରିକେଟ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ବରୁଣଗଡ଼ିଆ ଏକାଦଶ ଚାମ୍ପିଅନ

ରାଜଘାଟ, ୧୫।୬ (ସମିସ): ବସ୍ତା ବ୍ଲକ ଭେଲୋରା ପଞ୍ଚାୟତ ଅନ୍ତର୍ଗତ କୁଳଡିହାରେ ରଜ ମହୋତ୍ସବ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଯାଇଛି। ଚାରି ଦିନ ଧରି ହେବାକୁ ଥିବା ଏହି ଉତ୍ସବର ପ୍ରଥମ ରାତ୍ରିରେ ରାତ୍ରୀକାଳୀନ ସଟ୍ ବାଉଣ୍ଡରି କ୍ରିକେଟ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ବାଲେଶ୍ୱର ଜିଲ୍ଲା ତଥା ପଡୋଶୀ ମୟୂରଭଞ୍ଜର ଆଠଟି ଦଳକୁ ନେଇ ଲିଗ୍ ମ୍ୟାଚ୍ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥିଲା। ଫାଇନାଲରେ ବରୁଣଗଡିଆ ଏକାଦଶ ପ୍ରଥମେ ଟସ୍ ଜିଣି ବୋଲିଂ ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେଇଥିଲା, ରଘୁନାଥପୁର ଏକାଦଶ ନିର୍ଦ୍ଧାରିତ ୭ ଓଭରରେ ୭ ଉଇକେଟ୍ ବିନିମୟରେ ୮୫ ରନ୍ ସଂଗ୍ରହ କରିଥିଲା। ଜବାବରେ ବରୁଣଗଡିଆ ଏକାଦଶ ୬.୩ ଓଭରରେ ୮୬ ରନ୍ କରି ୫ ଉଇକେଟରେ ବିଜୟୀ ହୋଇଥିଲା। ବିଳମ୍ବିତ ରାତ୍ରିରେ ସମ୍ପାଦକ ସପନ କୁମାର ବେହେରାଙ୍କ ପୌରହିତ୍ୟରେ ଆୟୋଜିତ ପୁରସ୍କାର ବିବରଣୀ ସଭାରେ କ୍ଲବର ବରିଷ୍ଠ ସଦସ୍ୟ ସଞ୍ଜୟ କୁମାର ପ୍ରଧାନ ଚାମ୍ପିଅନ ଦଳକୁ ଟ୍ରଫି ସହ ନଗଦ ରାଶି, ରନର୍ସ ଅପ୍ ଦଳକୁ ରତ୍ନାକର ବେହେରା ଟ୍ରଫି ସହ ନଗଦ ଟଙ୍କା, ମ୍ୟାନ ଅଫ୍ ଦି ମ୍ୟାଚ ଭାବେ ଝାଡେଶ୍ୱର ବେହେରା ଓ ମ୍ୟାନ ଅଫ୍ ଦି ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ଭାବେ ହରିଶଙ୍କର କାମିଳାଙ୍କୁ ଘୋଷିତ କରି ଟ୍ରଫି ସହ ପୁରସ୍କୃତ କରାଯାଇଥିଲା। ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟକୁ ଅମ୍ପାୟର ଭାବେ ସୌରଭ ପାତ୍ର, ଭବାନୀ ଶଙ୍କର ଦାସ, ଖଗେନ୍ଦ୍ର ଦେ ଓ ବିଜୟ କୁମାର ପ୍ରଧାନ ପରିଚାଳନା କରିଥିବା ବେଳେ ଭାଷ୍ୟକାର ଭାବେ ମାନସ ରଞ୍ଜନ ସି ଓ ଧାରା ବିବରଣୀ ଶରତ କୁମାର ପ୍ରଧାନ ଓ ନିହାରକାନ୍ତି ସାମଲ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ। କ୍ଲବର ଅନ୍ୟ ସମସ୍ତ ସଦସ୍ୟ ପରିଚାଳନାରେ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ।

## ଦିବ୍ୟାଙ୍ଗ ଯୁବତୀ ୫ ମାସର ଅନ୍ତସତ୍ତ୍ୱା; ଜଣେ ଗିରଫ

କୁଆମରା, ୧୫।୬(ସମିସ): ଖୁଣ୍ଟା ଥାନା ଅଞ୍ଚଳର ଜଣେ ୨୨ ବର୍ଷିୟା ଦିବ୍ୟାଙ୍ଗ ଯୁବତୀଙ୍କୁ ବିବାହର ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ଦେଇ ୫ ମାସର ଗର୍ଭବତୀ କରିଥିବା ମାମଲାରେ ପୁଲିସ ଜଣେ ଯୁବକଙ୍କୁ ଗିରଫ କରିଛି। ଗିରଫ ଯୁବକ ହେଲେ ବଡ଼ସାହି ଥାନା ଅଞ୍ଚଳର ବାପୁନ ସିଂ (୨୮)। ସେ ଆରପଟା ଅଞ୍ଚଳରେ ପ୍ରାୟ ବର୍ଷେ ହେବ ରହି ନିଜକୁ ଗୁଣିଆ ବୋଲି କହି ବୁଲୁଥିଲା ଏବଂ ବିଭିନ୍ନ ସ୍ଥାନରେ ଲୋକଙ୍କୁ ଠକୁଥିଲା। ଘଟଣା ବାବଦରେ ପୀଡ଼ିତାଙ୍କ ବାପା ଖୁଣ୍ଟା ଥାନାରେ ଅଭିଯୋଗ କରିଥିଲେ। ଅଭିଯୋଗ ଆଧାରରେ ବାପୁନକୁ ପୁଲିସ ଗିରଫ କରି ପଚରାଉଚରା ଚଳାଇଛି। ଏନେଇ ୧୭୭/୨୫ରେ ମାମଲା ରୁଜୁ କରିଥିବାର ଆଇଆଇସି ପଞ୍ଚାନନ ମହାନ୍ତି କହିଛନ୍ତି।

**ଫିକା ପଡୁଛି ରଜ ମଉଜ**

# ଗାଁରେ ମେଳି ବାନ୍ଧୁ ନାହାନ୍ତି ସାହିପଡ଼ିଶା

ଔପଦା, ୧୫।୬ (ସମିସ): ଓଡ଼ିଶାର ଗଣ ପର୍ବ ହେଉଛି ରଜ ପର୍ବ। ରଥଯାତ୍ରା ପରେ ଏହା ଓଡ଼ିଶାର ଦ୍ୱିତୀୟ ବଡ଼ ପର୍ବ ଭାବରେ ବିଚାର କରାଯାଏ। ତିନି ଧରି ପାଳିତ ହୁଏ ଓଡ଼ିଶାର ଏହି ରଜ ପର୍ବ। ବସୁଧା ମାଆ ରଜସ୍ୱଳା ଥାଆନ୍ତି ତେଣୁ ଏହି ପର୍ବଭୂ ଦେବୀଙ୍କୁ ଉତ୍ସର୍ଗ କରାଯାଇ ପାଳିତ ହୁଏ। ଏହି ସମୟରେ ନାରୀଙ୍କର ଅସ୍ତିତ୍ୱକୁ ଅଧିକ ପ୍ରାଧାନ୍ୟ ଦିଆଯାଏ। ରଜ ଆସିଲେ ଉତ୍ସବ ମୁଖର ହୋଇ ପଡ଼େ ଗାଆଁଠୁ ନେଇ ସହର ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ। ସବୁଠି ଦୋଳି ଲାଗେ ଏବଂ ରଜ ପାନ, ପୋଡ ପିଠା, ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଖେଳର ଆସର ଜମେ। ବନ୍ଧୁ ବାନ୍ଧବ ଘରକୁ ଆସନ୍ତି ଆଉ ସାହି ପଡିଶା ମେଳି ହୋଇ ମାନ ଅଭିମାନ ଭୁଲି ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଖେଳ ଯଥା ପୁଚି, ବାଗୁଡ଼ି, ତାସ, ଲୁଡୁ, ବାଡ଼ି ଖେଳ, ଇତ୍ୟାଦି ଖେଳ ଖେଳି ପରସ୍ପର ଭିତରେ ଖୁସି ବାଣ୍ଟନ୍ତି। ଘରେ ଘରେ ଗଛରେ ଦୋଳି ଲାଗିଥାଏ। ଏହି ରଜ ତିନି ଦିନ ସମସ୍ତେ ଦୋଳି ଖେଳନ୍ତି। ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାରର ପିଠା ଯଥା ପୋଡ଼ ପିଠା, ଚକୁଳି ପିଠା, ମଣ୍ଡା, ଆରିସା, ଛୁଞ୍ଚି ପତ୍ର ପିଠା ଏମିତି ଅନେକ ପ୍ରକାରର ସୁସ୍ୱାଦୁ ପିଠା ସହ ଅନେକ ସୁସ୍ୱାଦୁ ବ୍ୟଞ୍ଜନ ରନ୍ଧା ହୁଏ। ଯାହା ରଜ ମହୋଲକୁ ଆହୁରି ସୁନ୍ଦର୍ କରେ। ଏହି ସମୟରେ ବିଲ ବାଡ଼ିରେ କାମ ହୁଏ ନାହିଁ ଏଣୁ ଏହି ତିନି ଦିନ ଚାଷୀ ଭାଇ ମଧ୍ୟ ଖୁବ୍ ଆନନ୍ଦରେ ପରିବାର ସହ ହସ ଖୁସି ଏ ସମୟ ବିତାଇଥାଏ। କିନ୍ତୁ ଧୀରେ ଧୀରେ ସମୟ ସହ ସବୁ କିଛି ବଦଳିବାରେ ଲାଗିଛି। ଏବେ କାଁ ଭାଁ କିଛି ଜାଗାରେ ଦୋଳି ଦେଖିବାକୁ ମିଳୁଛି। କାରଣ ଘର ପାଖ ଗଛ ସବୁ କଟା ହୋଇ ବଡ ବଡ କୋଠା ତିଆରି ହୋଇ ସାରିଛି। ଏବେ କିଛି କିଛି ଅନୁଷ୍ଠାନ ରଜ ପର୍ବ ପାଳନ ପାଇଁ ଆଗଭର ହୋଇ ଦୋଳି ଲଗାଇ ପିଲାଙ୍କ ଭିତରେ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରତିଯୋଗିତା କରି ଏହି ପର୍ବକୁ ବଞ୍ଚାଇ ରଖିବାର ପ୍ରୟାସ କରୁଛନ୍ତି। ମନ ମାଳିନ୍ୟ ଆଉ ମତ ଭେଦ ଏବଂ ହିଂସା ଆଉ ଦ୍ୱେଷ ଏତେ ବଢ଼ିବାରେ ଲାଗିଛି ଯେ ସାହି ପଡିଶା ଏକଜୁଟ ହେବା ତ ଦୂରର କଥା କେହି କାହା ମୁହଁ ଚାହିଁବାକୁ ନାରାଜ। ଧୀରେ ଧୀରେ ମୋବାଇଲ ଭିତରେ ହଜି ଯାଉଚି ପୁଚି, ତାସ ଆଉ ଲୁଡୁ ଖେଳ। ମାଛ, ମାଂସ, ଅଣ୍ଡା ଭିତରେ ଲୁଚି ଯାଉଛି ପିଠା ପଣାର ସୁମଧୁର ବାସ୍ନା। କହିବାକୁ ଦୁଃଖ ଲାଗୁଥିଲେ ମଧ୍ୟ ସତରେ ହଜି ହଜି ଯାଉଚି ଓଡ଼ିଶା ର ଗଣ ପର୍ବ ରଜ ଆଉ ରଜରେ ହେଉଥିବା ମଉଜ। ଓଡ଼ିଶାର ପ୍ରତ୍ୟେକ ଜନସାଧାରଣ ଏହା ପ୍ରତି ଯତ୍ନବାନ ହେବାର ଆବଶ୍ୟକତା ପଡ଼ିଲାଣି।

**ଡବଲ ଇଞ୍ଜିନ ସରକାରଙ୍କ ବିକାଶ ପାଣିର ଗାର**

# ମୌଳିକ ସୁବିଧାରୁ ବଞ୍ଚିତ କୁଂମୁଚିଆ ଗାଁ

ଜଳେଶ୍ୱର ବ୍ଲକ, ୧୫।୬ (ସମିସ)

ବିଜେପି ସରକାର ଏକ ବର୍ଷ ପୂର୍ତ୍ତି ପାଳନ କରୁଥିବା ଅବସରରେ ରାଜ୍ୟରେ ବିଭିନ୍ନ ବ୍ଲକ ମୁଖ୍ୟାଳୟରୁ ପ୍ରତି ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତକୁ ବିକାଶ ରଥ ଗଡୁଛି। ସେଥିରେ ଗ୍ରାମାଞ୍ଚଳର ବିକାଶ କଥାକୁ ଏଲଇଡି ଟିଭି ମାଧ୍ୟମରେ ସାଧାରଣ ଲୋକଙ୍କ ପାଖରେ ପହଞ୍ଚାଇ ସଚେତନତା ବାର୍ତ୍ତା ବାଣ୍ଟୁଥିବା ବେଳେ ବିକାଶର ବିକଳ ଚିତ୍ର ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି ଜଳେଶ୍ୱର ପଞ୍ଚାୟତ ସମିତି ଅଧିନସ୍ଥ ଚମାରଗାଁ ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତର କୁଂମୁଚିଆ ଗ୍ରାମରେ। ଏହି ଆଦିବାସୀ ଗ୍ରାମର ୮୦ରୁ ଉଦ୍ଧ୍ୱର୍ ପରିବାରରେ ୮୦୦ ଲୋକ ବସବାସ କରିଥାନ୍ତି। ସେହି ଗ୍ରାମକୁ ଆଜିବି ଭଲ ରାସ୍ତାଟିଏ ନାହିଁ କି ଟ୍ୟାପ ଯୋଗେ ପିଇବା ପାଣି ସାତ ସପନ। ଆଜିକୁ ଦୁଇ

ବର୍ଷ ପୂର୍ବେ ବୋରିଙ୍ଗ ହୋଇଛି। ଗ୍ରାମରେ ପାଇପ୍ ବିଛାଯାଇଛି କିନ୍ତୁ ପାଣି ଆସିବାର ନା ଗନ୍ଧ ନାହିଁ । ସେହିପରି ଗ୍ରାମରେ ପରିତ୍ୟକ୍ତ ଘରେ ଗଢ଼ା ହେଉଛି କୁନି କୁନି ପିଲାଙ୍କ ଭବିଷ୍ୟତ। ଦୀର୍ଘ ତିନି ବର୍ଷ ହେଲା ଅସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ହୋଇ ପଡ଼ିଛି ଅଙ୍ଗନବାଡ଼ି ଗୃହ। ଆଜିବି ଅନେକଙ୍କ ଘରେ ପହଞ୍ଚି ପାରିନି ବିଦ୍ୟୁତ। ଅନେକ ବୃଦ୍ଧବୃଦ୍ଧା ୭୦ ବର୍ଷ ଛୁଇବାକୁ ବସିଲାଣି କିନ୍ତୁ ମିଳିପାରିନି ଭତ୍ତା । ଆଜିବି ଗରିବ ଲୋକଙ୍କ ମୁଣ୍ଡ ଉପରେ ସେହି ଚାଳ ଛପର, ପକ୍କା ଘର ସେମାନଙ୍କ ପାଇଁ ସାତ ସପନ । ସତେ ଯେମିତି ଏହି ଅଞ୍ଚଳ ଏକ ଉପାନ୍ତ ଅଞ୍ଚଳ ହୋଇ ପଡ଼ିଛି। ଏଥିପାଇଁ ବ୍ଲକ ପ୍ରଶାସନିକ ଅଧିକାରୀ ଏବଂ ଜିଲ୍ଲା ପ୍ରଶାସନିକ ଅଧିକାରୀଙ୍କ କୃପାଦୃଷ୍ଟି କେବେ ପଡୁଛି ଓ ଗ୍ରାମର ବିକାଶ କେବେ ହେଉଛି ସେଥିପାଇଁ ଗ୍ରାମର ରାମଚଂଦ୍ର ସିଂ, ପରେମଶ୍ୱର ସିଂ, ଉତ୍ତମ ସିଂ, ବଳରାମ ସିଂ ସମ୍ଭୁ ସିଂ, ବରେନ୍ଦ୍ର ସିଂ ରଜନୀ ସିଂ ପ୍ରମୁଖ ଗ୍ରାମବାସୀ କହିଥିଲେ।

# ରାଇବଣିଆ ଅଞ୍ଚଳରେ ରଜ ଉତ୍ସବ

ଜଳେଶ୍ୱର ବ୍ଲକ, ୧୫।୬ (ସମିସ) : ଓଡିଆ ମାନଙ୍କର ମୁଖ୍ୟ ପର୍ବ ହେଉଛି ରଜ। ଏହି ରଜରେ କୁଆଁରୀ ଝିଅ ମାନେ ସଜବାଜ ହୋଇ ଗାଁ ଦାଣ୍ଡରେ ଦୋଳି ଝୁଲିବା ସହିତ ପୁଚି ଖେଳିଥାନ୍ତି। ଘରେ ଘରେ ପିଠା ପଣା ଆସର ଜମିଥାଏ ରଜ ମିଠା ପାନ ସଭିଏ ଖାଇଥାନ୍ତି। ଆଜି କଳମା ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତ ଥିବା ପଥରଖୋଳ ଗ୍ରାମରେ ରଜ ପର୍ବ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥିଲା। ଏଥିରେ ଗ୍ରାମ ପଞ୍ଚାୟତର ଯୁବ ନେତା ଅଜିତ୍ କୁମାର ସିଂ, ଗ୍ରାମର ଭଦ୍ରବ୍ୟକ୍ତି ରବୀନ୍ଦ୍ର ସିଂ, ବିଭୂତି ସିଂ, ଦୁଃଖିଆ ସିଂ ନାନ୍ଦୁ ସିଂ, ଲିଲିମା ସିଂ, କବିତା ସିଂ, ବନିତା ସିଂ ସମତେ ଗ୍ରାମର ଅନେକ କୁନି କୁନି ପିଲାମାନେ ପରସ୍ପରକୁ ମିଠା ପାନ ଖୁଆଇ ବେଶ୍ ଆନନ୍ଦରେ ଦୋଳି ଝୁଲାଇ ରଜ ପର୍ବ ପାଳନ କରିଛନ୍ତି।

# ବର୍ଷେ ବିତିଲା, ସରୁନି ଖେଳପଡ଼ିଆ କାର୍ଯ୍ୟ

## ନିମ୍ନମାନର କାମକୁ ନେଇ ଅସନ୍ତୋଷ

ବେଲବାହାଳି, ୧୫।୬(ସମିସ): ନିମ୍ନମାନର ଖେଳ ପଡ଼ିଆ ନିର୍ମାଣ କାର୍ଯ୍ୟକୁ ନେଇ ଗ୍ରାମବାସୀ ଏବଂ ଯୁବକମାନେ ବିଶେଷ

କରି ମନରେ ଅସନ୍ତୋଷ ପ୍ରକାଶ କରିଛନ୍ତି। ରାଜ୍ୟ ସରକାର କ୍ରୀଡ଼ା ପ୍ରତି କୋଟି କୋଟି ଟଙ୍କା ବ୍ୟୟ ବରାଦ କରୁଥିବା ବେଳେ ବହୁ ବର୍ଷ ଧରି ଦାବି କରାଯାଉଥିବା ଆନନ୍ଦପୁର ବ୍ଲକ ଅନ୍ତର୍ଗତ ପଞ୍ଚୁପଲ୍ଲୀ ଗ୍ରାମର ଖେଳପଡ଼ିଆ ବାବଦକୁ ୪୮ ଲକ୍ଷ ୭ ହଜାର ଟଙ୍କା ମଞ୍ଜୁର କରାଯାଇ ସ୍ଥାନୀୟ ଠିକାଦାରଙ୍କ ଜରିଆରେ ବର୍ଷକ ପୂର୍ବରୁ କାମ ଆରମ୍ଭ କରାଯାଇଥିଲା। ବର୍ତ୍ତମାନ ସୁଦ୍ଧା ୩୦% କାମ ସରି ନଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ଗ୍ରାମବାସୀଙ୍କ କହିବା ମୁତାବକ, ଠିକାଦାର ଖେଳପଡ଼ିଆର ଚାରିପାଖରେ ଥିବା ପାଚେରିରେ ବାଲି ସିମେଣ୍ଟ ଭାଗ କମ୍ ଥିବାରୁ ଏହା ହାତ ମାରିବା କ୍ଷଣି ଝଡ଼ିପଡୁଛି। ଏଥିସହ ନିମ୍ନମାନର ସାମଗ୍ରୀ ଲଗାଇ ଠିକାଦାର ଲକ୍ଷ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ଚଳୁ କରୁଥିବା ଗ୍ରାମବାସୀ ଅଭିଯୋଗ କରି ଆସିଛନ୍ତି। ଉକ୍ତ କର୍ତ୍ତୃପକ୍ଷ କୌଣସି ପଦକ୍ଷେପ ନେଉ ନଥିବାରୁ ମନମୁଖୀ କାର୍ଯ୍ୟ ଜାରି ରହିଛି। ଏହି ଖେଳ ପଡ଼ିଆ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ହେବା ନେଇ ସନ୍ଦେହ ପ୍ରକାଶ ପାଉଛି। ଅନ୍ୟପଟେ, ପ୍ରତ୍ୟେକ ବର୍ଷ ବୈତରଣୀ ନଦୀରେ ବନ୍ୟା ଆସିଲେ ଏହି ସ୍ଥାନରେ ନଦୀ ପାଣି ପଶି ଦୀର୍ଘ ଦିନ ଧରି ପୂରା ପଡ଼ିଆ ଜଳମଗ୍ନ ହୋଇଥାଏ। ଯଦି ଠିକାଦାର ଭଲ କାମ ନ କରନ୍ତି ତା'ହେଲ ଏହି ଖେଳପଡିଆ ବହୁ ଅଳ୍ପ ଦିନରେ ଭୁଶୁଡ଼ି ପଡ଼ିବାର ଆଶଙ୍କା ରହିଛି। ଚାରିପାଖରେ ଥିବା ପାଚେରିର ନିରାପଦ ପାଇଁ ରାଉଣ୍ଡ ଢଲେଇ ଦିଆଯାଇ ନଥିବା ବେଳେ ଏହା କେବଳ ଖୁବ୍ କମ୍ ପରିମାଣର ବାଲି ସିମେଣ୍ଟ ଦିଆଯାଇ ଥିବା ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ପାଚେରିଟି ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ନହୋଇ ଅଧାଗଡ଼ା ଭାବେ ପଡିରହିଛି। ବିଭାଗୀୟ ଅଧିକାରୀ ଦୃଷ୍ଟି ଦେବା ସହ ସଠିକ୍ ତଦନ୍ତ କରି ଉନ୍ନତ ମାନର କାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ପାଇଁ ଗ୍ରାମର ସୁଶାନ୍ତ ଜେନା, ସଞ୍ଜୟ ନାୟକ, ହିମାଂଶୁ ମହାନ୍ତି, ରାଜକିଶୋର ଧଳ, ସଞ୍ଜୀବ ନାୟକ, ମାନସ ଧଳ, ଚିଣ୍ଟୁ ଧଳ, ରାଜ ରାଉତ, ଟିଟୁ ରାଉତ, କାଳୀ ଧଳ, ବଗଲା ନାୟକ, ସନ୍ତୁ ନାୟକ ପ୍ରମୁଖ ଦାବି କରିଛନ୍ତି।

# ବଡ଼ଜାମବଣି ରଜପଡ଼ିଆରେ ଅନ୍ତାକ୍ଷରୀ ପ୍ରତିଯୋଗିତା

ମୋରଡ଼ା,୧୫।୬(ସମିସ):

- ଗୀତ ପ୍ରତିଯୋଗିତାରେ ଜିତି ପାଇଥିଲେ ଜୀବନସାଥି
- ୧୦ବର୍ଷ ଧରି ଖୁସିରେ ଅଛନ୍ତି ସାଗର, କବିତା

ମୋରଡ଼ା ବ୍ଲକ ଅଧୀନ ଦାନ୍ତିଆମୁହାଁ ପଞ୍ଚାୟତ ବଡ଼ଜାମବଣିର ଖଡ଼ିଆସାହି ପଡ଼ିଆରେ ବେଶ ଧୁମଧାମରେ ରଜପର୍ବ ଆୟୋଜିତ ହୋଇଛି। କେନ୍ଦୁଛାଟିଆ, ବଡ଼ଜୁଡ଼, ଦାମଦରପୁରର ଜଳବଣିରୁ ଅବିବାହିତ ଯୁବକମାନେ ଆସି ଦୋଳି ଖେଳର ମଜାନେବା ସାଙ୍ଗକୁ ବଡଜାମବଣିର ଝିଅମାନଙ୍କ ସହିତ ଗୀତ ପ୍ରତିଯୋଗିତା କରୁଥିବାର ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଛି। ପରମ୍ପରା ମୁତାବକ ଖଡ଼ିଆ ସମ୍ପ୍ରଦାୟ ଅବିବାହିତ ଯୁବକ ଯୁବତୀ ରଜଦୋଳି ବାଦୀଗୀତ ମାଧ୍ୟମରେ ଅନ୍ତାକ୍ଷରୀ ପ୍ରତିଯୋଗିତା ହୋଇ ଗୀତରେ ଉଭୟ ଉଭୟଙ୍କୁ ହରାଇବାକୁ ଚେଷ୍ଟା କରନ୍ତି। ଜିତିଥିବା ପ୍ରତିଯୋଗୀଙ୍କ ପସନ୍ଦ ହୋଇଥିବା ଯୋଡ଼ି ରଥଯାତ୍ରା ସମୟରେ ବିବାହ କରିଥାନ୍ତି। ଗୀତ ପ୍ରତିଯୋଗିତାରେ ଭାଗନେଇ ଜିତି ବିବାହ କରିଥିବା ବଡ଼ଜାମବଣି ଗ୍ରାମର ସାଗର ଦେହୁରୀ କୁହନ୍ତି; ରଜରେ ଗୀତ ପ୍ରତିଯୋଗିତାରେ ଜିତି ନିଜର ଜୀବନ ସାଥି ଭାବେ ଦଶ ବର୍ଷ ପୂର୍ବରୁ ଶୁଳିଆପଦାର ବେତନା ଗାଁରୁ ଭଦ୍ରବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ଉପସ୍ଥିତିରେ ସେଠାରୁ ସେ କବିତା ଦେହୁରୀଙ୍କୁ ବିବାହ କରି ଘରକୁ ଆଣିଥିଲେ। ଦୀର୍ଘ ୧୦ବର୍ଷ ହେବ ସାଗର ଏବଂ କବିତା ଦୁହେଁ ବହୁତ ଖୁସିରେ ଜୀବନଯାପନ କରୁଛନ୍ତି। ଉକ୍ତ ଖଡ଼ିଆ ଦମ୍ପତିଙ୍କର ଦୁଇଟି ଝିଅଥିବା ବେଳେ ଗୋଟିଏ ମାତ୍ର ପୁଅ ରହିଛି। ସାଗର ସୁନ୍ଦର ସୁନ୍ଦର ଗୀତ ଗାଇ ଝିଅ ଗୋଷ୍ଠୀଙ୍କୁ ହରାଇ କବିତାଙ୍କୁ ବାଛି ବିବାହ କରିଥିଲେ। ସେ ସମୟରେ ଉକ୍ତ ଅଞ୍ଚଳରେ ବେଶ୍ ଚର୍ଚ୍ଚାର କେନ୍ଦ୍ରବିନ୍ଦୁ ପାଲଟିଥିଲେ। ତେବେ ଖଡ଼ିଆ ସମ୍ପ୍ରଦାୟର ଲୋକମାନଙ୍କ ଏହି ବିବାହ ବହୁ ପୁରାତନ କାଳରୁ ରହି ଆସିଅଛି। ଦୋଳିଗୀତରେ ପରାଜିତ ଯୁବକ ଯୁବତୀଙ୍କ ପସନ୍ଦ ହେଲେ ବିବାହ ବନ୍ଧନରେ ବାନ୍ଧି ହୋଇଥାନ୍ତି ଦୁହେଁ। ବାହାର ରାଜ୍ୟ ରଜପର୍ବକୁ ଧୁମଧାମରେ ପାଳନ କରୁଥିବା ବେଳେ ଏହି ପର୍ବକୁ ଆଦିବାସୀ ଅଧ୍ୟୁଷିତ ମୟୂରଭଞ୍ଜ ଜିଲ୍ଲାର ଆଦିମ ଖଡ଼ିଆ ଜନଜାତିର ଅବିବାହିତ ଯୁବକଯୁବତୀ ସାରା ବର୍ଷ ଅପେକ୍ଷା କରି ରହିଥାନ୍ତି। କାରଣ ଖଡିଆ ସମ୍ପ୍ରଦାୟରେ ରହିଛି ନିଆରା ପରମ୍ପରା।

## ଗୋମାଫିଆଙ୍କ ଆକ୍ରମଣରେ ଯୁବକ ଗୁରୁତର

ବୈଶିଙ୍ଗା,୧୫।୬(ସମିସ): ବୈଶିଙ୍ଗା ଥାନାଞ୍ଚଳରେ ଷଣ୍ଢଚାଲାଣ ଭ୍ୟାନକୁ ଅଟକାଇବାକୁ ଯାଇ ଗୋମାଫିଆଙ୍କ ଆକ୍ରମଣରେ ଜଣେ ଯୁବକ ଗୁରୁତର ହୋଇଛନ୍ତି। ସେହେଲେ ବୈଶିଙ୍ଗା ଥାନା ଅଧୀନ ପଣସିଆ ଗ୍ରାମର ଯୁବକ ହିମାଂଶୁ ସେଠୀ। ଶୁକ୍ରବାର ରାତିରେ ଥାନା ଅଧୀନ ଅଁଳାପଟରୁ ଏକ ଭ୍ୟାନରେ ଅମାନୁଷିକ ଭାବେ ଷଣ୍ଢଙ୍କୁ ଭର୍ତ୍ତିକରି ମୟୂରଭଞ୍ଜ-ବାଲେଶ୍ୱର ସୀମାବର୍ତ୍ତୀ ଅଞ୍ଚଳକୁ ବେଆଇନ ଚାଲାଣ ହୋଉଥିବା ଖବର ପାଇଥିଲେ ପଣସିଆ ଅଞ୍ଚଳର କିଛି ଗୋପ୍ରେମୀ ଯୁବକ। ପଣସିଆ ଗ୍ରାମର ହିମାଂଶୁ ସେଠୀ ଓ ତାଙ୍କର ବନ୍ଧୁ ସଞ୍ଜୟଙ୍କ ସହ ମିଶି ନିଜ (ଓଡି-୦୧-ବିଏ-୩୧୦୭ ନଂ) କାରରେ ଭ୍ୟାନର ପିଛା କରିଥିଲେ। କିଛିବାଟ ଗଲାପରେ ଓଲିପୁରରେ ଗୋମାଫିଆ ମାନେ ଭ୍ୟାନ ଛିଡାକରି ଏସକୋର୍ଟ ଦେଇ ଚାଲିଥିବା ଯୁବକଙ୍କ ସହ ମିଶି ହିମାଂଶୁଙ୍କ କାରକୁ ଅଟକାଇ ଆକ୍ରମଣ କରିଥିଲେ। କାରକୁ ଭାଙ୍ଗିରୁଜି ରାସ୍ତା ପାର୍ଶ୍ୱକୁ ଗଡ଼େଇଦେବା ସହିତ ହିମାଂଶୁଙ୍କ ମୁଣ୍ଡକୁ ଲୁହାରଡରେ ଶକ୍ତ ପ୍ରହାର ଦେଇଥିଲେ। ଖବର ପାଇ ପଣସିଆ ଅଞ୍ଚଳରୁ ଗ୍ରାମବାସୀ ଯାଇ ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚିଲା ବେଳକୁ ଗୋମାଫିଆମାନେ ଘଟଣାସ୍ଥଳରୁ ଚମ୍ପଟ ମାରିଥିଲେ। ହିମାଂଶୁକୁ ଗୁରୁତର ଅବସ୍ଥାରେ ଉଦ୍ଧାର କରି ଡାକ୍ତରଖାନାରେ ଭର୍ତ୍ତି କରିଛନ୍ତି ଗ୍ରାମବାସୀ। ଖବର ପାଇ ବାଲେଶ୍ୱର ସଦର ପୁଲିସ ଘଟଣାସ୍ଥଳରୁ କାରକୁ ଜବତ କରି ଥାନାକୁ ନେଇଥିବାର ଜଣାପଡ଼ିଛି।

## ମୁଣ୍ଡାରୀ ୟୁଟ୍ୟୁବର୍, ପ୍ରଡ୍ୟୁସର ଓ ଆର୍ଟିଷ୍ଟ ଆସୋସିଏସନ୍‌ର ବାର୍ଷିକ ଉତ୍ସବ

ବାରିପଦା,୧୫।୬(ସମିସ): ସ୍ଥାନୀୟ ସହିଦ୍ ସ୍ମୃତି ଭବନରେ ମୁଣ୍ଡାରୀ ୟୁଟ୍ୟୁବର୍, ପ୍ରଡ୍ୟୁସର ଏବଂ ଆର୍ଟିଷ୍ଟ ଆସୋସିଏସନ (ମାଏପା)ର ବାର୍ଷିକ ଉତ୍ସବ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଓଡ଼ିଶା

ସମେତ ଝାଡ଼ଖଣ୍ଡ ଏବଂ ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗର ବହୁ ମୁଣ୍ଡାରୀ ୟୁଟ୍ୟୁବର, ପ୍ରଡ୍ୟୁସର ଏବଂ ଆର୍ଟିଷ୍ଟ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ସଂଗଠନର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ଉପରେ ମାଏପା ସଂଗଠନର ସଭାପତି ରବୀନ୍ଦ୍ର ନାଥ ସିଂ ଜାଳେୟା ବକ୍ତବ୍ୟ ପ୍ରଦାନ କରିଥିବା ବେଳେ ସମ୍ପାଦକ ଲକ୍ଷ୍ମୀରାମ ସଭା ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ। ପରେ ସାଧାରଣ ବୈଠକରେ 'ସମୟର ବିବର୍ତ୍ତନ ମଧ୍ୟରେ ଆଦିବାସୀ ମୁଣ୍ଡାରୀ ଭାଷାର ପାରମ୍ପରିକ ନୃତ୍ୟ, ସଙ୍ଗୀତ ଓ କଳାର ସ୍ଥିତି ଓ ଭବିଷ୍ୟତ' ବିଷୟ ଉପରେ ଆଲୋଚନା କରାଯାଇଥିଲା। 'ମୁଣ୍ଡାରୀ ଆଲବମ୍, ଚଳଚିତ୍ର ଓ ଯାତ୍ରାର ଅତୀତ, ବର୍ତ୍ତମାନ ଓ ଭବିଷ୍ୟତ ଏବଂ ଏହାର ସାମାଜିକ ଜୀବନ ଉପରେ ପ୍ରଭାବ'କୁ ନେଇ ବିଭିନ୍ନ ଆଦିବାସୀ ସଂଗଠନର ନେତୃ ମଣ୍ଡଳୀ ଏବଂ ବିଶେଷଜ୍ଞ ସମୂହଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଆଲୋଚନାଚକ୍ର ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥିଲା। ଏଥିରେ ଭାରତ ମୁଣ୍ଡା ସମାଜ ଓଡ଼ିଶା ଶାଖା ସଭାପତି ରବୀନ୍ଦ୍ର ନାଥ ସିଂ, ମୁଣ୍ଡାରୀ ସମାଜ ସାଁୱର ଜାମଡା ସଭାପତି ନନ୍ଦଲାଲ ସିଂ, ଏମଏଲସିସିର ଆବାହକ ବିରବଲ ସିଂ, ମାଏପାର ଉପଦେଷ୍ଟା ସୁନାରାମ ସିଂ, ଗୋବର୍ଦ୍ଧନ ସିଂ, ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗର କଳାକାର ପ୍ରଭାସ ସିଂ, ଝାରଖଣ୍ଡର କଳାକାର କିସୁନ୍ ପୁର୍ତ୍ତୀ ଏବଂ ସମିର ମୁଣ୍ଡା ପ୍ରମୁଖ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ପରେ ସାଂସ୍କୃତିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ଏବଂ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା ଉତ୍ସବ ସହିତ ନୂଆ ମୁଣ୍ଡାରୀ ଆଲବମ ରିଲିଜ କରାଯାଇଥିଲା। ଉତ୍ସବରେ ମୁଣ୍ଡାରୀ ଫିଲ୍ମ, ଯାତ୍ରା ଓ ଆଲବମର ପ୍ରଡ୍ୟୁସର, ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ, କଳାକାର, କଣ୍ଟେଣ୍ଟ କ୍ରିଏଟର, ସଂଗୀତଜ୍ଞ, ଗୀତିକାର, ଅଭିନେତା ଓ ଅଭିନେତ୍ରୀ ପରି ବହୁ ପ୍ରତିଭାମାନଙ୍କୁ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧିତ କରାଯାଇଥିଲା। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ସଫଳ କରିବାରେ ମାଏପାର ଉପସଭାପତି ଗୀତା ସିଂ, ସହ ସମ୍ପାଦକ ଗୌର ସିଂ, କୋଷାଧକ୍ଷ ନାଥ ସିଂ, ଯୁବ ପ୍ରତିଭା ବାଜି ସିଂ ସହିତ ମୁଣ୍ଡା ଆଦିବାସୀ ଯୁବ ସଂଗଠନର ସଦସ୍ୟମାନେ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ। ଶେଷରେ ସଂଗଠକ ରବୀନ୍ଦ୍ର ନାଥ ସିଂ କଟା ଧନ୍ୟବାଦ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ।

## ତୁରୁମୁଙ୍ଗା ପଞ୍ଚାୟତସମିତି ଗଠନ ପାଇଁ ଜୋର୍ ଧରିଲା ଦାବି

ତୁରୁମୁଙ୍ଗା, ୧୫।୬(ସମିସ): ତୁରୁମୁଙ୍ଗାକୁ ବ୍ଲକ୍ ଗଠନ ପାଇଁ ଦାବି ଜୋର୍ ଧରିଛି। କେନ୍ଦୁଝର ଜିଲ୍ଲା ପାଟଣା ବ୍ଲକ ତୁରୁମୁଙ୍ଗା ହାଇସ୍କୁଲ ପଡ଼ିଆରେ ତୁରୁମୁଙ୍ଗାଠାରେ ବ୍ଲକ ଗଠନ ପାଇଁ ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ପ୍ରଧାନଶିକ୍ଷକ କୈବଲ୍ୟ ଚରଣ ସାହୁଙ୍କ ସଭାପତିତ୍ୱରେ ବୈଠକ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଏ ଅଞ୍ଚଳର ବିକାଶ ନିମନ୍ତେ ସ୍ଥାନୀୟ ବୁଦ୍ଧିଜୀବୀ ଓ ଯୁବକଙ୍କୁ ନେଇ ଆଞ୍ଚଳିକ ବିକାଶ ପରିଷଦ ଗଠନ କରି ପଞ୍ଜୀକରଣ କରିବାକୁ ନିଷ୍ପତ୍ତି ନିଆଯାଇଛି। ତୁରୁମୁଙ୍ଗାଠାରେ ବ୍ଲକ ଗଠନ ପାଇଁ ପାଟଣା, ଚମ୍ପୁଆ, ଝୁମ୍ପୁରା ଓ ସାହାରପଡ଼ା ବ୍ଲକର ୧୫ଟି ପଞ୍ଚାୟତର ସରପଞ୍ଚ ଓ ସମିତିସଭ୍ୟ ନିଜର ସମ୍ମତି ପ୍ରଦାନ କରିଥିବା ବେଳେ ଉକ୍ତ ସମ୍ମତିପତ୍ର ସହ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ, କେନ୍ଦୁଝର ସାଂସଦ, ପାଟଣା ବିଧାୟକ ତଥା କେନ୍ଦୁଝର ଜିଲ୍ଲାପାଳଙ୍କୁ ତୁରୁମୁଙ୍ଗାଠାରେ ବ୍ଲକ ଗଠନ ପାଇଁ ଦାବିପତ୍ର ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି। ପରବର୍ତ୍ତୀ ସମୟରେ ଉକ୍ତ ଆଞ୍ଚଳିକ ବିକାଶ ପରିଷଦ ମାଧ୍ୟମରେ ବିଭିନ୍ନ ଉନ୍ନୟନମୂଳକ ପଦକ୍ଷେପ ନିମନ୍ତେ ସରକାରଙ୍କ ନିକଟରେ ଦାବି କରିବାକୁ ନିଷ୍ପତ୍ତି ନିଆଯାଇଥିଲା। ବୈଠକରେ ମୋତିରାମ ସାହୁ, ପ୍ରଦୀପ ସାହୁ, ସୁଧାଂଶୁ ଶେଖର ସାହୁ, ପ୍ରଫୁଲ୍ଲ ବେହେରା, ଦିଲ୍ଲୀପ ସାହୁ, ରାମଚନ୍ଦ୍ର ସାହୁ, ସବ୍ୟସାଚୀ ସାହୁ, ଭରତଚନ୍ଦ୍ର ସାହୁ, ଇନ୍ଦ୍ରଜିତ ସାହୁ, ଜଗଦୀଶ ସାହୁ, ଗୌତମ ସାହୁ, ବରୁଣ ସାହୁ, ରତିରଞ୍ଜନ ପୃଷ୍ଟି, ଅଯୋଧ୍ୟା ପୃଷ୍ଟି ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ।

## ଜିଲ୍ଲା ଆଇନସେବା ପ୍ରାଧିକରଣ ପକ୍ଷରୁ ସଚେତନତା ଦିବସ

ବାରିପଦା,୧୫।୬(ସମିସ): ସାମ୍ପ୍ରତିକ ସମୟରେ ସମାଜରେ ବରିଷ୍ଠ ନାଗରିକଙ୍କ ପ୍ରତି ଦୁର୍ବ୍ୟବହାରର ମାତ୍ରା ବଢି ଚାଲିଥିବା ବେଳେ ତାହାର ପ୍ରତିକାର ଏବେ ସବୁଠାରୁ ବଡ଼ ଆହ୍ୱାନ। ଏହାର ସଚେତନତା ନିମନ୍ତେ ପ୍ରତିବର୍ଷ ଜୁନ ୧୫ ତାରିଖକୁ ବିଶ୍ୱ ବରିଷ୍ଠ ନାଗରିକଙ୍କୁ ଦୁର୍ବ୍ୟବହାର ନକରିବା ନିମନ୍ତେ ସଚେତନତା ଦିବସ ଭାବରେ ପାଳନ କରାଯିବାକୁ ସରକାରଙ୍କ ତରଫରୁ ନିଷ୍ପତି ନିଆଯାଇଛି। ଏନେଇ ଜିଲ୍ଲା ଆଇନ ସେବାପ୍ରାଧିକରଣ ଦ୍ୱାରା ଆଜି ବିକଳ୍ପ ବିବାଦ ସମାଧାନ କେନ୍ଦ୍ର, ବାରିପଦାର ସମ୍ମିଳନୀ କକ୍ଷରେ ମୟୂରଭଞ୍ଜ ବରିଷ୍ଠ ନାଗରିକ ମଞ୍ଚ ଏବଂ ମୟୂରଭଞ୍ଜ ଅବସାରପ୍ରାପ୍ତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ବେସରକାରୀ କଲେଜ ଶିକ୍ଷକ ସଂଘର ସଦସ୍ୟ ମାନଙ୍କୁ ନେଇ ବିଶ୍ୱ ବରିଷ୍ଠ ନାଗରିକଙ୍କୁ ଦୁର୍ବ୍ୟବହାର ନକରିବା ନିମନ୍ତେ ସଚେତନତା ଦିବସ ପାଳିତ ହୋଇଯାଇଛି। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମରେ ଜିଲ୍ଲା ଆଇନସେବା ପ୍ରାଧିକରଣର ସଚିବ ରାଜଶ୍ରୀ ପଟ୍ଟନାୟକ ପୌରହିତ୍ୟ କରିଥିଲେ। ମୟୂରଭଞ୍ଜ ବରିଷ୍ଠ ନାଗରିକ ମଞ୍ଚର ସାଧାରଣ ସମ୍ପାଦକ ଡା. ଶ୍ୟାମସୁନ୍ଦର ଦାସ ଅନ୍ୟତମ ଅତିଥି ଭାବରେ ଯୋଗଦେଇଥିଲେ। ଏହି ଅବସରେ ଯୋଗଦେଇଥିବା ବରିଷ୍ଠ ନାଗରିକମାନଙ୍କୁ ସରକାରଙ୍କ ପକ୍ଷରୁ ଉପଲବ୍ଧ ଥିବା ବିଭିନ୍ନ ଯୋଜନା ବିଷୟରେ ଅବଗତ କରାଯାଇଥିଲା। ବିଭିନ୍ନ ଅଧିକାର ଏବଂ ଆନୁଷଙ୍ଗିକ ନିୟମାବଳୀଗୁଡ଼ିକ ବିଷୟରେ ମଧ୍ୟ ବିସ୍ତୃତ ଭାବରେ ସଚେତନ କରାଯାଇଥିଲା। କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମକୁ ପରିଚାଳନା କରିବାରେ ଜିଲ୍ଲା ଆଇନସେବା ପ୍ରାଧିକାରଣର ସମସ୍ତ ଉପସ୍ଥିତ ସଦସ୍ୟ ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ।

## ନାଳସାହିରେ ଜମୁଛି ରଜ ମହୋତ୍ସବ

କେନ୍ଦୁଝର,୧୫।୬(ସମିସ): କେନ୍ଦୁଝର ସଦର ବ୍ଲକ ଅନ୍ତର୍ଗତ ପଦ୍ମପୁର ପଞ୍ଚାୟତ ଭାଟୁଣିଆଁ ନାଳସାହି ଅଙ୍ଗନବାଡ଼ି ପଡ଼ିଆରେ ରଜ ମହୋତ୍ସବ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଛି। ଏଠାରେ ଦୁଇଟି ପଟାଦୋଳି, ଦୁଇଟି ଖାଇଦୋଳି, ଚକ୍ରି ଦୋଳି ନିର୍ମାଣ କରାଯାଇଛି। ଶତ୍ରୁଘ୍ନ ଦେହୁରୀ ପୂଜାର୍ଚ୍ଚନା କରିବା ପରେ ଦୋଳି ଖେଳ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିଲା। ଝିଅ, ବୋହୂ, ମହିଳାମାନେ ହସଖୁସିରେ ଦୋଳିରେ ବସି ଗୀତ ବୋଲିଥିଲେ। ଏହି ଅବସରରେ କ୍ରୀଡ଼ା ପ୍ରତିଯୋଗିତା ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥିଲା। ରଜ ମହୋତ୍ସବ ୪ଦିନ ଧରି ଚାଲିବ ବୋଲି ଜଣାପଡିଛି। ଭାଟୁଣିଆଁ ନାଳସାହିର ନିରୋଦ ଦେହୁରୀ, ନବକିଶୋର ଦେହୁରୀ, ଗଜାନନ ନାଏକ, ଅଜିତ ନାଏକ, ଶମ୍ଭୁନାଥ ଦେହୁରୀ, ସତ୍ୟାନନ୍ଦ ଦେହୁରୀ, ଦିଲ୍ଲୀପ ଦେହୁରୀ, ମାମି ଦେହୁରୀ, ଗୁଲ ଦେହୁରୀ, ସଞ୍ଜୁଲତା ଦେହୁରୀ, ପୁଦନା ଦେହେରୀ, ସୁଖୁରୀ ଦେହୁରୀ ପ୍ରମୁଖ ସହଯୋଗ କରୁଛନ୍ତି।

## ଜିଲ୍ଲାସ୍ତରୀୟ ମେଧାବୀ ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା ସମାରୋହ

ବାରିପଦା,୧୫।୬(ସମିସ): ସ୍ଥାନୀୟ ରୋଟାରୀ କ୍ଲବରେ କୁଡୁମାଲୀ କଲଚ୍ରାଲ ଆସୋସିଏସନ ଆନୁକୁଲ୍ୟରେ ସଂଗଠନର ୨୯ତମ ମୟୂରଭଞ୍ଜ ଜିଲ୍ଲାସ୍ତରୀୟ ମେଧାବୀ ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା ସମାରୋହ ଅନୁଷ୍ଠାନର ସଭାପତି ଡ. ଭକ୍ତହରି ମହାନ୍ତଙ୍କ ଅଧକ୍ଷତାରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଏଥିରେ ମୁଖ୍ୟଅତିଥି ଭାବେ ରାଜ୍ୟସଭା ସାଂସଦ ମମତା ମହାନ୍ତ, ମୁଖ୍ୟବକ୍ତା ଭାବେ ଏବସରପ୍ରାପ୍ତ ପ୍ରଧାପକ ଗୋପବନ୍ଧୁ ମହାନ୍ତ, ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଅତିଥିଭାବେ ଛୋଟଲାଲ ମହାନ୍ତ ଏବଂ ସମ୍ମାନିତ ଅତିଥି ଭାବେ ଗଣେଶ୍ୱର ମହାନ୍ତ, ଆଡଭୋକେଟ ପଦ୍ମଲୋଚନ ମହାନ୍ତ, ପିସିସିର ଅଧକ୍ଷ ହରିଭକ୍ତ ମହାନ୍ତ, ଇଂ. ଯୁଧିଷ୍ଠିର ମହାନ୍ତ, ଡା. ପ୍ରଭାସ ଚନ୍ଦ୍ର ମହାନ୍ତ ଓ ଇଂ. ରଜନୀ ମହାନ୍ତ ଯୋଗଦେଇ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନଙ୍କୁ ଭଲ ପାଠପଢି ସମାଜର ଉଚ୍ଚତର ସୋପାନକୁ ଯିବା ପାଇଁ ଉପଦେଶ ଦେଇଥିଲେ। ଆସୋସିଏସନର ସମ୍ପାଦକ ଚିତ୍ତରଞ୍ଜନ

ମହାନ୍ତ ମଞ୍ଚ ପରିଚାଳନା କରିଥିଲେ। ଜିଲ୍ଲାର ଦଶମ ଓ ଦ୍ୱାଦଶ ଶ୍ରେଣୀରେ ଭଲ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରିଥିବା କୁଡୁମୀ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀଙ୍କୁ ସାର୍ଟିଫିକେଟ, ପୁରସ୍କାର ଓ ପୁଷ୍ପଗୁଚ୍ଛ ଦେଇ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧନା କରାଯାଇଥିଲା। ପିଜିଟି ଭାବେ ନୂତନ ନିଯୁକ୍ତି ପାଇଥିବା ଡାଫୋଡିଲ ମହାନ୍ତଙ୍କୁ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧିତ କରାଯାଇଥିଲା। ଦଶମ ଶ୍ରେଣୀର ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧିତ ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀମାନେ ହେଲେ ଅର୍ପିତ ମହାନ୍ତ, ସତ୍ୟଜିତ ମହାନ୍ତ, ମିନାକ୍ଷୀ ମହାନ୍ତ, ଶୁଭସ୍ମିତା ମହାନ୍ତ, ସଂକେତ ମହାନ୍ତ, ଅଂଶୁମାନ ମହାନ୍ତ, ଯାଜ୍ଞସେହ୍ନା ମହାନ୍ତ, କ୍ରିଷ୍ଣା ମହାନ୍ତ ଓ ଶ୍ରେୟା ମହାନ୍ତ। ସେହିପରି ଦ୍ୱାଦଶ ପରୀକ୍ଷାରେ ସମ୍ବର୍ଦ୍ଧିତ ହୋଇଥିବା ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ ହେଲେ ସଦିଚ୍ଛା ମହାନ୍ତ, ବେଦପ୍ରକାଶ ମହାନ୍ତ, ସୌରଭ ମହାନ୍ତ, ସୁବଳ ମହାନ୍ତ, କ୍ରିଷ୍ଣା ମହାନ୍ତ ଓ ରୁଦ୍ର ପ୍ରତାପ ମହାନ୍ତ। ସଭାକାର୍ଯ୍ୟ ଆରମ୍ଭରେ ସଂଗଠନର ଦିବଙ୍ଗତ ସଭାପତି ଡ. ହୃଦାନନ୍ଦ ମହାନ୍ତ ଓ ବିଶିଷ୍ଟ ଝୁମର ଗୌରବ ସ୍ୱର୍ଗତ ସୌରୀଦତ୍ତ ମହାନ୍ତଙ୍କ ଫୋଟଚିତ୍ରରେ ଅତିଥିମାନେ ପୁଷ୍ପାର୍ଘ ଅର୍ପଣ କରିଥିଲେ। ଶେଷରେ କିଶୋର କୁମାର ମହାନ୍ତଙ୍କ ପରିଚାଳନାରେ ପୂର୍ବଭାରତ ଝୁମର ପ୍ରତିଷ୍ଠାନ ଝୁମର ନାଚ ଓ ଗୀତ ପରିବେଷଣ କରିଥିଲେ। ପଟେଲ ମହାନ୍ତ ଧନ୍ୟବାଦ ଦେଇଥିଲେ।

# ବାରିପଦା ସହରର ବିକାଶ ପାଇଁ ଡିପିଆର୍ ପ୍ରସ୍ତୁତ

ବାରିପଦା,୧୫।୬(ସମିସ):

- ପାଲବଣିରେ ଆନ୍ତରାଜ୍ୟ ବସ୍‌ଷ୍ଟାଣ୍ଡ
- ନୂତନ ଜିଲ୍ଲାପାଳ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ
- କ୍ରୁଟ୍ ସେବାରେ ୨୧ଟି ଇଭିବସ୍ ପ୍ରଚଳନ
- ବୁଢାବଳଙ୍ଗ ନଦୀରେ ବ୍ୟାରେଜ ସହ ରିଂରୋଡ୍

ରାଜ୍ୟ ଗୃହ ନିର୍ମାଣ ଓ ନଗର ଉନ୍ନୟନ ତଥା ସାଧାରଣ ଉଦ୍ୟୋଗ ବିଭାଗ ମନ୍ତ୍ରୀ ଡା. କୃଷ୍ଣଚନ୍ଦ୍ର ମହାପାତ୍ରଙ୍କ ନିଜ ସହର ବାରିପଦା ସହରର ବିକାଶ ନେଇ ତଥ୍ୟ ରଖିଛନ୍ତି। ହୋଲି ପ୍ୟାଲେସ ସମ୍ମିଳନୀ କକ୍ଷରେ କେନ୍ଦ୍ର ସରକାରଙ୍କ ୧୧ ବର୍ଷ ଓ ରାଜ୍ୟ ସରକାରଙ୍କ ବର୍ଷ ପୂର୍ତ୍ତି ଅବସରରେ ବିଜେପି ପକ୍ଷରୁ ଆହୂତ ସାମ୍ବାଦିକ ସମ୍ମିଳନୀରେ ଯୋଗଦେଇ ମନ୍ତ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ମହାପାତ୍ର ସରକାରଙ୍କ ଯୋଜନାର ସୁଫଳ କିପରି ଜନସାଧାରଣ ପାଉଛନ୍ତି ତାହା କହିକହିବା ସହିତ ନିଜ ସହର ବାରିପଦା ଓ ଜିଲ୍ଲାର ବିକାଶ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ଡିପିଆର ପ୍ରସ୍ତୁତ ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ତଥ୍ୟ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ। କ୍ରମବର୍ଦ୍ଧିଷ୍ଣୁ ବାରିପଦା ସହରକୁ ପରିବର୍ଦ୍ଧିତ କରିବା ପାଇଁ ରୁପସା-ବାଙ୍ଗିରିପୋଷି ରେଳପଥର ବାଇପାସ ଓ ନୂତନ ଷ୍ଟେସନ ନିର୍ମାଣ ଖୁବଶୀଘ୍ର ବୋଲି ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି। ଜାମଶୋଳ ରେଳ ଷ୍ଟେସନରୁ କୁଚେଇ ଷ୍ଟେସନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଏହି ବାଇପାସ ରେଳପଥ ଯୋଜନା ସାଙ୍ଗକୁ ସହର ବାହାରେ ଏକ ଷ୍ଟେସନ ହେବାକୁ ଯାଉଛି। ରେଳମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଅନୁରୋଧ ପରେ ତା'ର ସର୍ଭେ ଓ ଡିପିଆର ପ୍ରସ୍ତୁତ ଚାଲିଛି ବୋଲି କହିଛନ୍ତି। ସେହିପରି ୧୮ ନଂ ଜାତୀୟ ରାଜପଥର ବାରିପଦା ସହର ବାଇପାସ ଓଭରବ୍ରିଜ ପାଲବଣୀରୁ ମଞ୍ଚାବନ୍ଧା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପରିବର୍ଦ୍ଧିତ କରାଯିବା ସହିତ ଛାଞ୍ଚ ଠାରେ ୫ଏକର ପରିମୀତ ଜମିରେ ୧୦୦କୋଟି ଟଙ୍କା ବ୍ୟୟ ଅଟକଳରେ ଆନ୍ତରାଜ୍ୟ ବସଷ୍ଟାଣ୍ଡ ନିର୍ମାଣ ହେବ। ସହରରେ କ୍ରୁଟ ବସ(ଟାଉନବସ) ସେବା ଦ୍ୱାରା ୨୧ଟି ଇଭି ବସ ଚଳାଚଳ କରିବ। ଷ୍ଟେସନ ବଜାର ସାପ୍ତାହିକ ହାଟକୁ ଦୈନିକ ମାର୍କେଟରେ ରୂପାନ୍ତରିତ ସହିତ ରେଗୁଲାର କନସେପ୍ଟରେ ମାର୍କେଟ କମ୍ପ୍ଲେକ୍ସ ନିର୍ମାଣ ପାଇଁ ରାଉରକେଲା ଏନଆଇଟିକୁ ଡିଜାଇନିଂ ପ୍ରସ୍ତୁତ ପାଇଁ ଦିଆଯାଇଛି। ଏହାଫଳରେ ଗୋଟିଏ ସ୍ଥାନରେ ସମସ୍ତ ସାମଗ୍ରୀ ସହିତ ପନିପରିବା, ମାଛ, ମାଂସ ଓ ଗ୍ରୋସେରୀ ସଉଦା ବିକ୍ରି ବଟା ହେବ। ସେହିପରି ଦୀର୍ଘଦିନର ଦାବି ଅନୁସାରେ ସହରକୁ ବନ୍ୟାଦାଉରୁ ରକ୍ଷା ପାଇଁ ବୁଢାବଳଙ୍ଗ ନଦୀର ରିଂରୋଡ ନିର୍ମାଣ ସହିତ ଏକ ବ୍ୟାରେଜ ନିର୍ମାଣ ହେବ। ଫଳରେ ସହରର ପାନୀୟଜଳ ସମସ୍ୟାର ସ୍ଥାୟୀ ସମାଧାନ କରାଯିବ ବୋଲି ମନ୍ତ୍ରୀ କହିଛନ୍ତି। ତତସହିତ ପୁରୁଣା ରାଜପ୍ରାସାଦର ଓ ଜୁବଲୀ ଲାଇବ୍ରେରୀର ପୁନରୁଦ୍ଧାର, ରକ୍ଷଣାବେକ୍ଷଣ ସାଙ୍ଗକୁ ସୌନ୍ଦର୍ଯ୍ୟକରଣ କରାଯିବ। ରାଜାରାଜୁଡା ଅମଳର ଶହେ ବର୍ଷରୁ ଅଧିକ ପୁରାତନ କୋଠାମାନଙ୍କରେ ବିକ୍ଷିପ୍ତ ଭାବେ ଚାଲିଥିବା ଜିଲ୍ଲାପାଳ/ଉପଜିଲ୍ଲାପାଳ ଓ ଅନ୍ୟାନ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ପାଇଁ ଗୋଟିଏ ସ୍ଥାନରେ ଗୋଟିଏ କୋଠାରେ ନୂତନ ଜିଲ୍ଲାପାଳ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ ନିର୍ମାଣ ହେବ। ଏଥିପାଇଁ ୧୦୦କୋଟି ଅଟକଳ ରଖାଯାଇଛି ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି। 'ବିକଶିତ ଭାରତ ବିକଶିତ ଓଡ଼ିଶା' ଗଠନରେ ବାରିପଦକୁ ରାଜ୍ୟର ଏକ ନମ୍ବର ସହର ଭାବେ ତୋଳିବାକୁ ସେ ଗଣମାଧ୍ୟମର ସହଯୋଗ ଓ ପ୍ରସ୍ତାବ କାମନା କରିଥିଲେ। ସେହିପରି ଶିଳ୍ପବିହୀନ ମୟୂରଭଞ୍ଜ ଜିଲ୍ଲାରେ ଏକ ଗ୍ରୀନ ହାଇଡ୍ରୋଜେନ ପ୍ଲାଣ୍ଟ ସ୍ଥାପନ, ଅମର୍ଦ୍ଦା ଏୟାର ଷ୍ଟ୍ରିପ୍ ପୁନଃ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ଷମ ଓ ସୀତାକୁଣ୍ଡ ଜଳପ୍ରପାତକୁ ଆକର୍ଷଣୀୟ ପର୍ଯ୍ୟଟନସ୍ଥଳୀ ଭାବେ ଗଢି ତୋଳିବାକୁ ପ୍ରସ୍ତାବ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ହେବାକୁ ଯାଉଛି ବୋଲି ସୂଚନା ଦେଇଛନ୍ତି। ମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ସହିତ ସାମ୍ବାଦିକ ସମ୍ମିଳନୀରେ ରାଜ୍ୟସଭା ସାଂସଦ ମମତା ମହାନ୍ତ, ବାରିପଦା ବିଧାୟକ ପ୍ରକାଶ ସୋରେନ, ପୂର୍ବତନ ବିଧାୟକ ବିଜେପି ସାଙ୍ଗଠନିକ ଜିଲ୍ଲା(ପୂର୍ବ ଭାଗ) ସଭାପତି ନିହାର ମୋହି, ରାଜ୍ୟ ପ୍ରବକ୍ତା କବି ବିଷ୍ଣୁ ଶତପଥୀ ଓ ପୂର୍ବତନ ଜିଲ୍ଲାପରିଷଦ ଅଧକ୍ଷା ସୁଜାତା ମୁର୍ମୁ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ।

## ଦୁଇ ବାଇକ୍ ଧକ୍କା; ବାପା ମୃତ, ପୁଅ ସୁରକ୍ଷିତ

ବାଲିବନ୍ଧ, ୧୫।୬ (ସମିସ): ଝୁମ୍ପୁରା ଥାନା ଅନ୍ତର୍ଗତ ନହବେଡ଼ା ପଞ୍ଚାୟତ କଙ୍କଡ଼ାଯୋଡ଼ି ଘାଟି ନିକଟରେ ଦୁଇ ବାଇକ ମୁହାଁମୁହିଁ ଧକ୍କା ହୋଇଥିଲା। ଏଥିରେ ବାଇକ ଚାଳକ ବାପା ପ୍ରାଣ ହରାଇଥିବା ବେଳେ ମୃତ୍ୟୁ ୧୦ ମାସର ପୁଅ ଏବଂ ସ୍ତ୍ରୀ ଜ୍ୟୋତି ମୁଣ୍ଡା ବର୍ତ୍ତି ଯାଇଛନ୍ତି। ମୃତ ବାଇକ ଚାଳକ ଜଣକ ହେଲେ ସଦର ଥାନା ଅନ୍ତର୍ଗତ ସତୀକୁଦର ଗ୍ରାମର ଶିବା ମୁଣ୍ଡା (୨୨ ବର୍ଷ)। ଶନିବାର ନିଜ ଗାଁରୁ ଶିବା ମୁଣ୍ଡା ବାଇକ ଯୋଗେ ସ୍ତ୍ରୀ ସହ ପୁଅ ଏବଂ ଭାଇ ବିଜୁ ମୁଣ୍ଡାଙ୍କ ସହ ବାମେବାରୀ ଥାନା ଖଣ୍ଡବନ୍ଧ (ଜଳହରୀ) ସ୍ଥିତ ଶଶୁର ଘରକୁ ଯାଉଥିଲେ। ଝୁମ୍ପୁରା ଥାନା ନହବେଡ଼ା ପଞ୍ଚାୟତ (କଟଲପଶି-ଧାତିକା ରାସ୍ତା) କଙ୍କଡାଯୋଡି ଘାଟି ନିକଟରେ ବିପରୀତ ଦିଗରୁ ଆସୁଥିବା ଓଡି୦୯ଜି ୫୧୮୨ ନମ୍ବର ବାଇକ ସହ ମୁହାଁମୁହିଁ ଧକ୍କା ହୋଇଥିଲା। ବାଇକ ସହ ଛୁଆପିଲା ଓ ଶିବା ମୁଣ୍ଡା ଛିଟିକି ପଡ଼ିଥିଲେ। ଶିବା ମୁଣ୍ଡା ଗୁରୁତର ଆଘାତପ୍ରାପ୍ତ ହୋଇଥିବା ବେଳେ ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକେ ୧୦୮ ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ଯୋଗେ ଝୁମ୍ପୁରା ମେଡିକାଲକୁ ପଠାଇଥିଲେ। ସେଠାରେ ଚିକିତ୍ସାଧୀନ ଅବସ୍ଥାରେ ତାଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ ଘଟିଥିଲା। ଅନ୍ୟ ବାଇକ ଚାଳକ ଘଟଣାସ୍ଥଳରୁ ଫେରାର ହୋଇଯାଇଛି। ପୁଲିସ ମାମଲା ରୁଜୁକରି ରବିବାର ଶବ ବ୍ୟବଚ୍ଛେଦ କରାଇବା ସହ ଘଟଣାର ତଦନ୍ତ ଜାରି ରଖିଛି।

## କଂଗ୍ରେସ ପଞ୍ଚାୟତ ପରିଷଦ ସଭାପତିଙ୍କ ଦାୟିତ୍ୱ ଗ୍ରହଣ

କରଞ୍ଜିଆ,୧୫।୬(ସମିସ): ଅଖିଳ ଭାରତ କଂଗ୍ରେସ ପଞ୍ଚାୟତ ପରିଷଦର ସଭାପତି ତଥା ପୂର୍ବତନ କେନ୍ଦ୍ରମନ୍ତ୍ରୀ ସୁବୋଧ କାନ୍ତ ସହାୟଙ୍କ ନିଷ୍ପତ୍ତି କ୍ରମେ ଏବଂ ପୂର୍ବତନ ବିଧାୟକ ଅକ୍ଷୟ କୁମାର ଆଚାର୍ଯ୍ୟଙ୍କ ଅନୁମୋଦନ କ୍ରମେ ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ଶିକ୍ଷକ

ତଥା ଅଞ୍ଚଳର ଆଦିବାସୀ ନେତା ଅଖିଳ ଚନ୍ଦ୍ର ନାଏକଙ୍କୁ ମୟୂରଭଞ୍ଜ (ପଶ୍ଚିମ) ଜିଲ୍ଲାର ପଞ୍ଚାୟତ ପରିଷଦ ସଭାପତି ଭାବେ ନିଯୁକ୍ତି ପାଇଛନ୍ତି। ନୂତନ ନିଯୁକ୍ତି ପାଇବା ପରେ ଭାରତୀୟ ଜାତୀୟ କଂଗ୍ରେସର ସଭାପତି ମଲ୍ଲିକାର୍ଜୁନ ଖଡଗେ, ବରିଷ୍ଠ ନେତା ରାହୁଲ ଗାନ୍ଧୀ, ସୋନିଆ ଗାନ୍ଧୀ, ପ୍ରିୟଙ୍କା ଗାନ୍ଧୀ, ସୁବଧକାନ୍ତ ସହାୟ, ପିସିସି ସଭାପତି ଭକ୍ତ ଚରଣ ଦାସ, ଅକ୍ଷୟ କୁମାର ଆଚାର୍ଯ୍ୟ, ସ୍ଥାନୀୟ ବରିଷ୍ଠ କଂଗ୍ରେସ ନେତା ଭୁବନ ବିହାରୀ ସାହୁ ପ୍ରମୁଖଙ୍କୁ ଧନ୍ୟବାଦ ଜଣାଇଛନ୍ତି। ସମସ୍ତ କଂଗ୍ରେସ କର୍ମୀଙ୍କୁ କୃତଜ୍ଞତା ଜଣାଇଛନ୍ତି।

# ନାଇଜେରିଆରେ ଶହେ ଜଣଙ୍କୁ ଗୁଳିକରି ହତ୍ୟା

ଅବୁଜା, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ନାଇଜେରିଆ ବେନ୍ୟୁ ରାଜ୍ୟର ଗୁମା ଅନ୍ତର୍ଗତ ୟେଲେୱାଟାଠାରେ ଆତଙ୍କବାଦୀ ନରସଂହାର କରିଛନ୍ତି। ସଶସ୍ତ୍ର ଆକ୍ରମଣକାରୀ ଗ୍ରାମବାସୀଙ୍କୁ ଚାରିପଟୁ ଘେରି ଗୁଳିମାଡ଼ କରିଛନ୍ତି। ଏଥିରେ ଶହେରୁ

## ଅନେକଙ୍କୁ ଘରେ ବନ୍ଦ କରି ଜିଅନ୍ତା ଜାଳିଦେଲେ

ଅଧିକ ଲୋକଙ୍କ ଜୀବନ ଯାଇଛି। ଶତାଧିକ ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି। ଅନେକ ଲୋକ ନିଖୋଜ ମଧ୍ୟ ଅଛନ୍ତି। କିନ୍ତୁ ଦୁଃଖର ବିଷୟ ଏହି କି ଯେ ଆହତଙ୍କୁ ଏ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଜରୁରୀ ଚିକିତ୍ସା ସୁବିଧା ମିଳିପାରି ନାହିଁ। ଶୁକ୍ରବାର ରାତିରେ ଏହି ଆକ୍ରମଣ ହୋଇଥିବାବେଳେ ରବିବାର ଏହା ସାମ୍ନାକୁ ଆସିଛି। ମାନବାଧିକାର ଗୋଷ୍ଠୀ ଆମେନିଷ୍ଟି ଇଣ୍ଟରନ୍ୟାସନାଲ ନାଇଜେରିଆ ପକ୍ଷରୁ ସାମାଜିକ ଗଣମାଧ୍ୟମରେ ଏହି ସୂଚନା ଦିଆଯାଇଛି। ଏହି ଗୋଷ୍ଠୀବଦ୍ଧ ଆକ୍ରମଣରେ ଆକ୍ରମଣକାରୀ ଗାଁର ଅନେକ ପରିବାରକୁ ତାଙ୍କ ଘରେ ବନ୍ଦ କରି ଜିଅନ୍ତା ଜାଳି ଦେଇଥିଲେ। ଏଥିରେ ଲୋକେ ଏଭଳି ଭାବେ ଜଳି ଯାଇଛନ୍ତି ଯେ ମୃତଦେହ ଚିହ୍ନଟ କରିବା ମଧ୍ୟ କଷ୍ଟସାଧ୍ୟ ହୋଇଯାଇଛି। ବେନ୍ୟୁ ପୁଲିସ ଏହି ମାମଲାର ସୂଚନା ଦେଇଛି। କିନ୍ତୁ କିଏ ଓ କାହିଁକି ଆକ୍ରମଣ କରିଥିଲା ଏବଂ କେତେ ଜଣ ପ୍ରାଣ ହରାଇଛନ୍ତି ତାହାର ତଥ୍ୟ ଦେଇ ନାହିଁ। ବେନ୍ୟୁ ନାଇଜେରିଆର ମଧ୍ୟ ବେଲ୍ଟରେ ରହିଛି। ଏହାର ଉତ୍ତରରେ ମୁସଲମାନ ସଂଖ୍ୟାଗରିଷ୍ଠ। କିନ୍ତୁ ଦକ୍ଷିଣରେ ଅଧିକାଂଶ ଖ୍ରୀଷ୍ଟିଆନ ରହୁଛନ୍ତି। ଜମି ଏବଂ ପାଣିକୁ ନେଇ ଉଭୟ ସମ୍ପ୍ରଦାୟ ମଧ୍ୟରେ ସବୁବେଳେ ସଂଘର୍ଷ ହେଉଛି। ଜନଜାତି ଏବଂ ଧାର୍ମିକ ଭାଗବଣ୍ଟା ଯୋଗୁଁ ଝଗଡ଼ା ଦିନକୁ ଦିନ ବଢ଼ିବାରେ ଲାଗିଛି। ଜମିକୁ ନେଇ ମୁସଲମାନ ଏବଂ ଖ୍ରୀଷ୍ଟିଆନ ପଶୁପାଳକ ଓ କୃଷକଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ପ୍ରତିଯୋଗିତା ହେଉଛି।

# ଚିହ୍ନଟ ହେଲା ରୂପାଣୀଙ୍କ ମୃତଦେହ, ଅନ୍ତ୍ୟେଷ୍ଟି ଆଜି

ଅହମଦାବାଦ, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ଅହମଦାବାଦ ବିମାନ ଦୁର୍ଘଟଣାରେ ପ୍ରାଣ ହରାଇଥିବା ଗୁଜରାଟର ପୂର୍ବତନ ମୁଖ୍ୟମନ୍ତ୍ରୀ ବିଜୟ ରୂପାଣୀଙ୍କ ମୃତଦେହ ଚିହ୍ନଟ କରାଯାଇଛି। ରବିବାର ତାଙ୍କ ଡିଏନଏ ମିଶିଛି।

## ଚିହ୍ନଟ ହେଲାଣି ୪୭ ମୃତଦେହ

## ୨୪ ମୃତଦେହ ସମ୍ପର୍କୀୟଙ୍କୁ ହସ୍ତାନ୍ତର

ସୋମବାର ଅପରାହ୍ଣ ୩ଟାରେ ରାଜକୋଟରେ ତାଙ୍କର ଅନ୍ତିମ ସଂସ୍କାର କରାଯିବ ବୋଲି ପରିବାର ପକ୍ଷରୁ ସୂଚନା ଦିଆଯାଇଛି। ଗତ ୧୨ ତାରିଖରେ ହୋଇଥିବା ଏହି ବିମାନ ଦୁର୍ଘଟଣା ଜନିତ ମୃତ୍ୟୁସଂଖ୍ୟା ୨୭୫ରେ ପହଞ୍ଚି ଯାଇଛି। ଅହମଦାବାଦ ସିଭିଲ ହସ୍ପିଟାଲ ପ୍ରଶାସନ ପକ୍ଷରୁ କୁହାଯାଇଛି ଯେ ଏ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ୨୩୦ ପରିବାର ସହ ଯୋଗାଯୋଗ କରାଗଲାଣି। ଆଜି ସକାଳ ସୁଦ୍ଧା ୨୪୮ ମୃତଦେହର ଡିଏନଏ ନମୁନା ସଂଗ୍ରହ କରାଯାଇଛି। ୪୭ ମୃତଦେହ ଚିହ୍ନଟ କରାଯାଇଛି। ମୃତ୍ୟୁ ପ୍ରମାଣପତ୍ର ସହିତ ୨୪ଟି ମୃତଦେହ ସମ୍ପର୍କୀୟଙ୍କୁ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି। ଆମ୍ବୁଲାନ୍ସ ମାଧ୍ୟମରେ ମୃତଦେହକୁ ପଠା ଯାଉଛି। ଏଥିପାଇଁ ୨୩୦ ଟିମ୍ ଗଠନ କରାଯାଇଛି। ଏମାନେ ମୃତକଙ୍କ ସମ୍ପର୍କୀୟଙ୍କ ସହ ଯୋଗାଯୋଗ କରୁଛନ୍ତି। ଦୁର୍ଘଟଣାରେ ପ୍ରାଣ ହରାଇଥିବା ୧୧ ବିଦେଶୀ ନାଗରିକଙ୍କ ସମ୍ପର୍କୀୟ ଆଜି ଅହମଦାବାଦରେ ପହଞ୍ଚି ପାରନ୍ତି। ସେହିପରି ମୃତଦେହ ରଖିବା ପାଇଁ ଭଦୋଦରାରୁ ୧୦୦ କଫିନ ଅହମଦାବାଦ ଅଣାଯାଇଛି। ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟାଳୟ (ପିଏମଓ) ଟିମ୍ ଏବଂ ବୋଇଂ ଟିମ୍ ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚିଛି। ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ପ୍ରମୁଖ ସଚିବ ପିକେ ମିଶ୍ରା ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚି ସ୍ଥିତି ଅନୁଧ୍ୟାନ କରିଛନ୍ତି। ସେ ଅହମଦାବାଦ ହସ୍ପିଟାଲକୁ ଯାଇ ଆହତଙ୍କ ସହ ମଧ୍ୟ କଥା ହୋଇଛନ୍ତି। ଏହି ଦୁର୍ଘଟଣା ଗଭୀର ଆଘାତ ଦେଇଛି ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି।

## ଏୟାର ଇଣ୍ଡିଆକୁ ଶନିଦଶା

### ଭଦୋଦରାରେ ଜରୁରୀ ଅବତରଣ

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ଏୟାର ଇଣ୍ଡିଆର ସଙ୍କଟ ଥମିବାର ନା ଧରୁନି। ଅହମଦାବାଦ ବିମାନ ଦୁର୍ଘଟଣା ପରେ ରବିବାର ସନ୍ଧ୍ୟାରେ ନୂଆଦିଲ୍ଲୀରେ କମ୍ପାନୀର ଆଉ ଏକ ବିମାନ ଜରୁରୀ ଅବତରଣ କରିଛି। ସୂଚନା ଅନୁଯାୟୀ ଦିଲ୍ଲୀର ଇନ୍ଦିରା ଗାନ୍ଧୀ ଅନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ବିମାନ ବନ୍ଦର (ଆଇଜିଆଇ)ରୁ ସନ୍ଧ୍ୟା ୬ଟା ୫୧ରେ ଦିଲ୍ଲୀ-ଭଦୋଦରା (ଏଆଇ-୮୧୯) ବିମାନ ଉଡ଼ାଣ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲା। ମାତ୍ର ଏହା ପରେ ପାଇଲଟ୍ ଲ୍ୟାଣ୍ଡିଂ ଗିୟରରେ ସମସ୍ୟା ଥିବା ଆଶଙ୍କା କରିଥିଲେ। ଏହା ପରେ ଦିଲ୍ଲୀ ଏୟାର ଟ୍ରାଫିକ କଣ୍ଟ୍ରୋଲ (ଏଟିସି)କୁ ସୂଚନା ଦେଇଥିଲେ। ସତର୍କତାମୂଳକ ପଦକ୍ଷେପ ସ୍ୱରୂପ ଏହାକୁ ଦିଲ୍ଲୀ ଫେରାଇ ଅଣା ଯାଇଥିଲା। ଉଡ଼ାଣର ଅଧଘଣ୍ଟା ପରେ ୭ଟା୨୦ରେ ଆଇଜିଆଇରେ ବିମାନ ଜରୁରୀ ଅବତରଣ କରିଥିଲା। ଏଥିପାଇଁ ବିମାନବନ୍ଦରରେ ସମସ୍ତ ପ୍ରସ୍ତୁତି କରାଯାଇଥିଲା। ସବୁ କିଛି ଯାଞ୍ଚ କରିବା ପରେ ଏହା ରାତିରେ ଉଡ଼ାଣ ଭରିବ।

### ଏସି ନାହିଁ, ଗରମରେ ୫ ଘଣ୍ଟା ସିଝିଲେ ଯାତ୍ରୀ

ଦୁବାଇ, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ସମସ୍ୟା ଏୟାର ଇଣ୍ଡିଆ କମ୍ପାନୀର ପିଛା ଛାଡୁ ନାହିଁ। ଏୟାର ଇଣ୍ଡିଆ ଏକ୍ସପ୍ରେସର ବିମାନ ଆଇଏକ୍ସ-୧୯୬ରେ ଏସି କାମ କରିନାହିଁ। ଏଥିପାଇଁ ଯାତ୍ରୀ ବିନା ଏସିରେ ୫ ଘଣ୍ଟା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଗରମରେ ସିଝିଥିଲେ। ଯାତ୍ରୀଙ୍କୁ ବିମାନବନ୍ଦରକୁ ଯିବାକୁ ମଧ୍ୟ ଦିଆଯାଇ ନ ଥିଲା। ବିମାନ ଭିତରେ ରହିବାକୁ ବାଧ୍ୟ କରାଯାଇଥିଲା ବୋଲି ଅଭିଯୋଗ ହୋଇଛି। ଗତ ୧୩ ତାରିଖରେ ଦୁବାଇରୁ ରାଜସ୍ଥାନର ଜୟପୁର ଆସୁଥିବା ବିମାନରେ ଏହି ସ୍ଥିତି ଦେଖା ଯାଇଥିଲା। ଯାନ୍ତ୍ରିକ ତ୍ରୁଟି ଯୋଗୁଁ ଏହି ବିମାନ ୫ ଘଣ୍ଟା ବିଳମ୍ବରେ ଉଡ଼ାଣ କରିଥିଲା। ଏହି ବିମାନର ଭିଡିଓ ଭାଇରାଲ ହେବାରେ ଲାଗିଛି। ୪୦ ଡିଗ୍ରୀ ତାପମାତ୍ରାରେ ଯାତ୍ରୀ ବିମାନ ଭିତରେ ରହି ହାତରେ କାଗଜ ଧରି ବିଞ୍ଚି ହେଉଥିବାର ଦେଖାଯାଉଛି। ଏଥିଯୋଗୁଁ କିଛି ବରିଷ୍ଠ ନାଗରିକଙ୍କ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟାବସ୍ଥା ମଧ୍ୟ ବିଗିଡି ଯାଇଥିଲା। ବିମାନରେ ପର୍ଯ୍ୟାପ୍ତ ପାଣି ବି ନ ଥିଲା। ଏଥିପାଇଁ ବିମାନ କମ୍ପାନୀର ପରିଚାଳକଙ୍କୁ ଦାୟୀ କରିବାକୁ ଡିଜିସିଏ ନିକଟରେ ଯାତ୍ରୀ ଦାବି କରିଛନ୍ତି।

### ଗୌହାଟୀ-କୋଲକାତା ବିମାନ ୧୮ ଘଣ୍ଟା ବିଳମ୍ବ

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ଏୟାର ଇଣ୍ଡିଆ ଏକ୍ସପ୍ରେସର ବିମାନ ଆଇଏକ୍ସ-୧୨୨୬ ବିମାନ ଯାତ୍ରୀଙ୍କ ପାଇଁ ଖରାପ ସ୍ୱପ୍ନ ସଦୃଶ ହୋଇଛି। ଗୌହାଟୀରୁ କୋଲକାତା ଯାତ୍ରା କରିବାକୁ ଥିବା ଏହି ବିମାନର ଉଡ଼ାଣରେ ୧୮ ଘଣ୍ଟା ବିଳମ୍ବ ହୋଇଛି। ଯାନ୍ତ୍ରିକ ତ୍ରୁଟି ଦେଖାଯିବା ଯୋଗୁଁ ବିମାନକୁ ଦୁଇ ଦୁଇ ଥର ଅଟକାଇ ଦିଆଯାଇଛି। ଏହି ବିମାନରେ ୧୭୦ ଯାତ୍ରୀ ଯାତ୍ରା କରୁଥିଲେ। ଏହା ଶନିବାର ରାତି ୯ଟା ୨୦ରେ ଲୋକପ୍ରିୟ ଗୋପୀନାଥ ବରୋଦୋଲୋଇ ଅନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ବିମାନବନ୍ଦରରୁ ଛାଡ଼ିବାର ଥିଲା। ଯାତ୍ରୀ ବସି ସାରିଥିବା ସତ୍ତ୍ୱେ ବିମାନକୁ ମଧ୍ୟରାତ୍ରିରେ ଅନେକ ଘଣ୍ଟା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଅଟକାଇ ଦିଆଯାଇଥିଲା। ରାତି ୧ଟା୩୦ରେ ଯାତ୍ରୀଙ୍କୁ ପ୍ରଥମେ ଲାଉଞ୍ଜ ଏବଂ ପରେ ହୋଟେଲକୁ ନିଆଯାଇଥିଲା। ଏଠାରେ ଜଳଖିଆ କରିବାକୁ ମଧ୍ୟ ଦିଆଯାଇ ନ ଥିଲା। ଏହା ପରେ ସକାଳେ ପୁଣି ଯାତ୍ରୀଙ୍କୁ ବିମାନବନ୍ଦରକୁ ନିଆଯାଇ ସମାନ ସମସ୍ୟା ଲାଗି ଫେରାଇ ଅଣା ଯାଇଥିଲା। ଶେଷରେ ଅନ୍ୟ ଏକ ବିମାନରେ ରବିବାର ଅପରାହ୍ଣ ୩ଟା ୩୪ରେ ଯାତ୍ରୀଙ୍କୁ ଗନ୍ତବ୍ୟସ୍ଥଳକୁ ପଠା ଯାଇଥିଲା।

# ଜନ୍ମଦିନରେ ଟ୍ରମ୍ପଙ୍କ ବିରୋଧରେ ବିକ୍ଷୋଭ

ୱାଶିଂଟନ, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ସାରା ବିଶ୍ୱକୁ ଗଣତନ୍ତ୍ରର ଶିକ୍ଷା ଦେଉଥିବା ଆମେରିକା ଉପରେ ଏକଛତ୍ରବାଦର ଅଭିଯୋଗ ଲାଗିଛି। ଆମେରିକା ସେନାର ୨୫୦ତମ ପ୍ରତିଷ୍ଠା ଦିବସ, ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ଡୋନାଲ୍ଡ ଟ୍ରମ୍ପଙ୍କ ଜନ୍ମଦିନ (ଶନିବାର)କୁ ନେଇ ଖୁସିର ମାହୋଲ ଥିବାବେଳେ ରବିବାର ହଜାର ହଜାର ଲୋକ ରାଷ୍ଟ୍ରପତିଙ୍କ ବିରୋଧରେ ରାସ୍ତାକୁ ଓହ୍ଲାଇଛନ୍ତି। ଗୋଟିଏ ପଟେ ଟ୍ରମ୍ପ ସେନାକୁ ସମ୍ବୋଧନ କରିଥିବାବେଳେ ଅନ୍ୟପଟେ ତାଙ୍କ ବିରୋଧରେ ବିକ୍ଷୋଭ ପ୍ରଦର୍ଶନ ଉଗ୍ର ହୋଇଛି। ଗଣତାନ୍ତ୍ରିକ ରାଷ୍ଟ୍ରରେ ଏକଛତ୍ରବାଦର ଶାସନ ଚାଲିଛି ବୋଲି ବିକ୍ଷୋଭକାରୀ ଅଭିଯୋଗ କରିଛନ୍ତି। କଥା କଥାରେ ଅନ୍ୟ ଦେଶକୁ ଗଣତନ୍ତ୍ରର ପରାମର୍ଶ ଦେଉଥିବା ଆମେରିକା ଆଜି ନିଜେ ଏଥିରେ ଛନ୍ଦି ହୋଇଯାଇଛି। ଲୋକଙ୍କ ଅଧିକାରକୁ ଟ୍ରମ୍ପ ପ୍ରଶାସନ ଦଳିଚକଟି ଦେଉଥିବା ଅଭିଯୋଗ କରି ଲୋକେ ରାସ୍ତାକୁ ଓହ୍ଲାଇଛନ୍ତି। ଟ୍ରମ୍ପଙ୍କ ନୀତି ବିଶେଷ କରି ପ୍ରବାସୀଙ୍କ ବିରୋଧରେ ହେଉଥିବା କାର୍ଯ୍ୟାନୁଷ୍ଠାନକୁ ବିରୋଧ କରି ଶନିବାର ଦେଶରେ ବଡ଼ଧରଣର ବିକ୍ଷୋଭ ପ୍ରଦର୍ଶନ ହୋଇଥିଲା। ଆଜି ମଧ୍ୟ ଏହା ଜାରି ରହିଛି। ଅନେକ ସହରରେ ବିକ୍ଷୋଭ କରାଯାଇଛି। ରାଜା ଶାସନ ଚାଲିବ ନାହିଁ ବୋଲି ବିକ୍ଷୋଭକାରୀ ସ୍ଲୋଗାନ ଦେଇଛନ୍ତି। ଆଟଲାଣ୍ଟା, ଫିଲାଡେଲଫିଆ, ସିକାଗୋ, ନ୍ୟୁୟର୍କ, ଅଷ୍ଟିନ, ଲସ୍ ଆଞ୍ଜେଲସ ଏବଂ ହ୍ୟୁଷ୍ଟନ ସମେତ ଅନ୍ୟ ସହର ଗୁଡିକରେ ଲୋକେ 'ନୋ କିଙ୍ଗ୍ସ: ଡେ ଅଫ୍ ଡିଫାୟନ୍ସ' ନାମରେ ବିରୋଧ କରାଯାଇଛି। ସଡ଼କ, ପାର୍କ ଏବଂ ପୁଲିସ ପୋଷ୍ଟ ଗୁଡିକର ବିକ୍ଷୋଭ କରାଯାଇଛି। ଏଥିରେ ଲକ୍ଷାଧିକ ଲୋକ ସାମିଲ ହୋଇଥିଲେ। ଟ୍ରମ୍ପ ଗଣତାନ୍ତ୍ରିକ ସଂସ୍ଥାକୁ ଦୁର୍ବଳ କରି ରାଜା ଭଳି ବ୍ୟବହାର କରୁଥିବା ସେମାନେ ଅଭିଯୋଗ କରିଛନ୍ତି। ଏକଛତ୍ରବାଦ ଚଳିବ ନାହିଁ ଏବଂ ପ୍ରବାସୀଙ୍କ ଅଧିକାର ଜିନ୍ଦାବାଦ ସ୍ଲୋଗାନ ଦିଆଯାଇଛି।

ଆଜି ଆମେରିକା ସମାଜର ୨ଟି ଝଲକ ଦେଖିବାକୁ ମିଳିଥିଲା। ଗୋଟିଏ ପଟେ ସେନା ଶୌର୍ଯ୍ୟ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରି ଇତିହାସ ସୃଷ୍ଟି କରିଥିବାବେଳେ ଅନ୍ୟପଟେ ଗଣତାନ୍ତ୍ରିକ ଏବଂ ଲୋକଙ୍କ ଅଧିକାର ପାଇଁ ସ୍ୱର ଉଠିଛି। ଟ୍ରମ୍ପଙ୍କ ଏହି ପରେଡ ତାଙ୍କ ସମର୍ଥକଙ୍କ ପାଇଁ ଉତ୍ସବ ଆଣିଥିବାବେଳେ ବିରୋଧୀଙ୍କ ତାଙ୍କୁ ଚେତାବନୀ ଦେଇଛନ୍ତି। ଏହି ପ୍ରଦର୍ଶନ ସମୟରେ କିଛିଇ ସ୍ଥାନରେ ହିଂସା ହୋଇଛି। ଲସ୍ ଆଞ୍ଜେଲସ ଏବଂ ପୋର୍ଟଲାଣ୍ଡରେ ପୁଲିସ ପ୍ରଦର୍ଶନକାରୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ସଂଘର୍ଷ ହୋଇଛି। ଆନ୍ଦୋଳନକାରୀଙ୍କୁ ଘଉଡାଇବା ପାଇଁ ଲୁହବୁହା ଗ୍ୟାସ ମାଡ କରାଯାଇଛି। ଏଥିରେ ଅନେକ ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି। ସଲ୍ଟ ଲେକ୍ ସିଟିରେ ପୁଲିସ ଫାଙ୍କା ଗୁଳିଚାଳନା କରିଛି। ଏଥିରେ ଜଣେ ଗୁରୁତର ଆହତ ହୋଇଛନ୍ତି।

# ଦୁଇ ଭାଇ ଠକିନେଲେ ୨୬୭୬ କୋଟି

ଜୟପୁର, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ରାଜସ୍ଥାନରୁ ବଡ଼ ଠକେଇ ମାମଲା ସାମ୍ନାକୁ ଆସିଛି। ସିକର ଜିଲ୍ଲାର ଦୁଇ ଭାଇ ସୁଭାଷ ବିଜାରାନୀ ଏବଂ ରଣବୀର ବିଜାରାନୀ ସ୍ମାର୍ଟ ସିଟି ନାମରେ ଲୋକଙ୍କୁ ଠକି ସର୍ବସ୍ୱାନ୍ତ କରିଦେଇଛନ୍ତି। ଦୁହେଁ ଅଧିକ ରିଟର୍ଣ୍ଣ, ପ୍ଲଟ୍, ଫ୍ଲାଟ୍‌ର ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ଦେଇ ସାରା ଦେଶରୁ ପ୍ରାୟ ୭୦ ହଜାର ଲୋକଙ୍କଠାରୁ ୨,୬୭୬ କୋଟି ଟଙ୍କା ଠକି ନେଇଛନ୍ତି। ଏହି ଠକେଇ ପାଇଁ ସେ ସଂସ୍ଥା ମଧ୍ୟ ଗଢ଼ିଥିଲେ। ନିଯୁକ୍ତି ଦେଇ ଲୋକଙ୍କୁ ଠକିବାର ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ଦେଇଥିଲେ। ଯେତେ ଅଧିକ ନିବେଶକ ଯୋଡିବେ ସେତେ ଅଧିକ କମିଶନ ସହିତ ବାଇକ୍, ଲ୍ୟାପଟପ୍, କାର୍ ଆଦି ଦେବାକୁ ଏଜେଣ୍ଟମାନଙ୍କୁ ପ୍ରତିଶ୍ରୁତି ଦେଇଥିଲେ। ଶେଷରେ ନିବେଶକ ବିପୁଳ ଟଙ୍କା ଧରି ଦୁଇ ଭାଇ ଅଫିସ ବନ୍ଦ କରି ଫେରାର ହୋଇ ଯାଇଥିଲେ। ରାଜସ୍ଥାନ ଯୋଧପୁର ପୁଲିସ ଏହି ମାମଲା ରୁଜୁ କରି ତଦନ୍ତ ଆରମ୍ଭ କରିଛି। ଇଡି ମଧ୍ୟ ମାମଲା ହାତକୁ ନେଇଛି। ଗତ ଗୁରୁବାର ଏଜେନ୍ସି ଏହି ମାମଲାରେ ୨୫ ଠିକଣାରେ ଚଢ଼ଉ କରିଥିଲା।

ସୂଚନା ଅନୁଯାୟୀ ସୁଭାଷ ଏବଂ ରଣବୀର ୨୦୨୧ରେ 'ନେକ୍ସା ଏଭରଗ୍ରୀନ୍' ନାମରେ କମ୍ପାନୀ ଖୋଲିଥିଲେ। ଏହାକୁ ଅହମଦାବାଦରେ ପଞ୍ଜିକୃତ କରିଥିଲେ। ଗୁଜୁରାଟର 'ଧୋଲେରା ସ୍ମାର୍ଟ ସିଟି' ପ୍ରକଳ୍ପର ଫଟୋ ଦେଖାଇ ନିବେଶକଙ୍କୁ ଆକୃଷ୍ଟ କରିଥିଲେ। ରଣବୀର ପ୍ରଥମେ ୨୦୧୪ରେ ଏବଂ ପରେ ଅବସରପ୍ରାପ୍ତ ସେନା କର୍ମଚାରୀ ସୁଭାଷ ୩୦ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ଦେଇ ଧୋଲେରାରେ ଜମି କିଣିଥିଲେ। ଏଠାରେ ନିଜର ୧୩୦୦ ବିଘା ଜମି ରହିଛି ଏବଂ ଏହା ବିଶ୍ୱସ୍ତରୀୟ ସସ ସ୍ମାର୍ଟସିଟି ହେବାକୁ ଯାଉଥିବା କହି ଲୋକଙ୍କୁ ଭୁଆଁ ବୁଲାଇ ଥିଲା। ଏଥିରେ ଦୁଇ ଭାଇଙ୍କୁ ସଲିମ୍ ଖାନ, ସମୀର, ଦାତାର ସିଂହ, ରକ୍ଷାପାଲ, ଓମପାଲ ଏବଂ ସନୱାରମାଲ ଆଦି ସହଯୋଗ କରିଥିଲେ। ଏମାନଙ୍କ ମାଧ୍ୟମରେ ଏଜେଣ୍ଟ ନିଯୁକ୍ତ କରି ୧୫୦୦ କୋଟି ଟଙ୍କାର କମିଶନ ବାଣ୍ଟି ନେଇଗଲେ। ଠକେଇ ଅର୍ଥରୁ ୧୩୦୦ ବିଘା ଜମି, ରାଜସ୍ଥାନରେ ବିଳାସପୂର୍ଣ୍ଣ କାର, ଖଣି ଏବଂ ହୋଟେଲ, ଅହମଦାବାଦରେ ଫ୍ଲାଟ୍ ଏବଂ ଗୋଆରେ ୨୫ଟି ରେସ୍ତୋରାଁ କିଣିଥିଲେ। ନଗଦ ଆକାରରେ ୨୫୦ କୋଟି ନେଇଥିଲେ। ଅବଶିଷ୍ଟ ଟଙ୍କାକୁ ୨୭ଟି ସେଲ୍ କମ୍ପାନୀକୁ ହସ୍ତାନ୍ତର କରିଥିଲେ।

■ ଜେସିବିରେ ମାଟିଖୋଳା

# ଏକାସଙ୍ଗେ ଭୁଶୁଡ଼ିଲା ୬ କୋଠା; ୩ ମୃତ

ମଥୁରା, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ଉତ୍ତର ପ୍ରଦେଶ ମଥୁରାର ଗୋବିନ୍ଦ ନଗର ଅଞ୍ଚଳରେ ରବିବାର ଦ୍ୱିପହରେ ବଡ଼ ଅଘଟଣ ଘଟିଛି। ଜେସିବିରେ ମାଟି ଖୋଳା ଚାଲିଥିବାବେଳେ ୬ଟି କୋଠା ଏକାଥରକେ ଭୁଶୁଡ଼ି ଯାଇଛି। ଏହି ଦୁର୍ଘଟଣାରେ ୩ ଜଣଙ୍କ ଜୀବନ ଯାଇଛି। ୪ ଜଣଙ୍କୁ ଅବଶେଷ ତଳୁ ଉଦ୍ଧାର କରାଯାଇଛି। ଆହୁରି ୬-୭ ଜଣ ଅବଶେଷ ତଳେ ଫସି ରହିଥିବା କୁହାଯାଉଛି। ଏହାର ସୂଚନା ପାଇବା ପରେ ପୁଲିସ, ନଗର ନିଗମ, ପ୍ରଶାସନ ଏବଂ ଅଗ୍ନିଶମ ବାହିନୀ ଦଳ ଘଟଣାସ୍ଥଳରେ ପହଞ୍ଚି ଥିଲା। ପରେ ଏନଡିଆର୍‌ଏଫ ଏଥିରେ ସାମିଲ ହୋଇଛି। ବିଳମ୍ବିତ ରାତି ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଉଦ୍ଧାର କାର୍ଯ୍ୟ ଜାରି ରହିଛି। ମୃତକଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ତୋତାରାମ (୩୮), ଦୁଇ ଭଉଣୀ ଯଶୋଦା (୬) ଏବଂ କାବ୍ୟ (୬) ସାମିଲ ଅଛନ୍ତି। ସୂଚନା ଅନୁଯାୟୀ ଭୁଶୁଡି ଯାଇଥିବା ସମସ୍ତ ୬ଟି ଘର ମାଟିର ଢିପି ଉପରେ ନିର୍ମିତ ହୋଇଥିଲା। ପ୍ରତ୍ୟକ୍ଷଦର୍ଶୀଙ୍କ ଅନୁଯାୟୀ ଏଠାରେ ଥିବା ଖାଲି ଜମିରେ ଜେସିବି ଖୋଳୁଥିଲା। ହଠାତ୍ ମାଟି ଭୁଶୁଡ଼ି ପଡ଼ିଲା ଏବଂ ଗୋଟିଏ ପରେ ଗୋଟିଏ ସମସ୍ତ ଘର ଭଗ୍ନାଂଶରେ ଅବଶେଷରେ ପରିଣତ ହୋଇଗଲା। ଏହି ସମୟରେ ଭୂମିକମ୍ପ ହୋଇଥିବା ପରି ଅନୁଭବ ହୋଇଥିଲା।

## ସାଇପ୍ରସରେ ମୋଦୀ; ସ୍ୱାଗତ କଲେ ରାଷ୍ଟ୍ରପତି

ନିକୋସିଆ, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ପ୍ରଧାନମନ୍ତ୍ରୀ ନରେନ୍ଦ୍ର ମୋଦୀ ରବିବାର ସାଇପ୍ରସରେ ପହଞ୍ଚିଛନ୍ତି। ସାଇପ୍ରସ ରାଷ୍ଟ୍ରପତି ନିକୋସ କ୍ରିଷ୍ଟୋଡୌଲିଡେସ ତାଙ୍କୁ ବିମାନବନ୍ଦରରେ ସ୍ୱାଗତ କରିଛନ୍ତି। ମୋଦୀଙ୍କ ହାତ ଧରି ନିକୋଶ ପାଛୋଟି ନେଇଛନ୍ତି। ଏହା ପରେ ମୋଦୀ ସାଇପ୍ରସର ଲିମାସୋଲ ଯାଇଥିଲେ। ହୋଟେଲ ବାହାରେ ଭାରତୀୟ ସମୁଦାୟର ଲୋକଙ୍କୁ ଭେଟିଥିଲେ। ଦୁଇ ଦେଶ ମଧ୍ୟରେ ବ୍ୟାପାର ବୃଦ୍ଧିକୁ ନେଇ ମୋଦୀ ଏବଂ ନିକୋଶଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ବୈଠକ ହୋଇଥିଲା। ଏଥିରେ ବ୍ୟବସାୟୀକ ବର୍ଗ ମଧ୍ୟ ସାମିଲ ହୋଇଥିଲେ। ସାଇପ୍ରସ ପରେ ମୋଦୀ କାନାଡ଼ା ଗସ୍ତ କରି ଜି-୭ ଶିଖର ସମ୍ମିଳନୀରେ ସାମିଲ ହେବେ।

## ଆଜି ଜାରି ହେବ ବିଜ୍ଞପ୍ତି

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ସ୍ୱରାଷ୍ଟ୍ର ମନ୍ତ୍ରୀ ଅମିତ ଶାହା ରବିବାର ଏକ ବୈଠକ କରି ଆଗାମୀ ଜନଗଣନା ପାଇଁ ଚାଲିଥିବା ପ୍ରସ୍ତୁତିର ସମୀକ୍ଷା କରିଛନ୍ତି। ଏହି ବୈଠକରେ ସ୍ୱରାଷ୍ଟ୍ର ସଚିବ ଗୋବିନ୍ଦ ମୋହନ ଏବଂ ରେଜିଷ୍ଟ୍ରାର ଜେନେରାଲ ଆଣ୍ଡ ସେନ୍‌ସସ୍ କମିଶନର ମୃତ୍ୟୁଞ୍ଜୟ କୁମାର ନାରାୟଣ ଏବଂ ଅନ୍ୟ ବରିଷ୍ଠ ଅଧିକାରୀ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ।

**ଜନଗଣନାକୁ ନେଇ ଶାହାଙ୍କ ସମୀକ୍ଷା ବୈଠକ**

ଭାରତର ୧୬ତମ ଜନଗଣନା ୨୦୨୭ ମାର୍ଚ୍ଚ ୧ରେ ଆରମ୍ଭ ହେବ। ତେବେ ଲଦାଖ ଭଳି ବରଫ ଆଚ୍ଛାଦିତ ଅଞ୍ଚଳରେ ଏହା ୨୦୨୬ ଅକ୍ଟୋବରରୁ ପ୍ରାରମ୍ଭ ହେବ। ପ୍ରଥମ ଥର ପାଇଁ ଜନଗଣନାରେ ଜାତିଗତ ତଥ୍ୟ ସଂଗ୍ରହ କରାଯିବ। ଏ ନେଇ ସୋମବାର ବିଧିବଦ୍ଧ ଭାବେ ବିଜ୍ଞପ୍ତି ଜାରି ହେବ ବୋଲି ସୂଚନା ମିଳିଛି। ଏହି ଜନଗଣନା ଦୁଇଟି ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ହେବ। ପ୍ରଥମ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ହାଉସଲିଷ୍ଟିଂ ଅପରେସନ (ଏଚ୍‌ଏଲ୍‌ଓ) ଏବଂ ପରେ ଜନସଂଖ୍ୟା ଗଣନା ହେବ। ଜନଗଣନା କାପାଇଁ, ପ୍ରାୟ ୩୪ ଲକ୍ଷ ଗଣନାକାରୀ ଓ ପର୍ଯ୍ୟବେକ୍ଷକ ଏବଂ ପ୍ରାୟ ୧.୩ ଲକ୍ଷ ଜନଗଣନା କାର୍ଯ୍ୟକର୍ତ୍ତାଙ୍କୁ ନିୟୋଜିତ କରାଯିବ।

**କାଳ ପାଲଟିଛି ପରକୀୟା ପ୍ରୀତି**

# ୫ ବର୍ଷରେ ନିଜ ସିନ୍ଦୂର ପୋଛିଛନ୍ତି ୭୮୫ ପତ୍ନୀ

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି):

ପରକୀୟାପ୍ରୀତି କାଳ ପାଲଟି ଯାଉଛି। ପତ୍ନୀଙ୍କ ଅବୈଧ ସମ୍ପର୍କ ଲାଗି ଅନେକ ସ୍ୱାମୀଙ୍କ ଜୀବନ ଯାଉଛି। ରାଜା ରଘୁବଂଶୀ ହୁଅନ୍ତୁ ଅବା ମିରଠର ସୌରଭ ରାଜପୁତ କିମ୍ବା ଭିୱାନୀର ପ୍ରବୀଣ ହତ୍ୟାକାଣ୍ଡ ସବୁଥିରେ ପତ୍ନୀ ଏବଂ ତାଙ୍କ ପ୍ରେମିକଙ୍କ ହାତ ରହିଛି। ପରକୀୟାପ୍ରୀତି ପାଇଁ ସମାଜ, ସଂସ୍କୃତି ଏବଂ ସଂସ୍କାରକୁ ବି ଦେଖୁନାହାନ୍ତି। ପ୍ରେମ ପାଇବା ପାଇଁ ଛଳ କରୁଛନ୍ତି। ମିଛ କହୁଛନ୍ତି। ଏପରିକି ଅନ୍ୟର ଜୀବନ ନେବାକୁ ମଧ୍ୟ ପଛାଉ ନାହାନ୍ତି। ଗତ କିଛି ବର୍ଷ ହେଲା ଏଭଳି ମାମଲା ଅଧିକ ବୃଦ୍ଧି ପାଇଛି। କାହାର ବିବାହ ପୂର୍ବରୁ ତ ଆଉ କାହାର ବିବାହ ପରେ ପ୍ରେମ ହେଉଛି। ଏହାର ଫଳ ନିରୀହ ସ୍ୱାମୀଙ୍କୁ ଭୋଗିବାକୁ ପଡୁଛି। ହାତ ଧରି ଘରକୁ ଆଣିଥିବା ପତ୍ନୀ ହିଁ ସ୍ୱାମୀ ପାଇଁ କାଳ ପାଲଟି ଯାଉଛି। କେଉଁଠି ନୀଳ ଡ୍ରମରେ ମୃତଦେହ ମିଳୁଛି ତ ଆଉ କେଉଁଠି ହତ୍ୟାକରି ନାଳରେ ଫୋପାଡ଼ି ଦିଆଯାଉଛି। ଏଭଳି ଅନେକ ମାମଲା ଦେଶରେ ଚର୍ଚ୍ଚାରେ ରହିଛି।

କ୍ରାଇମ ଡାଟା ଏବଂ ରିପୋର୍ଟ ଅନୁଯାୟୀ ଗତ ୫ ବର୍ଷରେ ଦେଶର ୫ ରାଜ୍ୟରେ ୭୮୫ ପତ୍ନୀ ନିଜେ ନିଜ ସିନ୍ଦୂର ପୋଛିଛନ୍ତି। ପରକୀୟାପ୍ରୀତି ପାଇଁ ସ୍ୱାମୀଙ୍କୁ ମାରି ଦିଆଯାଇଛି। ଏହି ରାଜ୍ୟ ମଧ୍ୟରେ ମଧ୍ୟପ୍ରଦେଶ, ଉତ୍ତର ପ୍ରଦେଶ, ବିହାର, ରାଜସ୍ଥାନ ଏବଂ ମହାରାଷ୍ଟ୍ର ସାମିଲ ରହିଛି। ସେହିପରି ଦେଶରେ ବର୍ଷକୁ ୨୭୫ ସ୍ୱାମୀଙ୍କୁ ହତ୍ୟା କରାଯାଉଛି। ଏହି ତଥ୍ୟ ଅନେକ ପ୍ରଶ୍ନବାଚୀ ସୃଷ୍ଟି କରିଛି। ସ୍ୱାମୀଙ୍କୁ ହତ୍ୟା କରିବା ପାଇଁ ମହିଳା କାହିଁକି ଚାହୁଁଛନ୍ତି ବୋଲି ପ୍ରଶ୍ନ ଉଠୁଛି।

ରିପୋର୍ଟ ଅନୁଯାୟୀ ସ୍ୱାମୀଙ୍କ ହତ୍ୟାରେ ୟୁପି ଆଗରେ ରହିଛି। ଏଠାରେ ୨୦୨୦ରେ ୨୦ ଜଣ, ୨୦୨୧ରେ ୫୨ ଜଣ, ୨୦୨୨ରେ ୬୦ ଜଣ, ୨୦୨୩ରେ ୫୫ ଜଣ ଏବଂ ୨୦୨୪ରେ ୬୨ ଜଣ ସ୍ୱାମୀଙ୍କୁ ହତ୍ୟା କରାଯାଇଥିଲା। ଏହି କ୍ରମରେ ବିହାରରେ ୩୦ ଜଣ, ୩୫

**ବର୍ଷକୁ ୨୭୫ ସ୍ୱାମୀଙ୍କୁ କରାଯାଉଛି ହତ୍ୟା**

ଜଣ , ୪୦ ଜଣ, ୩୯ ଜଣ ଏବଂ ୪୨ ଜଣ ସ୍ୱାମୀଙ୍କୁ ମାରି ଦିଆଯାଇଥିଲା। ସେହିପରି ରାଜସ୍ଥାନରେ ଗତ ୫ ବର୍ଷରେ ୨୦ ଜଣ, ୨୫ ଜଣ, ୨୮ ଜଣ, ୩୦ ଜଣ, ୩୫ ଜଣ, ମହାରାଷ୍ଟ୍ରରେ ୧୫ଜଣ, ୧୮ ଜଣ, ୨୦ ଜଣ, ୨୨ ଜଣ ଏବଂ ୨୫ ଜଣ, ମଧ୍ୟପ୍ରଦେଶରେ ୧୨ ଜଣ, ୧୫ ଜଣ, ୧୮ ଜଣ, ୨୦ ଜଣ ଏବଂ ୨୨ ଜଣ ସ୍ୱାମୀଙ୍କୁ ହତ୍ୟା କରାଯାଇଥିଲା। ୨୦୨୨ର ଏନ୍‌ସିଆରବି ରିପୋର୍ଟ ଅନୁଯାୟୀ ହତ୍ୟାରେ ପ୍ରେମ ବ୍ୟାପାର ତୃତୀୟ ବଡ଼ କାରଣ ହୋଇଛି। ଏକ ଯାଞ୍ଚରୁ ଜଣାପଡ଼ିଛି ଯେ ଭାରତରେ ପ୍ରତି ବର୍ଷ ୨୭୫ ସ୍ୱାମୀଙ୍କୁ ସ୍ତ୍ରୀ ହତ୍ୟା କରୁଛନ୍ତି। ବ୍ରିଟିଶ ମେଡିକାଲ ଜର୍ଣ୍ଣାଲ 'ଦ ଲାନସେଟ'ରେ ପ୍ରକାଶିତ ଏକ ରିପୋର୍ଟ ଅନୁଯାୟୀ ମହିଳାଙ୍କ ସମ୍ବନ୍ଧିତ ୬୦ ପ୍ରତିଶତ ହତ୍ୟା ପଛରେ ତାଙ୍କର ବର୍ତ୍ତମାନ କିମ୍ବା ପୂର୍ବତନ ପ୍ରେମିକର ହାତ ରହିଛି। ଦେଶରେ ୧୦ରୁ ଗୋଟିଏ ହତ୍ୟା ପଛରେ ପ୍ରେମିକ, ପତି କିମ୍ବା ପତ୍ନୀ ଦ୍ୱାରା କରାଯାଇଥାଏ। ୨୦୧୦ରୁ ୨୦୧୪ ମଧ୍ୟରେ ପ୍ରେମ ସମ୍ବନ୍ଧ ଏବଂ ସମ୍ପର୍କ ସମ୍ବନ୍ଧିତ ହତ୍ୟାର ଅନୁପାତ ୭ରୁ ୮ ପ୍ରତିଶତ ମଧ୍ୟରେ ଥିଲା। ମାତ୍ର ୨୦୧୫ରୁ ୨୦୨୨ ମଧ୍ୟରେ ଏହା ୧୦ରୁ ୧୧ ପ୍ରତିଶତରେ ପହଞ୍ଚି ଯାଇଛି।

# ୨୪ ଘଣ୍ଟାରେ ୧୦ କରୋନା ରୋଗୀଙ୍କ ମୃତ୍ୟୁ

## ଚିକିତ୍ସାଧୀନ ରୋଗୀସଂଖ୍ୟା ୭୩୮୩କୁ ବୃଦ୍ଧି

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ଦେଶରେ କରୋନା ମହାମାରୀ ଦ୍ରୁତଗତିରେ କାୟା ମେଲାଇବାରେ ଲାଗିଛି। ସଂକ୍ରମିତଙ୍କ ସଂଖ୍ୟା ଏବଂ ମୃତ୍ୟୁସଂଖ୍ୟା ବୃଦ୍ଧି ପାଇବାରେ ଲାଗିଛି। ଗତ ୨୫ ଘଣ୍ଟା ମଧ୍ୟରେ ୧୦ ଜଣ ଲୋକ ପ୍ରାଣ ହରାଇଛନ୍ତି। କରୋନାର ଏହି ନୂଆ ପ୍ରଜାତି ଦିନକରେ ସର୍ବାଧିକ ଜୀବନ ନେଇଛି। ମୃତକଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ କେରଳରେ ୫ ଜଣ, ଦିଲ୍ଲୀରେ ୩ ଜଣ ଏବଂ ମହାରାଷ୍ଟ୍ରରେ ଜଣେ ସାମିଲ ଅଛନ୍ତି। ଜାନୁଆରୀ ପରଠାରୁ ଏ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ୯୭ ଜଣ ରୋଗୀଙ୍କ ପ୍ରାଣ ହରାଇଲେଣି। ସେହିପରି ଦେଶର ୩୧ଟି ରାଜ୍ୟ ଏବଂ କେନ୍ଦ୍ରଶାସିତ ଅଞ୍ଚଳରେ ସକ୍ରିୟ ମାମଲା ସଂଖ୍ୟା ୭୩୮୩ରେ ପହଞ୍ଚି ଯାଇଛି। ତେବେ ଆଶ୍ୱସ୍ତିର ବିଷୟ ଏହି କି ଯେ ରବିବାର କୌଣସି ନୂଆ ରୋଗୀ ଚିହ୍ନଟ ହୋଇନାହାନ୍ତି। ଏହି ସମୟରେ ୧୭ ଜଣ ରୋଗୀ ସୁସ୍ଥ ହୋଇଛନ୍ତି। କେରଳରେ ସର୍ବାଧିକ ୨୦୦୭ ଜଣ, ଗୁଜରାଟରେ ୧୪୪୧ ଏବଂ ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗରେ ୭୪୭ ରୋଗୀ ଚିକିତ୍ସାଧୀନ ଅଛନ୍ତି।

ଏହା ମଧ୍ୟରେ କରୋନା ମାମଲା ବୃଦ୍ଧିକୁ ଦେଖି ଉତ୍ତର ପ୍ରଦେଶ ସରକାର ସତର୍କତା ଅବଲମ୍ବନ କରିବାକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଜାରି କରିଛନ୍ତି। ଆବଶ୍ୟକୀୟ ଔଷଧ, ପିପିଇ କିଟ୍, ପରୀକ୍ଷା ସୁବିଧା, ଆଇସୋଲେସନ୍ ବେଡ୍, ଅକ୍ସିଜେନ୍ ସିଲିଣ୍ଡର, ଆଇସିୟୁ ଏବଂ ଭେଣ୍ଟିଲେଟର ପ୍ରସ୍ତୁତ ରଖିବାକୁ ସବୁ ଡାକ୍ତରଖାନାଗୁଡିକୁ କୁହାଯାଇଛି। ସେହିପରି କେରଳ ସରକାର କରୋନା ଏବଂ ଇନଫ୍ଲୁଏଞ୍ଜାର ଲକ୍ଷଣ ଥିବା ରୋଗୀଙ୍କୁ ଚିକିତ୍ସା କରିବା ୨୦୨୩ ଜୁନ୍‌ରେ ଜାରି ହୋଇଥିବା କୋଭିଡ୍ ନିର୍ଦ୍ଦେଶାବଳୀ ପାଳନ କରିବାକୁ ହସ୍ପିଟାଲଗୁଡ଼ିକୁ ନିର୍ଦ୍ଦେଶ ଦେଇଛି। ହସ୍ପିଟାଲରେ ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ମାସ୍କ ପିନ୍ଧିବା ବାଧ୍ୟତାମୂଳକ କରାଯାଇଛି। ଏହା ସହିତ, ଥଣ୍ଡା, କାଶ ଏବଂ ଜ୍ୱର ଭଳି ଲକ୍ଷଣ ଥିବା ରୋଗୀଙ୍କ ପାଇଁ କୋଭିଡ୍ ପରୀକ୍ଷା ବାଧ୍ୟତାମୂଳକ ହୋଇଛି।

## ଆଜିର ରାଶିଫଳ

**ମେଷ:** ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ କାର୍ଯ୍ୟ ସମ୍ଭାଳି ପାରନ୍ତି । ଦୃଢ଼ ସଂକଳ୍ପ ସହ ଲକ୍ଷ୍ୟ ହାସଲ କରିବାକୁ ଯୋଜନା କରିବେ । ଅଯଥା ଖର୍ଚ୍ଚରୁ ଦୂରେଇ ରୁହନ୍ତୁ । କ୍ଷମତା ଉପରେ ଭରସା ରଖନ୍ତୁ । ବୈବାହିକ ଜୀବନ ସୁଖମୟ ହେବ ।

**ବୃଷ:** ଘନିଷ୍ଠ ଲୋକଙ୍କ ସହଯୋଗ ରହିବ । ଆର୍ଥିକ ଅବସ୍ଥା ସ୍ୱଚ୍ଛଳ ରହିବ । ପୁରୁଣା ବନ୍ଧୁଙ୍କ ସହ ସାକ୍ଷାତ ହେବ । ନିଜକୁ କମଜୋର ଭାବନ୍ତୁ ନାହିଁ । ଛାତ୍ରଛାତ୍ରୀ କୃତକାର୍ଯ୍ୟ ହେବେ । ଦୀର୍ଘ ଦିନର ଆଶା ପୂରଣ ହେବ ।

**ମିଥୁନ:** ଦୂରଯାତ୍ରାରୁ ଥକ୍କାପଣ ଅନୁଭବ କରିବେ । ଅନ୍ୟର ଥଟ୍ଟା ପରିହାସକୁ ଅଣଦେଖା କରନ୍ତୁ । ଦୀର୍ଘ ଦିନରୁ ପଡ଼ିରହିଥିବା କାର୍ଯ୍ୟ ପୂରଣ ହେବ । ପାରିବାରିକ ସୁଖ ଶାନ୍ତି ମିଳିବ । ଯାନବାହନ କ୍ରୟ କରିପାରନ୍ତି ।

**କର୍କଟ:** ନିଜ ପରିଶ୍ରମକୁ ଗୁରୁତ୍ୱ ଦିଅନ୍ତୁ । ମନୋରଞ୍ଜନ ପାଇଁ ଅଧିକ ଖର୍ଚ୍ଚାନ୍ତ ହୋଇପାରନ୍ତି । ଜୀବନସାଥିଙ୍କ ସହଯୋଗ ଲୋଡ଼ିବେ । ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀମାନଙ୍କ ପାଇଁ ଭଲ ସମୟ । ରାଜନେତାଙ୍କ ପାଇଁ ଭଲ ସମୟ ।

**ସିଂହ:** କୌଣସି କାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ପୂର୍ବରୁ ହଜାର ଥର ଚିନ୍ତା କରନ୍ତୁ । ଧନପ୍ରାପ୍ତି ଯୋଗ ରହିଛି । ପିଲାମାନଙ୍କ ଉନ୍ନତିରେ ଖୁସି ଅନୁଭବ କରିବେ । କିଣା-ବିକାରେ ସମୟ ବିତିବ । ବୈବାହିକ ଜୀବନ ସୁଖମୟ ହେବ ।

**କନ୍ୟା:** ଜମି କିଣାବିକା ପାଇଁ ଭଲ ସମୟ । ଆୟ ଅନୁସାରେ ବ୍ୟୟ କମ୍ ହେବ । ପ୍ରିୟଜନଙ୍କ ସହ ଦୂରଯାତ୍ରା କରିପାରନ୍ତି । ପ୍ରେମୀଯୁଗଳଙ୍କ ପାଇଁ ଦିନଟି ଆଦୌ ଭଲ ନୁହେଁ । ଅଫିସ୍ ସହକର୍ମୀଙ୍କ ସହଯୋଗ ମିଳିବ ।

**ତୁଳା:** ପୁରୁଣା ରୋଗରୁ ଆରାମ ମିଳିପାରେ । ଅକସ୍ମାତ ଖୁସି ଖବର ପାଇବେ । ଜୀବନସାଥିଙ୍କ ସହ ଖୁସିର ମୁହୂର୍ତ୍ତ ବିତାଇବେ । ବ୍ୟବସାୟରୁ ଲାଭ ପାଇବେ । କର୍ମକ୍ଷେତ୍ରରେ ନୂତନ ସହଯୋଗୀଙ୍କ ସାହାଯ୍ୟ ମିଳିବ ।

**ବିଛା:** କର୍ମକ୍ଷେତ୍ରରେ ପ୍ରଶଂସା ପାଇବେ । ସାମାଜିକ ଏବଂ ଧାର୍ମିକ ସମାରୋହ ପାଇଁ ଦିନଟି ଭଲ । ବିଦ୍ୟାର୍ଥୀମାନେ କ୍ୟାରିୟର କଥା ଚିନ୍ତା କରିବେ । ସାମାଜିକ କାର୍ଯ୍ୟରେ ସାମିଲ ହେବେ ।

**ଧନୁ:** ବନ୍ଧୁ ମିଳନ ଯୋଗ ରହିଛି । ଅଧିକ ଚିନ୍ତା କରନ୍ତୁନି । ନୂତନ ବ୍ୟବସାୟ ଆରମ୍ଭ କରିପାରିବେ । ପତି-ପତ୍ନୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଉତ୍ତମ ବୁଝାମଣା ରହିବ । ମହିଳାମାନେ ଧର୍ମପରାୟଣା ହେବେ । କଳା ଓ ସାହିତ୍ୟ ପ୍ରତି ରୁଚି ବଢ଼ିବ ।

**ମକର:** ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟପ୍ରତି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ । ଉଧାର ଦେଉଥିଲେ ସାବଧାନ ହୋଇଯାଆନ୍ତୁ । ପରିବାର ସହିତ କିଛି ସମୟ ବିତାନ୍ତୁ । କର୍ମକ୍ଷେତ୍ରରେ ପଦୋନ୍ନତି ଯୋଗ ରହିଛି । ବୟସ୍କ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ପ୍ରତି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ।

**କୁମ୍ଭ:** ସମସ୍ୟାରେ ପଡ଼ିପାରନ୍ତି । ଅତିଥିଙ୍କ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟସମସ୍ୟାକୁ ନେଇ ଚିନ୍ତାପ୍ରକଟ କରିବେ । ପିଲାମାନଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟ କଳାପରେ ଦିନଟି ଭଲରେ ବିତିବ । ଜୀବନସାଥିଙ୍କ ପାଇଁ କୌଣସି କାର୍ଯ୍ୟ ଗଡ଼ବଡ଼ ହୋଇପାରେ ।

**ମୀନ:** ଆଖି ବୁଜି ଅନ୍ୟମାନଙ୍କ ଉପରେ ଭରସା କରନ୍ତୁନି । ନିଜ କଥା ଉପରେ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ରଖନ୍ତୁ । ପିଲାମାନେ ପଢ଼ାପଢ଼ିରେ ଅଧିକ ଧ୍ୟାନ ଦେବେ । ଅପ୍ରିୟ ସତ କହି ସମସ୍ୟାରେ ପଡ଼ିପାରନ୍ତି ।

## ଆଜିର ଇତିହାସ

- ୧୭୭୯ - ସ୍ପେନ୍ ଗ୍ରେଟ୍ ବ୍ରିଟେନ୍ ବିରୋଧରେ ଯୁଦ୍ଧ ଆରମ୍ଭ କଲା ।
- ୧୯୧୧ - ନ୍ୟୁୟର୍କରେ ଆଇବିଏମ୍ କମ୍ପାନିର ସ୍ଥାପନା ହେଲା ।
- ୧୯୨୫- ରାଷ୍ଟ୍ରବାଦୀ ନେତା ଚିତ୍ତରଞ୍ଜନ ଦାସଙ୍କ ଦେହାନ୍ତ ।
- ୨୦୦୭ - ଭାରତୀୟ ବଂଶୋଦ୍ଭବ ସୁନିତା ୱିଲିୟମ୍ସ ମହାକାଶରେ ଅଧିକ ଦିନ ରହିଥିବା ମହିଳା ମହାକାଶକାରୀ ହେବାର ଗୌରବ ଅର୍ଜନ କରିଥିଲେ ।
- ୨୦୧୯ - ନାଇଜେରିଆରେ ବୋମା ବିସ୍ଫୋରଣରେ ୩୦ ଲୋକଙ୍କ ପ୍ରାଣହାନି ।

## ଇଲେକଟ୍ରୋନିକ୍ ଟାଟୁ ମାନସିକ ଥକ୍କାକୁ ଚିହ୍ନଟ କରିବ

ଆମେରିକାର ବୈଜ୍ଞାନିକମାନେ ଏକ ଇଲେକଟ୍ରୋନିକ୍ ଟାଟୁ ବିକଶିତ କରିଛନ୍ତି । ଯାହାକି ମସ୍ତିଷ୍କର ଥକ୍କାପଣକୁ ମାପିବ । ଏହି ଟାଟୁକୁ ମଥାରେ ଲଗାଯିବ । ସେହିପରି ଉକ୍ତ ଟାଟୁ ଟ୍ରକ୍ ଚାଳକ ଏବଂ ଅନ୍ୟ କର୍ମଚାରୀଙ୍କୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବା ଆଶା କରାଯାଉଛି । ଏହା ହେଉଛି ଏକ ଅସ୍ଥାୟୀ ଟାଟୁ । ଟାଟୁଟି ମସ୍ତିଷ୍କର ବୈଦ୍ୟୁତିକ ଗତିବିଧିକୁ ମାପିଥାଏ । ଏହାର ବଡ଼ ବିଶେଷତ୍ୱ ହେଉଛି ଟାଟୁ ତୁରନ୍ତ ଫଳାଫଳ ପ୍ରଦାନ କରିଥାଏ । ଯାହାକୁ ଇଲେକଟ୍ରୋଏନସେଫେଲୋଗ୍ରାଫି (ଇଇଜି) ଏବଂ ଇଲେକଟ୍ରୋଓକୁଲୋଗ୍ରାଫି (ଇଓଜି) କୁହାଯାଏ । ଉକ୍ତ ଟାଟୁ ଚକ୍ଷୁର ଗତିକୁ ମଧ୍ୟ ଟ୍ରାକ୍ କରିଥାଏ । ବୈଜ୍ଞାନିକଙ୍କ ମତରେ, ଟେକ୍ନିକ୍ ଏବେ ମଣିଷଠାରୁ ଅଧିକ ବିକଶିତ ହେଉଛି । ଫଳରେ ମସ୍ତିଷ୍କ ଏହାର ସାଥ୍ ଦେଇ ନ ପାରି ସହଜରେ ଥକ୍କିଯାଏ । ମଣିଷ ଏକ ସନ୍ତୁଳିତ ମାନସିକ ଅବସ୍ଥାରେ ଭଲ କାମ କରିଥାଏ । ଏହାକୁ ଗୋଲଡିଲକ୍ସ ଜୋନ୍ କୁହାଯାଏ । ଏଥିରେ ଅଧିକ ଚିନ୍ତା କି ବିରକ୍ତିକର ପରିସ୍ଥିତି ନ ଥାଏ । ଏହି ସନ୍ତୁଳନ ପ୍ରତ୍ୟେକ ବ୍ୟକ୍ତିଙ୍କ ଲାଗି ଭିନ୍ନ ହୋଇଥାଏ । ତେବେ ପୂର୍ବରୁ ମାନସିକ ଥକ୍କାପଣକୁ ମାପିବା ପାଇଁ ନାସା ଟାସ୍କ ଲୋଡ୍ ଇଣ୍ଡେକସର ଉପଯୋଗ କରାଯାଉଥିଲା । ଏହା ଥିଲା ଏକ ଲମ୍ବା ସର୍ଭେ । ଲୋକେ ଏହାକୁ କାମ ପରେ ପୂରଣ କରୁଥିଲେ । ହେଲେ ଇଲେକଟ୍ରୋନିକ୍ ଟାଟୁ ଏହାକୁ ଆହୁରି ଅଧିକ ସହଜ କରିଛି । ଏହି ଟାଟୁ ହାଲୁକା ଏବଂ ଏଥିରେ ପତଳା ଷ୍ଟିକର୍ ଭଳି ସେନସର୍ ଅଛି । ସେହିପରି ପ୍ରତ୍ୟେକ ମଣିଷଙ୍କ ମସ୍ତିଷ୍କ ଅଲଗା ହୋଇଥାଏ । ତେଣୁ ମୁହଁର ଆକାରକୁ ମାପି ଏହି ଟାଟୁ ତିଆରି କରାଯାଏ । ଗବେଷକମାନେ ଛଅଜଣଙ୍କ ଉପରେ ଏହାର ପରୀକ୍ଷା କରିଥିଲେ । ଏହି ଟାଟୁ ମସ୍ତିଷ୍କର ଥକ୍କାପଣକୁ ସଠିକତାର ସହ ଅନୁମାନ ଲଗାଇଥାଏ ବୋଲି ବୈଜ୍ଞାନିକମାନେ କହିଛନ୍ତି । କେବଳ ସେତିକି ନୁହେଁ ଏହା ଅଲଗା ଅଲଗା ସ୍ତରର ଥକ୍କାକୁ ଚିହ୍ନଟ କରିବାରେ ମଧ୍ୟ ସକ୍ଷମ । ସେମାନେ ଏକ କମ୍ପ୍ୟୁଟର ମଡେଲ ତିଆରି କରିଛନ୍ତି । ଏହି ମଡେଲ ଟାଟୁ ସିଗ୍‌ନାଲରୁ ମାନସିକ ଥକ୍କାକୁ ଚିହ୍ନଟ କରିଥାଏ । । କେଶ ନ ଥିବା ତ୍ୱଚାରେ ଏହି ଟାଟୁ କାମ କରେ । ଗବେଷକମାନେ ଏବେ ଏହାକୁ ଇଙ୍କ ଆଧାରିତ ସେନସର୍ ସହ ଯୋଡ଼ିବା ପାଇଁ ଚେଷ୍ଟା ଚଳାଇଛନ୍ତି ଯଦ୍ୱାରା ଏହା କେଶଯୁକ୍ତ ତ୍ୱଚା ଉପରେ ମଧ୍ୟ କାମ କରିବ । ଏହାଦ୍ୱାରା ପୂରା ମସ୍ତିଷ୍କ ଉପରେ ନଜର ରଖିବା ସହଜ ହେବ । ସେହିପରି ପାରମ୍ପରିକ ଇଇଜି ଉପକରଣର ଦାମ୍ ୧୩ ଲକ୍ଷ ଟଙ୍କା ହୋଇଥିବାବେଳେ ଏହି ଟାଟୁର ବ୍ୟାଟେରି ପ୍ୟାକ୍ ୧୭ ହଜାର ଟଙ୍କା ଏବଂ ଉକ୍ତ ଟାଟୁର ଡିସପୋଜେବଲ ସେନସର୍‌ର ଦାମ୍ ୧୭୦୦ ଟଙ୍କା ରହିଛି । ଏଣୁ ଏହା ଶସ୍ତା ହୋଇଥିବାରୁ ଏହି ଟେକ୍ନିକ ସମସ୍ତଙ୍କ ପାଇଁ ସୁଲଭ ହୋଇପାରିବ । ଅନ୍ୟପକ୍ଷରେ ଏହି ଗବେଷଣା ଡିଭାଇସ୍ ଜର୍ଣ୍ଣାଲରେ ପ୍ରକାଶ ପାଇଛି ।

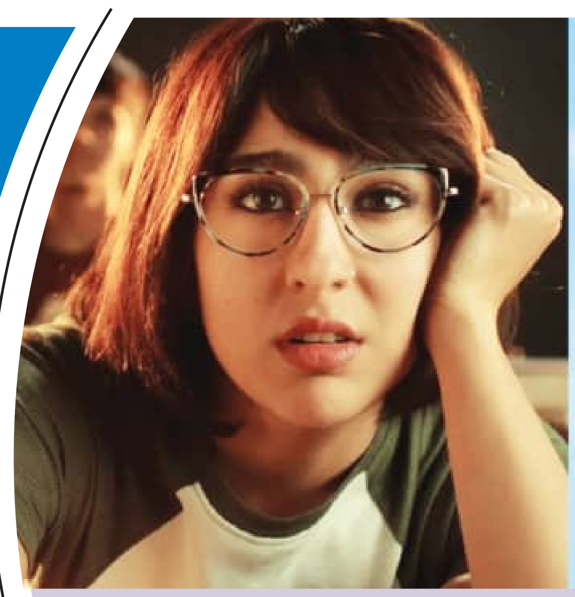

## 'ମେଟ୍ରୋ ଇନ୍ ଦିନୋ'

### ସାରାଙ୍କୁ ଦେଖି ସୈଫ୍‌ଙ୍କୁ ମନେ ପକାଇଲେ ଦର୍ଶକେ

ବଲିଉଡ୍ ଅଭିନେତ୍ରୀ ସାରା ଅଲ୍ଲୀ ଖାନ୍ ଏବେ ଅନୁରାଗ ବସୁଙ୍କ ଫିଲ୍ମ 'ମେଟ୍ରୋ ଇନ୍ ଦିନୋ'ରେ ନଜର ଆସିବେ । ଏଥିରେ ତାଙ୍କ ବିପକ୍ଷରେ ଆଦିତ୍ୟ ରାୟ କପୁର ଦେଖାଯିବେ । ଇତିମଧ୍ୟରେ ଫିଲ୍ମର କଳାକାରମାନଙ୍କ ଲୁକ୍ ସାମ୍ନାକୁ ଆସିଛି । ଫିଲ୍ମରେ ସବୁଠୁ ଅଧିକ ସାରାଙ୍କ ଲୁକ୍‌କୁ ନେଇ ଚର୍ଚ୍ଚା ହେଉଛି । ଏଥିରେ ସେ ପୂରା ଅଲଗା ଅନ୍ଦାଜରେ ଦେଖାଯାଇଛନ୍ତି । କିଛି ଦିନ ପୂର୍ବରୁ ଫିଲ୍ମର ଟ୍ରେଲର୍ ଆସିଥିଲା । ଟ୍ରେଲର୍‌ରେ ଫିଲ୍ମରେ ଏକାଧିକ କାହାଣୀକୁ ଦେଖାଯାଇଛି ବୋଲି ସ୍ପଷ୍ଟ ହୋଇଛି । ତେବେ ଫିଲ୍ମରେ ସାରାଙ୍କ ଲୁକ୍ ଦେଖି ଦର୍ଶକେ ତାଙ୍କ ବାପା ସୈଫ୍ ଅଲ୍ଲୀ ଖାନ୍‌ଙ୍କ ଏକ ଫିଲ୍ମର ଲୁକ୍ ସହ ତୁଳନା କରୁଛନ୍ତି । ୨୦୧୪ରେ ଆସିଥିବା 'ହମ୍‌ସକଲ୍' ଫିଲ୍ମରେ ସୈଫ୍‌ଙ୍କ ଲୁକ୍ ସାରାଙ୍କ ଲୁକ୍ ସହ ମେଳ ଖାଉଛି ବୋଲି ଦର୍ଶକେ ମତ ଦେଇଛନ୍ତି । ଏହି ଫିଲ୍ମରେ ରୀତେଶ ଦେଶମୁଖ ଓ ସୈଫ୍ ଉଭୟ ଝିଅ ବେଶରେ ଦେଖାଯାଇଥିଲେ । ତେବେ ସାରା ଓ ସୈଫ୍‌ଙ୍କ ଏହି ଫଟୋ ଏବେ ସୋସିଆଲ ମିଡିଆରେ ବେଶ୍ ଭାଇରାଲ ହେଉଛି ।

## ତନୋଟ ମାତା ମନ୍ଦିର

### ଦେଶଭକ୍ତିର ଅନନ୍ୟ ନିଦର୍ଶନ

ରାଜସ୍ଥାନ, ଜୈସଲମେର ଠାରୁ ୧୨୦ କିଲୋମିଟର ଦୂରରେ ତନୋଟ ମାତାଙ୍କ ମନ୍ଦିର ରହିଛି । ଏହି ମନ୍ଦିରଟି ଭାରତ-ପାକିସ୍ତାନ ସୀମାରେ ଅବସ୍ଥିତ । ଏହା ଏବେ ଦେଶଭକ୍ତି ଓ ଚମତ୍କାରର ପ୍ରତୀକ ପାଲଟିଛି । ତନୋଟ ମାତାଙ୍କୁ ଦେବୀ ଦୁର୍ଗାଙ୍କ ଅବତାର ବୋଲି କୁହାଯାଏ । ଦ୍ୱାଦଶ ଶତାବ୍ଦୀରେ ଜୈସଲମେରର ରାଜପୁତ ଶାସକ ମହାରାୱାଲ ଲୋନକାବତ ଏହାକୁ ନିର୍ମାଣ କରିଥିଲେ । ୧୯୬୫ ଓ ୧୯୭୧ ଭାରତ-ପାକ୍ ଯୁଦ୍ଧ ସମୟରେ ଏହି ମନ୍ଦିରର ଚମତ୍କାରକୁ ନେଇ ଆଜିବି ଚର୍ଚ୍ଚା ହୁଏ । ପାକିସ୍ତାନୀ ସେନା ଅନେକ ଥର ମନ୍ଦିରକୁ ଟାର୍ଗେଟ୍ କରିଥିବାବେଳେ ପ୍ରତିଥର ମାତାଙ୍କ କୃପାରୁ ସେମାନଙ୍କ ଯୋଜନା ପଣ୍ଡ ହୋଇଯାଇଛି । ମାତାଙ୍କ କୃପାରୁ ମନ୍ଦିରର କୌଣସି କ୍ଷତି ହୋଇ ନ ଥାଏ । ସ୍ଥାନୀୟ ଲୋକଙ୍କ ସହ ଭାରତୀୟ ସେନାର ଯବାନମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ମନ୍ଦିରକୁ ନେଇ ଅତୁଟ ବିଶ୍ୱାସ ରହିଛି । ୧୯୬୫ ଭାରତ-ପାକ୍ ଯୁଦ୍ଧ ସମୟରେ ଏହି ମନ୍ଦିର ବେଶ୍ ଚର୍ଚ୍ଚାକୁ ଆସିଥିଲା । ପାକିସ୍ତାନ ପକ୍ଷରୁ ତନୋଟରେ ଭାରୀ ମାତ୍ରାରେ ଗୁଳିଗୋଳା ବର୍ଷଣ କରାଯାଇଥିଲା । ମନ୍ଦିର ଓ ଏହାର ଆଖପାଖ ଅଞ୍ଚଳରେ ୩୦୦୦ ବୋମା ବର୍ଷଣ କରାଯାଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ମନ୍ଦିରର କୌଣସି କ୍ଷତି ହୋଇ ନ ଥିଲା । ଯେଉଁ ବୋମାଗୁଡ଼ିକ ଫୁଟି ନ ଥିଲା ସେଗୁଡ଼ିକ ଆଜିବି ମନ୍ଦିର ମଧ୍ୟରେ ଏକ କାଚ ବାକ୍ସ ଭିତରେ ରଖାଯାଇଛି । 'ବର୍ଡର' ଫିଲ୍ମରେ ମଧ୍ୟ ଏହି ମନ୍ଦିରକୁ ଦେଖାଯାଇଛି । ଭାରତୀୟ ସୀମା ସୁରକ୍ଷା ବଳ(ବିଏସ୍‌ଏଫ୍)ର ଯବାନମାନେ ଏହି ମନ୍ଦିରର ଦେଖାଶୁଣା କରି ଥାଆନ୍ତି ।

## ଅଣସର ପଞ୍ଚମୀ

**ଆଜି ହେଉଛି ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଅଣସର ସେବାର ପଞ୍ଚମ ଦିନ ବା ଅଣସର ପଞ୍ଚମୀ । ସ୍ନାନ ବେଦୀରେ ୧୦୮ ଗରା ସୁବାସିତ ଜଳରେ ସ୍ନାନ କରି ମହାପ୍ରଭୁ ଜଗନ୍ନାଥ, ଭାଇ ବଳଭଦ୍ର ଏବଂ ଭଉଣୀ ସୁଭଦ୍ରା ଜ୍ୱରରେ ପୀଡ଼ିତ ଅଛନ୍ତି । ସେଥିପାଇଁ ୧୫ ଦିନ ଅଣସର ଘରେ ଅଛନ୍ତି ତିନିଠାକୁର । ଅଙ୍ଗଲାଗି ସେବକ, ଦଇତାପତି ସେବାୟତମାନେ ଠାକୁରଙ୍କ ସୁସ୍ଥତା ପାଇଁ ବିଭିନ୍ନ ଉପଚାର ଆରମ୍ଭ କରିଛନ୍ତି । ଏହି ସମୟରେ ମହାପ୍ରଭୁ ଭକ୍ତମାନଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ ଦେଉ ନ ଥିବାରୁ ପଟିଦିଅଁ ପୂଜା ପାଉଛନ୍ତି ।**

ଦେବସ୍ନାନ ପୂର୍ଣ୍ଣିମାରେ ଦେବସ୍ନାନ ମଣ୍ଡପରେ ମହାପ୍ରଭୁ ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥ, ଶ୍ରୀ ବଳଭଦ୍ର, ଦେବୀ ସୁଭଦ୍ରା ଓ ଶ୍ରୀ ସୁଦର୍ଶନଙ୍କୁ ୧୦୮ ଗରା ସୁବାସିତ ଜଳରେ ସ୍ନାନ କରାଯାଇଥାଏ । ଏହାପରେ ସେମାନେ ଜ୍ୱରରେ ପୀଡ଼ିତ ହୋଇଥାନ୍ତି । ସେଥିପାଇଁ ଦେବସ୍ନାନ ପୂର୍ଣ୍ଣିମା ପରଦିନଠାରୁ ନେତ୍ରୋତ୍ସବ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ରତ୍ନସିଂହାସନରେ ତିନିଠାକୁର ଭକ୍ତମାନଙ୍କୁ ଦର୍ଶନ ଦେଇ ନ ଥାନ୍ତି । ଏହି କାଳକୁ ଅଣସର ବା ଅନବସର କୁହାଯାଏ । ଏହି ସମୟରେ ତିନିଠାକୁରଙ୍କର ଦଇତାପତି ସେବକ ୧୫ ଦିନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଗୁପ୍ତ ସେବା ବା ଉପଚାର କରନ୍ତି । ଠାକୁର ଅସୁସ୍ଥ ଥିବାରୁ ଅଣସର ପଣା ସମର୍ପଣ କରାଯାଇଥାଏ ।

ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥଙ୍କ ଅଣସର ଦୁଇ ପ୍ରକାର ପାଳିତ ହୁଏ । ଗୋଟିଏ ସାଧାରଣ ଅଣସର ଏବଂ ଅନ୍ୟଟି ମହା ଅଣସର । ସାଧାରଣ ଅଣସର ୧୫ଦିନ ପାଳିତ ହୁଏ । ମହାଅଣସର ୪୫ ଦିନ ପାଇଁ ନବକଳେବର ସମୟରେ ପାଳନ କରାଯାଏ । ୧୫ ଦିନ ଅଣସରରେ ଶ୍ରୀମନ୍ଦିରରେ ପଟିଦିଅଁ ପୂଜା ପାଆନ୍ତି । ବଳଭଦ୍ର ବାସୁଦେବ ରୂପରେ ପୂଜା ପାଉଥିବା ବେଳେ, ଦେବୀ ସୁଭଦ୍ରା ଭୁବନେଶ୍ୱରୀ ଏବଂ ଜଗନ୍ନାଥ ନାରାୟଣ ରୂପରେ ପୂଜା ପାଇଥାନ୍ତି । ତେବେ ଯେଉଁ ନୀତି ବିଗ୍ରହମାନଙ୍କ ପାଖରେ ନିତିଦିନ କରାଯାଏ, ସେସବୁ ଏହି ସମୟରେ ପଟିଦିଅଁଙ୍କଠାରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥାଏ । ସେହିପରି ପଟିଦିଅଁଙ୍କ ସହ ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଚଳନ୍ତି ପ୍ରତିମା ଦୋଳଗୋବିନ୍ଦ, ମଦନମୋହନ, ଲକ୍ଷ୍ମୀ, ସରସ୍ୱତୀ, ରାମକୃଷ୍ଣ, ନୃସିଂହ ଭଗବାନଙ୍କୁ ପୂଜା କରାଯାଏ ।

କଥିତ ଅଛି, ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ଅଣସର ସମୟରେ ଶ୍ରୀମନ୍ଦିର ଭିତରେ କୌଣସି ଘଣ୍ଟ ଅବା ଗୀତ ବୋଲା ଯାଏ ନାହିଁ । ମନ୍ଦିର ଶୂନଶାନ୍ ରହିବା ସହ ୧୫ ଦିନ ପର୍ଯ୍ୟାୟ କ୍ରମେ ଗୁପ୍ତ ନୀତି ପାଳନ କରାଯାଏ । ଅଣସର ପିଣ୍ଡିରେ ମହାପ୍ରଭୁଙ୍କ ବିଜେ ପରେ ଓଦା ଲୁଗା ଉଲାଗି ସହ ପରମ୍ପରା ଅନୁଯାୟୀ ବିଶେଷ ଦିନରେ ଫୁଲୁରି ତେଲ, ଓଷୁଅ ଲାଗି, ଚକାବିଜେ, ଚନ୍ଦନ ଲାଗି ଓ ଘଣା ଲାଗି ନୀତି ହୋଇଥାଏ । ତେବେ ଅଣସର ପଞ୍ଚମୀରେ ଫୁଲୁରି ତେଲ ଲାଗି ହେବାର ପରମ୍ପରା ଅଛି ।

# ସ୍ୱସ୍ତି

## ବସୁମତୀ ସ୍ନାନ

**ଝିଅମାନଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ପାଳନ କରାଯାଉଥିବା ରଜପର୍ବର ଚତୁର୍ଥ ଅର୍ଥାତ୍ ଶେଷ ଦିନଟି ବିଶେଷ ମହତ୍ତ୍ୱ ବହନ କରେ । ଏହିଦିନଟିକୁ ବସୁମତୀ ସ୍ନାନ ବା ଠାକୁରାଣୀ ବୁଢ଼ ଭାବେ ପାଳନ କରାଯାଏ । ଏହାର ବିଧିବିଧାନ ବୈଚିତ୍ର୍ୟମୟ । ରଜସ୍ୱଳା ନାରୀ ଯେଭଳି ଚତୁର୍ଥ ଦିନ ସ୍ନାନ କରି ଶୁଦ୍ଧ ହୁଏ । ଏହାକୁ 'ଧରାସ୍ନାନ', 'ମହାଲକ୍ଷ୍ମୀ ଗାଧୁଆ' ତଥା 'ଶୁଦ୍ଧ ସ୍ନାନ' ବୋଲି ମଧ୍ୟ କୁହାଯାଏ ।**

ନାରୀ ସହ ମାଟି ମାଆର ନିବିଡ଼ ସମ୍ପର୍କ ରହିଛି । କଥିତ ରହିଛି ଯେ, ରଜପର୍ବରେ ଧରିତ୍ରୀ ମାତା ରଜସ୍ୱଳା ହୁଅନ୍ତି । ତିନିଦିନ ଧରି ସେ ଅଛୁତ ରହନ୍ତି । ଏହି ସମୟରେ ଠାକୁର ପୂଜା, ଭୂମି ଦହନ, ବଟାବଟି, କଟାକଟି ଆଦି ଶାରୀରିକ କାର୍ଯ୍ୟ କରିବା ପାଇଁ ନାରୀଙ୍କୁ ବାରଣ କରାଯାଇଥାଏ । ଶେଷଦିନ ବସୁଧା ମା'ଙ୍କ ପୂଜାର୍ଚ୍ଚନା କରିବାର ବିଧି ରହିଛି । ଏହା ହେଉଛି ଶୁଦ୍ଧ ଓ ପବିତ୍ର ହେବାର ପ୍ରତୀକ । ରଜସ୍ୱଳା ନାରୀ ସଦୃଶ ବସୁମତୀ ମାତା ତିନିଦିନ ଅସ୍ପୃଶ୍ୟ ହୋଇ ରହିବା ପରେ ଚତୁର୍ଥ ଦିନ ପ୍ରାତଃ କାଳରେ ଶୁଦ୍ଧ ସ୍ନାନ ପର୍ବ କରାଯାଏ । ଝିଅ, ବୋହୂମାନେ ପ୍ରାତଃରୁ ସ୍ନାନ କରନ୍ତି । ପିଢ଼ା ଉପରେ ଶିଳପୁଆ ରଖାଯାଇ କଜଳପାତି, ଲଙ୍ଗଳ ଲୁହା, କପାତୁଳା ରଖି ସେମାନେ ପୂଜାର୍ଚ୍ଚନା କରିଥାନ୍ତି । ହଳଦିପାଣିରେ ବସୁମତୀ ମା'ଙ୍କୁ ସ୍ନାନ କରାଯାଏ । ଚନ୍ଦନ, ସିନ୍ଦୂର, ଫୁଲ,ଭୋଗ ସହ ପୂଜା କରାଯାଏ । ଶୁଦ୍ଧ ସ୍ନାନ ପରେ ବସୁମାତା ସୃଜନକ୍ଷମ ହୋଇଥାନ୍ତି । ଏହିପର୍ବ ନାରୀ ଜାତି ମଧ୍ୟରେ ଉତ୍ସାହ, ଉନ୍ମାଦନା ଓ ନୂତନ ଶକ୍ତି ଜାଗ୍ରତ କରିଥାଏ ।

## କେଉଁ ସ୍ଥାନରେ ଜୋତା-ଚପଲ ରଖିବା ଅଶୁଭ

**ବାସ୍ତୁ ଶାସ୍ତ୍ର ଅନୁସାରେ, ଘରେ ଠିକ୍ ସ୍ଥାନରେ ଜୋତା ଚପଲ ନ ରଖିବା ଦ୍ୱାରା ନକାରାତ୍ମକ ଶକ୍ତି ବୃଦ୍ଧି ପାଏ । ଏହା ସହ ଘରେ ଅଶାନ୍ତି ଏବଂ ଦାରିଦ୍ର୍ୟତା ଦେଖା ଦିଏ । ତେବେ କେଉଁ ସ୍ଥାନରେ ଜୋତା-ଚପଲ ରଖିବା ଅଶୁଭ, ସେ ସମ୍ପର୍କରେ ଜାଣିବା ।**

**ବେଡ୍‌ରୁମ୍:** ବାସ୍ତୁ ଶାସ୍ତ୍ର ଅନୁସାରେ, ବେଡ୍‌ରୁମ୍ ଭିତରେ ତଥା ଖଟ ତଳେ ଜୋତା ଚପଲ ରଖିବା ଭଲ ନୁହେଁ । ଏଭଳି କରିବା ଦ୍ୱାରା ଦାମ୍ପତ୍ୟ ଜୀବନରେ ସମସ୍ୟା ଦେଖା ଦିଏ । ଏଣୁ ଜୋତାକୁ ଘର ବାହାର ଷ୍ଟାଣ୍ଡରେ ରଖନ୍ତୁ ।

**ରୋଷେଇ ଘର:** ଘରର ରୋଷେଇ ଘରେ କେବେ ବି ଜୋତା ଚପଲ ରଖନ୍ତୁ ନାହିଁ । ରୋଷେଇ ଘରେ ମା' ଅନ୍ନପୂର୍ଣ୍ଣା ବାସ କରନ୍ତି । ଏହି ସ୍ଥାନରେ ଜୋତା ଚପଲ ରଖିବା ଦ୍ୱାରା ଅପରିଷ୍କାର ଓ ନକାରାତ୍ମକ ଶକ୍ତି ଭିତରକୁ ଆସେ । ଏହା ଦ୍ୱାରା ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ସମସ୍ୟା ଓ ଧନ ହାନି ହୋଇଥାଏ ।

**ପୂଜା ଘର:** ଘରର ପୂଜା ସ୍ଥାନରେ ଦେବୀ ଦେବତା ବାସ କରନ୍ତି । ଏଣୁ ପୂଜା ଘରକୁ ଜୋତା ଚପଲ ପିନ୍ଧି ଯିବା ଅନୁଚିତ । ପୂଜା ଘରେ ଜୋତା ଚପଲ ପିନ୍ଧିଲେ ମାନସିକ ସମସ୍ୟା ସାମ୍ନା କରିବାକୁ ପଡ଼େ ।

**ମୁଖ୍ୟ ଦ୍ୱାର:** ଘରର ମୁଖ୍ୟ ଦ୍ୱାର ସାମ୍ନାରେ କେବେ ବି ଜୋତା ଚପଲ ରଖନ୍ତୁ ନାହିଁ । ଏହି ସ୍ଥାନରେ ଜୋତା ଚପଲ ରଖିବା ଦ୍ୱାରା ଦେବୀ ଦେବତାଙ୍କ ମାର୍ଗ ଅବରୋଧ ହୁଏ । ଭଗବାନଙ୍କ ଆଶୀର୍ବାଦ ପ୍ରାପ୍ତି ହୁଏ ନାହିଁ । ଫଳରେ ଜୀବନରେ ବହୁ ସମସ୍ୟା ସାମ୍ନା କରିବାକୁ ପଡ଼େ ।

## ଗୁରୁ ଚଣ୍ଡାଳ ଯୋଗର ପ୍ରଭାବ

**ଜାତକରେ ଗ୍ରହର ସ୍ଥିତି ଆଧାରରେ ଶୁଭ-ଅଶୁଭ ଯୋଗ ସୃଷ୍ଟି ହୁଏ । ଏମିତି ଏକ ଅଶୁଭ ଯୋଗ ହେଉଛି ଗୁରୁ ଚଣ୍ଡାଳ ଯୋଗ । ଯେତେବେଳେ ବୃହସ୍ପତି ବା ଗୁରୁ ଏବଂ ରାହୁ-କେତୁ ଜାତକରେ ଏକାଠି ହୁଅନ୍ତି, ଗୁରୁ ଚଣ୍ଡାଳ ଯୋଗ ସୃଷ୍ଟି ହୁଏ । ଏହାକୁ ବିନାଶକାରୀ ଯୋଗ ଭାବେ ବିବେଚନା କରାଯାଏ । ତେବେ ଏହା ଜୀବନ ଉପରେ କ'ଣ ପ୍ରଭାବ ପକାଏ, ସେ ସମ୍ପର୍କରେ ଜାଣିବା ।**

- ଗୁରୁ ଚଣ୍ଡାଳ ଯୋଗ ଥିବା ବ୍ୟକ୍ତି ବିଶେଷ ନିଶା ସେବନ କରନ୍ତି ।
- ଏହାର ପ୍ରଭାବ ସ୍ୱାସ୍ଥ୍ୟ ଉପରେ ପଡ଼ିଥାଏ । କୌଣସି ଗୁରୁତର ରୋଗରେ ପୀଡ଼ିତ ହେବାର ଆଶଙ୍କା ଅଧିକ ଥାଏ ।
- ଆର୍ଥିକ ସ୍ତରରେ ସୁଦୃଢ଼ ହୋଇ ନ ଥାନ୍ତି । ରୋଜଗାର ହେଲେ ବି ଅର୍ଥ ସମସ୍ୟା ଦେଖା ଦିଏ ।
- ବ୍ୟବସାୟ ହେଉ ଅବା ଚାକିରି, କୌଣସି କ୍ଷେତ୍ରରେ ଦୀର୍ଘ ସମୟ ଟିକି ରହିପାରନ୍ତି ନାହିଁ ।
- ଲଗାତାର ଜୀବନରେ କ୍ଷତି ସହିବାକୁ ପଡ଼େ ।
- ଏଭଳି ଲୋକେ ଖୁବଶୀଘ୍ର ଅବସାଦ ଦେଇ ଗତି କରନ୍ତି ।

ସକାଳ THE SAKALA
www.sakalaepaper.com

### ଦୁଲୀପ ଟ୍ରଫି ଫର୍ମାଟରେ ପରିବର୍ତ୍ତନ

# ରଣଜୀ ଟ୍ରଫି ଗ୍ରୁପ-ଏ’ରେ ଓଡ଼ିଶା

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀ,୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ୨୦୨୫-୨୬ ଘରୋଇ କ୍ରିକେଟ ସିଜନ ଲାଗି ବିସିସିଆଇ ପକ୍ଷରୁ ଖେଳସୂଚୀ ଘୋଷଣା କରାଯାଇଛି। ଏହି କ୍ରମରେ ଦୁଲୀପ ଟ୍ରଫିରୁ ଘରୋଇ ସିଜନ ଆରମ୍ଭ ହେବ ଓ ଅକ୍ଟୋବର ୧ରୁ ୫ ତାରିଖ ଯାଏ ଇରାନି କପ୍ ଖେଳାଯିବ। ଅଗଷ୍ଟ ୨୮ରୁ ସିଜନ ଆରମ୍ଭ ହେବା ସହ ଆନ୍ତଃଜୋନ୍ ଭିତ୍ତିରେ ଦୁଲୀପ ଟ୍ରଫି ଖେଳାଯିବାର କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ସ୍ଥିର କରାଯାଇଛି। ଘରୋଇ କ୍ରିକେଟର ସବୁଠାରୁ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ରଣଜୀ ଟ୍ରଫି ଅକ୍ଟୋବର ୧୫ରୁ ଆରମ୍ଭ ହେବ। ଓଡ଼ିଶା ଏଥର ରଣଜୀ ଟ୍ରଫି ଏଲିଟ୍ ଗ୍ରୁପ୍-ଏ’ରେ ସ୍ଥାନ ପାଇଛି। ତାମିଲନାଡୁ, ବରୋଦା, ଝାଡଖଣ୍ଡ, ଉତ୍ତରପ୍ରଦେଶ, ଆନ୍ଧ୍ର ଓ ନାଗାଲାଣ୍ଡକୁ ଏଥର ଓଡ଼ିଶା ସହ ଏଲିଟ୍ ଗ୍ରୁପ୍-ଏ’ରେ ମୁକାବିଲା କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ। ବିଶଦ୍ ଖେଳସୂଚୀ ପରେ ପ୍ରକାଶ ପାଇବ। ସେହିପରି ବିସିସିଆଇ ଆପେକ୍ସ କାଉନ୍ସିଲ ବୈଠକରେ ଅନେକ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରାଯାଇଛି। ସୟଦ ମୁସ୍ତାକ ଅଲୀ ଟି-୨୦ ଓ ବରିଷ୍ଠ ମହିଳା ଟି-୨୦ ଟ୍ରଫିରେ ଉଭୟ ଗ୍ରୁପ୍ ଲିଗ୍ ପର୍ଯ୍ୟାୟ ଓ ସୁପର ଲିଗ୍ ପର୍ଯ୍ୟାୟ ଖେଳାଯିବାକୁ ନିଷ୍ପତ୍ତି ହୋଇଛି। ଏହା ବ୍ୟତୀତ ବରିଷ୍ଠ ଘରୋଇ ଲିଷ୍ଟ-ଏ’ ଓ ଟି-୨୦ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟରେ ପ୍ଲେଟ୍ ଡିଭିଜନ ସୃଷ୍ଟି କରାଯାଇଛି।

### ଆନ୍ତଃଜୋନ୍ ଭିତ୍ତିରେ ଖେଳାଯିବ ମହିଳା ଚ୍ୟାଲେଞ୍ଜର୍ସ

ଚଳିବର୍ଷ ଦୁଲୀପ୍ ଟ୍ରଫି ପୂର୍ବ ଫର୍ମାଟକୁ ଫେରିଛି। ବରିଷ୍ଠ ମହିଳା ଚ୍ୟାଲେଞ୍ଜର୍ସ ମଧ୍ୟ ସମାନ ଫର୍ମାଟରେ ଖେଳାଯିବ। ଚଳିତବର୍ଷ ଦୁଲୀପ୍ ଟ୍ରଫି ଆନ୍ତଃଜୋନ୍ ଭିତ୍ତିରେ ଖେଳାଯିବ। ଏଥର ୬ଟି ଜୋନ ଯଥା ପୂର୍ବାଞ୍ଚଳ, ପଶ୍ଚିମାଞ୍ଚଳ, ଦକ୍ଷିଣାଞ୍ଚଳ, କେନ୍ଦ୍ରାଞ୍ଚଳ, ଉତ୍ତରାଞ୍ଚଳ ଓ ଉତ୍ତରପୂର୍ବାଞ୍ଚଳ ଅଂଶଗ୍ରହଣ କରିବେ। ଖେଳାଳିମାନେ ନିଜ ଜୋନ୍‌କୁ ପ୍ରତିନିଧିତ୍ୱ କରିବେ। ପୂର୍ବରୁ ଟିମ-ଏ, ବି, ସି ଓ ଡି’ ଭାବରେ ଜାତୀୟ ମନୋନୟନ କମିଟି ଦ୍ୱାରା ଖେଳାଳି ଚୟନ କରାଯାଇ ଦଳ ଗଠନ କରାଯାଇଥିଲା। ଏହାକୁ ଏବର୍ଷ ବନ୍ଦ କରିଦିଆଯାଇଛି। ଜୋନାଲ ଚୟନ କମିଟି ଏଥର ଖେଳାଳି ଚୟନ କରିବେ। ବରିଷ୍ଠ ମହିଳା ଚ୍ୟାଲେଞ୍ଜର୍ସ ମଧ୍ୟ ଜୋନାଲ ଫର୍ମାଟରେ ୬ଟି ଦଳକୁ ନେଇ ଖେଳାଯିବ। ଉଭୟ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ରାଉଣ୍ଡ ରବିନ ଫର୍ମାଟରେ ଖେଳାଯିବ।

### ଅକ୍ଟୋବର ୧୫ରୁ ରଣଜୀ ଟ୍ରଫି

ଘରୋଇ କ୍ରିକେଟର ସବୁଠାରୁ ଗୁରୁତ୍ୱପୂର୍ଣ୍ଣ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ଅକ୍ଟୋବର ୧୫ରୁ ଆରମ୍ଭ ହେବ। ଗତବର୍ଷ ଭଳି ଏହା ଦୁଇଟି ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ଖେଳାଯିବ। ପ୍ରଥମ ପର୍ଯ୍ୟାୟ ପରେ ସୀମିତ ଓଭର କ୍ରିକେଟ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ଖେଳାଯିବ। ଦେଶର ବିଭିନ୍ନ ଭାଗରେ ଜଳବାୟୁର ସ୍ଥିତିକୁ ଆଖି ଆଗରେ ରଖି ଏହି ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟର ଖେଳସୂଚୀରେ ପରିବର୍ତ୍ତନ କରାଯାଇଛି। ଏହି ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ଲାଗି କେଉଁ ଗ୍ରୁପ୍‌ରେ କେଉଁ ଦଳ ସ୍ଥାନ ପାଇବ ତାହା ସ୍ଥିର କରାଯାଇଛି। ରଣଜୀ ଟ୍ରଫି ଏଲିଟ୍ ଗ୍ରୁପ୍-ଏ’ରେ ଏଥର ଓଡ଼ିଶା ପ୍ରତିଦ୍ୱନ୍ଦ୍ୱୀ ତାମିଲନାଡୁ, ବରୋଦା, ଝାଡଖଣ୍ଡ, ଉତ୍ତରପ୍ରଦେଶ, ଆନ୍ଧ୍ର ଓ ନାଗାଲାଣ୍ଡ ସହ ସ୍ଥାନ ପାଇଛି। ଏଲିଟ୍ ଗ୍ରୁପ୍‌ରେ ୩୦ଟି ଦଳ ଓ ପ୍ଲେଟ୍ ଗ୍ରୁପ୍‌ରେ ୫ଟି ଦଳକୁ ସ୍ଥାନ ଦିଆଯାଇଛି। ପ୍ଲେଟ୍ ଗ୍ରୁପ୍‌ରେ ମେଘାଳୟ, ମିଜୋରାମ, ସିକ୍କିମ, ମଣିପୁର ଓ ଅରୁଣାଚଳ ପ୍ରଦେଶକୁ ସ୍ଥାନ ମିଳିଛି।

### ସୁପରଲିଗ୍ ଓ ପ୍ଲେଟ୍ ଡିଭିଜନ

ଚଳିତ ସିଜନଠାରୁ ବିସିସିଆଇ ଦ୍ୱାରା ଆୟୋଜିତ ଏକାଧିକ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟରେ ସୁପର ଲିଗ୍ ଓ ପ୍ଲେଟ୍ ଡିଭିଜନ ସୃଷ୍ଟି ହେବ। ବରିଷ୍ଠ ପୁରୁଷ ଓ ମହିଳା ଟି-୨୦ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟରେ ପ୍ରଥମଥର ଲାଗି ସୁପର ଲିଗ୍ ପର୍ଯ୍ୟାୟ ଖେଳାଯିବ। ଅଂଶଗ୍ରହଣକାରୀ ଦଳଗୁଡ଼ିକୁ ୪ଟି ଗ୍ରୁପ୍‌ରେ ଭାଗ କରାଯିବ। ପ୍ରତ୍ୟେକ ଗ୍ରୁପ୍‌ର ୨ ଶ୍ରେଷ୍ଠ ଦଳ ସୁପର ଲିଗ୍‌କୁ ଉନ୍ନୀତ ହେବେ। ଉନ୍ନୀତ ହୋଇଥିବା ୮ଟି ଦଳକୁ ପୁନର୍ବାର ୨ଟି ଗ୍ରୁପ୍‌ରେ ଭାଗ କରାଯିବ। ଗ୍ରୁପ୍ ପର୍ଯ୍ୟାୟ ରାଉଣ୍ଡ ରବିନ ଲିଗ୍ ଭିତ୍ତିରେ ଖେଳାଯିବ। ପ୍ରତ୍ୟେକ ଗ୍ରୁପ୍‌ର ଶ୍ରେଷ୍ଠ ଦଳ ଫାଇନାଲ ଖେଳିବାକୁ ଯୋଗ୍ୟତା ଅର୍ଜନ କରିବେ।

ସେହିପରି ବିଜୟ ହଜାରେ ଟ୍ରଫି, ବରିଷ୍ଠ ମହିଳା ଦିନିକିଆ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ଓ ପୁରୁଷ ୨୩ ବର୍ଷରୁ କମ୍ ଷ୍ଟେଟ୍ ଟ୍ରଫିରେ ପ୍ଲେଟ୍ ଡିଭିଜନ ସୃଷ୍ଟିହେବ। ୨୦୨୪-୨୫ ସିଜନରେ ଶେଷ ୬ଟି ସ୍ଥାନ ଅଧିକାର କରିଥିବା ଦଳ ପ୍ଲେଟ୍ ଡିଭିଜନ୍‌ରେ ଖେଳିବେ। ଚଳିତ ସିଜନଠାରୁ ପ୍ଲେଟ୍ ଡିଭିଜନରେ ପ୍ରଥମସ୍ଥାନ ଅଧିକାର କରିଥିବା ଦଳ କେବଳ ଏଲିଟ ଡିଭିଜନକୁ ଉନ୍ନୀତ ହେବ। ସେହିପରି ଏଲିଟ ଗ୍ରୁପ୍‌ରେ ଶେଷ ସ୍ଥାନ ହାସଲ କରିଥିବା ଦଳ ପ୍ଲେଟ୍ ଲିଗ୍‌କୁ ଖସି ଆସିବ।

### କଟକରେ ବରିଷ୍ଠ ମହିଳା ପ୍ଲେଟ୍ ଲିଗ୍ ଦିନିକିଆ

ଏଥର ଘରୋଇ କ୍ରିକେଟରେ ବରିଷ୍ଠ ମହିଳା କ୍ରିକେଟ ପ୍ଲେଟ୍ ଲିଗ୍ ଦିନିକିଆ ମ୍ୟାଚ୍ କଟକରେ ଖେଳାଯିବ। ଏହି ପ୍ରତିଯୋଗିତା ଫେବୃଆରୀ ୬ରୁ ଆରମ୍ଭ ହୋଇ ୧୬ ତାରିଖ ଯାଏ ଚାଲିବ। ଏହି ପ୍ରତିଯୋଗିତା ବ୍ୟତୀତ ଗୋଟିଏ ଭେନ୍ୟୁରେ ଅନ୍ୟ କୌଣସି ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ଆୟୋଜନ କରିବାକୁ ଓଡ଼ିଶା ସୁଯୋଗ ପାଇନାହିଁ। ଅନ୍ୟ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟର ଘରୋଇ ମ୍ୟାଚ୍‌ର ସୂଚୀ ପରେ ଜଣାପଡ଼ିବ।

### ବିସିସିଆଇ ୨୦୨୫-୨୬ ଖେଳସୂଚୀ

| | | |
|---|---|---|
| ଦୁଲୀପ ଟ୍ରଫି | : | ଅଗଷ୍ଟ ୨୮ ରୁ ସେପ୍ଟେମ୍ବର ୧୫ |
| ଇରାନି କପ୍ | : | ଅକ୍ଟୋବର ୧ରୁ ୫ |
| ରଣଜୀ ଟ୍ରଫି-୧ | : | ଅକ୍ଟୋବର ୧୫ରୁ ନଭେମ୍ବର ୧୯ |
| ରଣଜୀ ଟ୍ରଫି-୨ | : | ଜାନୁଆରୀ ୨୨ରୁ ଫେବୃଆରୀ ୧, ୨୦୨୬ |
| ରଣଜୀ ନକ୍‌ଆଉଟ | : | ଫେବୃଆରୀ ୬ରୁ ୨୮, ୨୦୨୬ |
| ମୁସ୍ତାକ ଅଲି ଟି-୨୦ | : | ନଭେମ୍ବର ୨୬ରୁ ଡିସେମ୍ବର ୧୮ |
| ବିଜୟ ହଜାରେ ଟ୍ରଫି | : | ଡିସେମ୍ବର ୨୪ରୁ ଜାନୁଆରୀ ୧୮ |
| ସିକେ ନାଇଡୁ ଟ୍ରଫି | : | ଅକ୍ଟୋବର ୧୬ରୁ ଜାନୁଆରୀ ୧୨, ୨୦୨୬ |
| ୨୩ ବର୍ଷରୁ କମ୍ ଷ୍ଟେଟ୍ ଟ୍ରଫି | : | ନଭେମ୍ବର ୧୦ରୁ ଡିସେମ୍ବର ୧ |
| ବିନୁ ମଙ୍କଡ ଟ୍ରଫି | : | ଅକ୍ଟୋବର ୯ ରୁ ନଭେମ୍ବର ୧ |
| ୧୯ ବର୍ଷରୁ କମ୍ ଦିନିକିଆ ଚ୍ୟାଲେଞ୍ଜର | : | ନଭେମ୍ବର ୫ରୁ ୧୧ |
| କୁଚ୍ ବେହାର ଟ୍ରଫି | : | ନଭେମ୍ବର ୧୬ରୁ ଜାନୁଆରୀ ୨୦, ୨୦୨୬ |
| ବିଜୟ ମର୍ଚ୍ଚାଣ୍ଟ ଟ୍ରଫି | : | ଡିସେମ୍ବର ୭ରୁ ଜାନୁଆରୀ ୨୮ । |

### ମହିଳା କ୍ରିକେଟ୍

| | | |
|---|---|---|
| ଅକ୍ଟୋବର ୮ ରୁ ୩୧ | : | ବରିଷ୍ଠ ମହିଳା ଏଲିଟ୍ ଟି-୨୦ |
| ନଭେମ୍ବର ୪ରୁ ୧୪ | : | ଆନ୍ତଃଜୋନ୍ ଟି-୨୦ |
| ଫେବୃଆରୀ ୬ରୁ ୨୮ | : | ବରିଷ୍ଠ ମହିଳା ଏଲିଟ୍ ଦିନିକିଆ ଟ୍ରଫି |
| ମାର୍ଚ୍ଚ ୨୦ରୁ ଏପ୍ରିଲ ୩ | : | ଆନ୍ତଃଜୋନ୍ ମଲ୍ଟି ଡେ ଟ୍ରଫି |

### ରଣଜୀ ଏଲିଟ୍ ଗ୍ରୁପ୍

ଗ୍ରୁପ-ଏ: ଓଡ଼ିଶା, ତାମିଲନାଡୁ, ବରୋଦା, ଝାଡଖଣ୍ଡ, ଉତ୍ତରପ୍ରଦେଶ, ଆନ୍ଧ୍ର ଓ ନାଗାଲାଣ୍ଡ।

ଗ୍ରୁପ-ବି: ସୌରାଷ୍ଟ୍ର, ଚଣ୍ଡିଗଡ଼, କର୍ଣ୍ଣାଟକ, ମହାରାଷ୍ଟ୍ର, ମଧ୍ୟପ୍ରଦେଶ, ପଞ୍ଜାବ ଓ ଗୋଆ।

ଗ୍ରୁପ-ସି: ଗୁଜରାଟ, ହରିୟାଣା, ସର୍ଭିସେସ୍, ବେଙ୍ଗଲ, ରେଳବାଇ, ତ୍ରିପୁରା, ଉତ୍ତରାଖଣ୍ଡ, ଆସାମ।

ଗ୍ରୁପ-ଡି: ମୁମ୍ବାଇ, ଜମ୍ମୁ-କଶ୍ମୀର, ହିମାଚଳ ପ୍ରଦେଶ, ଦିଲ୍ଲୀ, ହାଇଦରାବାଦ୍, ରାଜସ୍ଥାନ, ଛତିଶଗଡ଼, ପୁଡୁଚେରୀ।

### ରଣଜୀ ପ୍ଲେଟ୍ ଗ୍ରୁପ୍

ମେଘାଳୟ, ମିଜୋରାମ, ସିକ୍କିମ, ମଣିପୁର, ଅରୁଣାଚଳ ପ୍ରଦେଶ ଓ ବିହାର।

### କେଉଁ ଗ୍ରୁପ୍‌ରେ ସ୍ଥାନ ପାଇଛି ଓଡ଼ିଶା

**ସୟଦ ମୁସ୍ତାକ ଅଲୀ ଟି-୨୦:**
ଏଲିଟ୍ ଗ୍ରୁପ-ଏ: ମୁମ୍ବାଇ, ବିଦର୍ଭ, ଆନ୍ଧ୍ର, କେରଳ, ରେଳବାଇ, ଆସାମ, ଛତିଶଗଡ଼ ଓ ଓଡ଼ିଶା।

**ବିଜୟ ହଜାରେ ଟ୍ରଫି :**
ଏଲିଟ୍ ଗ୍ରୁପ-ଡି : ହରିୟାଣା, ଗୁଜରାଟ, ରେଳବାଇ, ଆନ୍ଧ୍ର, ସୌରାଷ୍ଟ୍ର, ଦିଲ୍ଲୀ, ସର୍ଭିସେସ୍ ଓ ଓଡ଼ିଶା।

**ସିକେ ନାଇଡୁ ଟ୍ରଫି :**
ଏଲିଟ୍ ଗ୍ରୁପ-ବି : ମୁମ୍ବାଇ, ରାଜସ୍ଥାନ, ବେଙ୍ଗଲ, ହରିୟାଣା, ହାଇଦରାବାଦ୍, ବିଦର୍ଭ, ଆସାମ ଓ ଓଡ଼ିଶା।

**୨୩ ବର୍ଷରୁ କମ୍ ପୁରୁଷ ଷ୍ଟେଟ୍ ଟ୍ରଫି :**
ଏଲିଟ୍ ଗ୍ରୁପ-ବି : ଗୁଜରାଟ, ଆନ୍ଧ୍ର, ଜମ୍ମୁ-କଶ୍ମୀର, ଝାଡଖଣ୍ଡ, ମୁମ୍ବାଇ, ଆସାମ, ଗୋଆ ଓ ଓଡ଼ିଶା।

**ବିନୁ ମଙ୍କଡ ଟ୍ରଫି :**
ଏଲିଟ୍ ଗ୍ରୁପ-ଏ : ଗୁଜରାଟ, ଆନ୍ଧ୍ର, ବିଦର୍ଭ, ଗୋଆ, ବରୋଦା ଓ ଓଡ଼ିଶା।

**କୁଚ୍ ବେହାର ଟ୍ରଫି :**
ଏଲିଟ୍ ଗ୍ରୁପ-ସି: ମହାରାଷ୍ଟ୍ର, ଆନ୍ଧ୍ର, କର୍ଣ୍ଣାଟକ, ଉତ୍ତରାଖଣ୍ଡ, ହିମାଚଳ ।

**ବିଜୟ ମର୍ଚ୍ଚାଣ୍ଟ ଟ୍ରଫି :**
ଏଲିଟ୍ ଗ୍ରୁପ-ବି: ପଞ୍ଜାବ, ରାଜସ୍ଥାନ, ଛତିଶଗଡ଼, ପଣ୍ଡିଚେରୀ, ବିହାର ଓ ଓଡ଼ିଶା।

**ବରିଷ୍ଠ ମହିଳା ଟି-୨୦ ଟ୍ରଫି :**
ଏଲିଟ୍ ଗ୍ରୁପ-ସି : ମଧ୍ୟପ୍ରଦେଶ, ଆନ୍ଧ୍ର, କର୍ଣ୍ଣାଟକ, ହରିୟାଣା, ହାଇଦରାବାଦ୍, ଛତିଶଗଡ଼, ତ୍ରିପୁରା ଓ ଓଡ଼ିଶା।

**ବରିଷ୍ଠ ମହିଳା ଦିନିକିଆ ଟ୍ରଫି :**
ଏଲିଟ୍ ଗ୍ରୁପ-ଏ: ଏମ୍‌ପି, ୟୁପି, ମହାରାଷ୍ଟ୍ର, କର୍ଣ୍ଣାଟକ, ବରୋଦା, ଆସାମ, ପଣ୍ଡିଚେରୀ।

---

● ଏଫ୍‌ଆଇଏଚ୍ ପ୍ରୋ ଲିଗ୍: ଭାରତୀୟ ପୁରୁଷ ଓ ମହିଳା ହକି ଦଳ ପରାସ୍ତ

## ଅଷ୍ଟ୍ରେଲିଆଠୁ ଡବଲ୍ ଝଟ୍‌କା

ଆଣ୍ଟୱର୍ପ, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ଚଳିତ ଏଫ୍‌ଆଇଏଚ୍ ପ୍ରୋ ଲିଗ୍‌ର ଚଳିତ ୟୁରୋପ୍ ଲେଗ୍‌ରେ ରବିବାର ଖେଳାଯାଇଥିବା ଦୁଇଟି ମ୍ୟାଚରେ ଭାରତର ଉଭୟ ପୁରୁଷ ଓ ମହିଳା ହକି ଦଳ ଅଷ୍ଟ୍ରେଲିଆ ନିକଟରୁ ହାରିଯାଇଛି। ଫଳରେ ଅଷ୍ଟ୍ରେଲିଆ ଗୋଟିଏ ଦିନରେ ଭାରତର ପୁରୁଷ ଓ ମହିଳା ଦଳକୁ ପରାସ୍ତ କରି ହକି ଦଳ ଡବଲ୍ ଝଟ୍‌କା ଦେଇଛି।

**କ୍ରମାଗତ ୬ଷ୍ଠ ପରାଜୟ:**

ଏଫ୍‌ଆଇଏଚ୍ ପ୍ରୋ ଲିଗ୍‌ରେ ହର୍ମନପ୍ରୀତ୍ ସିଂହଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱାଧିନ ଭାରତୀୟ ପୁରୁଷ ହକି ଦଳ ୟୁରୋପ୍ ପର୍ଯ୍ୟାୟରେ ନୈରାଶ୍ୟଜନକ ପ୍ରଦର୍ଶନ ଜାରି ରଖି କ୍ରମାଗତ ୬ଷ୍ଠ ପରାଜୟବରଣ କରିଛି। ରବିବାର ଅଷ୍ଟ୍ରେଲିଆ ନିକଟରୁ ଭାରତ ୨-୩ ଗୋଲରେ ମ୍ୟାଚ୍ ହାରିଥିଲା। ପ୍ରଥମାର୍ଦ୍ଧରେ ଅଷ୍ଟ୍ରେଲିଆ ୩ଟି ଯାକ ଗୋଲ୍ ଦେଇଥିଲା। ଭାରତ ପକ୍ଷରୁ ସଞ୍ଜୟ ଓ ଦିଲ୍‌ପ୍ରୀତ୍ ସିଂହ ଗୋଲ୍ ଦେଇଥିଲେ ମଧ୍ୟ ଦଳକୁ ପରାଜୟରୁ ରକ୍ଷା କରିପାରି ନ ଥିଲେ। ୟୁରୋପ୍ ଲେଗ୍ ପୂର୍ବରୁ ଭାରତ ପ୍ରୋ ଲିଗ୍‌ରେ ୮ ମ୍ୟାଚ୍ ଖେଳି ୫ ବିଜୟ ସହ ୧୫ ପଏଣ୍ଟ ପାଇ ୪ର୍ଥ ସ୍ଥାନରେ ଥିଲା। କିନ୍ତୁ କ୍ରମାଗତ ୬ଟି ମ୍ୟାଚ୍ ହାରିବା ପରେ ବର୍ତ୍ତମାନ ୧୪ ମ୍ୟାଚରୁ ୯ ପରାଜୟ ସହ ସେହି ସମାନ ୧୫ ପଏଣ୍ଟ ପାଇ ୭ମ ସ୍ଥାନକୁ ଖସିଯାଇଛି। ଭାରତ ପରବର୍ତ୍ତୀ ମ୍ୟାଚରେ ଜୁନ ୨୧ରେ ବେଲ୍‌ଜିୟମକୁ ଭେଟିବ।

**ପୁଣି ହାରିଲା ମହିଳା ଦଳ:**

ମହିଳା ପ୍ରୋ ଲିଗ୍‌ରେ ଭାରତ କ୍ରମାଗତ ଦ୍ୱିତୀୟ ଦିନରେ ଅଷ୍ଟ୍ରେଲିଆ ନିକଟରୁ ପରାଜୟ ସାମ୍ନା କରିଛି। ଲଣ୍ଡନରେ ଶନିବାର ଖେଳାଯାଇଥିବା ପ୍ରଥମ ମ୍ୟାଚରେ ଅଷ୍ଟ୍ରେଲିଆ ମହିଳା ହକି ଦଳ ୩-୨ ଗୋଲରେ ଭାରତକୁ ହରାଇଥିଲା। ରବିବାର ମଧ୍ୟ ଅଷ୍ଟ୍ରେଲିଆ ଏହି ବିଜୟଧାରା ବଜାୟ ରଖି ୨-୧ ଗୋଲରେ ସାଲିମା ଟେଟେଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱାଧୀନ ଭାରତୀୟ ଦଳକୁ ମାତ୍ ଦେଇଛି। ପ୍ରୋ ଲିଗ୍‌ର ଚଳିତ ସଂସ୍କରଣରେ ଭାରତର ଏହା ୧୨ତମ ମ୍ୟାଚରୁ ୭ମ ପରାଜୟ ଥିଲା। ୯ ପଏଣ୍ଟ ସହ ଦଳ ବର୍ତ୍ତମାନ ୭ମ ସ୍ଥାନରେ ରହିଛି।

### ଅନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ହକିରେ ୪୦୦ ମ୍ୟାଚ୍

## ଦିଲୀପଙ୍କ କ୍ଲବ୍‌ରେ ମନପ୍ରୀତ୍

ଆଣ୍ଟୱର୍ପ, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ଭାରତୀୟ ହକି ଦଳର ପୂର୍ବତନ ଅଧିନାୟକ ତଥା ଭେଟେରାନ ମିଡ୍‌ଫିଲ୍ଡର ମନପ୍ରୀତ୍ ସିଂହ ରବିବାର ଏକ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର କ୍ଲବରେ ସାମିଲ ହୋଇଛନ୍ତି। ଦ୍ୱିତୀୟ ଭାରତୀୟ ପୁରୁଷ ଖେଳାଳି ଭାବେ ମନପ୍ରୀତ୍ ଅନ୍ତର୍ଜାତୀୟ ହକିରେ ୪୦୦ ମ୍ୟାଚ୍ ଖେଳିବାର ସୌଭାଗ୍ୟ ଲାଭ କରିଛନ୍ତି। ରବିବାର ଏଠାରେ ଖେଳାଯାଇଥିବା ଏଫ୍‌ଆଇଏଚ୍ ପ୍ରୋ ଲିଗ୍ (ପୁରୁଷ)ର ଅଷ୍ଟ୍ରେଲିଆ ବିପକ୍ଷ ମୁକାବିଲା ଖେଳି ମନପ୍ରୀତ୍ ଏହି ମାଇଲଖୁଣ୍ଟ ହାସଲ କରିଛନ୍ତି। ବର୍ତ୍ତମାନ ହକି ଇଣ୍ଡିଆର ସଭାପତି ଥିବା ପଦ୍ମଶ୍ରୀ ଦିଲୀପ ତିର୍କୀ (୪୧୨ ମ୍ୟାଚ୍) ପ୍ରଥମ ଭାରତୀୟ ପୁରୁଷ ହକି ଖେଳାଳି ଭାବେ ୪୦୦ କିମ୍ବା ଏହାଠାରୁ ଊର୍ଦ୍ଧ୍ୱ ମ୍ୟାଚ୍ ଖେଳିବାର ରେକର୍ଡ କରିଥିଲେ। ବର୍ତ୍ତମାନ ମନପ୍ରୀତ୍ ଏହି କ୍ଲବରେ ସାମିଲ ହୋଇଛନ୍ତି। ଏହି ଅବସରରେ ଅଷ୍ଟ୍ରେଲିଆ ହକି ପକ୍ଷରୁ ମନପ୍ରୀତ୍‌ଙ୍କୁ ସମସ୍ତ ଖେଳାଳିଙ୍କ ଦସ୍ତଖତ ସମ୍ବଳିତ ଏକ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଜର୍ସି ଉପହାର ଆକାରରେ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଥିଲା।

୨୦୧୧ରେ ମାତ୍ର ୧୯ ବର୍ଷ ବୟସରେ ଭାରତ ପକ୍ଷରୁ ପଦାର୍ପଣ କରିଥିବା ମନପ୍ରୀତ୍ ଦୁଇ ଦୁଇଥର ଅଲିମ୍ପିକ ପଦକ ବିଜୟୀ ଭାରତୀୟ ଦଳର ସଦସ୍ୟ ରହିଛନ୍ତି। ମନପ୍ରୀତ୍‌ଙ୍କ ନେତୃତ୍ୱରେ ଭାରତ ୨୦୨୦ ଟୋକିଓ ଅଲିମ୍ପିକ୍ସରେ ଐତିହାସିକ କାଂସ୍ୟ ପଦକ ସଫଳତା ପାଇଥିଲା। ମନପ୍ରୀତ୍ ଭାରତର ସର୍ବୋଚ୍ଚ କ୍ରୀଡ଼ା ସମ୍ମାନ ମେଜର ଧ୍ୟାନଚାନ୍ଦ ଖେଳରତ୍ନ ପୁରସ୍କାର (୨୦୨୧) ସମେତ ଅର୍ଜୁନ (୨୦୧୮), ବର୍ଷର ଶ୍ରେଷ୍ଠ ହକି ଖେଳାଳି (୨୦୧୯) ପୁରସ୍କାର ଜିତିଛନ୍ତି।

### କ୍ୱିନ୍ସ କ୍ଲବ୍ ଚାମ୍ପିଅନସିପ୍: ମାରିଆ ବୟୋଜ୍ୟେଷ୍ଠ ଚାମ୍ପିଅନ

ଲଣ୍ଡନ, ୧୫।୬ (ଏଜେନ୍ସି): ୫୨ ବର୍ଷ ପରେ ଖେଳାଯାଇଥିବା କ୍ୱିନ୍ସ କ୍ଲବ ଡବ୍ଲ୍ୟୁଟିଏ ୫୦୦ ଇଭେଣ୍ଟ ମହିଳା ଟେନିସ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟରେ ଜର୍ମାନୀର ଯୋଗ୍ୟତା ଅର୍ଜନକାରୀ ଖେଳାଳି ତାତ୍‌ଜାନା ମାରିଆ ଚାମ୍ପିଅନ ହୋଇଛନ୍ତି। ରବିବାର ଖେଳାଯାଇଥିବା ଫାଇନାଲରେ ମାରିଆ ୬-୩, ୬-୪ ସିଧାସଳଖ ସେଟ୍‌ରେ ବିଶ୍ୱ ମାନ୍ୟତାର ୧୫ତମ ସ୍ଥାନରେ ରହିଥିବା ଆମେରିକାର ଆମଣ୍ଡା ଆନିସିମୋଭାଙ୍କୁ ପରାସ୍ତ କରିଛନ୍ତି। ଏଥିସହ ୩୭ ବର୍ଷୀୟା ମାରିଆ କ୍ୱିନ୍ସ କ୍ଲବରେ ଚାମ୍ପିଅନ ହେବାରେ ବୟୋଜ୍ୟେଷ୍ଠ ଖେଳାଳି ହୋଇଛନ୍ତି। ଉଲ୍ଲେଖଯୋଗ୍ୟ, ୧୯୭୩ରେ ଶେଷଥର ଲାଗି କ୍ୱିନ୍ସ କ୍ଲବରେ ମହିଳା ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟ ଆୟୋଜିତ ହୋଇଥିଲା। ସେହିବର୍ଷ ରୁଷିଆର ଓଲଗା ମୋରୋଜୋଭା ଚାମ୍ପିଅନ ହୋଇଥିଲେ।

---

### ଜାତୀୟ କରାଟେ: ୮ ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣ ସହ ଓଡ଼ିଶାକୁ ୩୬ ପଦକ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୫।୬ (ସମିସ): ଉତ୍ତରାଖଣ୍ଡର ଡେରାଡୁନଠାରେ ଗତ ୧୨ ତାରିଖରୁ ଚାଲିଥିବା ଜାତୀୟ ଉପକନିଷ୍ଠ, କନିଷ୍ଠ ଓ ଯୁବ କରାଟେ ପ୍ରତିଯୋଗିତା ରବିବାର ଉଦ୍‌ଯାପିତ ହୋଇଯାଇଛି। ଏହି ପ୍ରତିଯୋଗିତାରେ ଓଡ଼ିଶା ଦଳ ପ୍ରଭାବୀ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରି ମୋଟ୍ ୩୬ ପଦକ ବିଜୟୀ ହୋଇ ୪ର୍ଥ ସ୍ଥାନ ହାସଲ କରିଛି। ଯେଉଁଥିରେ ୮ ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣ, ୧୩ ରୌପ୍ୟ ଓ ୧୫ କାଂସ୍ୟ ପଦକ ରହିଛି। ଶେଷ ଦିନରେ ଓଡ଼ିଶା ପାଇଁ ବୈଭବ ପଟ୍ଟନାୟକ ୧୧ ବର୍ଷରୁ କମ୍ ବାଳକ କାଟାରେ ସ୍ୱର୍ଣ୍ଣପଦକ ଜିତିଥିଲେ। ସେହିଭଳି ନୀତିକ ମହନ୍ତ, ବିଶ୍ୱଦୀପ ବେହେରା ଓ ଅଭିଜ୍ଞାନ ଦାଶ ରୌପ୍ୟ ପଦକ ବିଜୟୀ ହୋଇଥିଲେ। ଅପରପକ୍ଷରେ ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ବିଭାଗରେ ୫ଜଣ ଓ ଦଳଗତ ବିଭାଗରେ ଓଡ଼ିଶା ଗୋଟିଏ କାଂସ୍ୟ ପଦକ ହାସଲ କରିଥିଲା।

ଏହି ସଫଳତା ଲାଗି ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ କରାଟେ ଡୋ ସଂଘ ତରଫରୁ ସମସ୍ତ ଖେଳାଳି, ପ୍ରଶିକ୍ଷକ ଓ ମ୍ୟାନେଜରଙ୍କୁ ଶୁଭେଚ୍ଛା ଓ ଅଭିନନ୍ଦନ ଜଣାଯାଇଛି। ପ୍ରଶିକ୍ଷକ ଭାବେ ଦୀପକ କୁମାର ସାମନ୍ତରା, ସନ୍ତୋଷ ମହାରଣା, ରାଜେନ୍ଦ୍ର ସାମଲ, କେ.ଜି.କେ. ପ୍ରତିହାରୀ, ସୁସମିନୀ ପାଲଟାସିଂ, କୃଷ୍ଣଚନ୍ଦ୍ର ମହାରଣା, ଭାଲେନା ଭାଲେଣ୍ଟିନା, ଦେବେନ୍ଦ୍ର ରଣା ଦଳ ସହ ଗସ୍ତ କରିଥିଲେ। ସେହିଭଳି ଅବିନାଶ ପୁହରି ମ୍ୟାନେଜର ଓ ରାଜୀବ ସିଂ ଅଫିସିଆଲ୍ ଦାୟିତ୍ୱରେ ରହିଥିଲେ।

### ୧୧ ବର୍ଷରୁ କମ୍ ଖୋର୍ଦ୍ଧା ଜିଲ୍ଲା ଚେସ୍: ଅକ୍ଷରା ଓ ସତ୍ୟସ୍ୱରୂପ ଚାମ୍ପିଅନ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୫।୬ (ସମିସ): ଅକ୍ଷରା ହାନଗା ଓ ସତ୍ୟସ୍ୱରୂପ ମିଶ୍ର ଚଳିତବର୍ଷ ୧୧ ବର୍ଷରୁ କମ୍ ଖୋର୍ଦ୍ଧା ଜିଲ୍ଲା ଚେସ୍ ଚାମ୍ପିଅନ ଆଖ୍ୟା ଅର୍ଜନ କରିଛନ୍ତି। ବାଳିକା ବିଭାଗରେ ଅକ୍ଷରା ଓ ବାଳକ ବିଭାଗରେ ସତ୍ୟସ୍ୱରୂପ ୫ ରାଉଣ୍ଡ ବିଶିଷ୍ଟ ଟୁର୍ଣ୍ଣାମେଣ୍ଟରେ ୪.୫ ପଏଣ୍ଟ ଲେଖାଏଁ ସଂଗ୍ରହ କରିଥିଲେ। ଅନ୍ୟ ବାଳିକା ପ୍ରତିଯୋଗୀଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଅନିଷା ଆଚାର୍ଯ୍ୟ ରନର୍ସ ଅପ୍ ଓ ଶ୍ରୀୟାଦିତ୍ୟ ପଟ୍ଟନାୟକ ତୃତୀୟ ସ୍ଥାନ ଅଧିକାର କରିଛନ୍ତି। ବାଳକ ବିଭାଗରେ ଆର୍ଯ୍ୟାଂଶ ମିଶ୍ର ଦ୍ୱିତୀୟ ଓ ନମନ ରାଜ ତୃତୀୟ ସ୍ଥାନ ହାସଲ କରିଥିଲେ। ଏହି ପ୍ରତିଯୋଗିତାରେ ୫୫ ଜଣ ପ୍ରତିଯୋଗୀ ଅଂଶଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ। ଖେଳ ଶେଷରେ ସିଭି ରମଣ ଗ୍ଲୋବାଲ ୟୁନିଭର୍ସିଟିର ପ୍ରୋ ଭାଇସ୍ ଚାନ୍ସେଲର ଗୁଣ୍ଡା ଶ୍ରୀଦେବୀ ମୁଖ୍ୟ ଅତିଥିଭାବେ ଯୋଗ ଦେଇ ପୁରସ୍କାର ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ ବୋଲି ଆୟୋଜକ ଖୋର୍ଦ୍ଧା ଜିଲ୍ଲା ଚେସ ସଂଘ ସମ୍ପାଦକ ଶୁଭାଶିଷ ପଟ୍ଟନାୟକ ଜଣାଇଛନ୍ତି। ଭବେଶ ମହାନ୍ତି, ସ୍ୱୟଂଶୁ ସତ୍ୟକାମ ପ୍ରମୁଖ ଉପସ୍ଥିତ ଥିଲେ। ସୁଶାନ୍ତ ଷଡଙ୍ଗୀ, ସନ୍ତୋଷ ମହାପାତ୍ର ପ୍ରମୁଖ ଖେଳ ପରିଚାଳନାରେ ପ୍ରମୁଖ ଭୂମିକା ଗ୍ରହଣ କରିଥିଲେ।

### ଖଣ୍ଡିତର ସର୍ବଭାରତୀୟ କବାଡ଼ି

## ପୁରୁଷ ସେମିଫାଇନାଲରେ ପୁରୀ, ଭୋପାଳ

ରସୁଲପୁର,୧୫।୬(ସମିସ): ପୁରୀର ଶ୍ରୀ ଜଗନ୍ନାଥ ସଂସ୍କୃତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ ଓ ଭୋପାଳ ଦଳ ରସୁଲପୁର ବ୍ଲକ୍ ଖଣ୍ଡିତର ଠାରେ ଚାଲିଥିବା ୭୦ତମ ସର୍ବ ଭାରତୀୟ କବାଡି ପ୍ରତିଯୋଗିତାର ସେମିଫାଇନାଲରେ ପ୍ରବେଶ କରିଛନ୍ତି। ରବିବାର ଖେଳାଯାଇଥିବା କ୍ୱାର୍ଟର ଫାଇନାଲ ମୁକାବିଲାରେ ପୁରୀ ଟିମ୍ ଜବରଦସ୍ତ ଖେଳ ପ୍ରଦର୍ଶନ କରି ୪୦- ୧୭ ପଏଣ୍ଟରେ ଗୁଜରାଟକୁ ପରାସ୍ତ କରି ଦ୍ୱିତୀୟ ଦଳ ଭାବେ ସେମିଫାଇନାଲରେ ପ୍ରବେଶ କରିଥିଲା। ପୂର୍ବରୁ ଖେଳାଯାଇଥିବା ପ୍ରଥମ କ୍ୱାର୍ଟର ଫାଇନାଲରେ ଭୋପାଳ ଦଳ ମଧ୍ୟ ଦମ୍‌ଦାର ଖେଳିଥିଲା। ଏହି ମୁକାବିଲାକୁ ଭୋପାଳ ୩୩-୨୧ ପଏଣ୍ଟରେ ନାଗପୁର ଟିମ୍‌କୁ ପରାସ୍ତ କରି ପ୍ରଥମ ଦଳ ଭାବେ ସେମିଫାଇନାଲରେ ପ୍ରବେଶ କରିଥିଲା। ଆସନ୍ତାକାଲି ବା ସୋମବାର ଅନ୍ୟ ଦୁଇଟି କ୍ୱାର୍ଟର ଫାଇନାଲ ମୁକାବିଲା ହେବ। ୩ୟ କ୍ୱାର୍ଟର ଫାଇନାଲ୍‌ରେ ପୁଲ୍ ଏ’ର ବିଳାସପୁର ସହ ପୁଲ୍ ଡି’ର ଭଞ୍ଜନଗର, ୪ର୍ଥ କ୍ୱାର୍ଟର ଫାଇନାଲ୍‌ରେ ପୁଲ୍-ଡି ର ଦିଲ୍ଲୀ ସହ ପୁଲ୍ ଏ’ର କଟକ ମୁହାଁମୁହିଁ ହେବେ। ଷ୍ଟାର୍ ଖଚିତ ରେଳବାଇ ଦଳର ଭଲ ଖେଳ ପ୍ରଦର୍ଶନ ସତ୍ତ୍ୱେ କ୍ୱାର୍ଟର ଫାଇନାଲ୍‌ରେ ପ୍ରବେଶ କରିନପାରିବା ଦର୍ଶକ ମାନଙ୍କୁ ନିରାଶ କରିଥିଲା।

ପୂର୍ବରୁ ଆଜି ସକାଳେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ପ୍ରଥମ ମ୍ୟାଚ୍‌ରେ ନାଗପୁର ଏନ୍‌ଏସଏସ ପଶ୍ଚିମବଙ୍ଗକୁ ୪୬-୧୧ପଏଣ୍ଟର ଏକ ବଡ ବ୍ୟବଧାନ ହରାଇଥିଲା। ସେହିପରି ବିଳମ୍ବରେ ଆରମ୍ଭ ହୋଇଥିବା ମହିଳା ବିଭାଗର ଆଜିର ପ୍ରଥମ ମ୍ୟାଚ୍‌ରେ ଦକ୍ଷିଣ ପୂର୍ବ ରେଳବାଇ ୩୧-୨୦ ପଏଣ୍ଟରେ କିଟ୍ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟକୁ ହରାଇଥିଲା। ଆଜିର ୨ୟ ମ୍ୟାଚ୍ ତଥା ପୁରୁଷ ବିଭାଗର ୧୬ତମ ମ୍ୟାଚ୍‌ରେ ବିଳାସପୁର ୩୪-୨୩ ପଏଣ୍ଟରେ କଟକକୁ ହରାଇଥିଲା। ୧୭ତମ ମ୍ୟାଚ୍‌ରେ କିନ୍ତୁ ଓଡିଶାର ଏସଜେଏସୟୁ ପୁରୀ କଡ଼ା ମୁକାବିଲାରେ ଭୋପାଳକୁ ୨୩-୧୯ ପଏଣ୍ଟରେ ହରାଇଥିଲା। ତେବେ ଗତକାଲି ଭଳି ଆଜି ମଧ୍ୟ ରାଜ୍ୟ ବାହାରର ଦଳ ମାନଙ୍କର ଦବଦବା ରହିଥିଲା।

PRINTED & PUBLISHED BY AMIT KUMAR MALLICK FOR ‘THE SAKALA’ A UNIT OF NANDIGHOSHA NETWORK PRIVATE LIMITED.
PRINTED AT THE SAKALA, SWOTI VILLAGE, PANIKOILI-755043, DIST: JAJPUR, ODISHA
କାର୍ଯ୍ୟନିର୍ବାହୀ ସମ୍ପାଦକ : ସମରେନ୍ଦୁ ଦାସ
EXECUTIVE EDITOR: SAMARENDU DAS